राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

रहाणे ने तीन साल बाद घरेलू जमीन पर जड़ा शतक >>14

वर्ष 3 अंक 133

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 21 अक्टूबर 2019

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पृष्ठ 16

पाक पर बड़ा प्रहार, 10 सैनिक और 20 से ज्यादा आतंकी ढेर

शहादत का बदला ▶ गुलाम कश्मीर में बोफोर्स और पिनाक से तबाह किए दहशतगर्दों के चार लांचिंग पैड

राज्य ब्यूरो, जम्मू

भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पर उड़ी के टंगडार सेक्टर में अपने दो सैनिकों की शहादत और एक नागरिक की मौत का बदला चंद घंटों में लेते हुए पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया है। भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के बाद एक और बड़ी जवाबी कार्रवाई करते हुए गुलाम कश्मीर की नीलम और लीपा घाटी में आतंकियों के चार लांचिंग पैड को पूरी तरफ तबाह कर दिया। इस कार्रवाई में करीब 10 पाकिस्तानी सैनिकों के अलावा हिजबुल मुजाहिदीन और जैश-ए-मुहम्मद के 20 से 30 आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। पाकिस्तानी सेना की दो बटालियन पंजाब रेजिमेंट और मुजाहिद रेजिमेंट को भारी नुकसान पहुंचा है।

भारत ने इस कार्रवाई में अपनी आर्टिलरी और मल्टी बैरल राकेट लांचर पिनाक के साथ बोफोर्स तोप का भी इस्तेमाल किया। देर शाम तक दोनों तरफ से रुक-रुककर गोलाबारी जारी थी। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने सैन्य कार्रवाई के सिलसिले में पूरी जानकारी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी है। खास बात यह है कि भारत ने यह कार्रवाई ऐसे समय में की है जब भारतीय नौसेना अगले कुछ दिनों में अरब सागर में बड़ा सैन्य अभ्यास करने जा रही है।

- एथमुकाम स्थित पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय को भी पहुंचा नुकसान
- रविवार देर शाम तक दोनों तरफ से रुक-रुक कर जारी रही गोलाबारी
- सेना प्रमुख ने रक्षा मंत्री राजनाथ को दी सैन्य कार्रवाई की पूरी जानकारी

गुलाम कश्मीर की नीलम घाटी में भारतीय सेना की आर्टिलरी द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में तबाह हुए आतंकी कैंप। प्रेट्र

शनिवार रात हुई थी घुसपैठ की कोशिश : पाकिस्तानी सेना शनिवार रात से ही टंगडार में गोलाबारी कर भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की कोशिश कर रही थी, जिसे सेना ने नाकाम बना दिया था। इस दौरान एक मोर्टार सैन्य चौकी के पास फटने से दो सैनिक घायल हो गए। बाद में वे शहीद हो गए। शहीद जवानों की पहचान हवलदार पदम बहादुर श्रेष्ठ और राइफलमैन गामिल कुमार के रूप में हुई है। इस गोलाबारी में एक नागरिक मोहम्मद सादिक की भी मौत हुई थी। जबकि तीन नागरिक मोहम्मद मकबूल, मोहम्मद शफी और युसुफ हमीद घायल हुए हैं। इसके अलावा टंगडार के गुंडीशाह में पाक गोलाबारी में पांच मकानों के तबाह होने के साथ करीब 50 मवेशी भी मारे गए हैं। इसकी पुष्टि सेना की उत्तरी कमान के पीआरओ डिफेंस कर्नल राजेश कालिया ने भी की है।

तेल और गोला-बारूद का डिपो भी हुआ तबाह

सेना ने रविवार को सटीक प्रहार कर एथमुकाम में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय को नुकसान पहुंचाने के साथ जूरा और कुंडल साही में पाकिस्तान के लांचिंग पैड तबाह कर दिए। सूत्रों के अनुसार, भारत की इस कार्रवाई में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। उसके कई सैनिक और आतंकी घायल भी हुए हैं। पाकिस्तानी सेना के छह वाहन और तीन इमारती ढांचे भी तबाह हो गए। बताया जा रहा है कि तबाह ढांचों में पाक सेना का तेल और एम्युनिशन डिपो (गोला-बारूद) भी था।

सात दिन में भारतीय सेना की दूसरी बड़ी कार्रवाई

भारतीय सेना ने सात दिन के भीतर नीलम घाटी में दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। सेना ने गत शनिवार रात उड़ी में नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी के जबाब में रविवार को पाक की तीन चौकियां उड़ाने के साथ हाजीपीर में जैश के कैंप को तबाह कर दिया था। यह कार्रवाई भी जवान संतोष गोप की शहादत के बाद की गई थी। इसमें भी कई पाकिस्तानी सैनिक व आतंकी मारे गए थे।

जम्मू-कश्मीर में सीमा पर हाई अलर्ट

भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट है। सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पाकिस्तान की किसी भी प्रकार की हिमाकत का जवाब देने के लिए तैयार हैं। हालात को देखते हुए बारामुला और कुपवाड़ा में एलओसी के साथ सटे इलाकों में रहने वाले कई ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ले ली है।

हमने उन जगहों को निशाना बनाया जहां से घुसपैठ होती है

नई दिल्ली में पत्रकारों को सैन्य कार्रवाई की जानकारी देते जनरल बिपिन रावत। एएनआइ

थलसेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा कि भारतीय कार्रवाई में छह से 10 पाक सैनिकों के साथ बड़ी संख्या में आतंकी भी मारे गए हैं। आतंकियों के तीन लांचिंग पैड तबाह हुए हैं, जबकि एक को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, पाक बर्फबारी से पहले आतंकियों की घुसपैठ कराना चाहता है। हमने उन्हीं जगहों को निशाना बनाया, जहां से आतंकियों की घुसपैठ कराई जाती है। रावत ने पाक के इस दावे को झूठ बताया कि उसने नौ भारतीयों सैनिकों की जान ली है। उन्होंने कहा, हम अपने जवानों की शहादत का सम्मान करते हैं, पाक सेना की तरह उसे छिपाते नहीं।

भारत की कार्रवाई पर विशेष पेज>>5

सरोकार

बेसहारा बच्चों का जीवन संवार रहे कांस्टेबल धर्मवीर

जयपुर : राजस्थान के चुरू थाने में तैनात कांस्टेबल धर्मवीर जाखड़ गरीब और बेसहारा बच्चों का जीवन संवारने में जुटे हैं। उन्होंने अपनी पाठशाला नाम से स्कूल खोल रखा है। वह यहां बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देते हैं। यही नहीं, वेतन का 20 फीसद हिस्सा भी बच्चों पर खर्च करते हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

ऐसा लिक्विड, जो नहीं होने देगा टायर को पंक्चर

रायपुर : छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के निवासी मैकेनिक तुका लाल वर्मा ने ऐसा लिक्विड तैयार किया है जो कील लगने के बाद भी गाड़ी के टायर को पंक्चर नहीं होने देता। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने इस लिक्विड को पेटेंट कराने का आवेदन दिया है। (पेज-10)

चीन छोड़ रही कंपनियों के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करेगा भारत

वाशिंगटन : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चीन छोड़ने पर विचार कर रही कंपनियों को भारत लाने के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करने की बात कही है। उन्होंने कहा, जो इंडस्ट्री लीडर अपने व्यापार को चीन से निकालकर कहीं और स्थापित करना चाहते हैं, वे निश्चित तौर पर भारत में संभावनाएं तलाशेंगे। इसलिए जरूरी है कि सरकार इस ओर ध्यान दे और इंडस्ट्री के लीडर्स से मिलकर उन्हें भारत में आने का निमंत्रण दे। निर्मला ने कहा, वह ऐसी ग्लोबल कंपनियों की पहचान करेंगी जो चीन से बिजनेस समेट रही हैं या इस पर विचार कर रहीं हैं। वह ऐसी कंपनियों को आश्वस्त करेंगी कि भारत निवेश के लिए बेहतर जगह है। उन्होंने कहा, हम सिर्फ अमेरिका-चीन में चल रहे टकराव को देखकर फैसले नहीं लेंगे। (पेज-12)

जब्त होगा राकांपा नेता प्रफुल्ल का सीजे हाउस

- इकबाल मिर्ची की जमीन पर बना है वर्ली स्थित 15 मंजिला सीजे हाउस
- ईडी के पास मौजूद दस्तावेजों को नकार नहीं पाए पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री
- देश-विदेश में फैली दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को जब्त करने की तैयारी

प्रफुल्ल पटेल फाइल फोटो

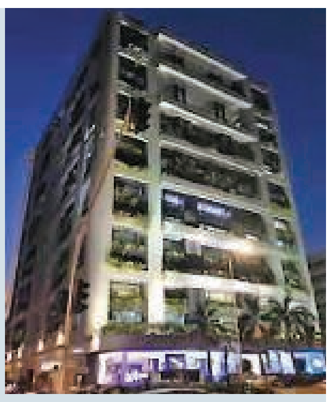

राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल का वर्ली स्थित सीजे हाउस का फाइल फोटो। (ट्विटर से)

नीलू रंजन, नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री प्रफुल्ल पटेल का मुंबई के पॉश इलाके वर्ली स्थित सीजे हाउस जब्त होगा। मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही सीजे हाउस को जब्त करने की तैयारी में है। आरोप है कि प्रफुल्ल पटेल परिवार की कंपनी मिलेनियम डेवलपर्स ने ड्रग तस्कर इकबाल मिर्ची की जमीन पर 15 मंजिले सीजे हाउस का निर्माण किया था। शुक्रवार को पूछताछ के दौरान प्रफुल्ल पटेल ईडी के पास मौजूद दस्तावेजों को नकार नहीं सके।

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पूछताछ के दौरान प्रफुल्ल पटेल ने एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि वर्ली स्थित यह प्लॉट इकबाल मिर्ची का है। उनकी सफाई सिर्फ इतनी थी कि उन्हें यह पता नहीं था कि इकबाल मेमन ही दाऊद इब्राहिम का दाहिना हाथ माने जाने वाला और उसके ड्रग तस्करी के पूरे धंधे को संभालने वाला इकबाल मिर्ची है। इससे प्रफुल्ल पटेल परिवार की ओर से किए जा रहे इस दावे की भी हवा निकल गई कि यह जमीन 1963 से उनके पास थी और इसका इकबाल मिर्ची से कोई लेना-देना नहीं है।

वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार एक बार यह साबित होने के बाद कि सीजे हाउस दरअसल इकबाल मिर्ची की जमीन खड़ा है उसे जब्त करने का रास्ता खुल जाता है। उन्होंने कहा कि सीजे हाउस ही नहीं, इकबाल मिर्ची की मुंबई स्थित अन्य बेनामी संपत्तियों की भी जांच चल रही है और उन्हें भी जब्त किया जाएगा। इसके बाद दुबई और लंदन स्थित संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ईडी का कहना है कि इकबाल मिर्ची ने ये सारी संपत्तियां ड्रग तस्करी के धंधे से हुई काली कमाई से बनाई थीं और मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून के तहत इन्हें जब्त करने का प्रावधान है।

मिर्ची परिवार की दो हजार करोड़ की संपत्तियों का पता चला

ईडी अभी तक इकबाल मिर्ची की देश-विदेश में स्थित दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों का पता लगा चुकी है। ईडी के पास मौजूद दस्तावेजों के अनुसार सीजे हाउस ही नहीं, वर्ली में ही सनब्लिंक रियल्टर्स को दिया गया प्लॉट भी इकबाल मिर्ची का ही है। इसके अलावा खंडाला में छह एकड़ जमीन पर बना एक बंगला, वर्ली में ही साहिल बंगला, बायकुला की न्यू रोशन टॉकीज, क्रॉफर्ड मार्केट में तीन दुकानें, जुहू तारा रोड पर मीनाज होटल और पंचगनी में बंगला भी इकबाल मिर्ची का ही है।

इकबाल मिर्ची परिवार की ब्रिटेन और यूएई में हैं कई संपत्तियां पेज>>3

देश के भविष्य का ध्यान रखे कोर्ट : मुस्लिम पक्ष

माला दीक्षित, नई दिल्ली

- आलोचना के बाद मुस्लिम पक्ष ने सार्वजनिक की अपनी वैकल्पिक राहत
- मोल्डिंग ऑफ रिलीफ में बहु धर्म और बहु सांस्कृतिक मूल्यों की दी दुहाई

अयोध्या राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक का दावा कर रहे छह मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट में मोल्डिंग ऑफ रिलीफ यानी वैकल्पिक राहत पर पक्ष रखते हुए कहा है कि फैसला कुछ भी हो इसका असर भावी पीढ़ियों और देश की राजनीति पर पड़ेगा। लिहाजा, फैसला देश के भविष्य का ध्यान रखकर लें। कोर्ट विवाद का हल निकालते समय बहु धर्म और बहु सांस्कृतिक मूल्यों को कायम रखे। मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट को संविधान का प्रहरी बताते हुए कहा है कि वैकल्पिक राहत पर विचार करते समय ख्याल रखा जाए कि आने वाली पीढ़ियां इस फैसले को कैसे देखेंगी।

मुस्लिम पक्ष के छह अपीलकर्ताओं की ओर से शनिवार को सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में वैकल्पिक राहत की मांग दी गई थी। मुस्लिम पक्ष की ओर से सीलबंद लिफाफे में वैकल्पिक राहत दाखिल करने पर हिंदू पक्ष ने एतराज जताया था और इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेट्री जनरल को पत्र भी दिया था। इसके बाद मुस्लिम पक्ष ने रविवार को हिंदू पक्ष के वकीलों को वैकल्पिक राहत का कोर्ट में दिया गया ब्योरा उपलब्ध कराया। सुन्नी वक्फ बोर्ड की एक अपील में वकील शकील अहमद सहित कुल पांच वकीलों एजाज मकबूल, एमआर शमशाद, इरशाद अहमद और फुजैल अहमद की ओर से वैकल्पिक राहत की मांग पर बयान जारी किया गया है।

इसमें मुस्लिम पक्षकारों ने कोर्ट से वैकल्पिक राहत पर कहा कि इस मामले में कोर्ट का फैसला जो भी हो, लेकिन उसका भावी पीढ़ियों पर असर होगा। देश की राजनीति भी प्रभावित होगी। फैसले का उन लाखों नागरिकों के मन पर असर पड़ेगा जो उन संवैधानिक मूल्यों में विश्वास करते हैं, जिसे 26 जनवरी 1950 को भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित करते वक्त अपनाया गया था। मुस्लिम पक्षकारों का कहना है कि इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे इसलिए कोर्ट वैकल्पिक राहत को इस तरीके से तय करे जिसमें वे संवैधानिक मूल्य परिलक्षित हों जिन्हें देश ने अपनाया है। कोर्ट संविधान का प्रहरी है और वैकल्पिक राहत तय करना उसकी जिम्मेदारी है। मुस्लिम पक्ष में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की एक अपील में वकील सैयद शाहिद रिजवी ने अलग से वैकल्पिक राहत दाखिल कर कहा कि कोर्ट अनुच्छेद 142 में प्राप्त विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर देशहित में फैसला दे। जबकि सुन्नी वक्फ बोर्ड की दूसरी अपील में वकील शकील अहमद सईद ने बाकी मुस्लिम पक्षों के साथ उपरोक्त नोट ही कोर्ट को दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गत 16 अक्टूबर को मामले में फैसला सुरक्षित रखते वक्त सभी पक्षकारों को तीन दिन के भीतर वैकल्पिक राहत के बारे में लिखित नोट दाखिल करने की छूट दी थी। इसके बाद हिंदू-मुस्लिम सभी पक्षों ने शनिवार को वैकल्पिक राहत पर अपना पक्ष कोर्ट में दाखिल किया था। हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल वैकल्पिक राहत में पूरी जमीन रामलला विराजमान को देने की बात कही है और कोर्ट से विशेषाधिकार का इस्तेमाल कर पूर्ण न्याय करने की गुहार लगाई है।

हिंदू महासभा ने कहा, मांग का कोई मतलब नहीं

नई दिल्ली, ब्यूरो : अयोध्या विवाद में फैसला देते वक्त देश की बहुधर्म और बहुसंस्कृति को ध्यान में रखने की मुस्लिम पक्ष की गुहार पर प्रतिक्रिया देते हुए हिंदू महासभा के वकील हरि शंकर जैन ने कहा कि इन बातों का कोई कानूनी अर्थ नहीं है। कोर्ट के समक्ष मुद्दा यह है कि राम जन्मभूमि का मालिक कौन है और कोर्ट उसी पर फैसला देगा। हिंदू महासभा का मानना है कि सारी जमीन के मालिक भगवान रामलला हैं और उनके सिवा किसी और को मालिक नहीं घोषित किया जा सकता। वैकल्पिक राहत का इस मामले में सिर्फ इतना अर्थ है कि रामलला को मालिक घोषित करने के बाद वहां का प्रशासन और प्रबंधन कौन देखे। इस संबंध में या तो कोर्ट स्वयं प्रशासन और प्रबंधन के लिए कोई ट्रस्ट बना दे या फिर रिलीजियस इंडोवमेंट एक्ट 1890 की धारा 5 के तहत वह केंद्र सरकार को ऐसा करने को कहे। इसके बाद केंद्र सरकार वहां के बेहतर प्रबंधन और प्रशासन के लिए कोई ट्रस्ट गठित कर दे।

पैगंबर के खिलाफ फेसबुक पोस्ट से बांग्लादेश में हिंसा, पुलिस फायरिंग में चार की मौत

- अकाउंट हैक कर की गई थी टिप्पणी

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश में धार्मिक तिरस्कार से संबंधित फेसबुक पोस्ट के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस फायरिंग में चार लोग मारे गए हैं जबकि 50 घायल हुए हैं। फेसबुक पर पोस्ट एक हिंदू व्यक्ति ने की थी जबकि प्रदर्शनकारी सैकड़ों की संख्या में एकत्रित मुस्लिम थे।

हिंसा की घटना ढाका से 116 किलोमीटर दूर भोला जिले में हुई। मुस्लिम तवाहिदी जनता के बैनर तले आयोजित विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों लोग फेसबुक पर पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी करने वाले हिंदू व्यक्ति पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जिस हिंदू व्यक्ति के फेसबुक अकाउंट से विवादित पोस्ट हुई है, पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से उसे पहले ही हिरासत में ले लिया था। निशाने पर आए व्यक्ति ने पैगंबर के खिलाफ कोई पोस्ट करने से इन्कार किया है। उसने कहा है कि उसका फेसबुक अकाउंट हैक कर लिया गया था, जिसकी शिकायत उसने पुलिस से की थी। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने अकाउंट हैक करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया था।

पता चला है कि फेसबुक पोस्ट के चर्चा में आने के बाद शुक्रवार को इलाके में तनाव पैदा हो गया। शनिवार को इलाके के बुजुर्गों और स्थानीय अधिकारियों ने बैठक कर तनाव को खत्म करने की कोशिश की लेकिन रविवार को कुछ कट्टरपंथी एकजुट हो गए और उनके नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले शुरू हो गए और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाने लगा। भोला के पुलिस प्रमुख सरकार मुहम्मद कैसर ने बताया है कि आत्मरक्षा में की गई पुलिस फायरिंग में चार लोग मारे गए हैं जबकि पूरी वारदात में 50 लोग घायल हैं। घायलों में प्रदर्शनकारियों के हमले में घायल लोग भी शामिल हैं।

कमलेश हत्याकांड : लखनऊ के होटल से मिला चाकू और खून से सना कुर्ता

लखनऊ : कमलेश तिवारी के हत्यारे लखनऊ के लालकुआं के गुरु गोबिंद सिंह मार्ग स्थित होटल खालसा इन में ठहरे थे। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद दोनों होटल पहुंचे थे। उन्होंने कपड़े बदले और निकल गए। शक होने पर मैनेजर ने कमरा खुलवाया तो बेड पर खून से सने भगवा रंग के दो कुर्ते मिले। तौलिया भी खून से सनी हुई थी। इसके बाद मैनेजर होटल मालिक और पुलिस को सूचित किया। (पेज-6)

दिल्ली में रेलवे ट्रैक पर मिला प्रोफेसर का शव, घर में पंखे से लटकी मिली मां

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली में सेंट स्टीफंस कॉलेज के प्रोफेसर का शव रविवार को रेलवे ट्रैक के पास क्षत-विक्षत हालत में मिला है, जबकि उनकी मां का शव फ्लैट में पंखे से लटकता मिला। महिला की हत्या कर शव लटकाए जाने की आशंका है। प्राथमिक जांच में मां-बेटे के बीच मनमुटाव के साथ ही प्रोफेसर द्वारा मां पर सुसाइड के लिए दबाव बनाने की बात भी सामने आई है। ऐसे में पुलिस प्रोफेसर द्वारा मां की हत्या कर आत्महत्या करने की आशंका जता रही है, लेकिन महिला के फ्लैट से दोनों का संयुक्त रूप से मलयालम में लिखा एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें महिला के दूसरे पति के परिजनों को आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, केरल के कोट्टायम निवासी लिसी (55) अपने बेटे एलन स्टेलनी (25) के साथ पीतमपुरा इलाके के आशियाना अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर 17 में रहती थीं। एलन सेंट स्टीफंस कॉलेज में एडॉक पर दर्शनशास्त्र के सहायक प्रोफेसर थे। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके एक जानकार फ्लैट पर मिलने के लिए गए थे। अंदर से जबाव नहीं मिलने पर उन्होंने गेट पर धक्का दिया तो वह खुल गया। अंदर कमरे में लिसी का शव पंखे से लटक रहा था। उन्होंने तुरंत पड़ोसियों व सुरक्षा गार्ड को बुलाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस उनके बेटे से संपर्क करने की कोशिश कर ही रही थी। इसी बीच सराय रोहिल्ला स्टेशन के पास रेलवे लाइन पर एलन का शव मिलने की सूचना मिली। रेलवे पुलिस ने स्टेलनी की पहचान जेब में मिले ड्राइविंग लाइसेंस व मोबाइल फोन से की। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को जांच में पता चला है कि लिसी ने दो शादियां की थीं। पहली शादी स्टेलनी अब्राहम से की थी, जिनसे एलन सहित दो बेटे पैदा हुए। पहले पति की मौत के बाद 2018 में लिसी ने दूसरी शादी की, लेकिन दूसरे पति की भी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। दूसरे पति के परिजन लिसी व एलन को उनकी मौत का जिम्मेदार मानते हैं। इसी के चलते दोनों के खिलाफ केरल में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इस मामले में दोनों ने अग्रिम जमानत ले रखी थी।

सख्त रुख

भारतीय सेना की ओर से रविवार को की गई कार्रवाई का साफ संदेश है कि आतंकवाद के खिलाफ नए भारत में लड़ने की क्षमता भी है और साहस भी

पाक व उसके हमदर्द देशों को संदेश है सैन्य कार्रवाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- हाल में प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान से कहा था, 'मोदी जो कहता है वह करता है'
- गुलाम कश्मीर में सैन्य कार्रवाई का अर्थ यह भी है कि वह क्षेत्र भारत का हिस्सा है

पहले सर्जिकल स्ट्राइक, फिर एयर स्ट्राइक और अब पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम कश्मीर में आतंकियों पर भीषण गोलाबारी करके भारत ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वह अपनी लड़ाई लड़ने में सक्षम भी है और हर दुस्साहस का करारा जवाब देने का साहस भी रखता है। यह संदेश इसलिए खास है क्योंकि पिछले दिनों में पाकिस्तान न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का रोना रोता रहा बल्कि खुले तौर पर न्यूक्लियर वार की धमकी भी देता रहा है। माना जा रहा है कि भारत का संदेश न सिर्फ पाकिस्तान के लिए है बल्कि उन देशों के लिए भी है जो किसी खास नजरिए के कारण पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आते हैं।

अभी दो दिन पहले ही हरियाणा की एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को कहा था, 'मोदी जो कहता है वह करता है।' यह बयान हालांकि पाकिस्तान में जा रहे पानी को रोकने के बयानों और उसके जवाब में पाक आकाओं की घुड़कियों से संबंधित था लेकिन रविवार को गुलाम कश्मीर में आतंकी लांच पैड को ध्वस्त करने को भी अब उसी से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल पाकिस्तान के बालाकोट पर एयर स्ट्राइक के बाद ही सरकार की ओर से यह स्पष्ट कहा गया था कि भारत अब सिर्फ हमलों से बचाव नहीं करेगा, बल्कि हमलों को रोकने के लिए घुसकर वार भी करेगा। मोदी सरकार में यह 'न्यू नार्मल' (यानी मौजूदा समय में सामान्य बात) हो गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कहते रहे हैं कि भारत पाकिस्तानी आतंकियों का समूल नष्ट करने के लिए तैयार है। हाल में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोखरण में एक बयान दिया था कि पहले परमाणु हथियार इस्तेमाल न करने की नीति पर परिस्थितियों के अनुसार विचार किया जाएगा। दरअसल, केंद्र सरकार के शीर्ष नेतृत्व की ओर से पाकिस्तान के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी बेहिचक यह संदेश दिया जा रहा है कि भारत हर स्थिति से निपटने में सक्षम है और अपने हितों की रक्षा के लिए किसी भी दबाव में आए बगैर कार्रवाई करेगा। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से ही यह खुफिया जानकारी मिल रही थी कि गुलाम कश्मीर में आतंकियों का फिर से जमावड़ा हो रहा है और पाक उनकी भारत में घुसपैठ कराने की फिराक में है। कुछ इसी इरादे से एक दिन पहले पाक की ओर से सीमा पर गोलीबारी की गई थी। कुछ दिनों पहले गुलाम कश्मीर में रैली कर प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी भारत को धमकी ही दी थी। ऐसे में वक्त रहते ही भारतीय सैनिकों ने सीमा पार कई आतंकी अड्डे तबाह कर दिए।

गुलाम कश्मीर में कार्रवाई का खास संदेश भी है। भारत की ओर से बार-बार कहा जाता रहा है कि गुलाम कश्मीर भारत का हिस्सा है। शाह की ओर से संसद के अंदर भी गुलाम कश्मीर के साथ-साथ अक्साई चिन लेने की बात कही गई थी। हाल में मोदी कैबिनेट ने यह निर्णय भी लिया कि गुलाम कश्मीर से आकर कश्मीर में बसने वाले उन लोगों को भी नागरिक अधिकार दिए जाएंगे जो पहले किसी दूसरे राज्य में जाकर रुके थे। इन कदमों से पाक और भी बौखलाया हुआ है। वहीं मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में साफ कर दिया कि भारत अपनी रक्षा करने के लिए कृतसंकल्प है और संयुक्त राष्ट्र को याद रखना चाहिए कि उसका जन्म किस लिए हुआ है।

महाराष्ट्र व हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान आज

- महाराष्ट्र में 288, हरियाणा में 90 सीटों पर भाजपा व कांग्रेस गठबंधन के बीच टक्कर
- लोस की दो और विधानसभा की 51 सीटों के लिए उपचुनाव में आज डाले जाएंगे वोट

मुंबई, प्रेट्र : हरियाणा व महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को मतदान होगा। साथ ही उप्र समेत 18 राज्यों में विधानसभा की 51 व लोकसभा की दो सीटों (महाराष्ट्र की सतारा व बिहार की समस्तीपुर) के लिए हो रहे उपचुनाव में भी वोट डाले जाएंगे। महाराष्ट्र, हरियाणा, और उत्तर प्रदेश में भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर है। लोकसभा चुनाव में मिली भारी जीत के बाद उसके और सहयोगी दलों के सामने सत्ता को बचाए रखने की चुनौती है। वहीं विपक्ष सत्ता विरोधी लहर की उम्मीद में सरकार में वापसी की आस लगाए बैठा है।

महाराष्ट्र में 288 सीटों के लिए भाजपा-शिवसेना गठबंधन और कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के बीच मुख्य मुकाबला है। भाजपा 150 और शिवसेना 124 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस 147 और राकांपा 121 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महाराष्ट्र में 235 महिलाओं समेत कुल 3,237 प्रत्याशी मैदान में हैं। लगभग नौ करोड़ मतदाता इनके भाग्य का फैसला करेंगें।

हरियाणा की 90 सीटों के लिए कुल 1,169 प्रत्याशी मैदान में हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 75 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है। सूबे के 1.83 करोड़ मतदाता 19,578 केंद्रों पर मतदान करेंगे। ध्यान रहे उपचुनाव वाली विधानसभा की 51 से 30 सीटें भाजपा गठबंधन के पास थी। भाजपा और उसके सहयोगी दलों की सरकार वाले राज्यों में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 11, गुजरात में छह, बिहार में पांच, असम में चार और हिमाचल व तमिलनाडु में दो-दो सीटें हैं। (पेज-4 भी देखें)

32.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा रविवार को नई दिल्ली में। न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार को आसमान साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 21 अक्टूबर 2019

सस्ती बिजली को लेकर सियासत हुई तेज

आमने–सामने ▶ केजरीवाल बोले, गरीबों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली से भाजपा नेता को हो रही तकलीफ

मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा का मंसूबा सत्ता मे आने से पहले ही साफ हो गया

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आप सरकार आम जनता का दर्द बखूबी जानती है। दिल्ली सरकार के सभी विधायक आम परिवार से आते हैं। हमें पता है आम आदमी परिवार कैसे चलाता है। इस वजह से गरीब लोगों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है, लेकिन इससे एक भाजपा नेता को तकलीफ है। इससे भाजपा का मंसूबा सत्ता मे आने से पहले ही साफ हो गया। उक्त नेता ने एक अखबार को दिए साक्षात्कार में साफ कहा है कि भाजपा की सरकार बनने पर बिजली सब्सिडी को खत्म कर दिया जाएगा। यह वही भाजपा के बड़े नेता हैं, जो खुद पांच हजार यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली ले रहे हैं और जनता के 200 यूनिट मुफ्त बिजली से उन्हें तकलीफ हो रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ये बातें शाहदरा, कृष्णानगर और पटपड़गंज जिले की कार्यकर्ता सम्मेलन में कहीं।

गीता कॉलोनी के रामलीला मैदान में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि 2015 के चुनाव के दौरान एक-एक घर जाता था। किसी का दस हजार तो किसी का पांच हजार का बिजली बिल आता था। जनता की समस्या को देखते हुए तब 15 दिन अनशन किया था। डॉक्टरों ने कहा डायबिटीज का मरीज न खाए तो जान चली जाएगी। मुझे जान की नहीं जनता की फिक्र थी। वह दिन और आज का दिन है। महंगी बिजली तो छोड़िए आज बिजली मुफ्त भी मिल रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की महंगाई इतनी है कि जनता को घर चलाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में कोई बीमार हो जाए तो डॉक्टर की फीस कितनी भारी पड़ती है। जनता के स्वास्थ्य के लिए मोहल्ला क्लीनिक खोले गए हैं, जिससे लोगों को इलाज पर खर्च न करना पड़े। शनिवार को 100 मोहल्ला क्लीनिक का उद्घाटन किया गया। दुनिया में कहीं भी एक साथ इतने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं खुले। उन्होंने कहा कि लोग मोहल्ला क्लीनिक में इलाज कराकर आते हैं तो आशीर्वाद देते हैं। कई गरीब से मिला और वे दुआ देते हैं। इस राजनीति से पहले परिवर्तन संस्था में था। गरीब बच्चों का स्कूल में दाखिल कराया करते थे। लोग पहले बच्चों को पढ़ाना नहीं चाहते थे। अब निजी स्कूल से निकाल कर सरकारी स्कूल में दाखिला करा रहे हैं।

इस दौरान उन्होंने कहा कि डेनमार्क में 98 बड़े शहरों का प्रोग्राम था। मुझे प्रदूषण कम करने का तरीका बताने के लिए बुलाया गया, लेकिन केंद्र सरकार ने मुझे जाने नहीं दिया लेकिन चर्चे हमारे ही हो रहे। दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग कर बताया कि कैसे प्रदूषण कम किया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शिक्षा क्रांति के बारे में बताने के लिए मॉस्को बुलाया गया, उन्हें भी नहीं जाने दिया। सम्मेलन में आप नेता आतिशी, विधायक एसके बग्गा नितिन त्यागी आदि मौजूद रहे।

गीता कॉलोनी में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। जागरण

संजय सिंह बोले, भाजपा की मंशा पूरी नहीं होगी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा है कि भाजपा की आम आदमी विरोधी नीति उजागर हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता को मिल रही दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली योजना को बंद करना चाहती है। उसकी इस मंशा को उनके राज्यसभा सदस्य विजय गोयल ने ही उजागर किया है। लेकिन भाजपा की यह मंशा पूरी नहीं हो पाएगी।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में संजय सिंह ने कहा कि एक सांसद को पांच हजार यूनिट बिजली प्रतिमाह मुफ्त मिलती है। गोयल ने उसे खत्म करने के बारे में नहीं सोचा। मगर आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने की योजना को उन्होंने बंद करने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि जनता ऐसी पार्टी को कभी माफ नहीं करेगी। जनता ने मन बना लिया है कि दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली योजना जारी रहेगी और आम आदमी पार्टी की सरकार और मजबूती से वापसी करेगी।

संजय सिंह। (फाइल)

संजय सिंह ने कहा कि भाजपा से राज्यसभा सदस्य विजय गोयल खुद ही कह रहे हैं कि भाजपा में मुख्यमंत्री पद के दो-तीन उम्मीदवार हैं। इस बयान से साफ है कि पार्टी के नेता सत्ता और पद पाने को आतुर हैं। उनका आम जनता से कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने कहा भाजपा स्वयं द्वारा शासित राज्यों में बिजली के रेट बढ़ा रही है। दिल्ली में दो सौ यूनिट मुफ्त और चार सौ यूनिट तक आधे रेट पर बिजली दिए जाने पर केजरीवाल सरकार का विरोध कर रही है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार जनता के कल्याण के लिए योजनाएं चला रही है, जबकि भाजपा कह रही है कि अरविंद केजरीवाल वोट खरीदने के लिए योजनाएं लाए हैं। उन्होंने कहा कि क्या दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, दो लाख 80 हजार सीसीटीवी कैमरे, दो लाख स्ट्रीट लाइटें, मोहल्ला क्लीनिक, तीर्थयात्रा जैसी योजनाएं वोट खरीदने के लिए हैं? उन्होंने कहा कि आम आदमी की सुविधाओं को खत्म करने का भाजपा का सपना कभी साकार नहीं होगा।

बयान पर गोयाल को चड्ढा ने घेरा

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राघव चड्ढा ने भाजपा नेता एवं राज्यसभा सदस्य विजय गोयल के बयान पर प्रेसवार्ता कर कहा कि पांच साल पहले दिल्ली की जनता ने प्रचंड बहुमत के साथ दिल्ली में एक ईमानदार सरकार बनाई। पिछले पांच साल में इस सरकार ने ऐसी कई उपलब्धियां प्राप्त कीं जो इतिहास में कभी किसी राज्य सरकार ने हासिल नही की। इन उपलब्धियों में सबसे खास उपलब्धि थी बिजली के दामों में अभूतपूर्व कटौती।

दिल्ली सरकार से भी सस्ती बिजली देगी भाजपा : गोयल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले राजधानी में सस्ती बिजली देने की होड़ सी मच गई है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने पहले ही 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त कर दी है। अब भाजपा सांसद विजय गोयल ने केजरीवाल सरकार से भी सस्ती बिजली देने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि जितनी सब्सिडी केजरीवाल सरकार दे रही है, उससे ज्यादा देकर हम बिजली को और सस्ती कर देंगे।

गोयल ने यह भी कहा कि बिजली पर सब्सिडी खत्म करने का आप झूठ फैला रही है, जबकि भाजपा कोई सब्सिडी खत्म नहीं करेगी। गोयल ने यह भी आरोप लगाया कि बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए केजरीवाल सरकार ने बिजली कंपनियों से बिजली के दाम कम नहीं कराए। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली का आम नागरिक यह समझता है कि जो सब्सिडी दिल्ली सरकार द्वारा दी जा रही है, वह उनके टैक्स के पैसे से ही है, जबकि हम बिजली कंपनियों में प्रतिस्पर्धा कराकर बिजली के दाम कम कराएंगे। भाजपा सौर ऊर्जा को भी प्रमुखता देगी और केंद्र सरकार की योजनाओं को भी लागू करेगी।

उन्होंने सवाल किया कि आखिर क्यों चुनाव से दो माह पहले बिजली मुफ्त की गई है। अब सरकार पांच साल के पैसे लोगों को लौटाए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को अब भी होश नहीं आया है। वर्ष 2015 के बाद से वह आज तक एक भी चुनाव नहीं जीते हैं। उन्होंने कहा कि वह आप नेता संजय सिंह का धन्यवाद करते हैं कि वह समझ गए हैं कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। केंद्र की सारी योजनाएं लागू की जाएंगी, दिल्ली से प्रदूषण का खात्मा होगा और अनधिकृत कॉलोनी में रहने वाले लोगों को इन कॉलोनियों को नियमित कर राहत दी जाएगी।

विजय गोयल। (फाइल)

ऑड–इवेन पर साधा भाजपा ने निशाना

विजय गोयल ने दिल्ली सरकार की चार नवंबर से प्रस्तावित ऑड–इवेन योजना पर सवाल उठाए हैं। कहा कि पराली जलाने से केवल दस फीसद प्रदूषण होता है, बाकि 90 फीसद प्रदूषण के कारण तो दिल्ली के आंतरिक हैं। दिल्ली में प्रदूषण अगर कम हुआ है तो केंद्र की वजह से हुआ है। केंद्र ने ईस्टर्न वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे बनाया, बदरपुर प्लांट बंद करवाया और धौलाकुआं पर लूप बनवाए, जिससे दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या कम हुई है। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण चिंता की बात है, जिसकी प्रमुख वजह केजरीवाल सरकार द्वारा इस समस्या पर ध्यान न देना है।

न्यूज गैलरी

500 परिवारों को दिसंबर तक सौंपे जाएंगे पक्के मकान : पुरी

नई दिल्ली : कठपुतली कॉलोनी में इन सीटू (जहां झुग्गी वहीं मकान) योजना के अंतर्गत हो रहे निर्माण के तहत तीन बहुमंजिला टावर का निर्माण कार्य पूरा होने वाला है। दिसंबर तक ये तीन रेजिडेंसियल टावर बनकर तैयार हो जाएंगे। करीब 500 परिवार इन तीन टावरों में रह सकेंगे। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि अभी कठपुतली कॉलोनी के जो लोग ट्रांजिट कैंप में रह रहे हैं, उनमें से 500 परिवारों को दिसंबर तक कठपुतली कॉलोनी में पक्के मकान सौंप दिए जाएंगे। कठपुतली कॉलोनी इन सीटू पुनर्विकास परियोजना के तहत अप्रैल 2018 में कार्य शुरू किया गया था। इस परियोजना की आधारशिला उपराज्यपाल अनिल बैजल व हरदीप सिंह पुरी ने रखी थी। परियोजना के तहत कठपुतली कॉलोनी में रहने वाले 2800 परिवारों के लिए यहां पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत बहुमंजिला इमारत का निर्माण होना था। पुरी ने कहा कि अभी कठपुतली कॉलोनी में निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। जल्द ही यहां आवास आवंटन का कार्य शुरू किया जाएगा। (जासं)

एयरपोर्ट पर एक करोड़ के सोने के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली : आइजीआइ एयरपोर्ट पर कस्टम ने सोने की तस्करी में तीन मामलों में चार भारतीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास से बरामद दो किलो 800 ग्राम सोने की कीमत करीब एक करोड़ रुपये है। आइजीआइ एयरपोर्ट के वरिष्ठ कस्टम अधिकारी ने बताया कि 17 अक्टूबर को दुबई से एयर इंडिया की उड़ान आइजीआइ एयरपोर्ट पर उतरी थी। इससे उतरा एक संदिग्ध शख्स एयरपोर्ट से बाहर निकलने की जुगत में लगा था। जैसे ही उसने ग्रीन चैनल पार किया कस्टम अधिकारियों ने यात्री को दबोच उसके सामान की तलाशी ली। इसमें उसके पास से पांच कड़े बरामद हुए। तस्कर ने कस्टम अधिकारियों को चकमा देने के लिए सोने के कड़े पर चांदी का पेंट लगा रखा था। तस्कर के पास से बरामद कड़े का भार 1275 ग्राम और कीमत करीब 44 लाख 15 हजार रुपये हैं। अन्य दो मामले 15 अक्टूबर के हैं। एक सदिग्ध यात्री के पास से 582 ग्राम भार के सोने के पांच बिस्कुट बरामद हुए। कुछ समय बाद इसी उड़ान से उतरे एक अन्य तस्कर को भी धर दबोचा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक किलो भार के सोने के दो टुकड़े बरामद किए गए। (जासं)

मनोज तिवारी ने किया दिल्ली को सर्वश्रेष्ठ बनाने का दावा

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली

▶ **भाजपा का दिल्ली संवाद कार्यक्रम मटियाला विधानसभा क्षेत्र से हुआ शुरू**

दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद मनोज तिवारी ने रविवार को भाजपा की ओर से आयोजित दिल्ली संवाद कार्यक्रम की शुरुआत मटियाला विधानसभा क्षेत्र के कांगनहेड़ी गांव में की। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पंद्रह साल कांग्रेस और पांच साल आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में रही। फिर भी लोग बता रहे हैं कि दिल्ली बेहाल है तो उसका कारण हम नहीं हैं क्योंकि भाजपा 21 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर है।

उन्होंने कहा कि हमें एक मौका और मिलना चाहिए। हम डेढ़ साल के भीतर दिल्ली की सड़कों पर इलेक्ट्रिक बसें चला देंगे। छह माह के भीतर ही अनियमित कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को उनका मालिकाना हक दिला देंगे। साढ़े तीन साल के अंदर दिल्ली को टैंकर से मुक्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली को लंदन और शिकागो बनाने का वादा नहीं कर रहा हूं, लेकिन दिल्ली को सर्वश्रेष्ठ जरूर बना देंगे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की आबादी करीब ढाई करोड़ हो गई है। मुख्यमंत्री केजरीवाल दिल्ली में आने वालों को घुसपैठिया मान रहे हैं। दिल्ली सरकार निगम को फंड नहीं दे रही है, जिस कारण विकास कार्य रुके हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमने दो पेरिफेरियल सड़कें बनाई, जिससे दूसरे राज्यों से आने-जाने वाली 15 लाख गाड़ियों को दिल्ली में घुसने की जरूरत नहीं पड़ रही है। हरियाणा चुनाव के दौरान यात्रा में पूरे हरियाणा में कहीं भी पराली जलती नहीं मिली, लेकिन दिल्ली सरकार उलटे किसानों को दोषी ठहरा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को लोकप्रियता न मिले इसलिए दिल्ली सरकार ने आयुष्मान योजना को लागू नहीं किया है। इसके पहले छावला पार्षद पवन शर्मा ने कहा कि केंद्र और निगम में भाजपा की सरकार है। विधानसभा में भाजपा की सरकार आते ही काम की गति रफ्तार पकड़ लेगी।

राजधानी में हवा का स्तर फिर हो गया खराब

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

शुक्रवार रात की हल्की बारिश से शनिवार को प्रदूषण में हुआ सुधार रविवार को हवा-हवाई हो गया। रविवार को हवा का स्तर फिर खराब हो गया। शनिवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स जो कि 161 यानी मध्यम श्रेणी में पहुंच गया था। रविवार को 238 पहुंच गया। इस श्रेणी की हवा को खराब कहा जाता है। एक दिन बाद ही हवा में प्रदूषक कणों की संख्या तेजी से बढ़ गई। इसकी प्रमुख वजह हवा की दिशा में हुए बदलाव को माना जा रहा है। दिल्ली में हवा अब उत्तर पश्चिम दिशा से आ रही है। यह अपने साथ पराली का धुआं भी ला रही है। इसी कारण हवा में प्रदूषक कणों की संख्या में इजाफा हो रहा है और हवा खराब श्रेणी में पहुंच गई है। आने वाले दिनों में इसके और खराब होने की आशंका है। गुरुग्राम को छोड़कर एनसीआर के शहरों में भी एयर इंडेक्स खराब श्रेणी में पहुंच गया है।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली की हवा में पराली का धुआं बढ़ने लगा है। सफर का आकलन है कि रविवार को दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की मात्रा 13 फीसद तक थी। सोमवार को इसमें और इजाफा हो सकता है और यह 19 फीसद तक पहुंच सकता है। हालांकि शनिवार को पराली के धुएं का असर शून्य हो गया था। इस बीच पंजाब, हरियाणा और पाकिस्तान के सीमावर्ती हिस्से में पराली जलाने की घटनाओं में तेजी देखी जा रही है। ऐसे में उसी दिशा से आने वाली हवा के चलते दिल्ली-एनसीआर की हवा तेजी से खराब होने की आशंका है।

दूसरी तरफ मौसम विभाग का अनुमान है कि दिल्ली में अगले दो दिनों तक तेज गति वाली हवा चल सकती है। सोमवार और मंगलवार को दिल्ली में 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। तेज हवा की वजह से हवा में रहने वाले प्रदूषक कण ज्यादा देर तक टिक नहीं पाते हैं। इससे प्रदूषण में राहत मिलेगी। लेकिन हवा की दिशा पराली जलने वाले इलाके की तरफ से होने के चलते पराली का धुआं तेजी से आने के आसार हैं। इससे परेशानी बढ़ सकती है।

नई दिल्ली में अक्षरधाम के पास फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान उड़ती धूल के कण वायु प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं। इन्हें रोकने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जागरण

एनसीआर के शहरों में रविवार का एयर इंडेक्स

शहर	एयर इंडेक्स
फरीदाबाद	243
नोएडा	250
ग्रेटर नोएडा	254
गाजियाबाद	269
गुरुग्राम	185
भिवाड़ी	206

हवा को साफ नहीं कर पाया 'वायु'

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

प्रदूषित हवा को साफ करने के लिए विभिन्न चौराहों पर लगाए गए वायु संयंत्र (विंड ऑगमेंटेशन प्योरीफाइंग यूनिट) मुंबई के बाद दिल्ली में भी फ्लॉप हो गए हैं। ये हवा के प्रदूषण को आधा भी साफ नहीं कर पा रहे। इसीलिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने इन्हें केवल छोटी जगहों के लिए उपयोगी करार देते हुए दिल्ली में इनके विस्तार की संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है।

गौरतलब है कि सीपीसीबी की सहमति से 2018 में नीरी (नेशनल एंवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) ने आइटीओ, आनंद विहार, वजीरपुर, शादीपुर डिपो जैसे दिल्ली के व्यस्त चौराहों पर हवा को साफ करने के लिए वायु संयंत्र लगाए थे। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहले ये छोटे आकार के लगाए गए थे, जबकि बाद में बड़े आकार के लगा दिए गए।

हालांकि जब ये संयंत्र लगाए गए थे तो भी यह सवाल उठा था कि मुंबई में फ्लॉप हो जाने के बावजूद इन्हें दिल्ली में क्यों लगाया जा रहा है। लेकिन सीपीसीबी और नीरी के अधिकारियों ने तब यह कहा था कि दिल्ली और मुंबई की भौगोलिक स्थिति एक समान नहीं है। दिल्ली में ये जरूर कारगर हो जाएंगे। लेकिन यहां भी अनुकूल परिणाम सामने नहीं आए।

कुछ माह बाद नीरी ने भी एक विश्लेषण रिपोर्ट में स्वीकार किया था कि यह संयंत्र हवा को साफ तो कर रहा है, लेकिन इसका फिल्टर चार से छह दिन में ही दम तोड़ देता है। आनंद विहार में चार एवं आइटीओ पर छह दिनों में ही फिल्टर दम तोड़ रहे हैं। यहां फिल्टर पूरी तरह चॉक हो जाते हैं। इसकी वजह यह बताई गई थी कि आनंद विहार में धूल और यातायात दबाव अधिक है, जबकि आइटीओ पर ट्रैफिक के साथ रेड लाइट भी अधिक देर की है। हालांकि इस रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया था कि इससे पीएम 10 के स्तर में 42 से 60 फीसद, जबकि पीएम 2.5 में 42 से 43 फीसद तक की कमी आई है।

अब करीब एक वर्ष बाद वायु की समग्र रिपोर्ट में इसे दिल्ली के बड़े चौराहों के लिए बहुत कारगर नहीं माना गया है। सीपीसीबी का कहना है कि किसी हाउसिंग सोसायटी, छोटी कॉलोनी अथवा किसी क्षेत्र विशेष में तो इनके जरिये प्रदूषित हवा को साफ किया जा सकता है, लेकिन बड़े चौक चौराहों के लिए यह उपयोगी नहीं हैं।

आइटीओ चौराहे पर लगा बड़े आकार का वायु संयंत्र। जागरण

वायु का परिणाम औसतन 40 फीसद के आसपास रहा है। इतने भर से काम नहीं चलेगा। वैसे भी यह एक पायलट प्रोजेक्ट ही था। इसलिए हमारी नजर में इसके विस्तार का अब कोई औचित्य नहीं है। खासतौर पर बड़ी जगहों के लिए तो बिल्कुल भी नहीं।
–डॉ. प्रशांत गार्गवा, सदस्य सचिव, सीपीसीबी

ऑड–इवेन के दौरान बसों की कमी बढ़ाएगी लोगों की परेशानी

वीके शुक्ला, नई दिल्ली

ऑड-इवेन के दौरान सीएनजी कारों पर प्रतिबंध लगाए जाने से लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए दिल्ली सरकार अतिरिक्त दो हजार प्राइवेट सीएनजी बसें चलाएगी। इसकी जिम्मेदारी दिल्ली परिवहन निगम को दी गई है। मगर जमीनी हालात देख डीटीसी के हाथ-पांव फूल रहे हैं। आखिर इतनी बसें कहां से आएंगी।

दिल्ली में करीब 10 हजार निजी बसें हैं। मगर सभी कहीं न कहीं लगी हुई हैं। इसमें से 70 फीसद बसें स्कूलों में लगी हैं। करीब 25 फीसद फैक्ट्रियों में लगी हैं। करीब पांच फीसद बसें ही हैं जो मिल सकती हैं। प्राइवेट बस ऑपरेटर्स की मानें तो जो भी बसें जहां भी किराये पर लगी हैं, उनके साथ अनुबंध है। ऐसे में कोई भी बस मालिक अपनी बस अनुबंध से हटाने के लिए तैयार नहीं है। 2016 में जब पहली बार जनवरी में ऑड-इवेन लागू हुआ तो उस समय स्कूलों में छुट्टी करा दी गई थी। ऐसे में 12 सौ बसें मिल गई थीं। मगर जब दोबारा अप्रैल में ऑड-इवेन हुआ तो केवल 500 बसें ही मिल पाईं। एक और बात है कि उस समय सीएनजी से चलने वाली निजी कारों को छूट थी। दूसरी ओर कुछ बस मालिक किराये के लिए सरकार द्वारा कम पैसे निर्धारित किए जाने की बात भी कह रहे हैं।

एसटीए ऑपरेटर्स एकता मंच के महासचिव श्याम लाल गोला कहते हैं कि बसों के मालिकों को मिलने वाला कम किराया होना एक मुद्दा तो है मगर इसकी वजह से कोई पीछे नहीं हट रहा है। वह कहते हैं कि ऑड-इवेन को सफल बनाने के लिए जमीनी हकीकत समझ लेना बहुत जरूरी है। बसें नहीं हैं, कैसे मिलेंगी। दिल्ली सरकार को दूसरे राज्यों में पंजीकृत सीएनजी बसों को भी ऑड-इवेन के दौरान सेवाएं देने की अनुमति देनी चाहिए।

दिल्ली कांट्रैक्ट बस एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष गुरमीत सिंह कहते हैं कि बसों के लिए सरकार की ओर से जो रेट बस मालिकों के लिए निर्धारित किया गया है, वह कम है। मगर दिल्ली के नागरिक होने के नाते हम अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए इस अभियान में पूरा सहयोग करेंगे। जो बसें स्कूलों में लगी हैं उन्हें स्कूलों की छुट्टी के बाद दिया जा सकता है। अन्य बसें भी दी जाएंगी। अभी हम लोगों को सरकार ने बातचीत के लिए नहीं बुलाया है। सरकार के साथ बैठक के दौरान स्पष्ट हो पाएगा कि सरकार हमसे किस तरह की मदद चाहती है।

पिंक टिकट पर सीएम की होगी तस्वीर

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली : भैया दूज पर दिल्ली की महिलाओं को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में मुफ्त सफर की सौगात मिलने जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को बसों में मुफ्त सफर के लिए महिलाओं को दिए जाने वाले पिंक टिकट का डिजाइन फाइनल कर दिया गया है। इसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तस्वीर लगी होगी। अगस्त में ही मुख्यमंत्री ने डीटीसी और क्लस्टर बसों में 29 अक्टूबर से महिलाओं के लिए मुफ्त सफर का एलान किया था। इसके लिए अब सभी तरह की मंजूरी मिल सकी है। योजना के तहत बस में यात्रा करने वाली महिलाओं को कंडक्टर पिंक टिकट मुफ्त में देगा। मगर महिलाओं को यह टिकट लेना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर उनकी यात्रा अवैध मानी जाएगी। टिकट न होने पर पकड़े जाने पर उन पर जुर्माना भी हो सकता है। मगर टिकट पर केजरीवाल की फोटो होने को लेकर भाजपा ने विरोध किया है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता का कहना है कि टिकट की डिजाइन में सीएम केजरीवाल की तस्वीर को लेकर विरोध दर्ज कराएंगे और सोमवार को प्रदर्शन भी करेंगे। भाजपा यह मुद्दा उपराज्यपाल के समक्ष भी उठाएगी। यह सत्ता का दुरुपयोग है और हम इसे वापस लिए जाने तक विरोध करेंगे।

कवायद

योजना पर अमल के लिए नए सिरे से सलाहकार कंपनी नियुक्ति करेगा डीएमआरसी, विशेषज्ञ सभी तकनीकी पहलुओं की करेंगे जांच

चालक रहित मोड में मई तक चलेगी मेट्रो

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने फेज-तीन की पिंक और मजेंटा लाइन पर चालक रहित मेट्रो चलाने की तकनीक विकसित की है। इसके लिए मेट्रो ट्रेनें भी खरीदी जा चुकी हैं, लेकिन दोनों कॉरिडोर पर लंबे समय से परिचालन होने के बावजूद अभी तक चालक ही मेट्रो ऑपरेट कर रहे हैं। अब डीएमआरसी ने अगले साल मई तक इन दोनों कॉरिडोर पर चालक रहित मोड में मेट्रो चलाने का लक्ष्य रखा है।

इस योजना पर अमल के लिए नए सिरे से सलाहकार कंपनी की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। यह कंपनी चालक रहित मेट्रो चलाने में तकनीकी मदद करेगी। साथ ही ऑपरेशन सेंट्रल कंट्रोल (ओसीसी), सिग्नल सिस्टम, ओएचई (ओवर हेड एक्यूपमेंट), मेट्रो ट्रेन, डिपो इत्यादि का निरीक्षण कर बुनियादी ढांचे की समीक्षा करेगी। इस दौरान विशेषज्ञ यह देखेंगे कि दोनों कॉरिडोर चालक रहित मेट्रो परिचालन के लिए तकनीकी रूप से कितने सक्षम हैं।

डीएमआरसी के अनुसार पहले थोड़े समय के लिए सिंगापुर की एक कंपनी को सलाहकार नियुक्त किया गया था। उस कंपनी ने अध्ययन करने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर डीएमआरसी को दी है। डीएमआरसी अब एक ऐसी कंपनी को सलाहकार बनाने के लिए कदम बढ़ा रहा है जो चालक रहित मोड में मेट्रो का परिचालन शुरू होने तक मदद करेगी।

डीएमआरसी के अनुसार चरणबद्ध तरीके से वह चालक रहित स्वचालित मेट्रो के परिचालन की दिशा में बढ़ रहा है। मौजूदा समय में इन दोनों कॉरिडोर पर जीओए (ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन)-2 का इस्तेमाल हो रहा है। इसके तहत मेट्रो स्वचालित रूप से ही चलती है, लेकिन मेट्रो में चालक मौजूद होते हैं, जो दरवाजे को खोलने व बंद करने के साथ, ब्रेक लगाने व इमरजेंसी में मेट्रो को नियंत्रित करने का काम करते हैं। उम्मीद है कि मई 2020 तक दोनों कॉरिडोर पर जीओए-3 तकनीक लागू होगा। तब इन दोनों कॉरिडोर पर मेट्रो स्वतः रफ्तार भरेगी। हालांकि जीओए-3 के चरण में भी मेट्रो में कर्मचारी मौजूद होते हैं जो जरूरत पड़ने पर इमरजेंसी में मेट्रो को नियंत्रित करते हैं। इस चरण को सफलतापूर्वक लागू करने के बाद डीएमआरसी पिंक लाइन व मजेंटा लाइन की मेट्रो से चालकों को हटाने पर विचार कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि करीब 58 किलोमीटर लंबी पिंक लाइन दिल्ली मेट्रो का सबसे बड़ा कॉरिडोर है। मौजूदा समय में पिंक लाइन पर मयूर विहार पाकेट-1 से मजलिस पार्क और त्रिलोकपुरी से शिव विहार के बीच मेट्रा का परिचालन हो रहा है। वहीं करीब 38 किलोमीटर लंबी मजेंटा लाइन पर बोटेनिकल गार्डन से जनकपुरी पश्चिम के बीच मेट्रो सेवाएं दे रही है।

करीब 58 किलोमीटर लंबी पिंक लाइन दिल्ली मेट्रो का सबसे बड़ा कॉरिडोर है। (फाइल)

मेट्रो के सिग्नल में खराबी से यात्री हुए परेशान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : वायलेट लाइन पर रविवार को मेट्रो के सिग्नल में खराबी आ गई। इस वजह से सुबह पौने दो घंटे मेट्रो का परिचालन प्रभावित रहा। दिल्ली से फरीदाबाद व बल्लभगढ़ के बीच आवागमन प्रभावित हुआ और यात्रियों को सफर में परेशानी का सामना करना पड़ा।

कई यात्रियों ने ट्वीट कर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के प्रति नाराजगी जाहिर की। यात्रियों ने कहा कि मेट्रो में तकनीकी खराबी अब सामान्य बात हो गई है। परिचालन प्रभावित होने पर सिर्फ यह सूचना दी जाती है कि असुविधा के लिए खेद है। इसके आगे कोई जानकारी नहीं दी जाती। इसके अलावा तकनीकी खराबी की घटनाओं को रोकने के लिए कारगर कदम भी नहीं उठाए जाते। डीएमआरसी के अनुसार सुबह 9:15 बजे केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन के पास ट्रैक सर्किट में खराबी आ गई थी। इस वजह से वायलेट लाइन पर बदरपुर बॉर्डर से कश्मीरी गेट के बीच मेट्रो ट्रेनें हर स्टेशन पर 8-10 मिनट तक रुक रुक कर चल रही थीं। इसका असर वायलेट लाइन के पूरे हिस्से पर पड़ा।

सफदरजंग में सी–आर्म मशीन खराब, मुश्किल में मरीज

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ **हड्डियों में गंभीर फ्रैक्चर होने पर इस मशीन की पड़ती है जरूरत**

सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण खरीद तो लिए जाते हैं, लेकिन जब वह खराब हो जाए तो उन्हें जल्द ठीक नहीं कराया जाता। कुछ यही हाल है सफदरजंग अस्पताल का, जहां लंबे समय से खराब पड़ी सी-आर्म मशीन को अब तक ठीक नहीं कराया गया। चिंताजनक यह है कि अस्पताल प्रशासन भी इस मशीन को जल्द ठीक कराने में गंभीर नहीं है। हड्डियों में गंभीर फ्रैक्चर होने पर इस मशीन की जरूरत पड़ती है। खास तौर पर शरीर के किसी हिस्से की हड्डी में रॉड व स्क्रू लगाने में। सर्जरी के दौरान इस मशीन से एक्सरे लेने पर ही डॉक्टरों को पता चलता है कि स्क्रू किस जगह लगाना है।

ऑर्थोपेडिक विभाग के ऑपरेशन थियेटर (ओटी) में तीन सी-आर्म मशीन हैं। इनमें दो पुरानी व एक नई मशीन है। दो पुरानी मशीनों में से एक खराब हो चुकी है। दूसरी की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। यह मशीन कभी चलती है तो कभी बंद हो जाती है। इसलिए इस साल जनवरी में इटली से करीब एक करोड़ में नई मशीन खरीदी गई। जानकारी के अनुसार पहले तो करीब छह माह तक इस नई मशीन का इस्तेमाल नहीं हुआ। बाद में जब इसका इस्तेमाल शुरू हुआ तो करीब एक सप्ताह चलने के बाद ही खराब हो गई। पिछले दिनों यह मामला प्रकाश में आने के बाद इस मशीन को ठीक कराने के लिए अस्पताल में सरगर्मी तेज हुई। फिर भी अभी तक इसे ठीक नहीं कराया जा सका है।

इस बाबत अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील गुप्ता ने कहा कि अस्पताल में 10 हजार से अधिक उपकरण हैं। इनमें से कई पुराने हो चुके हैं। इन उपकरणों को हर समय कार्यरत रखना चुनौतीपूर्ण है। इसके अलावा मशीनों को ठीक कराने की सरकारी प्रक्रिया भी कठिन है।

90 दूतावासों के प्रमुख अगले सप्ताह जाएंगे स्वर्ण मंदिर। केंद्रीय केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूरी दुनिया में गुरु नानक देव की 550वीं जयंती मनाने का फैसला लिया है। दूतावास प्रमुखों का यह दौरा इसी से संबंधित है।

सुरक्षा को लेकर सहयोग बढ़ाएंगे ब्रिक्स देश

अजीत डोभाल फाइल फोटो

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : अपनी स्थापना के एक दशक बाद ब्रिक्स देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को लेकर व्यापक समझौते पर अब बातचीत रफ्तार पकड़ने लगी है। शनिवार को ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया में ब्रिक्स के सभी पांच देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की अहम बैठक से कुछ ऐसे ही संकेत मिलते हैं। इस बैठक में भारत की ओर से अजीत डोभाल ने भी हिस्सा लिया। अगले महीने ब्राजीलिया में ब्रिक्स के पांचों सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष नेताओं की सालाना बैठक होनी है जिसमें वैश्विक मंदी के अलावा सुरक्षा से जुड़े तमाम मुद्दों पर आपसी सहयोग को बढ़ावा देना दूसरा सबसे महत्वपूर्ण चर्चा का विषय होगा। ब्रिक्स को लेकर जो तैयारियां चल रही हैं उससे यह भी तय है कि भारत के लिए इस बार भी आतंकवाद एक बड़ा विषय रहेगा। भारत को उम्मीद है कि जिस तरह से पूर्व में ब्रिक्स देशों की तरफ से आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया गया है वैसा संदेश इस बार भी दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के स्वतंत्रता सेनानियों पर तलब की रिपोर्ट

माला दीक्षित, नई दिल्ली

- 38 वर्ष से पेंशन का केस लड़ रहे मिदनापुर के रामपदा पांजा का मामला फिर लटका
- पेंशन देने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार ने की है अपील

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने का दावा कर पिछले 38 साल से पेंशन के लिए मुकदमा लड़ रहे बंगाल के मिदनापुर निवासी 98 वर्षीय रामपदा पांजा का मामला फिर लटक गया है। पांजा को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पेंशन देने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर शीर्ष अदालत ने बंगाल के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर केंद्र और राज्य सरकार से चार हफ्ते में रिपोर्ट तलब की है। मामले पर चार सप्ताह बाद फिर सुनवाई होगी।

न्यायमूर्ति एएम खानविल्कर और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की पीठ ने बंगाल के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पेंशन पर केंद्र सरकार की ओर से एएसजी माधवी दीवान और पांजा के वकील आरके गुप्ता की दलीलें सुनने के बाद ये आदेश दिया। कोर्ट ने दोनों सरकारों से हलफनामा दाखिल कर यह बताने को कहा है कि स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन 1980 की योजना के तहत बंगाल से कितने आवेदन मिले। उनमें से कितने स्वीकार किए गए। कितने आवेदन बंगाल से भूमिगत या भगोड़े श्रेणी में थे। उनमें से मिदनापुर जिले से भूमिगत या भगोड़ा श्रेणी के आवेदन कितने थे और कितने स्वीकार किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पूछा है कि बंगाल में निजी जानकारी होने का प्रमाणपत्र जारी करने का कितने लोगों को अधिकार है। इसके अलावा ऐसे कितने लोगों को आरएन गिरि (सरकारी पैनल में शामिल) ने प्रमाणपत्र जारी किए थे। कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि क्या रामपदा की याचिका के साथ लगा उनका प्रमाणपत्र वास्तविक दस्तावेज है। क्योंकि कहा गया है कि इस मामले में स्थानीय पुलिस थाने में उनके खिलाफ वारंट जारी होने, भगोड़ा घोषित किए जाने या अभियोजन होने का कोई रिकार्ड मौजूद नहीं है।

पीठ ने कहा है कि उस प्रमाणपत्र में कोई रिफरेंस नंबर, तारीख या हस्ताक्षर करने वाले का नाम नहीं लिखा है। भूमिगत भगोड़ा आदि की इस श्रेणी में कितने प्रमाणपत्र दिए गए हैं। कोर्ट ने कहा है कि अथॉरिटी इसके अलावा भी अगर कोई सूचना देना चाहती है तो दे सकती है।

इससे पहले सुनवाई के दौरान केंद्र की तरफ से कहा गया है कि पांजा के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के बारे में कोई आधिकारिक रिकार्ड मौजूद नहीं है। इसके विपरीत पांजा के वकील आरके गुप्ता ने कहा कि पांजा उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में शामिल थे जिन्होंने 18 महीने के लिए अंग्रेजों को मिदनापुर जिले से भगा दिया था। इस दौरान पुलिस थाना जिला प्रशासन का दफ्तार आदि सब लूट लिया गया था इसलिए उनके बारे में कोई आधिकारिक रिकार्ड मौजूद नहीं है। पांजा के बारे में आरएन गिरि ने प्रमाण पत्र दिया है, लिहाजा उन्हें पेंशन देने का हाईकोर्ट का आदेश सही है। पांजा पेंशन के लिए 1981 से मुकदमा लड़ रहे हैं।

एआइ के सकारात्मक पहलुओं पर हो बहस : मोदी

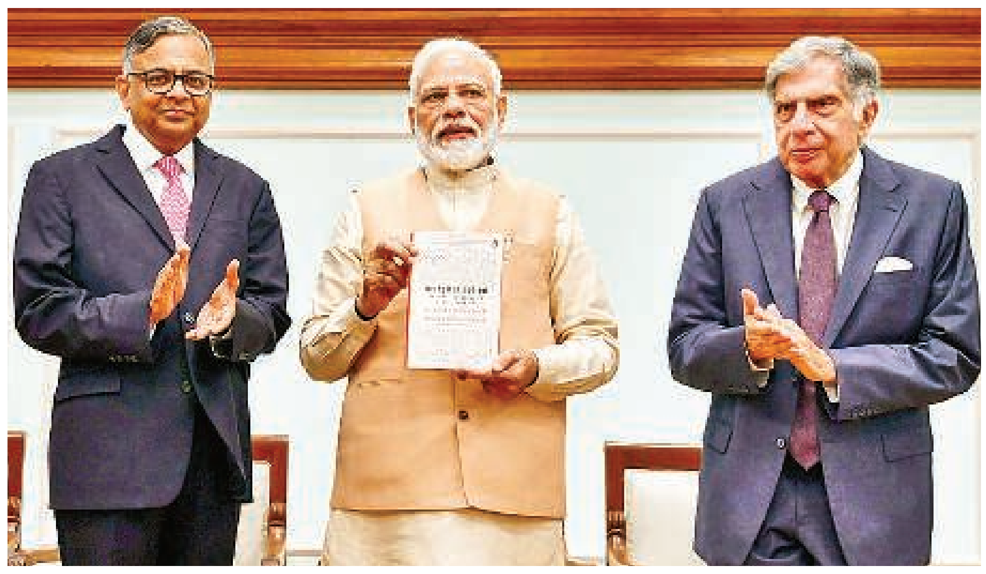

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और टाटा संस में मुख्य अर्थशास्त्री रूपा पुरुषोत्तम द्वारा लिखी गई पुस्तक 'ब्रिजिटल नेशन' का विमोचन किया। इस मौके पर प्रमुख उद्यमी रतन टाटा (दाएं) भी मौजूद रहे। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंसानों और आर्टिफिशिएल इंटेलीजेंस (आइए) के बीच सही संतुलन और दोनों की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा है कि बहस तकनीक के संभावित नकारात्मक पहलुओं पर नहीं बल्कि इस पर होनी चाहिए कि एआइ कैसे एक पुल का काम करे। एन. चंद्रशेखरन और रूपा पुरुषोत्तम की पुस्तक ब्रिजिटल नेशन की लांचिंग के अवसर पर पीएम ने कहा, हमारा जोर इस पर होना चाहिए कि कैसे मांग के अनुरूप कौशल को निखारा जाए। एआइ को एक नई मदद के रूप में लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा, भारत के जनसांख्यिकीय लाभ के लिए तकनीक को चुनौती के रूप में पेश करने की साजिश चल रही है। ऐसे में हमें इसे खतरे के रूप में नहीं, बल्कि मानवीय इरादों को पूरा करने के लिए एक माध्यम के रूप में लेने की जरूरत है।

आइआइटी फाउंडेशन से मिलेगी इंजीनियरिंग कॉलेजों को मान्यता

नई व्यवस्था ▶ आइआइटी मद्रास, दिल्ली और खड़गपुर संस्थापक साझेदार

आत्म निर्भर संस्था के रूप में काम करेगी नई कंपनी

प्रतीकात्मक फोटो

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में इंजीनियरिंग कॉलेजों को अब राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) मान्यता नहीं देगा। यह काम अब आइआइटी प्रत्यायन एवं मूल्यांकन फाउंडेशन (आइआइटी फाउंडेशन फॉर एक्रेडिशन एंड असेसमेंट-आइएफएए) नामक नई कंपनी करेगी।

हाल ही में इस कंपनी का गठन किया गया था। आइआइटी मद्रास, आइआईटी दिल्ली और आइआइटी खड़गपुर इसके संस्थापक साझेदार हैं। अब इस संस्था के लिए सीईओ की तलाश है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने कंपनी अधिनियम 2013 के तहत धारा-8 की कंपनी के गठन का प्रस्ताव किया था। इसका मकसद आइआइटी और आइआइएम को मिलाकर एक कंपनी का गठन करना था, जो मान्यता देने का काम करे। इसके बाद ही आइएफएए अस्तित्व में आई।

एक वरिष्ठ अधिकारी, जो आइआइटी कौंसिल का सदस्य भी है, ने कहा कि नवगठित कंपनी मान्यता देने की प्रक्रिया को तेज करने का प्रयास करेगी। यह कंपनी आत्म निर्भर संस्था के रूप में काम करेगी। अधिकारी ने बताया कि इस कंपनी का सीईओ आइआइटी का कोई मौजूदा या पूर्व फैकल्टी होगा। वह कंपनी के संचालन, शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय मामलों के लिए भी जिम्मेदार होगा।

एनबीए और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के समानांतर प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रत्यायन केंद्र स्थापित करने का विचार पूर्व एचआरडी मंत्री प्रकाश जावडेकर ने रखा था।

शुरुआत, में कई आइआइटी के निदेशकों ने इस विचार को पसंद नहीं किया। उनका कहना था कि इससे प्रौद्योगिकी शिक्षा और शोध के आइआइटी के मुख्य लक्ष्य पर प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, वे इस काम में सीमित मदद करने के लिए तैयार हो गए थे ताकि उनके मुख्य काम पर कोई असर नहीं पड़े।

बाद में एक ऐसी कंपनी का गठन करने का फैसला किया गया था, जो आत्म निर्भर होकर काम करे। यह कंपनी प्रत्यायन गतिविधियों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)या अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) की भी मदद करेगी। अधिकारी ने बताया कि इस कंपनी के कार्यों में मंत्रालय या आइआइटी का किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं होगा।

हैदराबाद की कंपनी के 30 परिसरों में आयकर विभाग की छापेमारी

नई दिल्ली, एएनआइ : आयकर विभाग ने विगत शुक्रवार को हैदराबाद के एक प्रमुख औद्योगिक समूह के परिसरों पर छापेमारी की है। साथ ही वहां से 17.4 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति जब्त की है।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स (सीबीडीटी) की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार बुनियादी ढांचे, सिंचाई, हाइड्रोकार्बन और ऊर्जा के क्षेत्र में सक्रिय हैदराबाद की एक बड़ी कंपनी के तीस से अधिक परिसरों में आयकर विभाग ने छापे मारे हैं। यह सभी परिसर हैदराबाद, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और मुंबई में स्थित हैं। एजेंसी को हजारों करोड़ रुपये की धनराशि हवाला चैनलों के जरिए अवैध भुगतान के रूप में दिए जाने के सुबूत मिले हैं। आयकर विभाग के मुताबिक बड़े पैमाने पर फर्जी खर्च दिखाने, खरीद के फर्जी बिल और उप अनुबंध खर्च (सब कांट्रैक्ट एक्सपेंसेज) पाए गए हैं। अपनी कर योग्य आय में कमी दिखाने वाली इस कंपनी के हिसाब-किताब में भारी गड़बड़ी पाई गई है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार की समाप्ति के अभियान के रूप में कार्रवाई शुरू की है। इस क्रम में बीते कुछ महीनों ने केंद्रीय एजेंसियों ने देश के विभिन्न हिस्सों में छापे मारे हैं। कई नामचीन लोग जेल की सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं।

लाभार्थियों को लक्ष्य के एक साल पहले ही मिल जाएंगे घर : पुरी

- पीएमएवाई-यू के तहत '2022 तक सभी के लिए आवास' का लक्ष्य है निर्धारित

हरदीप सिंह पुरी फाइल फोटो

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय आवास व शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत 1.12 करोड़ घर बनाए जा रहे हैं। इन्हें लक्ष्य से पहले यानी वर्ष 2021 की शुरुआत में लाभार्थियों को सौंप दिया जाएगा।

पुरी ने बताया कि सरकार ने मंत्रालय की तरफ से बनाए जा रहे 90 लाख घरों को मंजूरी दे दी है। अगले छह महीने में 1.12 करोड़ घरों के निर्माण के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवासों का निर्माण तेज गति से किया जा रहा है और '2022 तक सभी के लिए आवास' के लक्ष्य को तय समय से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

पुरी ने कहा, 'मार्च 2020 तक एक करोड़ से अधिक घरों के निर्माण को मंजूरी मिल जाएगी और 75 लाख मकानों का निर्माण शुरू भी कर दिया जाएगा। अगले पांच-छह महीनों में 50 लाख मकानों का निर्माण पूरा हो जाएगा और 40-45 लाख मकान लाभार्थियों को सौंप दिए जाएंगे। हमें पूरा विश्वास है कि वर्ष 2021 की शुरुआत में सभी लाभार्थियों को घर मिल जाएंगे।' उन्होंने बताया कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 53.5 लाख मकान निर्माणाधीन हैं और 27.17 लाख का निर्माण हो चुका है। 24.75 लाख घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

इस परियोजना को चार प्रकार से मूर्त रूप दिया जा रहा है-निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों को मकान पर कर्ज में सब्सिडी देकर (सीएलएसएस), झुग्गी बस्तियों की जगह पर बहुमंजिला छोटे आवास बनाकर (आइएसएसआर), निजी क्षेत्र की भागीदारी से सस्ते आवास बनाने की योजनाएं (एएसपी) और लाभार्थियों को खुद अपना घर बनवाने के लिए कर्ज देना (बीएलसी)।

पुरी ने बताया कि सरकार अब तक सीएलएसएस के तहत 7.18 लाख लाभार्थियों को आवास कर्ज में सब्सिडी के रूप में 18,458 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। सीएलएसएस के तहत लाभार्थी को होमलोन पर 2.67 लाख रुपये की सब्सिडी दी जाती है।

ओडिशा में कड़ी सुरक्षा के बीच श्रीमंदिर से अतिक्रमण हटाने का काम फिर शुरू

जागरण संवाददाता, पुरी : ओडिशा की धार्मिक नगरी पुरी में श्रीमंदिर से 75 मीटर की चौहद्दी में आने वाले अवैध निर्माण एवं जर्जर मकानों को तोड़ने की प्रक्रिया रविवार से फिर शुरू कर दी गई। इससे प्रभावित लोगों ने पुनर्वास की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया।

कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह सात बजे ग्रांड रोड के पास नगर निगम मार्केट के 159 दुकानों व घरों के साथ दइतापड़ा मछली मार्केट में अतिक्रमण हटाने का काम शुरू किया गया। इसे देखते हुए प्रभावित लोग सड़क पर उतर आए। उनका कहना था कि पुनर्वास करने के बाद ही उन्हें हटाया जाए। लेकिन, प्रशासन ने विरोध प्रदर्शन पर ध्यान नहीं देते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच अपना काम जारी रखा। इन भवनों को पहले ही खतरनाक घोषित किया जा चुका है। इधर, विरोध को देखते हुए दोनों ही जगहों पर दस प्लाटून पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

18 महीने में संपन्न होना है नवीनीकरण कार्य : पुरी में नवीनीकरण कार्य के लिए तैयार योजना में राज्य सरकार ने 35 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। उसके लिए टेंडर की प्रक्रिया जारी है। सरकार ने 18 महीने में निर्माण कार्य संपन्न कराने का लक्ष्य रखा है। इस योजना के अंतर्गत 450 दुकानें बननी हैं। साथ ही, सौ चार पहिया वाहन के लिए पार्किंग स्थल की व्यवस्था करनी है। सरकार ने यहीं पर दुकानदारों को पुनर्वासित करने का लक्ष्य रखा है।

रायबरेली में तीन दिन लगेगी कांग्रेसियों की पाठशाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 22, 23 और 24 को चलेगा नवनियुक्त प्रदेश कमेटी का प्रशिक्षण कार्यक्रम
- काम के बंटवारे सहित आगे की रणनीति पर होगी चर्चा, आ सकती हैं प्रियंका

उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ लगातार हुंकार भर रही कांग्रेस अब पूरे जोश के साथ सत्ता संघर्ष के लिए उतरने वाली है। मिशन यूपी को धार देने के लिए प्रदेश की नई टीम को पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली में तीन दिन तक प्रशिक्षित किया जाएगा। आगे की रणनीति और दांव-पेंच समझाने के लिए राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा का आना प्रस्तावित है।

हाल ही में कांग्रेस ने प्रदेश में नई कमेटी का गठन किया है। ज्यादातर नए और युवा कार्यकर्ताओं वाली इस टीम को प्रशिक्षित करने की जरूरत भी पार्टी ने समझी है। इसके लिए 22, 23 और 24 अक्टूबर को रायबरेली स्थित भुएमऊ गेस्ट हाउस में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। चूंकि कांग्रेस अभी से विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारी में सक्रियता से जुट गई है, इसलिए राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा नए पदाधिकारियों को लगातार संघर्ष की रणनीति यहां समझाई जाएगी। साथ ही क्षमता और रुचि के अनुसार काम का बंटवारा भी किया जाएगा। रायबरेली में कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बताया कि सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ लगातार सड़क पर संघर्ष की रणनीति तय की जानी है। कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देने के लिए प्रियंका वाड्रा के आने की पूरी संभावना है।

सीतापुर भी जाने की उम्मीद

कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा यदि तीन दिवसीय दौरे पर रायबरेली आती हैं तो पूरी संभावना है कि वह सीतापुर जाकर कमलेश तिवारी के परिवारीजनों से भी मुलाकात करें। इसके अलावा दीपावली के बाद कांग्रेस कमलेश तिवारी हत्याकांड सहित अन्य मुद्दों पर पदयात्रा की रूपरेखा भी बना रही है।

एक-दूसरे से असहमति के बावजूद हमें अपनाना चाहिए सभ्य तरीका : राज्यपाल

जागरण संवाददाता, कोलकाता

निशाना

- कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी को लेकर नाम लिए बगैर ममता बनर्जी सरकार पर साधा निशाना
- कहा, विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता संविधान की ओर से दिया गया सुनहरा उपहार
- बंगाल सरकार की आलोचना करने को लेकर सन्मय बनर्जी की हुई थी गिरफ्तारी

जगदीप धनखड़ फाइल फोटो

सोशल मीडिया पर बंगाल सरकार की आलोचना करने को लेकर कांग्रेस नेता सन्मय बनर्जी की गिरफ्तारी को राज्य की विपक्षी पार्टियां अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश करार दे रही हैं। हालांकि बनर्जी को रविवार को जमानत मिल गई लेकिन इसे लेकर राज्य में राजनीति गर्म है। वहीं, इस मामले की पृष्ठभूमि में नाम लिए बगैर बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने तृणमूल सरकार पर निशाना साधा है और कहा है कि हमें एक-दूसरे से असहमत होने के बावजूद सभ्य तरीका अपनाना चाहिए।

रविवार सुबह किए एक ट्वीट में धनखड़ ने किसी का नाम लिए बगैर लिखा, विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता संविधान का एक सुनहरा उपहार है और किसी भी रूप में असहिष्णुता देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को नष्ट कर सकती है। हमें एक दूसरे के विचारों से असहमत होने के बावजूद असहमति के सभ्य तरीके को अपनाना चाहिए, संरचित तंत्र द्वारा असहिष्णुता पीड़ा और चिंता बढ़ाने वाली होती है।

गौरतलब है कि 30 जुलाई से बतौर बंगाल के राज्यपाल पदभार संभालने वाले धनखड़ बीते महीने जादवपुर विश्वविद्यालय में उग्र छात्रों के बीच घिरे केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो को लेने पहुंचे थे। इसके बाद से ही राज्यपाल और राज्य सरकार में तल्खी बढ़ी हुई है। इसकी बानगी कई मौके पर देखने को मिली है। 11 अक्टूबर को दुर्गा पूजा कानिर्वल में बुलाकर अपमान करने का आरोप भी राज्यपाल राज्य सरकार पर लगा चुके हैं जिस पर तृणमूल नेतृत्व की ओर से दिए बयान को लेकर भी राज्यपाल ने अपनी आपत्ति जाहिर की।

इतना ही नहीं चंद रोज पहले राज्यपाल की सुरक्षा में से बंगाल पुलिस को हटाकर केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती का निर्णय गृह मंत्रालय की ओर से लिया गया। इसे लेकर पंचायत मंत्री व तृणमूल नेता सुब्रत मुखर्जी के बयान को लेकर भी शुक्रवार को राज्यपाल ने कड़ी आपत्ति जताई।

रेलवे बोर्ड का घटेगा आकार जोनों में जाएंगे 50 अफसर

- बोर्ड के सदस्यों की संख्या 200 से घटाकर 150 करने की योजना
- निदेशक व अन्य वरिष्ठ अफसरों का जोनों में होगा तबादला

नई दिल्ली, प्रेट्र : रेलवे बोर्ड के सदस्यों की कुल क्षमता में 25 फीसद की कटौती का फैसला किया गया है। यानी, रेलवे बोर्ड के कुल 200 सदस्यों की संख्या आने वाले दिनों में 150 रह जाएगी। यही नहीं, निदेशक और उनसे ऊपर स्तर के अधिकारियों को भी रेलवे जोनों में जाना होगा। कार्यक्षमता बढ़ाने की रेलवे की यह योजना लंबे समय से लंबित थी। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इसका प्रस्ताव वर्ष 2000 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने पेश किया था। सरकार ने राष्ट्रीय परिवहन की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई का आकार कम करने का प्रस्ताव दिया था। एक सूत्र ने बताया, 'वर्तमान में बोर्ड में 200 अधिकारी हैं। इनमें निदेशक व उनसे ऊपर स्तर के 50 अधिकारियों का तबादला करके बोर्ड के सदस्यों की संख्या 150 कर दी जाएगी। यह प्रस्ताव काफी समय से लंबित था। ऐसा महसूस किया जा रहा था कि कई लोग एक जैसा काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ, दक्षता बढ़ाने के लिए जोनों में वरिष्ठ अधिकारियों की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि इस योजना को शीघ्र ही अमल में लाया जाएगा। यह रेल मंत्री पीयूष गोयल के 100 दिनों के एजेंडा का हिस्सा है।

वर्ष 2015 में देबरॉय समिति ने भी अपनी रिपोर्ट में रेलवे बोर्ड के पुनर्गठन की सिफारिश की थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमेशा देखा गया है कि रेलवे बोर्ड सहित रेलवे में कर्मचारियों की संख्या बहुत ज्यादा है। यह संगठन की दक्षता पर विपरीत प्रभाव डाल रहा है। रेलवे के काम को सुचारू रूप से चलाने के लिए स्टाफ की वास्तविक जरूरत और वित्तीय व्यावहारिकता पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी भी इसके पुनर्गठन की राह में रोड़ा बनती रही।'

मप्र में विभागों के एकीकरण का प्रस्ताव फिर ठंडे बस्ते में

बेरुखी

सीएम कमलनाथ कम करना चाहते हैं कामकाज की जटिलता, इसी के चलते विभागों से किया गया था मशविरा, कुछ विभागों को अपर मुख्य सचिव मॉडल पर आपत्ति

भोपाल, नईदुनिया स्टेट ब्यूरो

- समान प्रकृति के विभागों का समूह बनाने की सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान ने काफी दिन पहले की थी सिफारिश

कमलनाथ फाइल फोटो

मध्य प्रदेश में सरकारी कामकाज में एकरूपता और तेजी लाने के लिए समान प्रकृति के विभागों को एक करने और विभाग का समूह बनाने के प्रस्ताव पर जिस तेजी के साथ काम शुरू हुआ था, उतनी ही तेजी से ठंडे बस्ते में भी पहुंच गया। चार महीने पहले रिपोर्ट के आधार पर विभागों से राय-मशविरा तो किया गया पर यह अंतिम स्तर तक नहीं पहुंच सका।

कुछ विभाग अपर मुख्य सचिव मॉडल लागू करने के पक्ष में नहीं है। वे चाहते हैं कि समन्वय समिति बना दी जाए तो कुछ विभाग को अलग-अलग ही रखना चाहते हैं। यही वजह है कि अभी तक इस मामले में अंतिम राय ही नहीं बन पाई है। बताया जा रहा है कि मुख्य सचिव सुधिरंजन मोहंती अब जल्द ही इस मामले की प्रगति की समीक्षा करेंगे, क्योंकि मुख्यमंत्री कमलनाथ मैग्निफिसेंट एमपी में भी साफ कह चुके हैं कि हमें कामकाज की जटिलता को कम करना है।

सूत्रों के मुताबिक, 10 जून 2019 को सामान्य प्रशासन विभाग के तत्कालीन अपर मुख्य सचिव पीसी मीना ने समान प्रकृति के विभागों को एक करने और समूह बनाने को लेकर विभागों के साथ बैठक की थी। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग ने उद्योग विभाग में मिलाए जाने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई थी। विभागीय अधिकारियों का कहना था कि यह नया क्षेत्र है और इसमें रोजगार की बड़ी संभावनाएं हैं, इसलिए इसे अलग ही रखा जाना चाहिए। वहीं, जिस तरह कृषि से जुड़े विभागों के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त को समन्वय का जिम्मा दिया गया है, वैसा अन्य विभागों में लागू करने की जगह समन्वय समिति बनाने का सुझाव रखा गया। बैठक में एक राय नहीं बनने से सभी से दस दिन में लिखित में पक्ष रखने को कहा गया था। बताया जा रहा है कि कुछ विभागों ने ही अभी तक अपना पक्ष रखा है, जबकि मुख्यमंत्री कमलनाथ प्रशासनिक कामकाज में सुधार लाने के लिए विभागीय व्यवस्था नए सिरे से बनाना चाहते हैं। इसके मद्देनजर मुख्य सचिव के निर्देश पर दो साल से ठंडे बस्ते में पड़ी रिपोर्ट पर कार्रवाई शुरू हुई थी, लेकिन अधिकारियों की अरुचि के कारण मामला फिर ठंडे बस्ते में चला गया। मुख्य सचिव कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि मैग्निफिसेंट एमपी की व्यस्तता के चलते इसकी समीक्षा नहीं हो पाई। अब प्रदेश के स्थापना दिवस के बाद इस मामले में फीडबैक लिया जाएगा।

यह हुई थी सिफारिश : अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान ने समान प्रकृति के विभागों की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर समूह बनाने की सिफारिश थी। इसमें कृषि एवं संबद्ध समूह में कृषि से जुड़े सभी विभाग, सभी तरह की शिक्षा, वाणिज्य, उद्योग और रोजगार, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य और वित्त से जुड़े विभागों का एक समूह बनाने कहा गया है।

इकबाल मिर्ची परिवार की ब्रिटेन और यूएई में हैं कई संपत्तियां

प्रथम पृष्ठ से आगे

इसके अलावा इकबाल मिर्ची के परिवार के पास ब्रिटेन में 25 संपत्तियां हैं। इनमें अकेले लंदन में 16 संपत्तियों की मालकिन इकबाल मिर्ची की पत्नी हाजरा मिर्ची है। ब्रिटेन की चार कंपनियों रिड्ज, टापलाइन इस्टेट, क्यूये मैनेजमेंट (वाटरसाइड) और इंपीरियल होटल (डार्टफोर्ड) के नाम पर लंदन स्थित छह संपत्तियां इकबाल मिर्ची परिवार की ही हैं। इसी तरह यूएई स्थित मिहाज इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन की लंदन में तीन संपत्तियां हैं, जो असल में मिर्ची परिवार की हैं। ब्रिटेन के अलावा मिर्ची परिवार ने 2010 में यूएई में अब्दुल सलेम नाम से मिड वेस्ट होटल अपार्टमेंट 93 मिलियन दिरहम यानी 180 करोड़ रुपये में खरीदा था। दुबई स्थित इस संपत्ति को खरीदने के लिए मुंबई की तीन संपत्तियों राबिया मैनसन, मरियम लॉज और सी व्यू को बेचकर हवाला के मार्फत पैसे भेजे गए थे।

कह के रहेंगे माधव जोशी

लोकतंत्र का उत्सव आज : ये नजारा हरियाणा के पानीपत में एसडी पीजी कॉलेज में बनाए गए पिंक बूथ का है। दुल्हन की तरह सजे पिंक बूथ की ओर ईवीएम और वीवीपैट मशीन लेकर जाती महिला पोलिंग पार्टी यह संदेश दे रही है कि लोकतंत्र के उत्सव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए पोलिंग बूथ को सजाया गया है। साथ ही सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है। राजेंद्र फोर

हरियाणा में 18 हॉट सीटें, दिग्गजों की जीत-हार पर रहेंगी निगाहें

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ उनके 10 मंत्री चुनावी रण में

सुधीर तंवर, चंडीगढ़ : लोकतंत्र के महायज्ञ में आहुति डालने की घड़ी आ गई है। यूं तो हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव नतीजे नई सरकार तय करेंगे, लेकिन करीब डेढ़ दर्जन हॉट सीटों पर सभी की नजर है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ ही उनके दस मंत्री चुनावी अखाड़े में फिर से कूदे हैं, जिनमें से कई को तगड़ी चुनौती मिल रही। इसके अलावा हरियाणा के तीनों लालों के परिवारों की राजनीतिक दिशा भी यह चुनाव तय करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री बंसी लाल, चौधरी भजनलाल, ताऊ देवीलाल और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के परिवार के अभेद्य दुर्ग में विरोधी दल सेंध लगाने में सफल होते हैं या फिर सियासी घराने अपना रसूख बरकरार रखने में सफल होते हैं, इसका फैसला सोमवार को प्रदेश की जनता करेगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल – करनाल

वर्ष 2014 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने वाले मनोहर लाल 82,485 वोट लेकर जीते और मुख्यमंत्री बने। मत प्रतिशत के हिसाब से प्रदेश की सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाले मनोहर लाल की जीत का अंतर एक लाख के पार होता है या नहीं, इस पर सभी की निगाहें हैं। उन्हें कांग्रेस के त्रिलोचन सिंह टक्कर देने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा– गढ़ी–सांपला–किलोई

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को पिछले चुनाव में कड़ी टक्कर देने वाले सतीश नांदल इस बार भाजपा के टिकट पर मैदान में हैं। हुड्डा परिवार के कब्जे वाली इस परंपरागत सीट पर हार–जीत को भाजपा व कांग्रेस ने प्रतिष्ठा का सवाल बनाया हुआ है।

राम बिलास शर्मा– महेंद्रगढ़

अहीरवाल की इस सीट पर कैबिनेट मंत्री राम बिलास शर्मा और पूर्व संसदीय सचिव राव दान सिंह छठी बार आमने–सामने हैं। तीन–तीन चुनाव जीत चुके दोनों दिग्गजों के मुकाबले में इस बार ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो मतगणना के बाद ही पता चल सकेगा।

कैप्टन अभिमन्यु – नारनौंद

पहली बार चुनाव जीतकर मंत्री बने कैप्टन अभिमन्यु को इस बार जजपा के रामकुमार गौतम तगड़ी चुनौती दे रहे हैं। कांटे की टक्कर में पलड़ा किसी भी ओर झुक सकता है।

ओम प्रकाश धनखड़ – बादली

पिछले चुनाव में टकराने वाले कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश धनखड़ और कुलदीप वत्स इस बार फिर आमने–सामने हैं। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नौ हजार से अधिक वोटों से हारने वाले वत्स इस बार कांग्रेस के टिकट पर मैदान में हैं।

अनिल विज – अंबाला छावनी

पांच बार विधायक रह चुके कैबिनेट मंत्री अनिल विज इस बार हैट्रिक लगाने की फिराक में हैं। पिछले चुनाव में जहां पूर्व मंत्री निर्मल सिंह उनके मुकाबले में थे, वहीं इस बार निर्मल सिंह की बेटी चित्रा सरवारा और कांग्रेस की वेणु सिंगला उन्हें कड़ी टक्कर दे रही हैं।

कविता जैन – सोनीपत

सोनीपत से दो बार चुनाव जीत चुकीं कैबिनेट मंत्री कविता जैन इस बार हैट्रिक लगाना चाहती हैं। कांग्रेस ने पिछला चुनाव हारे देवराज दीवान का टिकट काटकर सुरेंद्र पंवार को चुनावी रण में उतारा है।

कृष्ण लाल पंवार – इसराना

पांच बार के विधायक कृष्ण लाल पंवार हमेशा कम मार्जिन से चुनाव जीतते रहे हैं। इस बार भी मुकाबला कड़ा है। पंवार से 38,449 वोटों से हारने वाले कांग्रेस के बलबीर सिंह उन्हें कड़ी चुनौती दे रहे हैं।

स्पीकर कंवर पाल – जगाधरी

दो बार विधायक रह चुके कंवर पाल गुर्जर पिछले मुकाबले में बसपा के अकरम खान को 34 हजार वोटों से हराकर विधानसभा पहुंचे थे। अकरम खान इस बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

सुभाष बराला – टोहाना

पिछले विधानसभा चुनाव में 49,462 वोट लेकर विधायक बने हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष सुभाष बराला ने इनेलो के निशान सिंह को हराया था। इस बार जजपा के देवेंद्र बबली और कांग्रेस के परमवीर सिंह से उन्हें कड़ी चुनौती मिल रही है।

सुखविंद्र मांढ़ी – नैना चौटाला – रणबीर महेंद्रा – बाढ़डा

इस सीट पर सियासी घरानों के बीच कड़ी टक्कर है। डबवाली से विधायक रहीं चौटाला परिवार की बहू नैना चौटाला और पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल के बेटे रणवीर सिंह महेंद्रा यहां मैदान में हैं। भाजपा के मौजूदा विधायक सुखविंद्र मांढ़ी अपनी सीट बरकरार रखने के प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

दुष्यंत चौटाला – उचाना

पिछले चुनाव में टकरा चुके दुष्यंत चौटाला और राज्यसभा सदस्य चौ. बीरेंद्र सिंह की पत्नी प्रेमलता फिर आमने–सामने हैं। तब प्रेमलता साढ़े छह हजार वोटों से जीती थीं।

अभय सिंह चौटाला – ऐलनाबाद

इनेलो के कब्जे वाली इस सीट पर अभय चौटाला व पवन बैनीवाल फिर टकरा रहे हैं। वर्ष 2014 के चुनावों में अभय चौटाला ने कांग्रेस प्रत्याशी पवन बैनीवाल को करीब साढ़े ग्यारह हजार वोटों से हराया था जो इस बार भाजपा के टिकट पर चुनावी रण में हैं। यहां अभय चौटाला ने अपने दादा ताऊ देवीलाल व पिता ओमप्रकाश चौटाला के गढ़ को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा दी है।

किरण चौधरी – तोशाम

बंसी परिवार के अभेद्य दुर्ग तोशाम में जीत की हैट्रिक लगा चुकी कांग्रेस विधायक दल की पूर्व नेता किरण चौधरी ने चौथी जीत के लिए पूरा पसीना बहाया है। भाजपा के शशि रंजन परमार उन्हें कड़ी चुनौती दे रहे हैं।

रणदीप सुरजेवाला – कैथल

चार बार विधायक बनने वाले कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने पिछले चुनाव में इनेलो के कैलाश भगत को 14 हजार वोटों से हराया था। इस बार उन्हें भाजपा के लीला राम कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

मनीष ग्रोवर – रोहतक

पिछले चुनाव में टकराने वाले राज्यमंत्री मनीष ग्रोवर और कांग्रेस के भारत भूषण बतरा इस बार फिर आमने–सामने हैं। ग्रोवर की जीत को जहां भाजपा ने नाक का सवाल बनाया हुआ है, वहीं बतरा पिछली बार करीब 11 हजार वोटों से मिली हार का बदला लेने के लिए पूरी ताकत लगाए हुए हैं।

चंद्रमोहन बिश्नोई – पंचकूला

कालका से चार बार विधायक रहे पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रमोहन बिश्नोई पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के बड़े बेटे हैं और इस बार पंचकूला से मैदान में हैं। इस सीट पर अबकी बार ज्ञानचंद गुप्ता और चंद्रमोहन में कड़ा मुकाबला है।

कुलदीप बिश्नोई – आदमपुर

भजनलाल परिवार के गढ़ आदमपुर में तीन बार विधायक बन चुके कुलदीप बिश्नोई दो बार सांसद भी रह चुके हैं। यहां भाजपा की सोनाली फौगाट उन्हें चुनौती दे रही हैं।

महाराष्ट्र में दो गठबंधनों के बीच है सीधी टक्कर

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

पूरे महाराष्ट्र में इस बार भाजपा-शिवसेना और कांग्रेस-राकांपा गठबंधनों के बीच सीधी टक्कर दिखाई दे रही है। हालांकि, कुछ स्थानों पर बागी उम्मीदवार भाजपा-शिवसेना का, जबकि वंचित बहुजन आघाड़ी व एआइएमआइएम जैसे दल कांग्रेस-राकांपा का खेल बिगाड़ सकते हैं।

कोंकण : प्रशासनिक दृष्टि से पांच विभागों में बंटे महाराष्ट्र में सबसे बड़ा कोंकण है। 75 सीटों वाले इसी विभाग का हिस्सा 36 सीटों वाली देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी है। इसी विभाग के दो जिलों सिंधुदुर्ग और रत्नागिरि में भाजपा–शिवसेना आपस में ही भिड़ती दिखाई दे रही हैं। महानगर होने के कारण मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण और पालघर आदि में बड़ी आबादी अन्य राज्यों से आकर बसे मतदाताओं की भी है। इनमें बड़ी संख्या रखने वाले उत्तर भारतीय कभी कांग्रेस का वोटबैंक समझे जाते थे। अब इनका बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ दिख रहा है, क्योंकि इस वर्ग के कृपाशंकर सिंह जैसे नेता कांग्रेस को अलविदा कह चुके हैं और संजय निरुपम नाराज चल रहे हैं। मुंबई की लड़ाई में यह पहला मौका है, जब ठाकरे परिवार का कोई सदस्य यानी शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ठाकरे मैदान में हैं। नालासोपारा में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा भी शिवसेना के ही टिकट पर बाहुबली हितेंद्र ठाकुर के परिवार से भिड़ रहे हैं। मीरा रोड–भायंदर में भाजपा की बागी गीता जैन कांग्रेस उम्मीदवार मुजफ्फर हुसैन की राह आसान करती दिखाई दे रही हैं। मुंबई में बुनियादी ढांचा बड़ी समस्या रहा है, लेकिन लोगों को काम होता भी दिखाई दे रहा है।

पश्चिम महाराष्ट्र

58 सीटों वाले इस शुगर बेल्ट पर कभी कांग्रेस–राकांपा को नाज हुआ करता था। इसे शरद पवार का अभेद्य किला समझा जाता था, लेकिन इसी साल लोकसभा चुनाव से पहले ही शुरू हुए पलायन के दौर ने कांग्रेस–राकांपा को लगभग खाली कर दिया है। कई शक्कर सम्राट राकांपा–कांग्रेस का दामन छोड़कर भाजपा–शिवसेना के साथ आ खड़े हुए हैं। पांच साल नेता विरोधी दल की भूमिका में रहे अहमदनगर के राधाकृष्ण विखे पाटिल, सोलापुर का विजयसिंह मोहिते पाटिल परिवार, सतारा के उदयनराजे भोसले सहित कई और दिग्गजों के साथ उनके मतों की ताकत भी स्थानांतरित हुई है। इस बार भाजपा को सर्वाधिक फायदा इसी क्षेत्र से होने की उम्मीद दिख रही है। पश्चिम महाराष्ट्र के अपने इसी किले को बचाने के लिए 80 वर्षीय शरद पवार बरसात में भीगते हुए सभाएं करते दिखाई दे रहे हैं।

विदर्भ : उत्तर महाराष्ट्र की भांति ही 62 सीटों वाला विदर्भ भी कभी कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। विदर्भ के बारे में यह भी कहा जाता है कि यह जिसके साथ जाता है, एकमुश्त जाता है। यही कारण है कि वर्ष 2014 में भाजपा को मिली कुल 122 सीटों में एक तिहाई से ज्यादा, यानी 44 सीटें विदर्भ ने दी थीं। केंद्रीय नेता नितिन गडकरी एवं मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस विदर्भ के ही नागपुर शहर से चुनकर आते हैं। किसान आत्महत्याओं के अलावा पृथक विदर्भ राज्य यहां के बड़े मुद्दे रहे हैं। हालांकि, पिछले पांच वर्षों के शासनकाल में क्षेत्र के लिए कामों की बदौलत भाजपा यहां अपना पिछला प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद कर रही है।

मराठवाड़ा : 46 सीटों वाला मराठवाड़ा कभी शंकरराव चह्वाण, उनके पुत्र अशोक चह्वाण, विलासराव देशमुख, शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर, शिवराज पाटिल और गोपीनाथ मुंडे जैसे दिग्गजों का इलाका माना जाता था। पिछले कई वर्षों से सूखा झेल रहे इस क्षेत्र में अब दिग्गज नेताओं का भी अकाल सा दिखाई देने लगा है। इस बार यहां इन्हीं नेताओं की नई पीढ़ियां अपने पूर्वजों की विरासत के लिए जद्दोजहद करती दिखाई दे रही हैं। जलसंकट यहां की सबसे बड़ी समस्या है। कुछ वर्ष पहले तो पीने का पानी भी यहां ट्रेन से भिजवाना पड़ा था। भाजपा ने इस संकट के स्थायी समाधान के लिए कोंकण क्षेत्र से बारिश का पानी मराठवाड़ा में लाने का वादा किया है।

उत्तर महाराष्ट्र : मुंबई से उत्तर भारत की ओर जाने वाला रास्ता उत्तर महाराष्ट्र यानी नासिक, जलगांव, भुसावल आदि जिलों से होकर गुजरता है। इस क्षेत्र में विधानसभा की 47 सीटें हैं। अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित कई सीटें इसी हिस्से में हैं। कभी पूरा उत्तर महाराष्ट्र कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता था। सक्रिय राजनीति में कदम रखने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की पहली बड़ी सभा इसी क्षेत्र के नंदुरबार में हुई थी, जहां नौ बार कांग्रेस के माणिकराव गावित लगातार सांसद रहे। हालांकि, अब कांग्रेस के इस गढ़ के साथ–साथ लगभग पूरा उत्तर महाराष्ट्र भाजपा के कब्जे में है। भाजपा ने यहां अपने पुराने दिग्गज एकनाथ खडसे को पीछे खींच गिरीश महाजन जैसे नए नेता को आगे बढ़ाने का काम किया और उन्हें उत्तर महाराष्ट्र में पार्टी को विस्तार देने की पूरी छूट भी दी। नतीजा यह रहा कि इस क्षेत्र के कई प्रमुख कांग्रेसी नेता अब भाजपा में आ चुके हैं। इस क्षेत्र की प्रमुख समस्या प्याज के उठते–गिरते भाव हैं, जो न सिर्फ राज्य सरकार, बल्कि केंद्र को भी यदाकदा परेशान करती रहती है।

दाखा में कांग्रेस तो जलालाबाद में अकाली दल की प्रतिष्ठा दांव पर

कैलाश नाथ, चंडीगढ़

- पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर उप चुनाव के लिए मतदान आज, पोलिंग पार्टियां रवाना
- फगवाड़ा सीट बचाना भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती, कांग्रेस मुकेरियां सीट को हर हाल में बरकरार रखना चाहेगी

पंजाब

आखिरकार वो दिन आ गया जब मतदाता भाग्य विधाता बन जाता है। पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर हो रहे उप चुनाव के लिए सोमवार को मतदान होने जा रहा है। रविवार को पोलिंग पार्टियां बूथों के लिए रवाना हो गईं। इसके साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। चारों हलकों के 7.68 लाख मतदाता अब इस बात का फैसला करेंगे कि वे सत्ता पक्ष के साथ जाते हैं या विपक्ष के साथ। सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को देनी है क्योंकि आम धारणा है कि सत्ताधारी पार्टी उप चुनाव में शिकस्त नहीं खाती है। चार सीटों में सिर्फ मुकेरियां ही उसके पास थी, जबकि बाकी तीन में एक-एक पर अकाली दल, भाजपा व आम आदमी पार्टी जीती थी।

मतदान की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल, भाजपा के प्रदेश प्रधान श्वेत मलिक ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। अकाली दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती जलालाबाद सीट है। यहां से पिछले विधानसभा चुनाव में सुखबीर बादल जीते थे। उनके सांसद बनने पर उप चुनाव हो रहा है। अकाली दल को यहां कांग्रेस के रमिंदर आवला से चुनौती मिल रही है। कांग्रेस की इज्जत दाखा में दांव पर लगी हुई है, जहां से मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार रहे कैप्टन संदीप संधू चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा की साख फगवाड़ा में दांव पर लगी है। जहां से भले ही राजेश बाघा प्रत्याशी हों, लेकिन चुनाव परिणाम से केंद्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश का कद आंका जाएगा। सोम प्रकाश यहां से लगातार जीतते रहे हैं और

लोकसभा चुनाव में भी उन्हें फगवाड़ा में लीड मिली थी। मुकेरियां में कांग्रेस को अपनी सीट बचानी है।

दो तिहाई बहुमत से एक पायदान नीचे खड़ी कांग्रेस पार्टी के लिए भले ही विधानसभा में उप चुनाव के नतीजों से कोई खतरा न हो, लेकिन उसकी चिंता इस बात को लेकर है कि हार मिलने पर प्रदेश सरकार के प्रदर्शन पर सवाल खड़ा होगा। कांग्रेस के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ का कहना है कि कांग्रेस ने पूरे जोश और एकजुटता के साथ चुनाव लड़ा है। लोग भी कांग्रेस सरकार की नीतियों पर मुहर लगाएंगे।

पंकजा मुंडे के खिलाफ अश्लील टिप्पणी पर धनंजय मुंडे पर केस

बीड, प्रेट्र : भाजपा प्रत्याशी और राज्य की मंत्री पंकजा मुंडे के खिलाफ अश्लील टिप्पणी करने के आरोप में राकांपा प्रत्याशी धनंजय मुंडे के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। धनंजय रिश्ते में पंकजा के चचेरे भाई हैं। उन्होंने आरोपों से इन्कार किया है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदान से ठीक पहले केस दर्ज होने पर धनंजय मुंडे ने इसे विरोधियों की साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा है कि पंकजा ही नहीं वह किसी भी महिला के खिलाफ अपमानजनक बयान नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि उनके भाषण को तोड़मरोड़ कर पेश किया गया है। धनंजय ने कहा कि विदा गांव की सभा में उन्होंने पंकजा का नाम तक नहीं लिया था। पंकजा और धनंजय परली विधानसभा सीट से आमने-सामने हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भी दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे, जिसमें पंकजा को जीत मिली थी। पंकजा भाजपा के दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटी हैं।

भाजपा के परली अध्यक्ष की शिकायत पर शनिवार को धनंजय मुंडे के खिलाफ पुलिस ने एफआइआर दर्ज की। राज्य महिला आयोग ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया है। आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि राकांपा नेता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस बार प्रत्येक ईवीएम के साथ लगी होगी वीवीपैट मशीन

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- पिछले विधानसभा चुनाव में मात्र छह हलकों में हुआ था वीवीपैट का इस्तेमाल
- वोटर वीवीपैट से देख सकेंगे उनका वोट सही गया या नहीं

हरियाणा में सोमवार को होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 90 सीटों पर वोटिंग के दौरान ईवीएम के साथ वीवीपैट (वोटर वेरीफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) मशीन का प्रयोग किया जाएगा। अक्टूबर 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में केवल छह विधानसभा हलकों थानेसर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक और गुरुग्राम में वीवीपैट का प्रयोग किया गया था, जिसके बाद इस वर्ष जनवरी में हुए जींद उप चुनाव और फिर अप्रैल-मई में हुए लोकसभा चुनावों में देश की सभी सीटों पर मतदान में वीवीपैट का प्रयोग किया गया था।

वीवीपैट प्रणाली में कोई मतदाता ईवीएम से मतदान करने के लिए अपनी पसंद के उम्मीदवार के नाम के सामने वाला नीला बटन दबाएगा तो इसके साथ ही वीवीपैट मशीन में से एक कागज की पर्ची निकलेगी, जिसमें मतदाता द्वारा वोट किए गए उम्मीदवार की क्रम संख्या, उसका नाम एवं उसका चुनाव चिह्न दिखाई देगा। इस पर्ची को केवल सात सेकंड तक वोटर द्वारा देखा जा सकेगा, जिसके बाद यह पर्ची वीवीपैट के साथ जुड़े ड्राप बॉक्स में अपने आप गिर जाएगी। अगर किसी मतदाता द्वारा ईवीएम पर बटन दबाकर किसी उम्मीदवार को डाले गए वोट एवं इसके बाद वीवीपैट में दिखाए जाने वाले उम्मीदवार के विवरण में अंतर पाया जाता है तो इस स्थिति में वोटर को पोलिंग बूथ/स्टेशन के ड्यूटी अधिकारी को अंतर के बारे में सूचित करना होगा। ऐसा प्रावधान किया गया है कि गलत सूचना देने पर वोटर को धारा 177 (किसी लोक सेवक को झूठी सूचना देना) के अंतर्गत अधिकतम छह महीने की जेल अथवा एक हजार रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकते है।

क्या है नियम

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के अधिवक्ता हेमंत कुमार के अनुसार, अगर वोटर द्वारा ईवीएम से दी गई वोट एवं वीवीपैट में आए अंतर की बात टेस्ट में साबित हो जाती है तो ड्यूटी अधिकारी तत्काल संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अफसर को सूचित करेगा एवं उस वोटिंग मशीन से मतदान रुकवा देगा।

चित्रकोट विधानसभा सीट पर छह प्रत्याशी मैदान में

छत्तीसगढ़

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित चित्रकोट विधानसभा सीट के उप चुनाव के लिए सोमवार को मतदान होगा। इस सीट से विधायक रहे कांग्रेस के दीपक बैज के सांसद चुने जाने के बाद सीट रिक्त हुई है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के पांच मतदान केंद्रों को सुरक्षा कारणों से दूसरे स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। यहां के 22 मतदान केंद्रों की बेवकास्टिंग की जाएगी। यहां कांग्रेस-भाजपा समेत छह प्रत्याशी मैदान में हैं।

झाबुआ विधानसभा सीट के लिए भी पड़ेंगे वोट

मध्य प्रदेश

नईदुनिया, झाबुआ : मध्य प्रदेश में झाबुआ विधानसभा उप चुनाव के लिए सोमवार सुबह सात से पांच बजे तक मतदान किया जाएगा। चुनाव मैदान में कांग्रेस से कांतिलाल भूरिया, भाजपा से भानू भूरिया और तीन निर्दलीय कल्याण सिंह डामोर, निलेश डामोर और रामेश्वर सिंगार हैं। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद सांसद गुमान सिंह डामोर द्वारा सीट छोड़ने से विधानसभा सीट पर उप चुनाव हो रहा है।

109 प्रत्याशियों का भाग्य तय करेंगे 41 लाख वोटर

उत्तर प्रदेश

विधानसभा की 11 सीटों पर उप चुनाव के लिए होगा मतदान, सुबह सात से शाम छह बजे तक डाले जाएंगे वोट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 11 सीटों पर उप चुनाव के लिए सोमवार को सुबह सात से शाम छह बजे तक मतदान होगा। जिन सीटों पर उप चुनाव होने हैं, उनमें गंगोह (सहारनपुर), रामपुर, इगलास (अलीगढ़), लखनऊ कैंट, गोविंदनगर (कानपुर), मानिकपुर (चित्रकूट), प्रतापगढ़, जैदपुर (बाराबंकी), जलालपुर (अंबेडकर नगर), बलहा (बहराइच), घोसी (मऊ) शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। रविवार को पोलिंग पार्टियां अपने गंतव्य तक पहुंच गईं।

उप चुनाव के लिए कुल 109 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनकी किस्मत का फैसला इन सीटों के कुल 41,08,328 मतदाता करेंगे, जिनमें 22,13,466 पुरुष, 18,94,724 महिला और 138 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने उप चुनाव के लिए कुल 4529 पोलिंग बूथ और 2307 मतदान केंद्र बनाए हैं। संवेदनशील केंद्रो की निगरानी के लिए 429 बूथों पर वेबकास्टिंग भी कराई जा रही है। मतदान पर नजर रखने के लिए निर्वाचन आयोग ने 11 सामान्य प्रेक्षक और इतने ही व्यय प्रेक्षक तैनात किए हैं। इनके अलावा 337 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 60 जोनल मजिस्ट्रेट, 471 स्टैटिक मजिस्ट्रेट और 520 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किये गए हैं।

उप चुनाव में मतदान के लिए 5435 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कंट्रोल यूनिट, 5435 बैलट यूनिट और 5888 वीवीपैट तैयार किए गए हैं। शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराने के लिए पर्याप्त अर्धसैनिक बल तैनात किया गया है। चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए 1142 भारी वाहन, 1263 हल्के वाहन और 21,584 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं।

सीट	प्रत्याशी	बूथ	मतदाता
गंगोह	11	426	369317
रामपुर	7	428	390636
इगलास	7	458	374733
लखनऊ कैंट	13	344	385072
गोविंदनगर	9	349	359343
मानिकपुर	9	410	338116
प्रतापगढ़	11	368	336989
जैदपुर	7	445	379827
जलालपुर	13	438	393038
बलहा	11	409	357305
घोसी	11	454	423952

रेजीडेंट कमिश्नर का आश्वासन दे गए योगी

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की अपनी अंतिम रैली में किया ऐलान

महाराष्ट्र और खासतौर से मुंबई परिसर में रहने वाले उत्तर भारतीयों के लिए मुंबई में उत्तर प्रदेश के निवासी आयुक्त की नियुक्ति एक बहुत पुरानी मांग रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विधानसभा चुनाव की अपनी अंतिम रैली में इसे पूरा करने का आश्वासन भी देकर गए।

इसके निमित्त बने उत्तर प्रदेश के ही पूर्व राज्यपाल राम नाईक, जिन्होंने सीएम योगी को महाराष्ट्र में रह रहे करीब 40 लाख उत्तर भारतीयों की इस जरूरत और मांग से गंभीरतापूर्वक अवगत कराने का काम किया। दरअसल, राम नाईक से मुंबई में रहने वाले उनके परिचित उत्तर भारतीय अक्सर उनके पास अपनी ऐसी समस्याएं लेकर पहुंच जाते थे, जो उनके गांव-जिले से संबंधित होती थीं। राम नाईक अपनी विशेष कार्यपद्धति के अनुरूप आगंतुक के काम के लिए पत्र देते थे और उसका रिकॉर्ड भी रखते थे।

दैनिक जागरण से बात करते हुए राम नाईक कहते हैं कि पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान उन्हें अहसास हुआ कि उत्तर प्रदेश का कोई उच्च

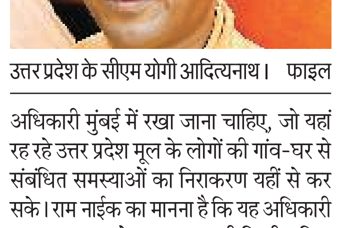

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ। फाइल

अधिकारी मुंबई में रखा जाना चाहिए, जो यहां रह रहे उत्तर प्रदेश मूल के लोगों की गांव-घर से संबंधित समस्याओं का निराकरण यहीं से कर सके। राम नाईक का मानना है कि यह अधिकारी आइएएस स्तर से ऊपर का, यानी किसी सचिव स्तर का होना चाहिए। नाईक द्वारा योगी को दिए गए इस सुझाव से पहले भी विभिन्न स्तरों पर मुंबई में निवासी आयुक्त की मांग उठती रही है। मुंबई भाजपा के महासचिव अमरजीत मिश्र भी मुख्यमंत्री से यह मांग कर चुके हैं। इससे पहले पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश में हुए इन्वेस्टर समिट से पहले प्रवासी उत्तर भारतियों के बीच काम करने वाली संस्था उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट फोरम (यूपीडीएफ) द्वारा भी यह मांग जोरशोर से उठाई गई थी। इसके महासचिव पंकज जायसवाल का कहना है कि मुंबई में इस स्तर का कोई अधिकारी मुंबई या गुजरात से उत्तर प्रदेश में जाने वाले निवेशकों की भी शंकाओं का समाधान कर सकता है। क्योंकि उत्तर प्रदेश मूल के कई उद्यमी अपने गांव-घर में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन वहां जाने पर उन्हें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है और वे निराश होकर लौट आते हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को मलाड विधानसभा क्षेत्र की अपनी सभा में घोषणा की कि वह यहां निवासी आयुक्त या उससे ऊंचे स्तर का कोई अधिकारी नियुक्त करने को तैयार हैं। साथ ही उन्होंने पूर्व राज्यपाल राम नाईक को ही यह जिम्मेदारी भी सौंपी कि वह इसकी रूपरेखा तैयार करके दें, ताकि शीघ्र इस दिशा में कदम उठाया जा सके। योगी ने अपने भाषण में माना कि उत्तर प्रदेश से यहां आने वाले युवा न सिर्फ अपनी मेहनत से महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था मजबूत करने में योगदान देते हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश की भी आर्थिक संपन्नता के वाहक बनते हैं।

नेपाल में पाक राजदूत मजहर जावेद दुष्प्रचार में जुटे, अनु. 370 हटाने के बाद भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे

बांग्लादेश, नेपाल में पाक दूतावास आइएसआइ का अड्डा बने

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारतीय खुफिया एजेंसियों ने ढाका और काठमांडु में तैनात दो प्रमुख पाकिस्तानी सैन्य अफसरों के खिलाफ पर्याप्त सुबूत इकट्ठा कर लिए हैं। इनमें से एक अफसर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान का करीबी है, जो नेपाल में पाक राजदूत के पद पर तैनात है। वहीं, दूसरा ढाका में पाकिस्तानी दूतावास में डिफेंस अटैची है। असलियत में वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ का ही नुमाइंदा है। यह दोनों पाकिस्तानी अफसर कूटनीतिक चैनलों का दुरुपयोग करके फर्जी भारतीय करंसी नोटों (एफआइसीएन) की तस्करी करने का जरिया बने हुए हैं। इसके साथ ही पाकिस्तानी सेना के यह दो बड़े अफसर जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद भारत विरोधी गतिविधियों को भी बढ़ावा देने में लगे हुए हैं।

भारतीय खुफिया एजेंसी आइबी की रिपोर्ट के आधार पर भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को अलर्ट कर दिया गया है। साथ ही भारत-बांग्लादेशसीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को तैनात किया गया है। इसके अलावा, जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से ही अन्य केंद्रीय सुरक्षा बलों को भी पूरी सीमा पर तैनात किया गया है। यह एजेंसियां लगातार सभी तरह की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

खुफिया रिपोर्ट
- ढाका में पाक दूतावास का डिफेंस अटैची नकली नोटों की तस्करी में लिप्त
- ढाका व काठमांडू में तैनात दोनों पाकिस्तानी सैन्य अफसरों के खिलाफ पुख्ता सुबूत

खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में पाकिस्तानी राजदूत मजहर जावेद ने काठमांडू के महाराजगंज स्थित पाकिस्तानी दूतावास के परिसर में विगत 27 सितंबर को एक उच्च स्तरीय बैठक की थी। इस बैठक में काठमांडू के प्रभावशाली लोगों को जम्मू-कश्मीर पर दुष्प्रचार करके भड़काया गया था। बैठक में तीस वरिष्ठतम मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों और राजनयिकों को भी आमंत्रित किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजहर ने नेपाली लॉबी को यह कह कर भड़काया है कि भारत सरकार घाटी में लोगों को प्रताड़ित करके मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रही है। उसके बाद तीन अक्टूबर को मजहर ने नेपाली अखबार 'नागरिक' में लेख लिखा। इसमें उसने जम्मू और कश्मीर के हालात को लेकर झूठी तस्वीर पेश की। भारतीय खुफिया एजेंसियों के अनुसार मजहर जावेद ने दूतावास को ही आइएसआइ का अड्डा बना दिया है। वह यहां खुलेआम आइएसआइ के गुर्गों को शरण देता है।

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक ढाका में पाकिस्तानी दूतावास का डिफेंस अटैची कर्नल शफकत नवाज वास्तव में आइएसआइ का प्रतिनिधित्व करता है। इतना ही नहीं, वह स्थानीय गैंगस्टरों से संपर्क स्थापित करके नकली भारतीय नोटों की संगठित तस्करी में अहम कड़ी है। उसका संबंध डी-कंपनी (दाऊद इब्राहिम) के गैंग से भी है। शफकत नवाज जम्मू और कश्मीर और देश के अन्य भागों में सक्रिय आइएसआइ के विभिन्न माड्यूलों को फंडिंग करने में अहम भूमिका निभाता है। उसकी भूमिका तब उजागर हुई जब विगत मई, 2019 में काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 7.67 करोड़ के नकली भारतीय नोट बरामद हुए। इसी सिलसिले में नेपाली पुलिस ने तब नेपाल में डी कंपनी के ऑपरेटर युसुफ अंसारी को गिरफ्तार किया था। वह बराबर काठमांडू स्थित पाकिस्तानी दूतावास जाता रहता था। उसके कुछ महीने बाद अगस्त में अंसारी के गुर्गों को भी दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नकली नोटों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। इन गुर्गों पर कराची के सरकारी प्रिंटिंग प्रेस में नकली भारतीय नोटों की छपाई किए गए नोटों की तस्करी करने का आरोप लगा।

ढाका में पाकिस्तानी उच्चायोग की भूमिका पर भी सुबूत जुटाए

भारतीय एजेंसियों ने ढाका में पाकिस्तानी उच्चायोग की भूमिका पर भी काफी सुबूत जुटा लिए हैं। एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर कामरान नाजिर रिजवी ने ढाका के पॉश इलाके गुलशन एरिया में स्थित एक होटल में जेहादी नेताओं के साथ कई बैठकें की हैं। आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने के अलावा कामरान नाजिर मलिक ने नकली भारतीय नोटों की तस्करी में भी बड़ी भूमिका निभाई है। विगत 25 सितंबर को 50 लाख रुपये की कीमत के नकली भारतीय नोटों का एक पार्सल ढाका पुलिस ने जब्त किया था। जांच के दौरान पाया गया कि दुबई में स्थित आइएसआइ एजेंट सलमान शेरा ऐसे पार्सलों को पानी के जहाजों के जरिए पूरे बांग्लादेश में पहुंचा रहा था। इससे पहले, वर्ष 2015 में ढाका पुलिस की रिपोर्ट पर उच्चायोग के अटैची मजहर खान को बांग्लादेश ने देश निकाला दे दिया था। उस पर नकली भारतीय नोटों की तस्करी का एक बड़ा नेटवर्क चलाने का आरोप था।

बोफोर्स और पिनाक ने छुड़ाए पाक के छक्के

1999 में हुए करगिल के युद्ध में पाकिस्तान के मंसूबों को ध्वस्त करने वाली बोफोर्स तोप और रॉकेट लांचर पिनाक ने रविवार को जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के खिलाफ एक बार फिर जमकर गोले और रॉकेट बरसाए। आइये जानते हैं इनकी खासियतों के बारे में :

बोफोर्स : 155 एमएम बोफोर्स तोपों की अधिकतम रेंज 27 किलोमीटर तक है। यह एक मिनट में 10 गोले फायर कर सकती है। हल्के वजन के कारण इसे युद्धभूमि में कही भी तैनात करना और यहां-वहां ले जाना आसान होता है। ये तोप माइनस तीन डिग्री से लेकर 70 डिग्री तक के एंगल में फायर कर सकती है। इस वजह से करगिल युद्ध के दौरान पहाड़ी इलाकों में यह बेहद कारगर साबित हुई। बोफोर्स तोपों को खरीदने के लिए भारत सरकार ने स्वीडन की कंपनी बोफोर्स एबी से मार्च 1986 में करार किया था।

पिनाक : यह भारत में निर्मित और भारतीय सेना के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित एक मल्टी बैरल रॉकेट लांचर है। इसकी अधिकतम रेंज 75 किमी तक है। पिनाक 44 सेकंड में 12 एचई रॉकेट दाग सकता है। कारगिल युद्ध के दौरान इसका इस्तेमाल हुआ था।

आतंकियों की घुसपैठ नहीं करा पाने से पाक सेना हताश

बढ़ी बौखलाहट ▸ भारी बर्फबारी से पहले घुसपैठ कराने की और कोशिशें कर सकता है पड़ोसी, स्थानीय आतंकियों ने भेजा पाक को संदेश

भारत को अगले दो हफ्ते रहना होगा और ज्यादा सतर्क

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कश्मीर में सामान्य होती स्थिति के साथ ही पाकिस्तान की हताशा बढ़ती जा रही है। अब जबकि इमरान सरकार को यह अहसास हो चुका है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का रोना रोने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। साथ ही भारत ने कश्मीर के भीतर जिस तरह से सुरक्षा इतंजाम किए हैं उसकी वजह से भी स्थानीय आतंकियों और सीमा पार बैठे उनके आकाओं के बीच संपर्क पूरी तरह से टूटा हुआ है।

पाकिस्तान सेना ने नियंत्रण रेखा पर अकारण जबरदस्त गोलाबारी शुरू कर दी है ताकि उसकी आड़ में आतंकवादियों की घुसपैठ कराई जा सके। भारतीय खुफिया एजेंसियों का मानना है कि अगले दो हफ्ते उन्हें और ज्यादा सतर्कता बरतनी होगी, क्योंकि भारी बर्फबारी शुरू होने से पहले पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ कराने की और कोशिशें हो सकती हैं।

भारतीय खुफिया एजेंसियों को यह सूचना भी मिली है कि कश्मीर में बचे खुचे आतंकियों ने सीमा पार अपने आकाओं को यह सूचना भेजी है कि उनके पास हथियारों व गोली-बारूद की कमी है और इसकी आपूर्ति तत्काल होनी चाहिए। ऐसे में पाकिस्तान हर हाल में आतंकियों की घुसपैठ कराने के चक्कर में है।

भारत और पाक के बीच स्थिति नियंत्रण रेखा पर बर्फबारी की अभी शुरुआत है जो दो हफ्तों में तेज हो सकती है।

भारतीय सेना के सूत्रों ने बताया कि अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद पाकिस्तान की तरफ से 600 बार अकारण गोलाबारी की गई है, जबकि, 2050 बार संघर्ष विराम का उल्लंघन भी किया गया है। इसमें भारी नुकसान उठाना पड़ा।

भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में गुलाम कश्मीर की नीलम घाटी में मची तबाही का मंजर। (सोशल मीडिया से)

घाटी में अशांति फैलाना चाहता है पाक

सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाना चाहता है ताकि दुनिया को दिखा सके कि अनुच्छेद 370 को खत्म किए जाने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि पक्की सूचना है कि पाकिस्तान नए रास्ते से आतंकियों को भेजने की कोशिश में है। लेकिन उसकी साजिश को नाकाम करने के लिए बीएसएफ के साथ ही पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है।'

पाक डरा, सीमा से सटे क्षेत्रों में बिछा रहा बारूदी सुरंग

राज्य ब्यूरो, जम्मू : एक के बाद एक भारतीय सेना के सटीक प्रहारों से सहमा पाकिस्तान नियंत्रण रेखा से सटे इलाकों में बारूदी सुरंगें बिछाने में लगा है। क्योंकि पाक को डर सता रहा है कि कहीं फिर से भारतीय सेना पाक में घुसकर हमला न कर दे। इसके अलावा पाक सेना अपने क्षेत्रों में मोर्चे खोदने के अलावा सरकंडों की साफ-सफाई में जुटी है। वहीं, नीलम और लीपा घाटी में कार्रवाई के बाद भारतीय सेना भी जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर नियंत्रण रेखा तक नजर बनाए हुए है।

साठ अफगानी आतंकियों की घुसपैठ करवाने की फिराक में पाक

जागरण संवाददाता, राजौरी

पाकिस्तानी सेना और सरकार जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से ही बौखलाई हुई हैं। इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। ऐसे में अब पाक कश्मीर में हिंसा तेज करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा है। जानकारी के अनुसार, पाक सेना और खुफिया एजेंसी आइएसआइ के अधिकारी कुछ रोज पहले अफगानिस्तान गए थे। वहां पर आतंकवादियों के साथ लंबी बैठक की। इसके बाद वहां से 60 अफगानी आतंकवादियों को लाकर एलओसी के पार पाक सेना की चौकियों में ठहराया गया है। ताकि मौका मिलने पर उन्हें भारतीय क्षेत्र में दाखिल करवाया जा सके।

सूत्रों के अनुसार, यह सभी 60 आतंकी अफगानिस्तान के खूंखार आतंकी माने जा रहे हैं। यह वह आतंकी हैं जो अमेरिकी सेना के साथ भी लोहा ले चुके हैं। इन आतंकवादियों को कश्मीर घाटी के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में भी आत्मघाती हमलों के लिए तैयार किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि यह सभी पश्तो भाषा में ही बात करते हैं। ऐसे में इनकी बातचीत को रेडियो सेट पर पकड़ना आसान नहीं होगा।

मारे जाने पर पाक झाड़ लेगा पल्ला

इसके अलावा इन आतंकियों को भारत में प्रवेश कराने का लक्ष्य यह भी है कि अगर यह अफगानी आतंकी कश्मीर घाटी या फिर भारत के अन्य किसी हिस्से में मारे जाते हैं तो पाक सरकार व पाक सेना यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेगी कि यह उसके आतंकी नहीं हैं।

गुलाम कश्मीर में भारत में प्रवेश कराने की ट्रेनिंग

इन्हें पहले गुलाम कश्मीर में चल रहे कई आतंकी शिविरों में प्रशिक्षण दिया गया। उसमें बताया गया कि किस तरह से सीमा को पार करना है। घाटी में किस तरह से हमले करने हैं और किसी वीवीआइपी को अपने निशाने पर किस तरह से लाना है। इसके बाद इन्हें सीमा पर लाकर बैठा दिया गया है ताकि मौके मिलते ही भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कराया जा सके।

कांग्रेस ने सेना की प्रशंसा की

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने सीमा पार आतंकी शिविरों को नष्ट किए जाने पर भारतीय सेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें सशस्त्र बलों की वीरता पर गर्व है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि बहादुर भारतीय सेना ने सीमा पार आतंकी शिविरों को नष्ट करने की दिशा में एक और जबरदस्त अभियान छेड़ा है। हमें आपकी वीरता और साहस पर गर्व है। वहीं, हरियाणा कांग्रेस की प्रमुख कुमारी सैलजा ने कहा, भारतीय सेना ने हमेशा से देश की सरहद को सुरक्षित रखा है। हमें हमारी सेना पर गर्व है। हमें सशस्त्र सेनाओं पर पूरा भरोसा है। हमारी सेना पूरी तरह सक्षम है और वह हमारी सीमाओं की बखूबी रक्षा करेगी।

रक्षा विशेषज्ञों ने सेना की कार्रवाई की मुक्त कंठ से सराहना की

नई दिल्ली, एएनआइ : रक्षा विशेषज्ञों ने गुलाम कश्मीर में आतंकी शिविरों को तबाह करने की सेना की कार्रवाई की खुलेमन से सराहना की है। विशेषज्ञों ने कहा है कि सेना ने यह सुनिश्चित किया है कि आतंकी हमारे देश में घुसने न पाएं।

रक्षा विशेषज्ञ शिवाली देशपांडे ने कहा कि भारतीय सेना ने यह सूचना मिलने के बाद कार्रवाई की कि शिविर में जमा आतंकी भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश में हैं। हमारी फौज ने इन शिविरों पर हमला कर उनकी कोशिशों को नाकाम बना दिया। सेना की कार्रवाई की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई हमें जारी रखनी होगी। दूसरे रक्षा विशेषज्ञ डीएस ढिल्लन ने कहा कि सेना के पास उस इलाके में दो सौ से ज्यादा आतंकियों के जमा होने की सूचना थी। जहां-जहां ज्यादा आतंकी होने की सूचना थी, सेना ने उन्हीं शिविरों को निशाना बनाया।

पाकिस्तान ने एलओसी पर तैनात किए बैट दस्ते

जागरण संवाददाता, राजौरी

- दस्तों में पाक सैनिक, एसएसजी कमांडो और आतंकी भी शामिल
- पाक अधिकारियों का निर्देश, बैट जल्द करें घातक हमला

पाक सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय जवानों पर बड़े हमले की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए बॉर्डर एक्शन टीम (बैट) को पूरी तरह से तैयार कर रखा है। टीम में पाक सैनिक, स्पेशल सिक्योरिटी कमांडो (एसएसजी) और आतंकी भी शामिल हैं। बैट दस्तों को एलओसी के बिलकुल करीब तैनात किया गया है। ताकि मौका मिलते ही भारतीय क्षेत्र में दाखिल होकर भारतीय सैनिकों पर घातक हमला कर सकें।

सूत्रों के अनुसार पाक सेना ने अपने बैट दस्तों को निर्देश जारी कर दिए हैं कि वे जल्द भारतीय क्षेत्र में दाखिल होकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दें। पाक सेना ने अपनी बॉर्डर एक्शन टीम को पहले से मजबूत कर लिया है। बैट में कमांडों के साथ एसएसजी कमांडो और आतंकी भी शामिल हैं।

वहीं, दस्ते में भी आतंकियों की संख्या बढ़ा दी है। बैट में शामिल सदस्यों को विशेष हथियारों से लैस किया है। इनके पास स्नाइपर राइफल भी शामिल है।

गोलाबारी की आड़ में चौकी पर हमले की योजना

सूत्रों का कहना है कि बैट सदस्यों से पाक सेना के उच्च अधिकारियों ने साफ कह दिया है कि वे भारतीय सीमा में दाखिल होकर भारतीय सेना की चौकी को निशाना बनाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सके।

आइईडी लगाने में हैं माहिर : पाक सेना ने एलओसी के करीब जिन बैट दस्तों को तैनात किया है उन्हें आइईडी लगाने का विशेष प्रशिक्षण मिला है। सूत्रों का कहना है कि बैट के सदस्य सीमा पार कर आइईडी लगाने में माहिर हैं। वे सैन्य चौकी के साथ गश्ती दल के रास्ते पर आइइडी लगा सकते हैं।

राजौरी और पुंछ से भी हो सकती है एलओसी के पार बड़ी कार्रवाई

जागरण संवाददाता, राजौरी: भारतीय सेना राजौरी और पुंछ दोनों जिलों से सटी नियंत्रण रेखा (एलओसी) से उस पार भी टंगडार और नीलम घाटी जैसी कार्रवाई कर सकती है। एलओसी पर सीमा पार से पाक सेना लगातार गोलाबारी कर रही है। इतना ही नहीं पाकिस्तान ने आतंकियों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करवाने के लिए कई लांचिंग पैड भी शुरू कर दिए हैं।

राजौरी और पुंछ दोनों जिलों के उस पार गुलाम कश्मीर के सामनी, भिंबर, मंडोल, तत्तापानी, खुजरेटा, बाग और रावलाकोट आदि क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना के संरक्षण में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविर चल रहे है। वहीं, हमीरपुर, बालाकोट, पुंछ, केरी, तरकुंडी, लाम, झंगड़, कलाल और गंभीर सेक्टरों के ठीक पार सीमा के करीब पाक सेना ने आतंकियों के कई लांचिंग पैड भी सक्रिय कर दिए हैं। इन लांचिंग पैड से ही आतंकियों की भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करवाने के लिए पाकिस्तानी सेना लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर गोलाबारी कर रही है। अब भारतीय सेना घुसपैठ रोकने के लिए इन इलाकों को भी नेस्तनाबूत कर सकती है।

बौखलाए पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी की गोलाबारी, एक घर जला

जागरण संवाददाता, हीरानगर

पाकिस्तान रेंजर्स ने शनिवार रात को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर स्थित गांव में मोर्टार और छोटे हथियारों से गोलीबारी की। इसमें एक कच्चा मकान जल गया। घर में रहने वाला परिवार पास के बंकर में सोया हुआ था। इससे सभी सुरक्षित हैं।

मन्यारी गांव के निवासी सैयद ने बताया कि शनिवार रात को करीब 11 बजे पाक रेंजर्स ने बीका चक क्षेत्र से अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान एक ट्रेसर राउंड उनके घर में घुस गया, जिससे उसमें आग लग गई। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के डर से आसपास के लोग आग बुझाने के लिए बाहर नहीं निकल सके। करीब एक बजे गोलीबारी कुछ देर रुकने पर दमकल विभाग की गाड़ी मंगवाई गई। लेकिन इससे पहले ही घर में रखा सारा सामान जल गया। गनीमत यह रही कि परिवार बंकर में होने की वजह से बच गया। सैयद ने बताया कि पाकिस्तान पिछले करीब 20 दिन से लगातार गोलाबारी कर रहा है। 14 अक्टूबर को भी गोली लगने से उसके दो मवेशी मारे गए थे।

पाकिस्तान की गोलाबारी में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कठुआ जिले के हीरानगर के मन्यारी गांव में जले अपने कुल्ले (कच्चा घर) के बाहर खड़ा परिवार। जागरण

नुकसान का लिया जायजा : रविवार सुबह एसडीएम हीरानगर सुरेश कुमार, नायब तहसीलदार संसार सिंह सहित राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का जायजा लिया। एसडीएम सुरेश कुमार ने कहा कि गोलाबारी से जितना भी नुकसान हुआ है उसकी रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। सरकार की तरफ से उचित मुआवजा दिया जाएगा।

पाक ने भारत के उप उच्चायुक्त को तलब किया

▸ प्रथम पेज का शेष

भारतीय सेना द्वारा गुलाम कश्मीर में आतंकी कैंपों को तबाह करने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के उप उच्चायुक्त गौरव अहलूवालिया को तलब किया है। पाक विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की फायरिंग में अपने दो सैनिकों और पांच नागरिकों के मारे जाने की पुष्टि की है। समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक पाक विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैसल ने गुलाम कश्मीर में भारतीय सेना द्वारा चार आतंकी कैंपों को निशाना बनाने की खबरों को भी गलत बताया है।

सुधरते हालात

जम्मू-कश्मीर में 21,328 स्कूलों में हो रही पढ़ाई, बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही, जम्मू में सौ फीसद हुई उपस्थिति

कश्मीर के स्कूलों में बढ़ी विद्यार्थियों की संख्या

राज्य ब्यूरो, जम्मू

कश्मीर के स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने लगी है। कश्मीर के स्कूलों में अब 20 फीसद बच्चे पढ़ाई के लिए आ रहे हैं। वहीं, जम्मू संभाग के स्कूलों में बच्चों की संख्या शत-प्रतिशत है। जम्मू-कश्मीर के किसी भी भाग में लोगों के आने-जाने पर अब कोई पाबंदी नहीं है। सभी तरह की पाबंदियों में ढील दी जा रही है। लोगों की जरूरत की सारी व्यवस्थाओं को बहाल कर दिया गया है।

कश्मीर में सभी 1,02,069 लैंडलाइन फोन बहाल कर दिए गए हैं। लगभग 84 फीसद मोबाइल फोन भी चल रहे हैं। कश्मीर में लैंडलाइन फोन को दो महीने पहले ही बहाल करना शुरू कर दिया गया था। जबकि पोस्टपेड मोबाइल फोन 14 अक्टूबर को ही बहाल किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में 40 लाख फोन पोस्टपेड हैं। पोस्टपेड सेवा बहाल होने के बाद से लोगों को काफी राहत मिली है। अधिकारियों के अनुसार कश्मीर में हालात तेजी से सुधर रहे हैं। ऐसे में 20 फीसद से अधिक बच्चे स्कूलों में आना शुरू हुए हैं। इनकी संख्या बढ़ रही है। कश्मीर के स्कूलों में शिक्षकों की हाजिरी 86.3 फीसद है। जम्मू-कश्मीर में 21,328 स्कूलों में पढ़ाई हो रही है, जो कुल स्कूलों का 98 फीसद है। स्टेट बोर्ड स्कूलों में परीक्षा की तिथि पहले ही घोषित हो चुकी है।

अधिकारियों के अनुसार 202 थानों के अंतर्गत कोई पाबंदी नहीं है। जम्मू कश्मीर के सभी 130 प्रमुख अस्पतालों और 4,359 अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में भी काम हो रहा है। हर दिन औसतन पांच सौ सर्जरी हो रही है। 65 हजार मरीज ओपीडी में अपनी जांच करवा रहे हैं।

हालांकि अभी जम्मू-कश्मीर में धरना-प्रदर्शन पर रोक है। कहा गया है कि इससे मौके का फायदा उठाकर आतंकी वारदात कर सकते हैं।

फिर सजने लगा संडे बाजार

कश्मीर में रविवार को सजने वाले बाजार में लोगों की भीड़ रही। हालांकि कश्मीर के कई भागों में जनजीवन प्रभावित रहा। श्रीनगर के प्रमुख बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन भी सड़कों से गायब दिखे। लेकिन निजी वाहन और ऑटो रिक्शा आम दिनों की तरह ही सड़कों पर चलते रहे। श्रीनगर के टीआरसी चौक-बटमालू में रविवार को सुबह से ही कई रेहड़ियां सजी हुई थीं। कश्मीर में यह संडे बाजार के नाम से मशहूर है। यहां पर बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने के लिए आते हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद यह बाजार प्रभावित हुआ, लेकिन अब फिर पहले की तरह ही यह बाजार सजने लगा है। सर्दियों के मौसम शुरू होते ही गर्म कपड़े खरीदने वालों की भीड़ बाजार में बढ़ने लगी है। रविवार की सुबह लाल चौक सहित कुछ अन्य क्षेत्रों में कुछ देर के लिए दुकानें भी खुली थीं, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में मुख्य बजार बंद ही रहे।

कन्नौज से छोड़े गए संदिग्ध कश्मीरी, चलती रहेगी जांच

जागरण संवाददाता, कन्नौज

संदिग्ध कश्मीरियों को पुलिस हिरासत से आजादी मिल गई लेकिन जांच जारी रहेगी। काम, व्यवहार, बैंक लेन-देन आदि की जांच का सबसे अहम बिंदु फंड की खपत की जानकारी जुटाना है। उप्र की कन्नौज पुलिस ने रविवार सुबह संदिग्ध कश्मीरियों को छोड़ दिया और वे जम्मू-कश्मीर चले गए लेकिन एटीएस, एलआइयू अधिकारी पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर जांच जारी रखेंगे। उनके बैंक खातों को खंगाला जाएगा।

मदरसा संचालक की होगी जांच : संदिग्ध कश्मीरियों से पूछताछ में मिली जानकारी का इनपुट जम्मू-कश्मीर पुलिस और इंटेलीजेंस को भेज दिया गया है। अब वहां के अधिकारी संदिग्ध कश्मीरियों के अपनों पर नजर रखने के साथ ही दोनों मदरसा संचालकों की निगहबानी करेंगे। उनसे फंड की खपत के बारे में पूछताछ करेंगे।

नंबर पश्चिम उत्तर प्रदेश के

कश्मीरियों के फोन और डायरियों में मिले मोबाइल नंबर में ज्यादातर नंबर पश्चिम यूपी के ही हैं। बताते हैं कि जिन नंबरों पर सबसे अधिक बात हुई, उन नंबरों पर अफसरों ने फोन किया। एक-दो नंबर संदिग्ध मिलने पर पड़ताल की गई। एक मोबाइल नंबर से जुलाई में सर्वाधिक बार बात की गई थी। यह नंबर महाराष्ट्र का था। इस पर अफसरों ने फोन किया तो वह उनके रिश्तेदार का निकला। जांच के दौरान राजस्थान और मध्य प्रदेश के भी नंबर मिले। राजस्थान का नंबर एक कश्मीरी के पिता का था।

कश्मीरियों ने पूछताछ में अनवारुल कुरान मदरसा संचालक जावेद और मदरसा अल जामिया मंजिर उल इस्लाम के संचालक अब्दुल हमीद को रुपये देने की बात कही थी।

सियाचिन ग्लेशियर की अग्रिम चौकियों पर पहुंचे लेफ्टिनेंट जनरल

राज्य ब्यूरो, जम्मू : सेना की उत्तरी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह ने सियाचिन ग्लेशियर की अग्रिम चौकियों का दौरा किया। उन्होंने जवानों से निष्ठा के उच्च मापदंडों को बनाए रखने के लिए कहा।

लद्दाख की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली सेना की 14वीं कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल हरेंद्र सिंह के साथ पहुंचे लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह ने सियाचिन ग्लेशियर में डटे जवानों का हौसला बढ़ाया। रणबीर सिंह ने कहा कि देश को सियाचिन योद्धाओं के बलिदान और सुरक्षा में जुटे वीर जवानों पर गर्व है। उन्होंने विश्व के सबसे ऊंचे युद्ध स्थल पर विकट स्थिति में ड्यूटी निभा रहे जवानों का मनोबल बढ़ाने के साथ सियाचिन वार मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

बाद में रणबीर सिंह ने नोबरा घाटी के सुमर गांव में लद्दाख के हीरो और दो बार महावीर चक्र विजेता कर्नल शेवांग रिनचिन के निवास हेरीटेज एबोड का भी दौरा किया।

2017 में देश में मिठाई का बाजार 65 हजार करोड़ रुपये से अधिक का था। यह बाजार 10 से 12 फीसद की रफ्तार से बढ़ रहा है। 20 से 30 फीसद मिठाई की बिक्री केवल दीपावली पर होती है।

लखनऊ के होटल से मिला चाकू और खून से सना कुर्ता

सफलता ▸ हत्या के बाद आए थे होटल, कपड़े बदलकर भाग निकले

कमलेश तिवारी हत्याकांड

जागरण संवाददाता, लखनऊ

कमलेश तिवारी के हत्यारे लखनऊ के लालकुआं के गुरु गोबिंद सिंह मार्ग स्थित होटल खालसा इन में ठहरे थे। गुरुवार की रात दोनों 11 बजकर आठ मिनट पर होटल पहुंचे थे। आरोपितों ने सूरत सिटी स्थित जिलानी अपार्टमेंट प्लाट नंबर 15-16 पद्मावती सोसायटी लिंबावत निवासी पठान मोईनुद्दीन अहमद और शेख अशफाक हुसैन की आइडी पर कमरा बुक कराया था। दोनों ने लखनऊ घूमने आने की बात रजिस्टर में दर्ज की थी।

होटल प्रबंधन ने दोनों को बेसमेंट में स्थित कमरा नंबर जी-103 में ठहराया था। शुक्रवार दोपहर के बाद से शनिवार शाम तक जब उस कमरे में ठहरने वाले शेख अशफाक और पठान मोईनुद्दीन नजर नहीं आए तो होटल के कर्मचारियों को संदेह हुआ। इस बीच, सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर संदिग्धों की फुटेज देखने के बाद शक के आधार पर कर्मचारियों ने कमरे का दरवाजा खोला। छानबीन की तो बेड पर खून से सना भगवा रंग का दो कुर्ता पड़ा मिला। तौलिया भी खून से सनी हुई थी। यह देख मैनेजर अरविंद कुमार चौरसिया ने होटल मालिक राजस्थान निवासी हेमराज सिंह को सूचना दी। इसके बाद पुलिस के आलाधिकारियों को बताया गया।

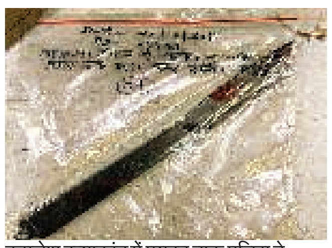

कमलेश हत्याकांड में प्रयुक्त चाकू पुलिस ने लखनऊ के होटल से बरामद किया। एएनआइ

बाबा अब्बास की मजार और इमामबाड़े की ली थी जानकारी

होटल के कर्मचारियों ने बताया कि दोनों आरोपितों ने उनसे बाबा अब्बास की मजार और इमामबाड़े के बारे में पूछा था। दोनों ने बताया था कि इन जगहों पर घूमने जाना है। यही नहीं हत्यारों ने कर्मचारियों से बरेली जाने वाली ट्रेन के समय की जानकारी भी ली थी।

होटल से मिले फुटेज में दिखे हत्यारे : एसआइटी प्रभारी आइजी रेंज एसके भगत और एसएसपी कलानिधि नैथानी ने फॉरेंसिक टीम के साथ शनिवार देर रात तक छानबीन की। कमरे से पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया। इसके अलावा दो बैग, कपड़े, मोबाइल फोन और चश्मे का डिब्बा, शेविंग किट और चार्जर सहित अन्य सामान मिले हैं। होटल में लगे सीसी कैमरे से हत्यारों की फुटेज मिली, जिसमें वह कमरा बुक करते नजर आ रहे हैं।

पौने तीन घंटे में की वारदात : हत्यारे शुक्रवार सुबह 10 बजकर 38 मिनट पर भगवा कुर्ता पहनकर निकले थे। दोनों ने रिसेप्शन पर बात की थी और उनके हाथ में मिठाई का डिब्बा भी देखा गया। दोपहर में एक बजकर 21 मिनट पर हमलावर कमलेश की हत्या करने के बाद होटल वापस लौटे थे, जो होटल के कैमरे में कैद हो गए। हत्यारोपितों ने रिसेप्शन से चाभी ली थी और फिर कमरे में दाखिल हो गए थे।

16 मिनट होटल में ठहरे फिर भाग निकले : हत्या करने के बाद दोनों महज 16 मिनट तक होटल के कमरे में ठहरे थे। होटल के मैनेजर अरविंद कुमार चौरसिया के अनुसार, जब दोनों आरोपित दोपहर में लौटे थे तो मोईनुद्दीन ने अपना एक हाथ कुर्ते की जेब में छिपा रखा था। हालांकि तब कर्मचारियों को उन पर शक नहीं हुआ। आरोपितों ने भीतर जाने के बाद कपड़े बदले और तौलिया से खून साफ करने के बाद सारा सामान कमरे में छोड़कर ताला लगा दिया। इसके बाद रिसेप्शन पर चाभी देकर शाम तक आने की बात कहकर कहीं और निकल गए थे।

हिंदूवादी नेता बन करीब तक पहुंचा था अशफाक

- रोहित सोलंकी के नाम से चलाता था फर्जी फेसबुक अकाउंट
- हिंदू समाज पार्टी और हिंदुत्व का सोशल मीडिया पर करता रहा प्रचार

जागरण संवाददाता, लखनऊ

हिंदूवादी नेता और हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी की हत्या से पहले हत्यारे ने मुकम्मल तैयारी की थी। उसने हिंदू नाम से फेसबुक अकाउंट बनाया और कमलेश तिवारी की पार्टी का गुजरात में प्रचार प्रसार भी किया। पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष के जरिए हत्यारा कमलेश तिवारी और उनके खास सहयोगियों तक पहुंच गया। भगवा पहनने से लेकर हिंदू संस्कृति तक को उसने बड़ी बारीकी से सीखा, जिससे किसी को उसके मुसलमान होने पर शक न हो।

हत्यारे अशफाक ने रोहित सोलंकी राजू के नाम से दो फेसबुक अकाउंट बनाया था। उसने खुद को मुंबई की एक मेडिकल कंपनी का सूरत में प्रतिनिधि बताते हुए हिंदू समाज पार्टी के गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष जैमिन बापू से संपर्क किया था। जैमिन बापू से जुड़कर अशफाक गुजरात में रोहित सोलंकी राजू के नाम से पार्टी के हर कार्यक्रम में शामिल होने लगा। जैमिन का करीबी बनते ही उसने अपने दो फेसबुक अकाउंट बनाए। एक अकाउंट रोहित सोलंकी राजू और दूसरा रोहित सोलंकी हिंदू समाज पार्टी के नाम से। रोहित सोलंकी राजू की फेसबुक आइडी पर अशफाक ने 24 मई को पहली फोटो पोस्ट की जिसमें उसे इनाम लेते हुए दिखाया जा रहा है। इसके बाद उसने अगले ही दिन 25 मई को नाथूराम गोडसे की फोटो अपलोड कर दी। दो दिन बाद अशफाक ने राधाकृष्ण के साथ हिंदूत्व पर आधारित तीन और फोटो पोस्ट किए। अब तक दाढ़ी वाले अशफाक ने आखिरी पोस्ट के रूप में क्लीन शेव और कोट पैंट में अपनी फोटो आठ जून को पोस्ट किया था। दूसरे फेसबुक अकाउंट पर अशफाक ने 16 मई को हिंदू देवताओं की फोटो पहली बार पोस्ट की थी। आखिरी फोटो 25 सितंबर को अपलोड की गई।

कहां किया था 10 अगस्त को मूव

अशफाक ने अपने फेसबुक अकाउंट पर 10 अगस्त की शाम 6 :22 बजे एक पोस्ट की थी। जिसमें उसने लिखा था कि मूव टू सूरत। हालांकि उसने यह जिक्र नहीं किया कि वह कहां से सूरत की ओर जा रहा है।

लखनऊ तक कई थे संपर्क में

रोहित सोलंकी के नाम से बने फेसबुक अकाउंट में हिंदू समाज पार्टी के साथ हिंदूवादी संगठनों के करीब 421 लोग जुड़े थे। इसमें लखनऊ के भी कई लोग थे। फेसबुक पर होने वाली टिप्पणी के जरिए वह लखनऊ की हिंदूत्व से जुड़ी हर घटना पर सीधी नजर रखता था। पार्टी के पश्चिमी क्षेत्र के प्रभारी इटावा निवासी गौरव गोस्वामी को अशफाक ने कई बार फोन भी किया। वह गौरव से भी मुलाकात करना चाहता था। खुद गुजरात के पार्टी अध्यक्ष जैमिन बापू ने ही गौरव को फोन कर कहा था कि रोहित आ रहा है, उसे राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलवा देना।

कमलेश के घर में ठहरने की थी तैयारी : रोहित सोलंकी के नाम से अशफाक ने गौरव को फोन कर पार्टी कार्यालय में ठहरने की बात कही थी। यह भी पूछा था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ कौन-कौन रहता है। जिस पर गौरव ने बताया था कि घर पर सुरक्षा रहती है। इसलिए बेहतर होगा आप आसपास के होटल में रुक जाएं।

'जब मुझे कोई कांग्रेसी कहता है तो दिल छलनी हो जाता है'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी की हत्या के तीसरे दिन रविवार को उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में वह खुद पर कांग्रेसी होने का आरोप लगाये जाने पर अपनी पीड़ा व्यक्त कर रहे हैं। कमलेश कहते हैं कि बहुत पीड़ा है। हम जेल गए, लाठी खाया, आंदोलन किया और हिंदुओं को जगाया फिर भी भाजपा आइटी सेल, भाजपा के लोग, संघ के लोग मुझे कांग्रेसी कहते हैं। जब कोई राजनीतिक विद्वेष के चलते मुझे कांग्रेसी कहता है तो मेरा दिल छलनी हो जाता है। हमें विश्वास में तो लें लेकिन आप काम उल्टा करते हो। सपा सरकार ने मुझे 12-13 पुलिस जवानों की सुरक्षा दी थी लेकिन आपने सारी सुरक्षा हटा दी। एक गनर रखा। इससे तो यही सिद्ध होता है कि जब मुझे जान से मारने की कोशिश हो रही हो तो आप उस षड्यंत्र के हिस्सेदार बन गए।

उत्तर प्रदेश नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष को धमकी

जागरण संवाददाता, नोएडा : एक हिंदूवादी नेता को उनके कारपोरेट गेस्ट हाउस पर पत्र देकर धमकी दी गई है। उन्होंने इस मामले में नोएडा कोतवाली सेक्टर 20 पुलिस को लिखित शिकायत दी है।

हिंदूवादी नेता अमित जानी का सेक्टर 15ए में कारपोरेट गेस्ट हाउस है। वह उत्तर प्रदेश नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनकी तरफ से पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार रविवार शाम करीब सवा पांच बजे एक महिला ऑटो से उनके कारपोरेट गेस्ट हाउस के गेट तक पहुंची और सुरक्षा गार्ड को एक बंद लिफाफा देकर चली गई।

महिला ने सुरक्षा गार्ड से कहा था कि यह लिफाफा अमित को दे देना। जब उन्होंने लिफाफा खोला तो उसमें उन्हें एक धमकी भरा पत्र मिला। आरोप है कि उस पत्र में लिखा गया है कि कमलेश तिवारी के बाद अब तेरा नंबर है। इसके अलावा उस पत्र में अन्य गंभीर बातें भी लिखी गई थीं। शिकायत के अनुसार वहां लगे सीसीटीवी में महिला का आना व पत्र देना कैद हुआ है।

इस मामले में उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत देकर आरोपित महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसपी सिटी विनीत जायसवाल ने बताया कि अमित जानी की शिकायत पर जान से मारने की धमकी देने की एफआइआर दर्ज की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई होगी।

साध्वी प्राची ने जताया जान का खतरा, मांगी सुरक्षा

हरिद्वार में रविवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत करतीं साध्वी प्राची। जागरण

जागरण संवाददाता, हरिद्वार : विश्व हिंदू परिषद से जुड़ीं साध्वी प्राची ने खुद की जान पर खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को इस आशय का पत्र भी भेजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के मौलाना अनवारुल हक ने कमलेश तिवारी के साथ-साथ उन्हें मारने वाले को 51 लाख रुपये देने की बात कही थी।

रविवार को हरिद्वार में मीडिया से बातचीत में साध्वी प्राची ने कमलेश तिवारी के हत्यारों को सख्त सजा दिलाने की मांग करते हुए कहा कि उन्हें दस साल से जान मारने की धमकी मिल रही है। साध्वी ने कहा कि इसके बावजूद पुलिस ने उनकी सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया। कहा कि कमलेश तिवारी की हत्या बाद यह साफ है कि उनकी भी हत्या हो सकती है।

लखनऊ में मां ने योगी को बोला बड़ा बेटा, सीतापुर में मुकरीं

- कमलेश की मां, पत्नी और परिजनों से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- मां ने कहा, सरकार की कार्रवाई से वह संतुष्ट नहीं हैं

जेएनएन, लखनऊ

हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी की मां ने रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद उन्हें बड़ा बेटा बताया। हालांकि इसके बाद सीतापुर पहुंचते ही वह अपने इस बयान से मुकर गईं और कहा कि पुलिस के दबाव में उन्हें सीएम से मिलना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की कार्रवाई से वह संतुष्ट नहीं हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कमलेश तिवारी की मां कुसुमा देवी, पत्नी किरन तिवारी और पुत्र ने उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इसके बाद एक न्यूज एजेंसी को दिये गये बयान में कमलेश तिवारी की मां ने कहा- 'मुख्यमंत्री से मिले। हम अपने बड़े बेटे से मिले। उन्हें बहुत दिन से बड़े बेटे के रूप में हम देख रहे हैं।

बहुत अच्छा लगा। हमने उनसे मांग की है कि हमें न्याय मिलना चाहिये। जो दोषी हैं, उनको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने हमको भरोसा दिया है और भरोसा दिया तो बहुत कुछ दे दिया है। मैं इतना ही बोलना चाहती हूं। इससे अधिक कुछ नहीं कहूंगी। हम उनको बहुत मानते हैं।'

इससे पहले कमलेश की पत्नी ने कहा कि महाराजजी तो हम सबके पहले से ही पूज्य थे। हम इसलिए मिलने आए थे कि और कोई तो सुनेगा नहीं, महाराज जी हमारी बात सुनेंगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी निवास पर हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिवंगत कमलेश तिवारी के परिजनों से मुलाकात की। जागरण

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद सीतापुर के महमूदाबाद पहुंची कुसुमा देवी अपने इस बयान से मुकर गईं और कहा कि पुलिस के दबाव में उन्हें सीएम से मिलना पड़ा। उन्होंने कहा-'हिंदू धर्म में किसी की मौत के बाद 13 दिनों तक कोई भी सदस्य घर से बाहर नहीं जाता, लेकिन यहां पर पुलिस हमारे पीछे पड़ी हुई थी। हमारी इच्छा के मुताबिक उनका (मुख्यमंत्री) हाव-भाव भी नहीं था।' मीडिया के सवाल पर कहा कि अगर हम संतुष्ट होते तो इतना क्रोध क्यों उबलता। उन्होंने कहा कि अगर हमें इंसाफ न मिला तो हम खुद तलवार उठाएंगे। जैसे-तैसे मैं खुद बदला लूंगी।'

पुलिस की अभद्रता पर जांच के आदेश : सीएम से मुलाकात के दौरान पीड़ित परिवार ने शुक्रवार रात में पुलिस पर अभद्रता करने का आरोप लगाया। परिजनों ने कहा कि शव जबरन सीतापुर ले जाने के लिए पुलिस ने कमलेश की पत्नी किरन से धक्का मुक्की की। यही नहीं कमलेश के बेटे से भी हाथापाई की गई।

पीड़ित परिवार की शिकायत को सीएम ने गंभीरता से लेते हुए डीजीपी से रिपोर्ट तलब की। हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राजेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जांच कराकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

यह कहा, कमलेश की मां ने

'मुख्यमंत्री से मिले। हम अपने बड़े बेटे से मिले। उन्होंने हमको भरोसा दिया है और भरोसा दिया तो बहुत कुछ दे दिया है।'

(मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने के बाद)

'हिंदू धर्म में किसी की मौत के बाद 13 दिनों तक कोई भी सदस्य घर से बाहर नहीं जाता, लेकिन यहां पर पुलिस हमारे पीछे पड़ी हुई थी।'

(सीतापुर पहुंचने के बाद पत्रकारों से)

राशिद की मां व अशफाक की पत्नी से हुई पूछताछ

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : उत्तर प्रदेश के हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी हत्याकांड में गुजरात की सूरत पुलिस की क्राइम ब्रांच ने रविवार को आरोपित राशिद की मां व अशफाक की पत्नी से पूछताछ की। पुलिस को पता चला है कि तिवारी की हत्या को मौलाना मोहसिन शेख सलीम ने शरीयत कानून के तहत जायज ठहराया था। तिवारी के भड़काऊ बयान सुनाकर उसने राशिद अमहद पठान के भाइयों मोइन व अशफाक को उनकी हत्या के लिए भड़काया था। सभी गुजरात के सूरत के रहने वाले हैं। एटीएस गुजरात के पुलिस उपाधीक्षक केके पटेल के अनुसार, मौलाना मोहसिन ने दुबई से लौटकर आए राशिद को इस हत्याकांड की साजिश के लिए तैयार किया था। वह अशफाक व मोइन खान उर्फ मोइनुद्दीन को भी कट्टरवादी नसीहतें दिया करता और तिवारी के मुस्लिम विरोधी बयान सुनाकर उनकी हत्या के लिए उकसाता था। अशफाक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव का काम करता था। मोइन उसके साथ चंडीगढ़ व अन्य शहरों में घूमने जाया करता था। अभी ये दोनों फरार हैं। अशफाक की पत्नी स्कूल टीचर है। राशिद की 55 वर्षीय मां शेरिन फातिमा का कहना है कि वह उनके बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानती। सूरत पुलिस की क्राइम ब्रांच ने रविवार को दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया और बाद में छोड़ दिया।

सीमा पार जाने की फिराक में हैं हत्यारे

- सूरत रेलवे स्टेशन के पास शेख नाम के युवक से खरीदी थी पिस्टल
- बरेली व गाजियाबाद के बाद अंबाला में मिली लोकेशन, खुफिया तंत्र फेल

जागरण संवाददाता, लखनऊ

राजधानी लखनऊ में हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी की हत्या करने वाले दोनों आरोपित सीमा पार जाने की फिराक में हैं। बरेली, गाजियाबाद और दिल्ली एनसीआर के बाद पठान मोइनुद्दीन और अशफाक की लोकेशन अंबाला में मिली है। आइबी, एटीएस, एसटीएफ और लखनऊ पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं, लेकिन हत्यारे उनके हाथ नहीं लग सके हैं।

सूत्रों के मुताबिक हत्यारों ने सूरत रेलवे स्टेशन से शेख नाम के एक युवक से असलहा खरीदा था। गुजरात एटीएस को इसकी जानकारी मिली है, जिसके बाद से पुलिस उस संदिग्ध युवक की तलाश कर रही है। हालांकि 16 अक्टूबर से वह युवक फरार है। बरेली में बदमाशों के रुकने की बात सामने आने के बाद लखनऊ पुलिस ने दबिश दी थी, लेकिन पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही दोनों फरार हो गए थे।

खुफिया एजेंसियों ने पंजाब पुलिस से मांगी मदद : हत्यारों की लोकेशन अंबाला में मिलने के बाद खुफिया एजेंसियों ने पंजाब पुलिस से मदद मांगी है। अंबाला से बाघा बॉर्डर की दूरी 285 किलोमीटर है, जो महज पांच घंटे में तय की जा सकती है। ऐसे में किसी आतंकी संगठन के सहयोग से मोइनुद्दीन और अशफाक सीमा पार भी जा सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि हत्यारों के सीमा पार जाने की आशंका के मद्देनजर सुरक्षाबलों को अलर्ट कर दिया गया है।

हत्यारे के हाथ में लगी थी चोट, मददगारों की तलाश

माना जा रहा है कि लखनऊ, सीतापुर, कानपुर, बरेली, गाजियाबाद, दिल्ली एनसीआर और अंबाला में हत्यारों की मदद करने वाले लोग मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि कमलेश की हत्या के दौरान मोइनुद्दीन के हाथ में चोट लग गई थी। लखनऊ से बरेली पहुंचने पर आरोपित ने एक अस्पताल में मरहम पट्टी कराई थी। इसका फुटेज अस्पताल के कैमरे में कैद हुई है। खुफिया एजेंसी ने इलाज करने वाले डॉक्टर से पूछताछ की है।

कॉल डिटेल में उत्तर प्रदेश कनेक्शन उजागर

हत्यारों और उनके करीबियों की कॉल डिटेल खंगालने पर एटीएस और एसटीएफ को कई अहम जानकारियां मिली हैं। आरोपित पिछले कुछ महीनों से उप्र में लगातार फोन पर बात कर रहे थे। खुफिया एजेंसियों ने बिजनौर निवासी आरोपित मौलानाओं की कॉल डिटेल भी खंगाली है। कुछ लोगों का कहना है कि आरोपितों का मूल निवास उप्र में है। हालांकि वे किस जिले में है, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

कानपुर से खरीदा था सिमकार्ड

कमलेश तिवारी के हत्यारोपितों ने सेंट्रल स्टेशन कानपुर से बाहर निकलकर रेल बाजार की मोबाइल शॉप से सिमकार्ड खरीदा था। उसी से उन्होंने कमलेश तिवारी और फिर गुजरात के कई नंबरों पर बात की थी। एसटीएफ ने रविवार शाम सर्विलांस की मदद से दुकानदार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। एसटीएफ को सिमकार्ड लेने आए अशफाक व उसके साथी की तलाश है।

पूछताछ में मौलाना के भाइयों की नहीं पाई गई संलिप्तता

जागरण संवाददाता, बिजनौर

कमलेश तिवारी की हत्या के आरोपित मौलाना अनवारुल हक और मुफ्ती नईम से लखनऊ एसआइटी ने बिजनौर पहुंचकर पूछताछ की। शनिवार रात एसआइटी की पांच सदस्यीय टीम यहां पहुंची। दोनों मौलानाओं से पूछताछ के बाद रविवार देर शाम टीम लौट गई।

शुक्रवार को लखनऊ में हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तिवारी की हत्या कर दी गई थी। उनकी पत्नी की ओर से बिजनौर के किशनपुर आंवला निवासी मौलाना अनवारुल हक और गांव भनेड़ा निवासी मुफ्ती नईम काजमी के खिलाफ हत्या एवं हत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। शनिवार सुबह बिजनौर पुलिस ने दोनों को उठा लिया था। सीओ के नेतृत्व में आई विशेष जांच दल (एसआइटी) ने नजीबाबाद सर्किल की एक चीनी मिल में ले जाकर आरोपितों से रविवार देर शाम तक कई दौर की पूछताछ की।

अनवारुल हक के दो भाई सूरत में रहते हैं। उसके रिश्तेदार गुजरात के अलग-अलग हिस्सों में हैं। इस संबंध में भी एसआइटी ने जानने की कोशिश की। प्रारंभिक जांच में अनवारुल हक से उनका कोई संपर्क नहीं पाया गया। एसपी संजीव त्यागी ने बताया कि एसआइटी ने पूछताछ की है। दोनों आरोपित अभी हिरासत में हैं।

एसआइटी ने खंगाला अनवारुल के दस साल का इतिहास : कमलेश तिवारी की हत्या के आरोपित अनवारुल हक का दस साल का इतिहास खंगाला गया। एसआइटी ने दोनों आरोपितों से शनिवार देर रात पूछताछ शुरू की। अनवारुल से पूछा गया कि वह छह माह में कहां-कहां गया और किन-किन लोगों से मिला। उन लोगों की भी कुंडली खंगाली गई। इसके अलावा पुलिस मौलाना का दुबई कनेक्शन भी खंगाल रही है। अनवारुल हक सपा सरकार में वह आपत्तिजनक बयान देकर सुर्खियों में आया। बिजनौर जामा मस्जिद का इमाम रहने के कारण कई रसूखदारों से उसका संपर्क हो गया। उस वक्त देशभर के लोग उसके पास आते-जाते थे। इनमें कुछ संदिग्ध लोगों के भी मिलने आने का शक है। इसीलिए पुलिस उसका रिकार्ड खंगाल रही है। कमलेश तिवारी हत्याकांड के तार दुबई से भी जुड़े हैं। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि मौलाना व मुफ्ती का कोई परिचित दुबई में तो नहीं रहता।

मंदिर आंदोलन के ताप में प्रगाढ़ हुआ स्वदेशी प्रेम

प्रवीण तिवारी, अयोध्या

मंदिर आंदोलन के ताप के बीच रामनगरी में स्वदेशी प्रेम और प्रगाढ़ हुआ। यहां स्वदेशी अपनाने की मुहिम भी परवान चढ़ी तो इसका केंद्र कारसेवकपुरम ही रहा है। विहिप कार्यकर्ताओं से लेकर संघ की नई व पुरानी पीढ़ी इन्हीं उत्पादों के साथ स्वदेशी की अलख जगा रही है।

लगभग पंद्रह साल पहले श्रीराम गोशाला की स्थापना हुई। गोबर व गोमूत्र से ऐसे अनेक उपयोगी उत्पाद निर्मित किए जाने का क्रम शुरू हुआ। अब इन उत्पादों का देश के कई राज्यों के साथ विदेश में रहने वाले भारतीय भी उपयोग करते हैं। यहां के उत्पादों में गोमूत्र अहम है, जो गंभीर बीमारियों में लाभप्रद है। इसे फिजी व आस्ट्रेलिया के प्रवासी भारतीय यहां से ले जाकर इस्तेमाल करते हैं। पहले नेपाल में थोक में पंचगव्य के उत्पाद जाते रहे। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल सहित अन्य दक्षिणी राज्यों के निवासी इन उत्पादों को पसंद करते हैं। जब भी इन राज्यों के लोग यहां आते हैं तो इसे साथ ले जाते हैं। कारसेवकपुरम के प्रभारी शरद शर्मा बताते हैं कि अभी तक तकरीबन दो लाख से अधिक लोगों ने इन उत्पादों का प्रयोग किया है। इसका मकसद केमिकल उत्पाद के उपयोग की जगह पंचगव्य से निर्मित उत्पादों के प्रयोग को बढ़ावा देना है।

2002 से कारसेवकपुरम में पंचगव्य के उत्पाद निर्मित होने शुरू हुए। यहां के व्यवस्थापक हजारी लाल ने बताया कि पूरे भारत से आने वाले लोग उत्पादों को ले जाते हैं। लोग अयोध्या यात्रा में दर्शन-पूजन के साथ ही इसे लेना नहीं भूलते। इसी माह में अब तक सौ से अधिक लोगों ने अलग-अलग उत्पाद लिए हैं। लोग चंदन भी साथ ले जाते हैं।

खास उत्पाद

कामधेनु अर्क, आसव, घनवटी, कामधेनु हरडे चूर्ण, कामधेनु मालिश तेल, नारी संवीजनी, मलहम, प्रेमहारी, बालफल रस, केशर निखार, कामधेनु दंत रक्षक, पंचगव्य नहाने का साबुन, उबटन, एक्जिमा साबुन, श्रीराम गोधूप, नेत्र रक्षक, कान की दवा, मेदोहर अर्ह।

जहरीली हवा

सीआइआइ ने पंजाब व हरियाणा के सौ गांवों को लिया गोद, एक लाख एकड़ खेतों में पराली जलाने से रोकने में करेगा मदद

पराली के धुएं की घुटन से बचाने उतरा औद्योगिक संगठन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के आसमान में धूल और धुएं का धुंध बनने से पहले भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) सरकार के साथ कमर कसकर मैदान में उतर गया है। सीआइआइ ने खेतों में पराली जलाने से रोकने के मकसद से सौ गांवों को गोद लिया है। पंजाब और हरियाणा के इन गांवों के एक लाख एकड़ खेतों में पराली जलाने से रोकने में मदद करेगा। इसमें स्थानीय किसान, छात्र, बुद्धिजीवियों और विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा।

मौसम में नमी के बढ़ने और तापमान घटने के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में धूल और धुएं से दमघोंटू माहौल की आशंका बढ़ जाती है। पंजाब और हरियाणा में धान के खेतों में पराली जलाने से रोकने के लिए सरकार पिछले कई सालों से प्रयास कर रही है। अब सीआइआइ ने सरकार के साथ मिलकर पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने पर रोक लगाने की गतिविधियां शुरू कर दी है। परिसंघ ने पंजाब के लुधियाना, बरनाला और पटियाला और हरियाणा के रोहतक, सिरसा और फतेहाबाद के गांवों को अपनाया है।

सीआइआइ ने कुल 15 हजार से अधिक किसानों को पराली प्रबंधन के लिए मशीनें दी हैं। इसके अलावा किसानों को मामूली शुल्क पर कृषि से जुड़ी मशीनरी मुहैया कराई जा रही है। गोद लिए गांवों में तकनीकी और जागरुकता अभियान शुरू किया गया है। औद्योगकि संगठन ने पराली जलाने के प्रभावों का आकलन करने के लिए गांवों में प्रदूषण के स्तर को मापने के लिए निगरानी यंत्र लगाए हैं।

संगठन के मुताबिक पंजाब के तीन हजार से अधिक स्कूली छात्र पराली जलाने से रोकने के लिए शुरू हुए अभियान का हिस्सा बने हैं।

सीआइआइ ने पिछले साल पंजाब के 19 गांवों में 16 हजार एकड़ जमीन में प्रायोगिक परियोजना शुरू की थी। इसमें कुल तीन हजार किसानों ने हिस्सा लिया था, जिसका नतीजा बहुत उत्साहजनक रहा। संगठन ने बताया कि वर्ष 2017 के मुकाबले 2018 में 80 फीसद किसानों ने पराली नहीं जलाई थी। वैकल्पिक टेक्नोलॉजी को किसानों ने आगे बढ़कर अपनाया है। चुनिंदा गांवों के 25 हजार टन से अधिक पराली को मिट्टी में दबाकर सड़ा दिया गया।

सीआइआइ के महासचिव चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि इस पहल से वायु प्रदूषण को रोकने में मदद मिली है। इसको देखते हुए इस बार गांवों की संख्या बढ़ाकर सौ कर दी गई है। पराली प्रबंधन की दिशा में उनका संगठन पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, पंजाब पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, कृषि विभाग और जिला स्तर पर स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों की मदद भी ले रहा है।

फिनलैंड की कंपनी हरियाणा में पराली से बनाएगी फाइबर कपड़ा

वैभव शर्मा, हिसार

हरियाणा में पराली पर्यावरण ही नहीं किसानों के लिए भी एक बड़ी समस्या बन गई है। इसके निदान के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्व ने हाल ही में एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने फिनलैंड की कंपनी फोर्टम इंडिया के साथ पराली से फाइबर कपड़ा बनाने पर करार किया था। यह प्रोजेक्ट अब सिरे चढ़ गया है, जिसके तहत कंपनी हरियाणा में प्लांट स्थापित करेगी। प्लांट की स्थापना के लिए जमीन को खोजने का काम शुरू कर दिया गया है। तकनीक के साथ बेहतर परिणाम के लिए एचएयू कंपनी प्रबंधन की मदद कर रहा है। संस्थान की प्राथमिकता ऐसे क्षेत्र में प्लांट लगाने की है, जहां पर पराली की बहुतायत में उपलब्ध हो। इसके साथ ही कंपनी एचएयू के साथ पराली से अन्य केमिकल बनाने पर भी काम करेगी, ताकि दूसरे उत्पादों में इन केमिकल का प्रयोग किया जा सके।

एचएयू व फोर्टम इंडिया मिलकर अपने प्लांट में चावल के भूसे और अन्य कृषि-बायोमास का प्रयोग करेंगे। इसके लिए कच्चा माल हरियाणा व आस पास के राज्यों से लिया जाएगा। पहले चरण में प्लांट स्थापित करने के साथ-साथ वैज्ञानिक पराली आदि पदार्थों पर प्रयोग कर इनकी उपलब्धता, सामाजिक व आर्थिक प्रभाव पर अध्ययन करने में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान आदि के मॉडल पर काम करेंगे।

राम की माला में रमजान के मोती

रघुवरशरण, अयोध्या

करतलिया भजन आश्रम के महंत रामदास त्यागी सरयू तट की ओर बढ़ रहे हैं। रास्ते में एक दुकान पर खड़ाऊं बनाते शख्स को देखकर रुके। एक जोड़ी खड़ाऊं खरीदी और आगे बढ़ने लगे। यह दुकान शमशाद की है। बगल में भतीजा इमरान भी खड़ाऊं की दुकान चलाता है। यह बताने पर कि ये दुकानें मुस्लिमों की हैं, महंत रामदास बोल पड़ते हैं कि हम हिंदू हों या मुस्लिम पहले मनुष्य हैं।

यहां आसपास करीब आधा दर्जन दुकानों पर मुस्लिम परिवार ही खड़ाऊं बेचते मिलते हैं। मानो संतों के पांव की हिफाजत करने का जिम्मा इन्होंने ही संभाल रखा है। यही इन परिवारों की रोजी-रोटी का जरिया है। सरयू स्नान के लिए आते-जाते संत व ग्राहक इनके लिए देवता हैं, क्योंकि इससे इनकी गृहस्थी चलती है। मंदिर-मस्जिद मामले के निर्णय की प्रतीक्षा के बीच भी यहां ऐसे तमाम दृश्य साझी विरासत की बानगी देते मिल जाते हैं। रामनगरी की माटी में रची-बसी यह विरासत कल भी नजीर थी और आज भी है। मंदिर-मस्जिद के फेर में अयोध्या से शुरू विवाद जब देशव्यापी दंगे में बदला, तब भी यहां कौमी एकता की दीवार नहीं दरकी। इमरान की दुकान से कुछ कदमों के फासले पर रमजान मोतियों की माला तैयार करते दिखते हैं। पूछने पर बताते हैं कि मंदिरों में भगवान की प्रतिमाओं को सजाने के लिए इन्हें बना रहे हैं। रमजान अपने काम को इबादत मानकर करते हैं। उन्हें गर्व है कि उनकी बनाई मालाएं भगवान की शोभा बढ़ाती हैं। राम की माला में रमजान के मोती गुंथते देखकर आगे बढ़े तो एक कोने से गुरुद्वारा ब्रह्म कुंड की दीवार नजर आई। इस पर नानक देव की पंक्ति लिखी है, 'मानुष की जाति सबै एकय पहिचानबो।' कुछ ही फासले पर हनुमानगढ़ी भी दिखती है। वही हनुमानगढ़ी, जिसका जीर्णोद्धार अवध के नवाब मंसूर अली खां ने कराया था।

50 टन हल्दी उड़ाई गई महाराष्ट्र के कोल्हापुर में विट्ठल बिरदेव यात्रा में। इस आयोजन में महाराष्ट्र के अलावा कर्नाटक, गोवा व आंध्र प्रदेश से भी श्रद्धालु आते हैं। इस साल करीब पांच लाख भक्त यात्रा में शामिल हुए।

न्यूज गैलरी

70 नर्सिंग संस्थानों को बिहार सरकार ने थमाया नोटिस

पटना : राज्य सरकार ने प्रदेश के 70 प्राइवेट नर्सिंग संस्थानों को नोटिस थमाई है। इन संस्थानों पर आरोप है कि सरकार के बार-बार निर्देश के बाद भी इन संस्थानों ने ना तो अपने संस्थान की वेबसाइट तैयार की न इस संबंध में सरकार को सूचना देना ही मुनासिब समझा। संबंधित संस्थानों को नोटिस का जवाब देने के लिए दो सप्ताह की मोहलत दी गई है। प्रदेश में बड़ी संख्या में प्राइवेट नर्सिंग संस्थान संचालित हैं। सरकार को शिकायतें मिल रही थी कि कई नर्सिंग संस्थानों में ना तो तय मानकों के अनुरूप शिक्षक हैं न ही संस्थानों में पर्याप्त आधारभूत संरचना। इतना ही नहीं अधिकांश संस्थानों की आपस में सांठगांठ है। इस वजह से एक संस्थान के शिक्षक दूसरे संस्थान को भी अपनी सेवा दे रहे हैं। अब सरकार ने इन 70 प्राइवेट नर्सिंग संस्थानों को नोटिस थमाई है। (राब्यू)

ट्रैकिंग के दौरान गहरी खाई में गिरने से कर्नल की मौत

महू (इंदौर): मध्य प्रदेश के महू (आंबेडकर नगर) के समीप ट्रैकिंग के दौरान मेहंदी कुंड में गिरने से कर्नल की मौत हो गई। ट्रैकिंग कैंप के दौरान सैन्य अधिकारी नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से कर्नल करीब नब्बे फीट गहरी खाई में गिर गए। वे सेना की एमसीटीई शाखा में पदस्थ थे। बड़गोंदा पुलिस के मुताबिक, ट्रैकिंग कैंप में करीब पचास अधिकारी मौजूद थे। दोपहर करीब 12 बजे अधिकारी मेहंदी कुंड के ऊपर नदी पार कर दूसरी ओर जा रहे थे। इसी दौरान कर्नल पीपी रविंद्र नाथ पुत्र पुरषोत्तम (50) निवासी एमसीटीई मूल निवासी ग्राम तालुक चालाकुडी जिला त्रिशूर (केरल) का पैर फिसल गया और वे 90 फीट गहरी खाई में जा गिरे। पुलिस व ग्रामीणों की मदद से शव खाई से निकाला गया। बताया जाता है कि कर्नल पत्थरों से टकराते हुए खाई में पत्थर पर गिरे, जिससे उनका सिर व चेहरा क्षत-विक्षत हो गया। शव परिजन को सौंप दिया गया है। (नईदुनिया)

महराजगंज गोसदन से 1546 गायों के गायब होने पर मुकदमा

महराजगंज : उत्तर प्रदेश के महराजगंज गोसदन मधवलिया से गोवंश के गायब होने के मामले में ढूठीबारी पुलिस ने रविवार को चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच अब पुलिस के पास है। अपर आयुक्त कृष्णकांत सैनी के निर्देश पर शनिवार शाम ढूठीबारी पुलिस को गोसदन से गायों के चोरी होने की तहरीर मिली थी। जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। बीते दिनों अपर आयुक्त गोरखपुर कृष्णकांत सैनी ने गोसदन में गायों की गिनती कराई थी। जांच में 1546 गायों के गायब होने की पुष्टि हुई। जिसके बाद शासन ने सख्त रुख अपनाकर तत्कालीन डीएम अमरनाथ उपाध्याय सहित सात अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। पुलिस के मुताबिक मुकदमे की विवेचना में सच्चाई सामने आ जाएगी। (जासं)

ओडिशा में बक्से में बंद बच्ची की मौत, बलि की आशंका

तनाव ▶ पुलिस ने तीन को हिरासत में लिया, गांव में भारी फोर्स तैनात

चार साल की मासूम के शरीर पर दांत गड़ाने, खरोचने के निशान मिले

- आक्रोशित लोगों ने आरोपितों का घर जलाने का किया प्रयास, पुलिस से भिड़े
- फोरेंसिक टीम भी पहुंची गांव, रिपोर्ट की गई दर्ज

जेएनएन, राउरकेला (सुंदरगढ़)

सुंदरगढ़ जिले के धरुआडीह थाना क्षेत्र के घुमड़ा गांव में शनिवार को बक्से में गंभीर हालत में बंद मिली चार साल की मासूम बच्ची की मौत के बाद बलि चढ़ाने के प्रयास की आशंका को लेकर तनाव हो गया। पुलिस मामले में आरोपित महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

रविवार की सुबह सुंदरगढ़ से फॉरेंसिक की टीम बामड़ा अस्पताल पहुंची और बच्ची के शव का मुआयना करने के बाद घुमड़ा गांव में आरोपितों के घर की भी छानबीन की। फोरेंसिक अफसर श्रीराम पाणिग्रही ने बच्ची के शरीर पर नाखून से खरोचने, दांत से काटने, गला घोंटने के साथ पैर से कुचलने के निशान मिलने की बात स्वीकार की है।

बताया गया कि सुंदरगढ़ जिले के धरुआडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बामड़ा से छह किमी दूर स्थित घुमड़ा गांव में शनिवार को इंद्रमणि सॉय की चार वर्षीया इकलौती बेटी पूनम सॉय आंगनबाड़ी से लौटकर दोपहर में खेलने के लिए घर से बाहर गई थी। जब वह शाम तक नहीं लौटी, तो परेशान परिजन उसे खोजने लगे। आसपास खोजबीन करने के बाद गांव में सभी घरों की तलाशी लेने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में, गांव की 26 वर्षीया संध्या नाग पर संदेह होने पर उसके घर की तलाशी ली गई। वहां बच्ची एक टीन के बक्से में गंभीर हालत में बंद पाई गई। उसे तत्काल बामड़ा अस्पातल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

गांव में यह खबर फैलते ही तनाव फैल गया। ग्रामीण इस कदर नाराज थे कि वे आरोपित महिला व बच्ची की चाची को पीटकर मार डालने और उनके घरों को जला देने पर आमादा थे। जानकारी मिलते ही धरुआडीह थाना प्रभारी मनोज मंजरी नाइक पुलिस बल के साथ शनिवार रात गांव पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया।

ग्रामीण खुद आरोपितों को सजा देने पर अड़े थे। इसकी जानकारी होने पर सुंदरगढ़ के एएसपी आरएन बारीक रात 9:45 बजे दो प्लाटून पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद देर रात को पुलिस तीनों आरोपितों संध्या नाग, बच्ची की चाची नबीना और उसके पति चंद्रकांत को थाने ले गई। तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इधर, गांव में पुलिस बल तैनात है।

> **मासूम के साथ आरोपित ने किया अत्याचार**
>
> बच्ची के शरीर पर दांत गड़ाने, नाखून से खरोचने के अलावा गला दबाने के निशान पाए गए हैं। इससे ग्रामीणों ने आशंका जताई कि आरोपित महिला ने बलि देने के प्रयास में ही बच्ची पर इस तरह का अत्याचार किया और टीन के बक्से में बंद कर दिया। बाद में बच्ची ने बक्से में तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।

कोलकाता से तस्करी का 1.84 करोड़ का सोना जब्त, दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, कोलकाता : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) की कोलकाता जोनल यूनिट की टीम ने तस्करी के प्रयास को नाकाम करते हुए कोलकाता से 18 किमी दूर बिराटी से 4.66 किलोग्राम वजन का सोने का बिस्कुट जब्त किया है। जब्त सोने का मूल्य 1.84 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। इस सिलसिले में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक सोने को बांग्लादेश से तस्करी के जरिए लाया जा रहा था। दोनों की पहचान सैफुल हलदर और मणिक शील के तौर पर हुई है।

डीआरआइ की ओर से एक बयान में बताया गया कि खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआइ अधिकारियों की एक टीम ने रविवार तड़के भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे बनगांव से आ रही टाटा एस गाड़ी में छापामारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से 1.84 करोड़ रुपये मूल्य के 4.66 किलोग्राम वजन का 40 सोने के बिस्कुट बरामद किया गया। सोने को उन्होंने कपड़े में छिपाकर रखा था।

पूछताछ में पता चला है कि सोने को बांग्लादेश के एक नागरिक द्वारा दिया गया था और इसे कोलकाता में एक व्यक्ति को सौंपी जानी थी। दोनों लंबे समय से इस पेशे से जुड़े हुए थे। इससे पहले भी कई बार तस्करी कर चुके हैं। डीआरआइ ने इस मामले में पकड़े गए दोनों लोगों के खिलाफ कस्टम एक्ट में मुकदमा दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में नहीं जाएंगे मनमोहन

- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान नौ नवंबर को करेंगे कॉरिडोर का उद्घाटन
- पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ श्रद्धालुओं के पहले जत्थे में शामिल होंगे पूर्व प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर के औपचारिक उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होंगे। लेकिन वह पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ श्रद्धालुओं के पहले जत्थे में शामिल होकर करतारपुर जाएंगे और उसी दिन वापस भी आ जाएंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के इस दावे के बाद कि पूर्व प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में शामिल होने का न्योता स्वीकार कर लिया है, रविवार को सूत्रों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान नौ नवंबर को करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे।

शाह ने शनिवार को मुल्तान में कहा था कि मनमोहन सिंह ने उनका न्योता स्वीकार कर लिया है, लेकिन वह समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर नहीं बल्कि एक आम आदमी की तरह शिरकत करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने भी शाह को पत्र लिख कर अपने फैसले की जानकारी दे दी है।

वहीं, इमरान ने रविवार को अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'पाकिस्तान दुनियाभर के सिखों के लिए अपने दरवाजे खोलने के लिए तैयार है, क्योंकि करतारपुर प्रोजेक्ट में निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और नौ नवंबर, 2019 को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।'

गुरदासपुर में पीएम मोदी एक दिन पहले करेंगे उद्घाटन : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के गुरदासपुर स्थित डेरा बाबा नानक में आठ नवंबर को इस गलियारे का उद्घाटन करेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तीन अक्टूबर को करतारपुर कॉरिडोर उद्घाटन के लिए पाकिस्तान जाने की संभावनाओं को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह केवल करतारपुर साहिब गुरुद्वारा जाने वाले पहले सर्वदलीय जत्थे का नेतृत्व करेंगे।

> **श्रद्धालुओं से लिया जाएगा शुल्क**
>
> भले ही यह गलियारा वीजा मुक्त है, लेकिन पाकिस्तान ने इस रास्ते से जाने वाले हर श्रद्धालु से शुल्क के रूप में 20 डॉलर (लगभग 1400 रुपये) लेने का फैसला किया है।
>
> **वीजा मुक्त है कॉरिडोर**
>
> करतारपुर कॉरिडोर वीजा मुक्त है। इस कॉरिडोर से जाने वाले श्रद्धालुओं को वीजा नहीं लेना पड़ेगा। उन्हें सिर्फ परमिट लेने से ही जाने की अनुमति मिल जाएगी।
>
> **शुरू नहीं हुई रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया**
>
> पाक के हर श्रद्धालु से 20 डॉलर शुल्क लेने पर अड़े रहने के चलते करतारपुर जाने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं शुरू हो सका। इसके अन्य मुद्दों पर भी समझौता नहीं हो पाया है।

'बेटी का साल खराब हुआ तो जेल व विवि प्रशासन होंगे जिम्मेदार'

चिन्मयानंद प्रकरण

- जिला जेल में बंद छात्रा से मिलने पहुंचे थे परिजन
- एसआइटी कल दाखिल करेगी अपनी जांच रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद से रंगदारी मांगने के आरोप में जिला जेल में बंद छात्रा से रविवार को उसके पिता, मां व भाई मिलने पहुंचे। इसके बाद छात्रा के पिता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उनकी बेटी का प्रवेश शासन ने रुहेलखंड विश्वविद्यालय में कराया है। अब बेटी परीक्षा की तैयारी ठीक से कर सके इसलिए विवि प्रशासन किताबें व सामग्री उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि अगर हाजिरी कम होने के कारण बेटी को परीक्षा देने से रोका जाता है या फिर जरूरी किताबें न मिल पाने के कारण उनकी बेटी का साल खराब हुआ तो इसके जिम्मेदार पूरी तरह से जेल व विवि प्रशासन होंगे। छात्रा के पिता ने कहा कि उन्होंने बेटी को जमानत दिलाने के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की है। अभी उस पर कोई तारीख नहीं मिली है। चिन्मयानंद की ओर से छात्रा पर गैंगस्टर लगाने के लिए अर्जी दिए जाने पर छात्रा के पिता ने कहा कि यह सब उन लोगों को परेशान करने के लिए हो रहा है।

एसआइटी कल दाखिल करेगी अपनी जांच रिपोर्ट: दुष्कर्म व रंगदारी मामले में जांच कर रही एसआइटी मंगलवार को हाईकोर्ट में अपनी रिपोर्ट दाखिल करेगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर शासन की ओर से गठित एसआइटी छह सितंबर से चिन्मयानंद पर लगे दुष्कर्म व उनसे पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में जांच कर रही है। टीम को हाईकोर्ट में 22 अक्टूबर को अपनी दूसरी रिपोर्ट देनी है।

जेल में ही मनेगी पांचों की दीपावली: चिन्मयानंद, छात्रा व तीनों युवकों की दीपावली जेल में ही मनेगी। छात्रा की जमानत अर्जी हाईकोर्ट में दाखिल की जा चुकी है, लेकिन उस पर अभी सुनवाई के लिए कोई तारीख नहीं मिली है। जबकि चिन्मयानंद व उनसे रंगदारी मांगने के आरोपित तीनों युवक की जमानत अर्जी दीपावली के बाद दाखिल की जाएगी।

बच्चों ने दिया पेंटिंग के जरिये संदेश

भूजल का दुरुपयोग रोकने के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दक्षिण के राज्य तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसकी थीम 'अंडर वाटर' थी। देशभर से आए बच्चों ने प्रतियोगिता में अपनी कल्पनाओं के रंग भरे और पानी बचाने का सार्थक संदेश दिया। प्रेट्र

पुलिस कैंप खुलते ही चार इनामी समेत 28 नक्सलियों का समर्पण

- दंतेवाड़ा के चिकपाल में तीन दिन पहले ही खुला है कैंप

नईदुनिया, दंतेवाड़ा : छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिला स्थित चिकपाल में तीन दिन पहले ही पुलिस कैंप खोला गया है। इसका असर भी दिखने लगा है। रविवार को चार इनामी समेत 28 नक्सलियों ने पुलिस अधिकारियों के सामने आत्म समर्पण किया।

एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि समर्पण करने वालों में मंगलू पुत्र मासे मड़कामी नक्सल प्लाटून 26 का सदस्य है। उस पर दो लाख रुपये का इनामी था। इसके अलावा कटेकल्याण एलएसओ सदस्य बामन पुत्र मांझी कवासी, एलजीएस सदस्य हांदा पुत्र देवा और सीएनएम कमांडर पोड़ियामी गंगी पुत्र हुंगा पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था। समर्पण करने वाले अन्य 24 जनमिलिशिया सदस्य हैं। इनमें छह सदस्य परचेली, तीन मारजूम और शेष ग्राम चिकपाल के हैं। सभी लंबे समय से नक्सली संगठन में जुड़कर समाज विरोधी काम कर रहे थे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को अधिकारियों ने दस-दस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक सौंपा गया है।

हरिद्वार में पॉड टैक्सी संचालन की तैयारी, डीएमआरसी से हुआ करार

- उत्तराखंड सरकार और दिल्ली रेल मेट्रो कारपोरेशन के बीच हुआ करार
- पहले चरण में हरकी पैड़ी से ज्वालापुर तक बनेंगे 11 स्टेशन

संवाद सहयोगी, हरिद्वार

यदि सबकुछ योजनानुसार चला तो हरिद्वार में पर्यटकों को जल्द ही जाम से निजात मिल जाएगी। इसके लिए शहर में पॉड टैक्सी के संचालन की कवायद शुरू कर दी गई है। रविवार को हरिद्वार में दिल्ली रेल मेट्रो कारपोरेशन और उत्तराखंड सरकार के बीच इसके लिए करार पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर दो साल में योजना को धरातल पर उतारा जाएगा।

शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक ने बताया कि हरिद्वार में मंसा देवी और चंडीदेवी के लिए रोपवे का संचालन करने वाली कंपनी ऊषा ब्रेको और दिल्ली रेल मेट्रो कारपोरेशन के अधिकारियों ने इसे लेकर पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण भी दिया। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य यातायात को सुगम बनाना है।

इस परियोजना के धरातल पर उतरने से पर्यटक शहर में आसानी से आवागमन कर सकेंगे। पहले चरण में हरकी पैड़ी से सीतापुर और ज्वालापुर तक 11 स्टेशन बनाए जाएंगे।

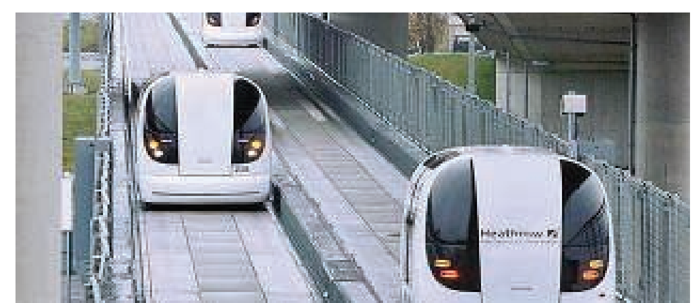

चालक रहित इस टैक्सी में छह यात्री आसानी से कर सकते हैं सफर। प्रतीकात्मक

उन्होंने बताया कि चालक रहित इस टैक्सी में छह यात्री आसानी से सफर कर सकते हैं। कौशिक के अनुसार हरिद्वार के अलावा ऋषिकेश में गंगा के आर-पार रोपवे परियोजना प्रस्तावित है। शहरी विकास मंत्री ने बताया कि दिल्ली रेल मेट्रो कारपोरेशन चार माह में अध्ययन कर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगा। बैठक में उत्तराखंड मेट्रो रेल के प्रबंधक निदेशक जितेंद्र त्यागी, ऊषा ब्रेको के उपाध्यक्ष कैप्टन तरुण सिंघल और दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन के निदेशक (बिजिनेस डेवलपमेंट) सोमदत्त शर्मा मौजूद थे।

कर्नाटक के निजी विवि के पूर्व वीसी की हत्या में एक और गिरफ्तार

बेंगलुरु, एएनआइ : कर्नाटक पुलिस ने अलायंस यूनिवर्सिटी के कुलपति (वीसी) अयप्पा दोरे (53) की हत्या में एक अन्य आरोपित को भी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसके पैर में गोली लगी है उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपित गणेश (30) को रविवार की सुबह संजयनगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। डीसीपी (उत्तर बेंगलुरु) शशि कुमार ने बताया, 'गणेश ने हमारे दो पुलिसकर्मियों पर हमला किया और भागने की कोशिश की। निरीक्षक मिठुन ने पीछा करते हुए दो राउंड फायरिंग की। एक गोली उसके पैर में लगी और वह घायल हो गया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।'

उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु पुलिस इस हाईप्रोफाइल हत्याकांड में अलायंस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति (चांसलर) सुधीर अंगर व प्राथमिक अभियुक्त सूरज सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने बताया कि सुधीर अंगर यूनिवर्सिटी पर अपना कब्जा चाहते थे, इसलिए उन्होंने साथियों के साथ मिलकर डॉ. दोरे की हत्या कर दी। डॉ. दोरे 16 अक्टूबर को अपने घर के निकट एक पार्क में मृत पाए गए थे।

खूंखार डकैत बबुली कोल अभी जिंदा, डालेगा वोट!

- मुठभेड़ में मरने के बावजूद मतदाता सूची में बबुली का नाम

शिवा अवस्थी, चित्रकूट

मध्य प्रदेश पुलिस भले ही साढ़े छह लाख रुपये के इनामी डकैत बबुली कोल को ढेर कर चुकी है लेकिन निर्वाचन आयोग के दस्तावेज में वह अभी जिंदा है। सोमवार यानी आज मानिकपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव की मतदाता सूची में उसका नाम दर्ज है। बीएलओ की निगाह में लोकसभा चुनाव के दौरान यह शातिर डकैत बतौर महिला दर्ज था और अब भी वही स्थिति बरकरार है। अब सवाल उठता है कि क्या मारा जा चुका डकैत वोट डालने भी आएगा?

यूपी-एमपी के पाठा में वर्ष 2004 से सक्रिय रहे बबुली कोल को पुलिस बीते 16 सितंबर को मुठभेड़ में ढेर कर चुकी है। उसके गैंग के सदस्यों को भी जेल भेजा जा चुका है। दस्यु अंबिका पटेल उर्फ ठोकिया के मारे जाने के बाद चर्चा में आया बबुली रागिया व बलखड़िया के साथ रहकर वारदातों को अंजाम देता रहा। 2015 में बलखड़िया के बाद वह सरगना बन गया। दोनों प्रांतों में 180 से अधिक मुकदमों वाला डकैत मरने के बाद भी मतदाता सूची में जिंदा है।

बूथ नंबर 351 में दर्ज नाम : बबुली कोल का नाम डोडामाफी के मजरा सोसाइटी कोलान में पोलिंग बूथ नंबर 351 में दर्ज है। उसमें पिता का नाम राम चरण, मकान नंबर 55 और उम्र 35 वर्ष दिखाई गई है। लिंग वाले खाने पर महिला लिखा है। जबकि इसी बूथ पर क्रम संख्या 518 के मतदाता के नाम पर डिलीटेड लिखा गया है।

> मतदाता सूची में नाम दर्ज होने का मामला संज्ञान में नहीं है। अगर ऐसा है तो जांच कराकर किस स्तर पर चूक हुई इसका पता लगाएंगे। दोषी मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी।
>
> **शेषमणि पांडेय, डीएम चित्रकूट**

गंगाघाट क्रॉसिंग पर हादसे का शिकार होते बची तेजस

जागरण संवाददाता, उन्नाव : एक बाइक सवार की लापरवाही से हाईस्पीड ट्रेन तेजस एक्सप्रेस शनिवार रात गंगाघाट रेलवे क्रॉसिंग पर हादसे का शिकार होते बची। बाइक को ट्रैक पर छोड़कर सवार भाग निकला, लेकिन लोको पायलट ने समय रहते ट्रेन रोक दी। इसके बाद बाइक को ट्रैक से हटाया गया तब ट्रेन रवाना हुई।

गंगाघाट स्टेशन से करीब 200 मीटर पहले रेलवे क्रासिंग पर रात 10:50 बजे तेजस लखनऊ की ओर आ रही थी। गंगा रेलवे पुल के होम सिग्नल से ट्रेन निकलते ही क्रॉसिंग से निकल रहा एक बाइक सवार हड़बड़ाहट में गिर पड़ा और जान बचाने के लिए बाइक वहीं छोड़ भाग गया। डाउन ट्रैक किनारे बाइक पड़ी देख तेजस के लोको पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए ट्रेन रोक दी।

आरपीएफ के बाइक हटाने के बाद ट्रेन पांच मिनट बाद रवाना हुई जबकि रेलवे अधिकारी ट्रेन रुकने की बात से इन्कार कर रहे हैं। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अभिषेक कुमार ने स्टेशन कंट्रोल से जानकारी ली। रेलवे एक्ट के तहत अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

बढ़ रहा पर्यटन

बर्फ के दीदार को रोहतांग में उमड़े पर्यटक

> एनजीटी के आदेशानुसार हर रोज 1200 पर्यटक वाहनों को रोहतांग जाने की अनुमति है, पर्यटक स्थलों में छाने लगी है रौनक

जागरण संवाददाता, मनाली

अक्टूबर में रोहतांग दर्रे में बर्फबारी होने के चलते यहां सैलानियों का मेला लगने है। हर रोज सैकड़ों पर्यटक बर्फ के दीदार करने रोहतांग पहुंच रहे हैं। दर्रे में बर्फ देख सैलानी काफी उत्साहित हो रहे हैं। एनजीटी के आदेशानुसार हर रोज 1200 पर्यटक वाहनों को रोहतांग जाने की अनुमति है, लेकिन अभी सैलनियों की संख्या कम है। पहाड़ों पर बर्फबारी होने से रोहतांग दर्रे सहित आसपास के पर्यटन स्थलों में रौनक छाने लगी है। पर्यटक वाहनों के साथ-साथ लाहुल जाने वाले वाहन भी दर्रे से होते हुए जा रहे हैं। इस कारण कहीं-कहीं ट्रैफिक जाम भी लग रहा है। दर्रे में साहसिक खेलों पर प्रतिबंध है, लेकिन सैलानी बर्फ के बीच फोटोग्राफी का आनंद ले रहे हैं।

रविवार को भी लगभग 400 पर्यटक वाहन रोहतांग पहुंचे। पर्यटकों ने सुहावने मौसम का आनंद उठाया। बादल उमड़ते ही बीच-बीच में बर्फबारी भी हो रही है, लेकिन दर्रा वाहनों के लिए खुला है। यहां हर रोज हो रही हल्की बर्फबारी पर्यटकों के टूअर को और भी यादगार बना रही है। फोटो ग्राफर यूनियन के अध्यक्ष दुर्गादत्त ने बताया कि पर्यटक दर्रे में कुल्लूवी परिधान में फोटोग्राफी का आनंद ले रहे हैं। यूनियन सैलानियों को बेहतर सेवाएं देने का प्रयास कर रही है।

हिमाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थल मनाली में लेह मार्ग पर भारी बर्फबारी के बाद सफेद चादर सी बिछी नजर आई। प्रेट्र

होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनूप ठाकुर ने कहा कि फिलहाल सैलानियों की आमद कम है, लेकिन शीघ्र ही सैलाब उमड़ने की संभावना है। पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू होने से सैलानियों की चहलकदमी बढ़ी है। एसडीएम मनाली रमन घरसंगी ने कहा कि रोहतांग में पर्यटकों की आवाजाही मौसम पर निर्भर रहेगी। उन्होंने लाहुल की ओर जाने वाले वाहन चालकों से भी आग्रह किया कि वो मौसम के हालात देखकर ही दर्रा को आर-पार करें।

केदारनाथ में चौराबाड़ी ग्लेशियर पर नजर रखने के निर्देश

जागरण संवाददाता, रुद्रप्रयाग : उत्तराखंड के मुख्य सचिव उत्पल कुमार ने केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चौराबाड़ी ग्लेशियर का निरीक्षण कर वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों को निर्देश दिए कि ग्लेशियर पर नजर रखी जाए। इसके अलावा राज्य आपदा प्रतिपादन बल (एसडीआरएफ) के जवान भी यहां लगातार गश्त करते रहें।

गौरतलब है कि वर्ष 2013 में चौराबाड़ी ग्लेशियर में बनी झील टूटने से ही केदारनाथ में आपदा आई थी। शनिवार को केदारनाथ पहुंचे मुख्य सचिव उत्पल कुमार आठ किलोमीटर दूर चौराबाड़ी ग्लेशियर पहुंचे। उन्होंने कहा कि ग्लेशियर पर नजर रखने की जरूरत है कि कहीं यहां कोई झील न बन जाए। उन्होंने कहा कि वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक ग्लेशियर की निगरानी करें। मुख्य सचिव ने प्रशासन से कहा कि केदारनाथ से वासुकी ताल ट्रैक को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए कार्ययोजना बनाएं।

छग में जेलों में बंद आदिवासियों के 23 हजार मामलों की होगी समीक्षा

नई दुनिया, रायपुर

आदिवासियों पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा के लिए बनी पटनायक कमेटी की 30 और 31 अक्टूबर को रायपुर में बैठक होगी। कमेटी आदिवासियों से जुड़े करीब 23 हजार मामलों को देखगी। इनमें से करीब 16 हजार मामलों में कोर्ट का फैसला आ चुका है, जबकि साढ़े छह हजार से अधिक मामलों का विभिन्न कोर्ट में ट्रॉयल चल रहा है। इसमें ज्यादा मामले बीजापुर, सुकमा और बस्तर जिले के हैं।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों पर दर्ज मुकदमों की जांच कराने का वादा किया था। इसी आधार पर इस वर्ष मार्च में सरकार ने उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त जज जस्टिस एके पटनायक की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है। समिति में छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता या अतिरिक्त महाधिवक्ता, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव, महानिदेशक जेल (नक्सल ऑपरेशन प्रभारी), पुलिस महानिदेशक और बस्तर संभाग के कमिश्नर को सदस्य बनाया गया है।

> **यह है स्थिति**
>
> गृह विभाग के सूत्रों के अनुसार 30 अप्रैल 2019 तक 6,743 आदिवासी जेल में अंडरट्रॉयल का सामना कर रहे थे। इनमें से 1039 के खिलाफ नक्सल मामले दर्ज हैं। इसके अलावा 16,475 आदिवासी राज्य में विभिन्न मामलों में आरोपों का सामना कर रहे हैं। जिसमें 5239 नक्सली मामलों के तहत आरोपित हैं। इसमें कुछ ऐसे आदिवासी शामिल हैं जिन्होंने खुद को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ अपील नहीं की है। जिसकी वजह उनकी गरीबी या फिर कानूनी मदद न मिलना शामिल है। 25 अप्रैल, 2019 तक राज्य की सात जेलों में ऐसे 1977 अनुसूचित आदिवासी बंद हैं। जिसमें से 589 दोषी ठहराए गए हैं लेकिन उन्होंने अपील नहीं की है।

Download UPSC IAS Material: www.iascgl.com

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 21 अक्टूबर 2019

दैनिक जागरण
विचार कर्म का आधार है

पाकिस्तान का उपचार

पाकिस्तानी सेना की ओर से आतंकियों की घुसपैठ कराने के लिए संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने से उकताई भारतीय सेना ने जो कठोर कार्रवाई की उससे पाकिस्तान जरूरी सबक सीखते हुए दिखना चाहिए। वास्तव में अब यह सुनिश्चित किया ही जाना चाहिए कि पाकिस्तान रह-रह कर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने से बाज आए। यह अच्छी बात है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब देते हुए सीमा पार के आतंकी ठिकानों को भी निशाना बनाया, लेकिन अगर बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक के बाद गुलाम कश्मीर से हटाए गए आतंकी शिविर फिर से वहां कायम हो गए हैं तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान की जिहादी सोच ने नए सिरे से सिर उठा लिया है। इसकी एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 से मुक्त करने का भारत सरकार का फैसला हो सकता है। भारत के इस साहसिक फैसले के बाद पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ी है। वह घरेलू मंचों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत के खिलाफ जहर उगल रहा है। इसका कोई उपचार नहीं नजर आता, लेकिन कम से कम अब तो ऐसे उपाय किए ही जाने चाहिए कि पाकिस्तान संघर्ष विराम का उल्लंघन कर भारत को नुकसान पहुंचाने से तौबा करे।

इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सीमा पर पाकिस्तानी सेना की ओर से की जाने वाली गोलाबारी से कभी हमारे जवान खेत रहते हैं तो कभी सीमावर्ती इलाकों में रह रहे आम नागरिक। गत दिवस ही तंगधार सेक्टर में पाकिस्तानी सेना की ओर से की गई उकसावे वाली गोलाबारी में हमारी सेना के साथ नागरिक आबादी को क्षति उठानी पड़ी। आखिर यह सिलसिला कब थमेगा? यह वह सवाल है जिस पर सेना के साथ-साथ सरकार को भी गंभीरतापूर्वक विचार करना होगा। इस सवाल पर विचार करना इसलिए आवश्यक हो गया है, क्योंकि फिलहाल इसकी सूरत नहीं नजर आती कि पाकिस्तान भारत को नीचा दिखाने की अपनी कुत्सित सोच का परित्याग करेगा। पाकिस्तान आतंकी संगठनों के सहारे भारत के खिलाफ छेड़े गए छद्म युद्ध को जरूरत से ज्यादा लंबा खींच रहा है। जब दुनिया भर के देश अपने बुनियादी ढांचे पर निवेश करने में लगे हुए है तब पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो आतंकी ढांचे पर निवेश करने में लगा हुआ है। वह शायद ऐसा तब तक करता रहेगा जब तक उसे इसकी कीमत नहीं चुकानी पड़ती। भारत की किसी सैन्य कार्रवाई में अपने आतंकियों के मारे जाने से पाकिस्तान की सेहत पर असर इसलिए नहीं पड़ता, क्योंकि उसकी धरती पर उन्हें तैयार करने वाले मदरसे बढ़ते ही जा रहे है। स्पष्ट है कि भारत को यह देखना ही होगा कि पाकिस्तान उसकी कार्रवाई से हमेशा के लिए सबक सीखे।

डेंगू की दहशत

बिहार में बाढ़ और जलजमाव से लोग अभी पूरी तरह उबर भी नहीं सके हैं कि डेंगू के प्रकोप ने दहशत में डाल दिया है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इससे निपटने के त्वरित उपाय करने होंगे, अन्यथा स्थिति और विकट हो सकती है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री का दावा है कि बिहार में डेंगू का असर देश के अन्य राज्यों से कम है। यह अच्छी बात है, पर प्रयास पूर्ण नियंत्रण का होना चाहिए। अभी सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी क्लिनिकों तक में डेंगू के मरीज भरे पड़े हैं। जिस तादाद में मरीज हैं, उस अनुरूप बेड भी उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। संख्या बढ़ती ही जा रही है। इसका प्रभाव शहरी क्षेत्रों से लेकर गांवों तक है। जो बाढ़ पीड़ित हैं, उनकी परेशानी और भी बढ़ गई है, क्योंकि विस्थापित होकर जहां-तहां खुले में रह रहे हैं। डेंगू पर नियंत्रण के लिए टास्क फोर्स बनाकर अभियान चलाए जाने की जरूरत है। जलजमाव वाले क्षेत्रों को तत्काल जलमुक्त करना होगा। नगर निकायों को सफाई अभियान में और तेजी लानी होगी। गली-मोहल्लों में पर्याप्त फॉगिंग भी नहीं हो रही है। पटना और भागलपुर में इसका प्रकोप सर्वाधिक है। पूर्णिया में भी डेंगू के मरीज चिह्नित किए गए हैं। अन्य जिलों में भी कमोबेश स्थिति ऐसी ही है। इस पर तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। डेंगू पर नियंत्रण के लिए नगर निकाय और स्वास्थ्य विभाग को समन्वय स्थापित कर काम करना होगा। एक सच यह भी है कि अधिकारी इस ओर से बेफिक्र हैं। जब हाईकोर्ट के जस्टिस की शिकायत पर भी नालों की सफाई नहीं हो तो आमलोगों की बात कितनी सुनी जाती होगी, यह बताने की जरूरत नहीं है। सरकार लगातार निर्देश दे रही है, कार्रवाई भी की जा रही है। इसके बाद भी अधिकारी निश्चिंत भाव से बैठकर सिर्फ आंकड़ों की फाइलें तैयार कर हकीकत को नजरअंदाज कर दें तो यह और गंभीर मसला है। ऐसे अधिकारियों-कर्मियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जरूरत है, ताकि स्पष्ट संदेश जाए। उन्हें यह समझना होगा कि आम जनता किन परेशानियों से जूझ रही है। उनके दर्द को महसूस करना होगा। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए कि डेंगू की दस्तक के साथ ही इससे बचाव और पीड़ितों को राहत दिए जाने के लिए स्थानीय स्तर पर कौन-कौन से कदम उठाए गए। जहां संसाधनों की कमी है, वहां जरूरी संसाधन भी मुहैया कराए जाएं।

जख्मों पर लगे नागरिकता का मरहम

एम नागेश्वर राव

नागरिकता संशोधन अधिनियम की खामियां सुधार कर नया कानून बनाया जाए ताकि विदेश में धार्मिक उत्पीड़न के शिकार हिंदुओं को राहत मिल सके

हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान के पहले अनुच्छेद में 'इंडिया' के साथ ही 'भारत' नाम भी जोड़ा तो कुछ तथ्यों को लेकर उनका दृष्टिकोण एकदम स्पष्ट था। एक तो यही कि इंडिया एकदम नया नाम था जबकि भारत सदियों पुरानी ऐसी सभ्यता थी जिसने हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख जैसे दुनिया के चार प्रमुख धर्मों को जन्म दिया। इन्हें हम इंडिक धर्म भी कहते हैं। साथ ही भारत नाम हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के मूल्यों को दर्शाता है। दूसरा यही कि भारतीय राज्य हमारी प्राचीन सभ्यता की विरासत का प्रतिनिधि एवं संरक्षक है। तीसरा यही कि प्रस्तावना में 'राष्ट्र की एकता एवं अखंडता' को लेकर जो प्रोत्साहन दिया गया है उसका सभ्यतागत निहितार्थ युगों-युगों से हमारी पीढ़ियों में हस्तांतरित होता रहा है। उनकी दृष्टि में भारत की सभ्यतागत पहचान बहुत पुरानी है जिसकी एकता एवं अखंडता संविधान के आकार लेने के बहुत पहले से ही सनातन धर्म से प्रेरित होती आई है। ऐसे में संविधान की नैतिक बाध्यता यही थी कि वह व्यापक रूप से हमारी प्राचीन सभ्यता को पोषित कर उसके मूल्यों को हमारे राष्ट्र एवं उसके नागरिकों में रोपित करे। यदि ऐसा न हो तो भारत वैसा नहीं रहेगा, क्योंकि महज भौगोलिक भूखंडों से ही राष्ट्र नहीं बनते।

भले ही हिंदुओं की एक अरब से ज्यादा आबादी हो, लेकिन दुनिया में कोई हिंदू राष्ट्र नहीं है। अगर छोटे से नेपाल को अपवाद छोड़ दिया जाए तो केवल भारत ही हिंदू बहुसंख्यक देश है। साथ ही भारतीय भूमि पर जन्मे धर्मों में से बौद्धों को छोड़कर अन्य धर्मों के अनुयायियों की आश्रयस्थली भी है। उनके प्रति भी भारत की सभ्यतागत जिम्मेदारी है। अनुच्छेद 25 के परिशिष्ट-2 के तहत हिंदुओं के साथ ही बौद्ध, जैन और सिखों को भी श्रेणीबद्ध किया है। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत है कि इन सभी को कुछ देशों में धार्मिक उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। चूंकि बौद्धों के अलावा शेष को शरण लेने के लिए कोई और देश नहीं सूझता तो वे भारत का ही रुख करते हैं। मगर जो लोग काफी लंबा अर्सा पहले अपनी जमीन छोड़कर भारत आ गए हैं, वे एक गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए जरूरी भारतीय नागरिकता चाहते हैं।

ट्रिप्स समझौते के तहत संसद ने भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1999 पारित किया था। अगर भौतिक वस्तुओं को लेकर इतनी संजीदगी दिखाई गई तो क्या हमें इतनी ही गंभीरता उन प्रताड़ितों के प्रति नहीं दिखानी चाहिए जो उन धार्मिक परंपराओं के वाहक हैं जिनका जन्म भारत में हुआ और जो सदियों से हमारी प्राचीन सभ्यता के प्रतिनिधि हैं। संविधान में नैतिकता हमारे सभ्यतागत आचार-विचारों से जुड़ी है, ऐसे में भारत भूमि पर जन्मे धर्मों के अनुयायियों की बेहतरी सुनिश्चित करना भले ही भारत की संवैधानिक बाध्यता न हो, लेकिन सभ्यतागत दायित्व अवश्य है।

भाजपा ने वर्ष 2014 के चुनावी घोषणापत्र में वादा किया था कि 'भारत उत्पीड़ित हिंदुओं के लिए स्वाभाविक आश्रयस्थल बना रहेगा और उन्हें यहां शरण दी जाएगी।' इसी प्रयोजन से नागरिकता संशोधन विधेयक (कैब), 2016 संसद में पेश किया गया जो तबसे लंबित ही पड़ा हुआ है। चूंकि असम में एनआरसी की अंतिम सूची के लिहाज से तमाम लोगों की नागरिकता अधर में पड़ गई है तो कैब को पारित कराने की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। इस परिप्रेक्ष्य में 2016 के स्वरूप वाले कैब की खामियों पर विचार करना जरूरी है ताकि उससे सबक लेकर ऐसा नया कानून बनाया जा सके जो कानूनी पचड़ों में न फंसे और लंबे समय से उत्पीड़न की तपिश झेल रहे लोगों को नागरिकता मिल जाए।

कैब, 2016 की पहली खामी तो यही है कि इसमें धार्मिक उत्पीड़न को केवल तीन देशों अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान तक ही सीमित रखा गया है। यह दावे के साथ नहीं कहा जा सकता कि इंडिक धर्मों के अनुयायियों का केवल इन तीन देशों में ही उत्पीड़न होता है। यहां हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की रिपोर्ट का उल्लेख समीचीन होगा जिसमें कहा यह गया कि, 'हिंदू अमेरिकी छात्रों को लगातार निशाना बनाया जाता है और अपनी धार्मिक मान्यताओं के चलते वे सामाजिक रूप से बहिष्कृत महसूस करते हैं।' ऐसे में नए कानून में सभी देशों को शामिल किया जाना चाहिए।

दूसरा यही कि कैब, 2016 में इन तीन देशों के सभी अल्पसंख्यकों को शामिल किया गया है। यह बिल्कुल तार्किक नहीं लगता। भारत के लिए गैर-इंडिक धर्मों के लोगों के लिए ऐसी कोई सभ्यतागत बाध्यता नहीं है। हमने यहूदियों और पारसियों जैसे धर्मों के लोगों के प्रति भी समुचित सदाशयता दिखाई है जिन्हें अपनी भूमि से बेदखल कर दिया गया और उनके पास आश्रय लेने के लिए कोई और स्थान नहीं था। मगर ईसाई और मुस्लिमों पर यह बात लागू नहीं होती जो किसी भी ईसाई बहुल या मुस्लिम बहुल देश में शरण ले सकते हैं। यही बात यहूदियों के बारे में कही जा सकती है जिनके पास इजरायल के रूप में अब अपना एक अलग देश है। पहले से ही आबादी के बोझ तले दबे जा रहे अपने देश पर हम और अनावश्यक भार नहीं बढ़ा सकते। माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस साल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से दिए अपने भाषण में जनसंख्या विस्फोट की समस्या पर उचित ही ध्यान आकृष्ट किया है। ऐसे में भारतीय नागरिकता को केवल इंडिक धर्मों के अनुयायियों और पारसियों तक सीमित रखना उचित होगा। तीसरा पहलू यही है कि विशेषज्ञ कैब, 2016 की संवैधानिक वैधता को लेकर सवाल खड़े कर चुके हैं। ऐसे में भले ही नया विधेयक कानून का रूप अख्तियार कर ले, लेकिन उसे अदालतों में चुनौती दी जा सकती है। इससे हिंदुओं और अन्य धर्मों के प्रताड़ित लोगों को शायद ही कोई राहत मिल पाएगी जो अर्से से मदद की बाट जोह रहे हैं। इस तरह देखें तो नागरिकता अधिनियम में संशोधन से पहले संविधान संशोधन अनिवार्य हो गया है।

अब चौथे पहलू पर चर्चा हो जाए। चूंकि धार्मिक उत्पीड़न के आधार पर ही नागरिकता का प्रावधान होगा तब इसके लिए धर्मांतरण की आड़ भी ली जा सकती है। हालांकि कोई भारत में आने के बजाय अपने देश में ही धर्मांतरण करके रहने को भी तरजीह दे सकता है। वहीं इस आशंका से भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि भारतीय नागरिकता के लिए कोई धर्म बदल ले और नागरिकता के बाद वापस अपनी मूल धार्मिक पहचान हासिल कर ले। ऐसे में कड़े प्रावधानों के अभाव में यह आबादी में घुसपैठ का कानूनी जरिया बन जाएगा। कैब, 2016 ने इसका भी संज्ञान नहीं लिया।

इसे देखते हुए संविधान में संशोधन कर 11ए के रूप में नया अनुच्छेद जोड़ना अनिवार्य होगा। फिर नागरिकता अधिनियम में संशोधन के जरिये किसी भी देश में प्रताड़ित हिंदुओं, बौद्धों, जैनों, सिखों और पारसियों के लिए नागरिकता का प्रावधान करना होगा। हालांकि इसके लिए कुछ सख्त प्रावधान भी करने होंगे। मसलन इसके दुरुपयोग पर न केवल नागरिकता से हाथ धोना पड़े, बल्कि उसकी संपत्ति भी जब्त कर ली जाए।

(लेखक भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं)

response@jagran.com

दस्तावेज सरीखी अदालती बहस

अवधेश कुमार

अयोध्या मामले पर कोर्ट का फैसला जो भी हो, मगर वह भारतीय इतिहास को जानने का एक अहम दस्तावेज होगा

उच्चतम न्यायालय 40 दिनों की सुनवाई के बाद अब फैसला देने की ओर बढ़ गया है। फैसला जो भी हो, लेकिन इस दौरान हिंदू और मुस्लिम, दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह की गंभीर बहस हुई और जो साक्ष्य दिए गए वह न्यायालय के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है। इतिहास, पुरातत्व, धार्मिक पुस्तकों, यात्रियों के विवरणों, पूर्व के मुकदमों में दिए गए गवाहों के विवरण इस बात के सुबूत हैं कि दोनों पक्षों ने काफी परिश्रम किया है। फैसला आ जाने के बाद रामजन्म भूमि बाबरी विवाद ही नहीं, भारत के प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास तथा धार्मिक और सांस्कृतिक स्थिति पर अध्ययन की प्रचुर सामग्री एक ही जगह मिल जाएगी। आइए दोनों पक्षों की ओर से दी गई दलीलों के कुछ अंशों को देखें।

हिंदू पक्षों ने तर्क दिया कि भगवान राम की जन्मस्थली अपने आप में देवता है और मुस्लिम 2.77 एकड़ विवादित जमीन पर अधिकार होने का दावा नहीं कर सकते, क्योंकि संपत्ति को बांटना ईश्वर को नष्ट करने और उसका भंजन करने के समान होगा। वकील सीएस वैद्यनाथन ने कहा कि अकबर और जहांगीर के समय में भारत आने वालों में विलियम फिंच और विलियम हॉकिंस ने अपने लेखों में अयोध्या का भी जिक्र किया है। उन्होंने दलील दी कि पुराण और अलग-अलग समय के ब्रिटिश रिकॉर्ड राम और अयोध्या के बीच संबंधों की पुष्टि करते हैं और यह भी बताते हैं कि मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाई गई। ब्रिटिश सर्वेयर एम. मार्टिन और जोसेफ टिफेंथलर ने भी कहा था कि लोगों का विश्वास था कि अयोध्या राम की जन्मस्थली है। हिंदू पक्ष ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि जिस जगह मस्जिद बनाई गई थी उसके नीचे मंदिर का बहुत बड़ा ढांचा था। उसमें कई पिलर और स्तंभ हैं जो ईसा पूर्व 200 साल पहले के हैं। खोदाई में जो खंभे मिले थे उसमें राम के बाल स्वरूप, शिव तांडव और भगवान कृष्ण की भी तस्वीरें हैं। कहा गया कि मौके से 12वीं शताब्दी के शिलापट्ट और शिलालेख मिले हैं, उनके मुताबिक वहां भगवान विष्णु का विशाल मंदिर था। मस्जिद बनाए जाने के बाद भी हिंदू वहां पूजा करते थे।

निर्मोही अखाड़ा के वकील सुशील कुमार जैन ने 1934 के गवाह राजा राम पांडेय का बयान पढ़ा जिसमें उन्होंने रामलला और उनके लकड़ी के सिंहासन को देखने की बात कही थी। सरकार ने जब 1990 में धार्मिक स्थान की पहचान की थी तब अयोध्या के जन्मस्थान पर बना

मंदिर भी उसमें शामिल था। वाद का पहला कारण 1855 में सामने आया था जब एक दंगा भड़का था। जिसके बाद मुसलमानों ने इस जगह पर कब्जा ले लिया और कुछ समय पश्चात हिंदुओं का कब्जा हो गया। अधिवक्ता के. परासरन ने कहा कि सभी मस्जिद बराबर मानी जाती हैं। अयोध्या में 55-60 मस्जिदें हैं। मुस्लिम किसी भी मस्जिद में नमाज पढ़ सकते हैं, लेकिन हिंदुओं के लिए राम का जन्मस्थान एक ही है। सड़कों पर भी नमाज पढ़ी जाती है, इसका मतलब यह नहीं है कि वे मस्जिद हो जाएंगी और उनको मालिकाना हक मिल जाएगा।

अखिल भारतीय श्री राम जन्मभूमि पुनरुद्धार समिति की ओर से वकील पीएन मिश्रा ने कहा कि बाबर कभी अयोध्या नहीं आया और उसने मस्जिद का निर्माण नहीं कराया। मीर बकी नाम का भी कोई शख्स नहीं था। दरअसल औरंगजेब ने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनवाई। आईन-ए-अकबरी में अबुल फजल ने रामकोट का जिक्र किया है। हुमायूंनामा में भी किसी मस्जिद का वहां जिक्र नहीं है। तुजुक-ए-जहांगीरी में भी कोई मस्जिद का जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा कि जब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने उस जगह पर खोदाई कार्य की तो स्तंभों की सात पंक्तियां दिखाई दीं और हिंदू परंपराओं के अनुसार कुल 85 स्तंभ (पिलर) वहां थे।

अब आएं मुस्लिम पक्ष की ओर। सुन्नी वक्फ बोर्ड के वकील राजीव धवन ने कहा कि वैधानिक बेंच को दो पहलुओं को देखना है। पहला, विवादित स्थान पर मालिकाना हक किसका बनता है? और दूसरा कि क्या गलत कानून जारी रखा जा सकता है? बाबरी के अंदर देवी-देवताओं की प्रतिमा का प्रकट होना चमत्कार नहीं था। 22-23 दिसंबर, 1949 की रात सुनियोजित तरीके से हमला किया गया, गुंबद के नीचे मूर्ति रख दी गई। फैजाबाद के तत्कालीन उपायुक्त केके नायर ने स्पष्ट निर्देश के बावजूद मूर्तियों को हटाने की इजाजत नहीं दी। जन्मस्थान की दलील विश्वास और आस्था पर आधारित है और अगर इस दलील को स्वीकार कर लिया गया तो इसका व्यापक असर होगा।

सभी मुस्लिम पक्षकारों की ओर से दलील दी गई कि 1934 के बाद भी बाबरी में नमाज पढ़ी गई थी। 1934 में मस्जिद पर हमले के बाद पीडब्ल्यूडी दस्तावेज में इस बात के साक्ष्य मौजूद हैं कि मस्जिद की मरम्मत की गई थी। अभिलेखों से साफ है कि मस्जिद बाबर ने बनवाई थी। जफरयाब जिलानी ने दलील दी कि 1855 से पहले वहां कुछ नहीं था। उनकी दलील थी कि मंदिर तोड़कर मस्जिद नहीं बनवाई गई, बल्कि खाली जगह पर बनवाई गई। संविधान पीठ ने कहा कि लोहे की ग्रिल लगाने का मकसद बाहरी बरामदे से भीतरी बरामदे को अलग करना था। राजीव धवन ने कहा कि 1949 के केस के बाद किसी गवाह के बयान से जाहिर नहीं होता कि रेलिंग के पास लोग पूजा के लिए क्यों जाते थे? निर्मोही अखाड़ा के दावे पर कि वह बाहरी आंगन में राम चबूतरे पर 1855 से पूजा करता था धवन ने कहा कि राम चबूतरे पर पूजा और पूजा के अधिकार को हमने कभी मना नहीं किया, लेकिन वहां का मालिकाना हक कभी निर्मोही अखाड़ा के पास नहीं था, बल्कि हमारे पास था। हिंदुओं ने 1934 में बाबरी मस्जिद पर हमला किया। फिर 1949 में अवैध घुसपैठ की और 1992 में इसे तोड़ दिया। अब कह रहे हैं कि संबंधित जमीन पर उनके अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए। कानूनी मामलों में ऐतिहासिक बातों और तथ्यों पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता। कुल मिलाकर अब देखना है कि सुप्रीम कोर्ट किस पक्ष की दलीलों को सही मान फैसला सुनाता है। देश की नजरें सर्वोच्च न्यायालय की ओर लगी हुई हैं।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

गुरु-शिष्य

सदियों से भारतवर्ष की पावन धरा पर गुरु और शिष्य का स्नेहिल संबंध रहा है। सनातन परंपरा में गुरु अपनी सदाशयता, सद्भावना और आत्मीयता के विलक्षण स्वरूप से हर एक मानव मन में चरित्र निर्माण, आपसी प्रेम और भाईचारे का बीज बोता रहा है। सशरीर होते हुए भी गुरु तत्व है। संसार की सबसे पवित्र ईश्वरीय देन है। वह मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के अंध तमस को दूर कर उसे दिव्य प्रकाश देता है। गुरु के बिना मनुष्य का जीवन बिना पतवार की नौका के समान होता है। गुरु के बिना ज्ञान मिलना कठिन है। गुरु के बिना मोक्ष नहीं मिलता। गुरु के बिना सत्य को पहचानना असंभव है। गुरु बिना मन के विकारों का मिटना मुश्किल है।

गुरु शिष्य की हर उलझी हुई समस्या का समाधान करता है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को न सिर्फ उपदेश दिया, बल्कि हर उस वक्त उन्हें उचित निर्देश दिया जब-जब वे दिग्भ्रमित नजर आए। गुरु के मुख से निकला हर शब्द ब्रह्म होता है जो सत्य की गहराई से निकलता है। अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा पद दिया गया है। शास्त्रों में गुरु को ईश्वर के विभिन्न रूपों-ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया, क्योंकि वह शिष्य को नया जन्म देते हैं। गुरु विष्णु भी हैं, क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करते हैं। गुरु साक्षात महेश्वर भी हैं, क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार करते हैं।

उपनिषदों में कहा गया है कि गुरु के प्राण शिष्यों में और शिष्यों के प्राण गुरु में बसते हैं। गुरु मानव चेतना के विकास के हर एक पहलू को जागृत करता है। शिष्य को जीवन जीने की कला सिखाता है। एक संबुद्ध गुरु को यदि एक चेतनावान शिष्य मिल जाए तो वह अपने परम संबोधि के विस्फोट से नए युग का निर्माण कर सकता है। शिष्य के सदा के बंद द्वार खोल सकता है। उसके जीवन में एक नया संगीत भर सकता है। आज के समय में एक बार पुनः गुरु-शिष्य परंपरा की अनंत श्रृंखला को कायम रखने की महती आवश्यकता है। यदि सही गुरु मिल जाए तो जीवन की दिशा सुधारी जा सकती है।

शंभूनाथ पांडेय

जनजीवन को प्रभावित करता प्रदूषण

सुधीर कुमार

पर्यावरण संरक्षण के लिए देश में अनेक स्तरों पर मुहिम चलाने तथा धरातल पर कोशिश करने की जरूरत है

हर साल अक्टूबर और नवंबर माह में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों द्वारा धान की फसल की कटाई के बाद उसके अवशेषों (पराली) को जलाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। नई फसल की जल्द बुआई करने के चक्कर में किसान पराली को अपने खेतों में ही जला देते हैं। हमारे किसान इस बात से अंजान रहते हैं कि इस आग से एक ओर जहां पर्यावरण में जहर घुल रहा होता है, वहीं खेतों में मौजूद भूमिगत कृषि-मित्र कीट तथा सूक्ष्म जीव मर जाते हैं, जिससे मृदा की उर्वरता घटती है और अनाजोत्पादन प्रभावित होता है। पराली जलाने से वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और मिथेन जैसी विषैली गैसों की मात्रा भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। पराली का बहुतायत में जलाया जाना दिल्ली एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ने की प्रमुख वजह है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने जहां पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार को पराली जलाने की समस्या से निपटने में नाकाम रहने पर फटकार लगाई है, वहीं बिहार सरकार ने इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए कड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि पराली जलाने वाले किसानों को सरकारी योजना का फायदा नहीं मिलेगा!

आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन दशक में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीनहाउस गैसों की वजह से ग्लोबल वार्मिंग में 40 फीसद का इजाफा हुआ है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में तीस करोड़ बच्चे ऐसे इलाके में रहते हैं, जहां प्रदूषण का स्तर तय मानकों से छह गुणा अधिक है। भारत में हर साल केवल प्रदूषण से पांच लाख बच्चों की मौत हो जाती है। पर्यावरण प्रदूषण की वजह से लोगों में कैंसर, अस्थमा तथा सांस संबंधी अन्य शिकायतें बढ़ती जा रही हैं। प्रदूषण का यह जानलेवा स्वरूप अंधाधुंध विकास और मानव के पर्यावरण-प्रतिकूल कारस्तानियों का ही गौण उत्पाद है। प्रदूषण की वजह से इंसान असामान्य जीवन गुजारने को लाचार है।

पर्यावरण में चमत्कारिक रूप से विद्यमान वायु आज प्रदूषित होकर जीवन के लिए खतरनाक साबित हो रही है। विडंबना है कि पर्यावरण से निरंतर छेड़छाड़ तथा विकास की अनियंत्रित भूख ने आज इंसान को शुद्ध एवं स्वच्छ पर्यावरण से भी दूर कर दिया है। जीवन-प्रत्याशा के घटने और अस्वस्थ होने की यह एक बड़ी वजह बन चुकी है। मौजूदा समय में पर्यावरण के समक्ष ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन परत क्षय एवं सभी प्रकार के प्रदूषणों (जल, वायु, भूमि और ध्वनि) से उबरने की चुनौती है। दरअसल प्राकृतिक नियमों को अनदेखा कर लूट की बुनियाद पर किया गया औद्योगिक विकास विनाश के जनन के लिए उत्तरदायी होता है। दुर्भाग्य है कि सबकुछ जानने-समझने के बावजूद हम अपनी गतिविधियों से पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं! पर्यावरण संरक्षण के लिए देश में अनेक स्तरों पर मुहिम चलाने तथा धरातल पर कोशिश करने की जरूरत है, अन्यथा 'औद्योगिक आतंकवाद' का यह स्वरूप धीरे-धीरे पूरी मानव जाति को ही लील लेगा!

(लेखक बीएचयू में अध्येता हैं)

चीन पर दबाव आवश्यक

'भरोसे की कमी से जूझते भारत-चीन' शीर्षक से लिखे अपने लेख में सुधींद्र कुलकर्णी ने जिस तरह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मामल्लपुरम में हुई वार्ता एवं उसकी आगामी उपलब्धियों का जिक्र किया है वह सभी दृष्टिकोण से नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक प्रतिभा एवं बुद्धिमता का परिचायक है। विडंबना यह है कि इस वार्ता के संदर्भ में विश्वास का आभाव देखा गया। हालांकि भारत-चीन रिश्ते में अविश्वास का सबसे बड़ा कारण है तमाम भारतीयों में यह धारणा का होना कि पाकिस्तान का करीबी राष्ट्र हमारा दोस्त नहीं हो सकता और ऐसे राष्ट्र से हमारे रिश्ते मजबूत नहीं हो सकते एवं ऐसे राष्ट्र दोस्ती की आड़ में हमें नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। हालांकि इस तरह की धारणा का उत्पन्न होना भी स्वाभाविक हो जाता है, क्योंकि अतीत में कई बार चीन द्वारा भारत की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। बहरहाल विश्वास के इस अभाव के बावजूद भी यह वार्ता अपने मुकाम तक पहुंचने में सक्षम होगी और इस बात का अंदाजा शी चिनफिंग के इस मनोभाव से लगाया जा सकता है कि इस अनौपचारिक वार्ता में वे पाकिस्तान की अपेक्षा भारत के साथ ज्यादा सहज एवं दोस्ताना तरीके से पेश आए। इस वार्ता से भारत-चीन साहयोग में एक नए दौर की शुरुआत हो सकती है। हालांकि यह तभी संभव है जब चीन पाकिस्तान जैसे राष्ट्र को आतंकवाद एवं अन्य सभी कुरीतियों के वास्ते बढ़ावा देना छोड़ेगा।

आरके आशुतोष, सारण

बहुप्रतीक्षित फैसला

अयोध्या राम जन्मभूमि पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला शीघ्र ही

मेलबाक्स

आने वाला है। यह एक ऐतिहासिक फैसला होगा। अब इस विवाद का पटाक्षेप होना ही चाहिए। इस विवाद पर देश की बहुत ऊर्जा खर्च हो चुकी है। फैसला चाहे किसी के पक्ष में हो दोनों को एक दूसरे के प्रति सौहार्दपूर्ण रवैया रखकर प्रेम एवं भाईचारे के साथ स्वीकार करना चाहिए। यही देश के हित में है।

anandchetri621@gmail.com

सड़कों पर सीसीटीवी

देश में विभिन्न तरह के अपराधों में बढ़ोतरी हो रही है। बहुत से अपराध रात में ही होते हैं। इसका एक कारण सड़कों पर अंधेरा रहना भी होता है। सड़कों पर बिजली के खंभे होते ही हैं। यदि इन पर हाई पावर के एलईडी बल्ब के साथ सीसीटीवी कैमरे भी लगवा दिए जाएं तो न केवल गली, मुहल्ले, सड़कें रोशनी से गुलजार होंगी, बल्कि अपराध पर भी अंकुश लगेगा। आम आदमी को तो राहत मिलेगी ही, पुलिस प्रशासन के लिए भी अपराधियों को पकड़ना आसान होगा। गलत करने वाले सशंकित अवश्य रहेंगे। कैमरों की निगहबानी में स्वस्थ सामाजिक वातावरण का निर्माण होगा।

mkumarbaluachak@rediffmail.com

प्रदूषण के खिलाफ जंग

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण अब दमघोंटू होता जा रहा है। स्थिति दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। वहीं धुएं की चादर बिछने लगी है। दिल्ली में अब सांस लेना चुनौती हो गया है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान भी फेल होता नजर आ रहा है। वहीं निमाणकार्य का काम धड़ल्ले से चल रहा है जो प्रदूषण का एक बहुत बड़ा कारण है। इसके अलावा खुले में कूड़ा भी जलाया जा रहा है। इससे न सिर्फ बुजुर्गों को दिक्कत हो रही है, बल्कि बच्चों को भी सांस लेने में तकलीफ हो रही है। सारा दोष हम पराली को नहीं दे सकते। दिल्ली के अंदर न जाने कितने अवैध कारखाने चल रहे हैं जिन्हें बंद करवाना आवश्यक है। वायु प्रदूषण सबके लिए हानिकारक है, इसलिए सबको मिलकर इससे निपटना होगा।

आशीष, दिल्ली विवि

उज्ज्वला योजना

मोदी सरकार ने मार्च 2020 तक आठ करोड़ लोगों को उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस सिलेंडर वितरण की योजना बनाई थी। इसको सरकार ने 7 महीने पहले ही लक्ष्य प्राप्त कर लिया। जहां सरकारी योजनाएं अपनी लेट-लतीफी के लिए अभिशप्त हैं, वहां पर समय से पहले लक्ष्य को प्राप्त करना एक उपलब्धि मानी जा सकती है। देश में कोई भी जनकल्याणकारी योजना तभी सफल नहीं हो पाती है, जब राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव एवं भ्रष्टाचार हो।

जय किशोर तिवारी, शिक्षक, नई दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

100 अरब डॉलर का है भारतीय डेयरी उद्योग। आगामी एक दशक में सरकार का लक्ष्य इस आकार को दोगुना करने का है। भारत में करीब पांच करोड़ परिवारों के लिए जीविकोपार्जन का एक बड़ा माध्यम है दुग्ध उत्पादन।

आरसीईपी समझौता

वैश्विक व्यापार में बढ़ानी होगी भागीदारी

आसियान देशों समेत कुल 16 देशों के बीच आरसीईपी समझौते पर इन देशों के वाणिज्य मंत्रियों के बीच हाल ही में बैठक संपन्न हुई है। वैसे आरसीईपी को लेकर भारतीय उद्योग जगत में कुछ हद तक चिंता भी जताई जा रही है। दरअसल भारत के सामने सबसे बड़ी परेशानी है व्यापार घाटा। इन 16 देशों के साथ होने वाले व्यापार में भारत 11 देशों के साथ व्यापार घाटे की स्थिति में है। इनमें सबसे बड़ा व्यापार घाटा चीन के साथ है। ऐसे में इस समझौते से जुड़ी अनेक आशंकाओं से पूरी तरह से इन्कार नहीं किया जा सकता है

डॉ. विकास सिंह
मैनेजमेंट गुरु, वित्तीय व समग्र विकास विशेषज्ञ

बदलते समय के साथ परिस्थितियां भी बदल चुकी हैं। आज युद्ध बोर्ड रूम में लड़े जाते हैं, ना कि युद्ध के मैदान में। व्यापार के माध्यम से दूसरे देशों पर वर्चस्व हासिल किया जा सकता है। मुक्त व्यापार समझौते के लिए 16 प्रमुख देशों ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी यानी रिजनल कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) की पहल की है। यह उन राष्ट्रों के बीच मौजूदा व्यापार में सामंजस्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है जो दुनिया के करीब आधे हिस्से का प्रतिनिधित्व और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का एक तिहाई उत्पादन करते हैं। ऐसे में आरसीईपी को महत्व मिलना स्वाभाविक है, पर इसके लक्ष्य को हासिल करने में बाधाएं भी बनी हुई हैं। यह सच है कि आरसीईपी की सफलता से साढ़े तीन अरब लोगों का बाजार खुलेगा। यह आसान भी नहीं होने वाला है। राजकोषीय व सांस्कृतिक अंतर को पाटना मुश्किल है। प्रति व्यक्ति जीडीपी के साथ ऑस्ट्रेलिया सबसे अमीर देश है जो सबसे गरीब देश से 50 गुना अधिक है।

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि आरसीईपी पर प्रगति समग्र रूप से कई वर्षों की वार्ताओं के बाद हुई है, लेकिन इसमें अभी भी समर्पण का अभाव है। बढ़ते संरक्षणवाद और अमेरिका तथा चीन के बीच व्यापार युद्ध को देखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप देना जरूरत के साथ ही वक्त की मांग भी थी, लेकिन इसमें पूर्व के वैश्विक व्यापार की पेचीदगियों के समाधान और भविष्य की दृष्टि का अभाव है। हालांकि उम्मीद बनी हुई है, क्योंकि संबंधित पक्ष इन मुद्दों को सुलझाने का इरादा रखते हैं। स्थानीय उद्योगों के पहलुओं की रक्षा के लिए अस्थायी निगरानी तंत्र को शामिल करना जरूरी है।

आरसीईपी भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। चीन और अमेरिका के बीच बढ़ती दरार के बीच दुनिया को द्वि-ध्रुवीय बनने से रोकना एक चुनौती है और ऐसे में भारत अपने स्वयं के क्षेत्र को तराशने की कोशिश में जुटा है। यह आंशिक रूप से चीन के व्यापारिक आक्रमण को देखने की अपनी घरेलू मजबूरी से प्रेरित है जो उसके घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा रहा है। और साथ ही एक अवसर है जो अमेरिका-चीन के शुल्क युद्ध से उत्पन्न हुआ है। एक महत्वाकांक्षी नेतृत्व, एक बढ़ती अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकीय लाभांश के कारण भारत अपनी ताकत व इच्छाशक्ति के बल पर इसका लाभ उठा सकता है। इसलिए अब यह दूर की कौड़ी नहीं है। लेकिन हमें यह ध्यान रखना होगा कि कल से पहले, आज आता है।

उच्च संभावित विनिर्माण क्षेत्र वह है जो हमारी आशा को उच्च स्तर पर पहुंचाता है। वैश्विक विनिर्माण में हमारा हिस्सा दो प्रतिशत है। एक अध्ययन बताता है कि प्रत्येक एक प्रतिशत वृद्धिशील हिस्सेदारी से 50 लाख नौकरियां पैदा होंगी और इससे अर्थव्यवस्था को कई गुना फायदा होगा।

भारत एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है, फिर भी व्यापार महाशक्ति नहीं है। हमें आत्मचिंतन करने की जरूरत है। व्यापार परिदृश्य को नया आकार देने के लिए अंतर्दृष्टि, डिजाइन और वितरित करने की हमारी क्षमता काफी महत्वपूर्ण है। प्रचलित श्रम कानून, जटिल कर संरचना और नौकरशाही की जड़ता, प्रतिस्पर्धा को केवल कम करती है। इसके अलावा, मुद्रा अवमूल्यन और डंपिंग के बारे में हमारी प्रतिक्रिया अधिकांशतः अपर्याप्त और रक्षात्मक होती है।

व्यापार समझौते अनुकूल होने चाहिए, लेकिन अधिकांश समझौते ऐसे होते नहीं हैं और कुछ समझौतों में तो विजेता सब कुछ हासिल कर लेते हैं। चीन पर अक्सर छोटे देशों को धमकाने के आरोप लगते रहे हैं। चीन के बड़े आकार की वजह से भारत को इस प्रतिस्पर्धा में चीन से मुकाबला करना है।

हमें आरसीईपी को साकार करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। चीनी बाजार तक पहुंच के लिए चीन के साथ बातचीत व्यापार में सबसे कमजोर कड़ी रही है, जिसका मुख्य कारण बीजिंग की 'संरक्षणवादी नीतियां' हैं जो दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण व्यापार घाटा को पैदा करता है। हमारे 105 अरब डॉलर के आरसीईपी व्यापार घाटे का आधा हिस्सा चीन के पास है और किसी भी बढ़ोतरी से आयात में वृद्धि हो सकती है, जो घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा सकता है। चीन द्वारा शुल्क में कोई कटौती करने से हमारी मोल-भाव की क्षमता कम होती है और हमें इसका कोई फायदा भी नहीं मिलता है, क्योंकि हमने आरसीईपी के सदस्यों के साथ गैर-शुल्क बाधाओं पर बातचीत नहीं की है। इसी प्रकार, आरसीईपी सदस्य देशों से आयात में वृद्धि के खिलाफ एक ऑटो-ट्रिगर तंत्र का प्रस्ताव प्रभावी होने की संभावना नहीं है।

बोझिल पंजीकरण प्रक्रिया और लाइसेंस देने में अनावश्यक देरी से भारतीय दवा और हमारे कई उद्योग बड़े चीनी बाजार से बाहर हैं। स्वाभाविक रूप से डेयरी, धातु, इलेक्ट्रॉनिक्स और रसायन सहित कुछ क्षेत्रों ने सामूहिक रूप में चीन की उपस्थिति पर चिंता जताई है और सरकार को इन क्षेत्रों में शुल्क कटौती पर सहमत नहीं होने के लिए प्रभावित किया है। अन्य प्रमुख चिंताओं में इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ा साझाकरण और स्थानीय आंकड़ा भंडारण की आवश्यकता की मांग शामिल है, जिसके प्रभावी होने से आंकड़ों का सीमा पार प्रवाह नियंत्रित होगा। इसी तरह, डेयरी आयात का विरोध, जेनेरिक दवा तक पहुंच सुनिश्चित करना, खनन मुनाफा का देश में बने रहना और पानी, दूरसंचार, ऊर्जा और परिवहन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निजीकरण का विरोध महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही समाज में आर्थिक असमानता को देखते हुए एक प्रमुख चिंता यह है कि इससे बहुत से लोग पिछड़ जाएंगे।

अब तक, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आरसीईपी देश कई चुनौतियों के बावजूद अभी भी अपने मतभेदों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। चीन-भारत संबंधों को बनाए रखना और विकसित करना वार्ता का एकमात्र लक्ष्य है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में, चीन और भारत वैश्विक स्थिरता की सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को निभा सकते हैं।

भारतीय राजनेताओं को यह समझना होगा कि आरसीईपी वार्ता अभिनव, समग्र, उच्च गुणवत्ता और पारस्परिक रूप से एक लाभप्रद आर्थिक भागीदारी है। व्यापार हमेशा से संबंधित क्षेत्र में सद्भाव और शांति लाने का एक तरीका रहा है और इसे दो प्राचीन संस्कृतियों से बेहतर कोई और नहीं समझ सकता है, जो कभी व्यापार और वाणिज्य में अग्रणी थे।

डेयरी उद्योग के लिए खतरे की घंटी

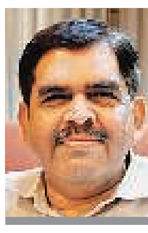

डॉ. अश्विनी महाजन
एसोसिएट प्रोफेसर, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विवि

सरकार आरसीईपी- एफटीए (क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी- मुक्त व्यापार समझौता) को अंतिम रूप देने पर विचार कर रही है। इसमें 10 आसियान देशों, जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा चीन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी शामिल हैं। न्यूजीलैंड व ऑस्ट्रेलिया डेयरी उत्पादों पर शुल्क कम करने हेतु भारत से बातचीत कर रहे हैं, ताकि उन्हें यहां पहुंच मिल सके जो कि डेयरी उत्पादों का सबसे बड़ा बाजार है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वाणिज्य मंत्रालय के तहत सेंटर ऑफ रीजनल ट्रेड के अधिकारी भारत के दुग्ध उत्पादन के आंकड़ों को तोड़ मरोड़ कर और दूध की गलत भारी कमी की आशंका जताकर दूध और उसके उत्पादों पर शुल्क घटाने के प्रस्ताव का समर्थन कर रहे हैं। वे पशुओं के पोषण के लिए चारे और पानी की कमी व न्यूजीलैंड डेयरी उत्पादों की कम कीमत के बावजूद अवास्तविक निर्यात अवसर दिखा रहे हैं। दुग्ध उत्पादकों और प्रोसेसरों ने वाणिज्य मंत्रालय के साथ कुछ मजबूत तथ्यों को प्रस्तुत किया है जिसे नौकरशाहों और सलाहकारों द्वारा जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। नीति आयोग के कार्यकारी समूह की एक रिपोर्ट (फरवरी 2018) के अनुसार 2033 तक दूध की मांग 292 मिलियन मीट्रिक टन होगी, जबकि भारत में 330 मिलियन मीट्रिक टन दूध का उत्पादन होगा। भारत में दूध उत्पादों का अधिशेष होगा तो आयात का सवाल ही नहीं उठता। एनडीडीबी और एफएओ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी इसकी पुष्टि की है।

करीब 48 लाख की आबादी वाला न्यूजीलैंड 10,000 किसानों को रोजगार देकर 24 एमएमटी दूध का उत्पादन करता है और वह इसका 93 प्रतिशत निर्यात करता है। दूसरी ओर भारत में पांच करोड़ परिवार अपनी आजीविका के लिए डेयरी उद्योग पर निर्भर हैं। यहां तक कि अगर न्यूजीलैंड अपनी उपज का केवल पांच प्रतिशत निर्यात करता है, तो यह भारत के प्रमुख डेयरी उत्पादों जैसे दूध पाउडर, मक्खन, पनीर आदि के उत्पादन के 30 प्रतिशत के बराबर होगा।

ऑस्ट्रेलिया के लिए भी यही सच है जहां 6,000 से कम किसान 10 एमएमटी दूध का उत्पादन करते हैं और उसमें से 60 प्रतिशत निर्यात करते हैं। फिर भारत को आरसीईपी में डेयरी उत्पाद क्यों शामिल करने चाहिए और कम शुल्क पर आयात की अनुमति क्यों देनी चाहिए? क्या यह ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के किसानों की दोहरी आय सुनिश्चित करने के लिए है या भारतीय किसानों की? दिलचस्प बात यह है कि भारतीय उपभोक्ताओं को विश्व स्तर पर सबसे सस्ती दर पर दूध मिल रहा है और दुग्ध उत्पादकों को उपभोक्ता कीमत (80 प्रतिशत से अधिक) का उच्चतम हिस्सा मिल रहा है। हमारे किसान को उनके दूध की सबसे अधिक कीमत भारत में मिल रही है।

आरसीईपी पर हस्ताक्षर, भारत के लिए डेयरी क्षेत्र के अस्तित्व पर खतरे की घंटी है, क्योंकि न्यूजीलैंड से सस्ते आयातित दूध पाउडर के कारण किसानों से दूध के खरीद मूल्य में कमी होगी। आज किसान को सहकारी, यहां तक कि अन्य निजी कंपनियों के दूध प्रोसेसरों से भी लगभग 30 रुपये प्रति लीटर दूध का भाव मिलता है। यदि आरसीईपी के माध्यम से आयात की अनुमति दी जाती है, तो किसानों के लिए खरीद मूल्य में भारी कमी आएगी। इससे लगभग पांच करोड़ ग्रामीणों को अपनी जीविका खोनी पड़ सकती है। हमें यह समझना चाहिए कि एक बार जब डेयरी उद्योग खतरे में आता है, तो यह कदम खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से किसानों की आय दोगुनी करने का प्रयास हो रहा है, लेकिन यदि डेयरी क्षेत्र खतरे में पड़ता है तो किसानों की आय दोगुनी करना केवल सपने में ही रहेगा, भारतीय डेयरी किसानों की आय आधी हो जाएगी, अंततः उन्हें दूध उत्पादन छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

भारत का डेयरी उद्योग सौ अरब अमेरिकी डॉलर का है और यदि सरकार की नीति ग्रामीण दूध उत्पादकों के प्रति सहयोगात्मक बनी रहे तो अगले एक दशक में इस आकार को दोगुना करने का लक्ष्य है।

खरी-खरी

न हींग लगी, न फिटकरी

डॉ. प्रकाश रघुवंशी

रामदयाल वाचाल हैं। राम-राम से लेकर राहगीरों की संपूर्ण पंचायत का भार उनके कंधों पर ही है। रामजी की दया से सब ठीक है। बस दो चिंताएं हैं, जो घर में उनकी चिता सजाए हुए है। ये दो चिंताएं उनके बेटे बंटू और संटू हैं। दोनों बेरोजगार हैं। कोई निवेशक सम्मेलन भी उनमें रोजगार का निवेश नहीं कर रहा।

रामदयालजी के सामने वाले मकान में शांतिलालजी रहते हैं। उनका बड़का बेटा अमर रोज सवेरे साफ-सुथरे कपड़े पहन, ऐसे काम पर निकलता है कि रामदयाल को खुद पर दया आ जाती है। एक दिन पूछ लिया- क्या करते हो बेटा? 'जी व्यंग्य लिखता हूं।' 'कित्ता कमा लेते हो?' 'एक रचना में 500 झटक लेता हूं।' 'और इस धंधे में खर्चा कित्ता लगता है?' 'बस एक कलम और दो कागज!'

रामदयाल जी का माथा ठनका। बंडी में हाथ डाला, बाजार गए और तुरंत दो कलम और चार कागज ले आए। शाम को घर लौटकर दोनों निठल्लों बंटू, संटू को देते हुए बोले, 'जिंदगी में कुछ नहीं तो व्यंग्य ही लिख लो। कम से कम हजार-दो हजार रुपया तो कमा लोगे!'

इतने में दूर के एक रिश्तेदार आ पहुंचे। वे पड़ोस के शहर में नेता थे। नालायक बच्चों को पिटते देख उन्हें उनमें 'अपार संभावनाएं' दिखाई दीं। पूछने पर रामदयाल ने सारी राम कथा कह सुनाई।

पूरी कहानी सुनते ही रिश्तेदार नेताजी की आंखों में चमक आ गई। उन्होंने कहा, लिख-लुखाकर कित्ता कमा लेंगे दोनों? हजार-दो हजार! अरे, इन्हें पार्षद का चुनाव लड़वाओ और घी में गोते लगाओ।

रामदयाल को नेताजी ने फायदे गिनाना शुरू किए- सरकारी काम के टेंडरों की सेटिंग, नालियों में की गई चालाक नालायकी आदि को उन्होंने उदाहरण के साथ बयां किया। उनका कलफ लगा कुर्ता और चार पहिया वाली बड़की कार-मोटर उनके उदाहरणों की पुष्टि कर रही थी।

यह सब सुन रामदयाल जी ने अगली ही सुबह दोनों बेटों को दो-दो जोड़ी कुर्ते दिलवाकर लंपटगिरी की ट्रेनिंग लेने रिश्तेदार नेताजी के साथ पड़ोसी शहर भेज दिया। बेटे भी घर से ऐसे निकले कि फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि वे बाप की संटियों के डर से पीछे नहीं मुड़ पाए थे।

पांच साल बाद, अब बड़ा बेटा बंटू पार्षद है और छुटका संटू जनपद सदस्य। दोनों बढ़िया खाते-पीते। मतलब लिट्रली खाते और पीते। कमीशन खाते और रिश्वत पीते।

ट्वीट-ट्वीट

अभिजीत बनर्जी अगर विदेश जाने के बजाय भारत में ही रह जाते तो क्या उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलता? क्या बनर्जी को मिला नोबेल हमारी समूची व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली और बौद्धिक स्तर पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है।

अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

अखलाक और पहलू खान की हत्या पर पूरे देश को असहनशील बताने वाले कलाकार, पत्रकार और लेखकों की जुबान कमलेश तिवारी की हत्या पर क्यों सिली हुई है? ये धार्मिक भेदभाव आखिर क्यों? किसी मैग्सेसे और नोबेल वाले को इस हत्या से डर और गुस्सा क्यों नहीं आ रहा?

राहुल सिन्हा@RahulSinhaZee

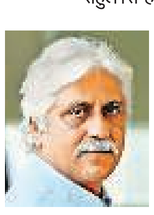

पहले आइसीसी विश्व कप में पांच शतक और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बतौर ओपनर तीन शतक बनाकर रोहित शर्मा ने साबित कर दिया है कि वह अपने बेहतरीन समय के भी सबसे बेहतर दौर में हैं।

अयाज मेमन@cricketwallah

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या कमलेश तिवारी की हत्या यूपी में कानून व्यवस्था की स्थिति पर प्रश्न खड़े करती है?

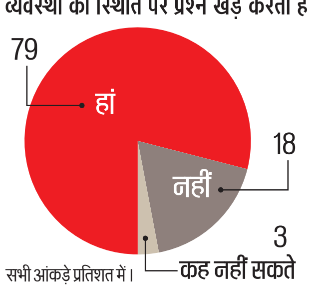

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या भीम यूपीआइ एप 2.0 देश में डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देगा?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर POLL लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, N-नहीं, C-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

ताऊ जाकर कीजिए सुबह-सुबह मतदान,
फिर घर आकर लीजिए गरम चाय-जलपान।
गरम चाय-जलपान चहे हो मट्ठा देसी,
है इन सबसे उच्च अपुन की डेमोक्रेसी!
रहे सदा यह ध्यान न नेता चुनना खाऊ,
पछताओगे पांच बरस वरना तुम ताऊ!!

– ओमप्रकाश तिवारी

उत्तर प्रदेश डायरी

बदला, हत्या और इतिहास लेखन

आशुतोष शुक्ल
संपादक, उत्तर प्रदेश

सप्ताह के उत्तरार्ध में हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी की हत्या न हुई होती तो इस बार की डायरी का पहला पन्ना गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा ली गई व्यक्तिगत रुचि के बाद बनारस में सम्राट स्कंदगुप्त पर आयोजित सेमिनार होता। चूंकि सनसनी की अपनी विशिष्ट पठनीयता है तो पहले बात हत्या, फिर पढ़ाई की। इसलिए भी इनकी बात, क्योंकि दोनों ही घटनाएं देर तक असर दिखाएंगी। खासकर अमित शाह ने इतिहास लेखन की जिन कमियों की तरफ संकेत किया, यदि उन्हें दूर कर लिया जाता है तो समाज पर उसका असर गहरा होगा।

कमलेश तिवारी तब तक एक सामान्य और अनाम से व्यक्ति थे जब तक कि एक दिसंबर, 2015 को उन्होंने पैगंबर मुहम्मद साहब पर आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं कर दी। इसके बाद तो तूफान आ गया। देश दुनिया में कमलेश के खिलाफ प्रदर्शन होने लगे और उनके सिर पर डेढ़ करोड़ से अधिक का इनाम घोषित कर दिया गया। शुक्रवार को लखनऊ के सबसे भीड़ भरे क्षेत्रों में एक खुर्शेदबाग के उनके घर में घुसकर उनकी हत्या कर दी गई। सिर कलम करने वाली बात से इस जघन्य वारदात को जोड़ा जाए तो हत्यारों ने कमलेश का गला रेता था।

हत्या के बाद उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था और पुलिस पर सवाल उठने लगे, लेकिन पुलिस की भी प्रशंसा की जानी चाहिए कि हत्या के चौबीस घंटे से पहले तीन संदिग्ध हत्यारे दबोच लिए गए। तीनों को सूरत (गुजरात) से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार हत्या टिप्पणी का बदला लेने के लिए की गई। बदला लेने के लिए घटना के लगभग चार वर्ष बाद की गई इस हत्या ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए। उत्तर प्रदेश में अपराध और अपराधी दोनों ही इस समय पुलिस के काबू से बाहर हैं। कहीं भीड़ सिपाही की जान ले रही है तो कहीं पुलिस इंस्पेक्टर बड़े अफसरों की आंख के सामने ही बरामदगी की रकम में खेल कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी और राज्य सरकार

दोनों के लिए यह सोचने का विषय होना चाहिए कि कमलेश तिवारी सुरक्षा मांगते मांगते हार गए, लेकिन उनकी मौत के बाद उनके परिवार को भारी सुरक्षा देनी पड़ी। देर से हुआ यह काम बेकार है, क्योंकि इससे कमलेश तो लौट नहीं आएंगे, लेकिन शासन ऐसा ही निष्ठुर होता है। कमलेश तिवारी की हत्या ने शासन की अनेक विसंगतियां उजागर कर दी हैं। अब बारी सरकार की है कि वह सबक लेने को तैयार है या नहीं।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में गृह मंत्री अमित शाह का भाषण अकादमिक दृष्टि से बड़ी घटना है। अमित शाह चौथी सदी में हुए सम्राट स्कंदगुप्त पर आयोजित एक गोष्ठी में बोलने गए थे। गुप्तकाल भारत का स्वर्णयुग माना जाता है, लेकिन इतिहास की दृष्टि उधर कम ही पड़ी। प्राचीन भारत मुख्यतः अंग्रेजों द्वारा लिखित इतिहास में उपेक्षित ही रह गया। स्कंदगुप्त इस वंश का अंतिम प्रमुख शासक था और उसके पराक्रम ने हूणों को भारत की सीमा पर रोक दिया था। यह वह समय था जब हूणों के आतंक से यूरोप थर्राया हुआ था। उनके कदमों के नीचे धरती कांपती थी। तब उस समय भारत की उत्तर पश्चिम सीमा पर स्कंदगुप्त ने हूण राजा तोरमाण को हराकर वापस भेज दिया था। हूण भारत में घुसने में सफल हो गए होते तो कल्पना करना भी कठिन है कि उन्होंने कितना अत्याचार किया होता। इतना होते हुए भी स्कंदगुप्त या हूणों का हमला इतिहास में दो पैराग्राफ में सिमट गया है। इस गोष्ठी के लिए स्कंदगुप्त पर बोलने वाले वक्ता तलाशने में आयोजकों के पसीने छूट गए। इसीलिए अमित शाह ने भी स्कंदगुप्त के बहाने इतिहास लेखन के दोषों को उठाया।

इस गोष्ठी में अमित शाह ने जोर देकर कहा कि यह रोने से काम नहीं चलेगा कि कम्युनिस्ट विचारकों या फिर अंग्रेज इतिहासकारों ने भारतीय पक्ष की उपेक्षा की। अब हमें काम करके दिखाना होगा। उन्होंने इतिहास संकलन समिति को ललकारा कि इस विषय पर नया लिखकर दिखाओ।

कुछ समझे आप!

आशय यह कि गेंद अब केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय के पाले में है। वर्ष 2014-2019 इस दृष्टि से विफल गया, लिहाजा अब तो चुनौती और भी विकट है।

मुद्दा

भारतीय लोकाचार में नहीं है लिंचिंग शब्द

भारतीय लोकाचार में कहीं भी 'लिंचिंग' शब्द का प्रयोग नहीं है या फिर कह सकते हैं कि भारतीय सामाजिक अवधारणा से इसका दूर-दूर तक संबंध नहीं रहा है। वास्तविकता यह है कि लिंचिंग शब्द की उत्पत्ति अमेरिका से हुई मानी जाती है

प्रवीण गुगनानी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

प्रत्येक समाज की अपनी विचार निर्माण प्रक्रिया होती है। कुछ आयातित तत्व, विचार या व्यक्ति इस प्रक्रिया में जब व्यवधान पैदा करते हैं तब कुछ अस्वाभाविक प्रतिक्रियाएं सहज ही होने लगती हैं। भारतीय समाज (जिसे हम हिंदू समाज भी कहते हैं) के विषय में इस बात को हम प्रसिद्ध समाजविज्ञानी विलबर्ट ईमोर द्वारा हाल के दशकों में कहे गए कथन के माध्यम से भी समझ सकते हैं- सामाजिक परिवर्तन गुणात्मक होता है। समाज की एक इकाई दूसरी इकाई को परिवर्तित करती है। यह प्रक्रिया तब तक चलती है जब तक पूरा समाज उसके प्रभाव, दुष्प्रभाव से परिचित नहीं हो जाता।

यहां भारतीय संदर्भों में यह उल्लेख करना आवश्यक हो जाता है कि भारत में बाहर से आए व अपेक्षाकृत कम परिष्कृत सभ्यताओं द्वारा बल, हथियार, सत्ता से भारतीय समाज में अनैसर्गिक परिवर्तन के जो बलात प्रयास किए जाते रहे हैं या किए जा रहे हैं उनकी अनैसर्गिक प्रतिक्रिया भी स्वाभाविक है। विलबर्ट कहते हैं- 'आधुनिक समाज में (विशेषतः हिंदू समाज में) सामाजिक परिवर्तन न तो मनचाहे ढंग से किया जा सकता है और न ही इसे पूर्णतः स्वतंत्र और असंगठित छोड़ दिया जा सकता है।' यहां तक तो ठीक है किंतु इसके आगे जो विलबर्ट कहते हैं वह वाक्य ही हिंदू समाज में बाहर से लाकर बोए गए शब्द 'लिंचिंग' के प्रादुर्भाव की कहानी है।

हम हिंदुओं ने चाणक्य को खूब पढ़ा, अनुसरण किया, किंतु ये बात नहीं मानी, आज भी हममें से अधिकांश सीधे, भोले और शांत रहने में ही अपनी भलाई समझते हैं। हिंदू कभी मार-काट करने वाला हिंसात्मक समाज नहीं रहा। कुछ अपवाद यदि आयातित जीवन शैली सिखाने की प्रक्रिया के प्रति प्रतिक्रिया प्रकट कर दें तो उसे समाज शास्त्र में स्वाभाविक प्रतिक्रिया कहा जाता है, किंतु इस विदेशी या आयातित सोच ने हमारे समाज के किसी छोटे से अंश द्वारा प्रकट प्रतिक्रिया को एक नाम दे दिया मॉब लिंचिंग, और लगे हैं हमें बदनाम करने में। समाज की स्वाभाविक प्रतिक्रिया किसी भी संवेदनशील, आस्था और श्रद्धा के विषय में होती रहती है। इस प्रतिक्रिया को

प्रतीकात्मक

यदि आप व्यक्त नहीं होने देंगे या समाज के बहुसंख्यक व मूल निवासी (हिंदू) द्वारा बार-बार सामने रखे गए असहमति के विचारों को आप लगातार नहीं सुनेंगे नहीं समझेंगे तो कभी ना कभी तो विस्फोट होगा ही, किंतु तब भी हिंदू समाज मॉब लिंचिंग जैसे उदाहरण प्रस्तुत नहीं कर सकता, क्योंकि वह स्वभाव से ही अहिंसक, सीधा व वसुधैव कुटुंबकम का पक्षधर रहा है। मॉब लिंचिंग तो हिंदू समुदाय पर जबरन लादा गया एक झूठा आरोप है।

लिंचिंग शब्द अमेरिका से निकला माना जाता है। 1900 के पूर्व के दशकों में एक अमेरिकी कैप्टन हुए हैं चार्ल्स लिंच। अमेरिकी क्रांति के दौरान वर्जीनिया में वे निजी अदालतें चलाने लगे थे और अपराधियों तथा विरोधी षड्यंत्रकारियों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के सजा दे देते थे। इस गैर-कानूनी सजा को 'लिंचिंग' कहा जाने लगा। कैप्टन लिंच के इस अत्याचार का सर्वाधिक शिकार अमेरिका में बसे अश्वेत अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के लोग हुए, पर बाद में मैक्सिकन, इतालवी और स्वयं श्वेत अमेरिकी भी इसके शिकार हुए।

इस वर्ष जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अपने विजयादशमी संबोधन में मॉब लिंचिंग को पश्चिमी शब्द बताया और कहा कि यह हमारी परंपरा नहीं है तो कई मंचों पर इस शब्द व सरसंघचालक की बात का तरह तरह परीक्षण होने लगा। सरसंघचालक ने कहा कि भारत और संघ को बदनाम करने के लिए इस शब्द का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'लिंचिंग' शब्द की उत्पत्ति भारतीय लोकाचार से नहीं हुई, ऐसे शब्द को भारतीयों पर न थोपें। लिंचिंग आचरण कभी हमारे देश में रहा नहीं, आज भी नहीं है। छिटपुट समूह यदि इस प्रकार की घटनाएं कभी करते हैं तो उन्हें विधिवत दंड दिया जाना चाहिए ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।' विवाद करने वाले बताएं कि सरसंघचालक की कही बात के किसी भी अंश से वे कैसे असहमत हो सकते हैं? बिना बात के यदि विरोध दिखाने मात्र को विरोध करना है तो भागवत की इस बात का विरोध ठीक है, अन्यथा वैचारिक स्तर पर तो इस विरोध का कोई आधार नहीं है।

सरसंघचालक ने बालासाहेब देवरस के शब्दों में कहा, 'आरएसएस के बारे में सिर्फ एक चीज स्थायी है और वह है कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और बाकी सारी चीजें समय की जरूरतों के हिसाब से बदली जा सकती हैं।' ऐसा करके भी उन्होंने सबको साथ लेकर चलने का ही विचार प्रकट किया है, क्योंकि हम एक विशिष्ट जीवन शैली से जी लेने मात्र को हिंदू होना मानते हैं, हिंदू होने के लिए किसी को अपना धर्म परिवर्तन करना आवश्यक नहीं है। हिंदू होने की यह अवधारणा इतनी सरल है कि आप अभिनय मात्र करके भी सच्चे हिंदू दिख सकते हैं। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, 'संघ की अपने राष्ट्र की पहचान के बारे में, हम सबकी सामूहिक पहचान के बारे में, हमारे देश के स्वभाव की पहचान के बारे में स्पष्ट दृष्टि व घोषणा है, वह सुविचारित व अडिग है कि हिंदुस्तान, हिंदू राष्ट्र है।' सरसंघचालक ने कितना सरल कहा, राष्ट्र के वैभव और शांति के लिए काम कर रहे सभी भारतीय हिंदू हैं।

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने हेतु उन्होंने मोदी सरकार की सराहना की तो इस संबंध में भी तरह तरह की बातें कही जा रही हैं। जबकि ऐसी सराहना करके उन्होंने एक सामाजिक संगठन का सच्चा दायित्व पूर्ण किया है। किसी भी सच्चे सामाजिक संगठन का प्रथम दायित्व होता है समाज की भावनाओं को अपने मंच से प्रकट करना। कश्मीर पर यह विचार प्रकट करके मोहन भागवत ने संगठन के समाजोन्मुख होने का प्रमाण प्रस्तुत किया है।

16 खंडों में हिंदी ज्ञान कोष का प्रकाशन करेगा उत्तर प्रदेश में आगरा स्थित केंद्रीय हिंदी संस्थान। हिंदी ज्ञान कोष में खासतौर पर विज्ञान विषय पर शब्द कोष होंगे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 21 अक्टूबर 2019

डाटागीरी

भारत में अंधेपन के मामले 12 सालों में हुए आधे

भारत में बीते 12 सालों में अंधेपन के मामलों में 47 फीसद की कमी आई है। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं दृष्टिबाधित सर्वेक्षण 2019 के मुताबिक, देश की कुल आबादी के 0.36 प्रतिशत यानी 48 लाख लोग दृष्टिहीन हैं, जबकि 2006-07 में यह संख्या 1.20 करोड़ थी। सरकार का लक्ष्य है कि देश 2020 तक अंधता के मामलों में डब्ल्यूएचओ द्वारा तय 0.3 फीसद का लक्ष्य हासिल करे।

जेएनएन, नई दिल्ली

पिछले दिनों जारी किए गए राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं दृष्टिबाधित सर्वेक्षण 2015-19 में भारत में नेत्र रोग के विस्तार के बारे में बताया गया है। सर्वेक्षण में देश के 31 जिलों के 93000 लोगों की जांच की गई, जिसमें 18000 लोग 50 वर्ष की कम की आयु के थे। अध्ययन के केंद्र बिंदु 50 वर्ष और उसके ऊपर की उम्र के लोग थे।

सर्वे में पाया गया कि केरल के त्रिशूर जिले के लोगों में सबसे कम अंधापन (1.08 प्रतिशत) है। इसके बाद उत्तरी गोवा, खेरा (पंजाब) और विरुधुनगर (तमिलनाडु) का नंबर आता है। मणिपुर के थौबल में दृष्टिबाधिता के सबसे कम (7.3 प्रतिशत) मामले हैं। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में अंधापन (3.67 प्रतिशत) और दृष्टिबाधिता (21.82 प्रतिशत) दोनों के मामले ज्यादा हैं।

रिपोर्ट में पाया गया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के लोग अंधेपन से सबसे ज्यादा (11.6 प्रतिशत) ग्रसित हैं। मोतियाबिंद अंधेपन का सबसे प्रमुख कारण है। अंधेपन के 66.2 प्रतिशत मामले अनुपचारित मोतियाबिंद के होते हैं। साथ ही दृष्टिबाधित के भी 80.7 प्रतिशत मामले मोतियाबिंद के ही होते हैं। सर्वे में दावा किया गया है कि मोतियाबिंद की सर्जरी बिगड़ने के कारण दृष्टिहीनता के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। इस कारण करीब 7.2 फीसद लोग दृष्टि खो देते हैं।

सर्वेक्षण के अनुसार बीते 12 सालों में अंधेपन के मामलों में 47.1 प्रतिशत की कमी आई है। यह अध्ययन एम्स के डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मिलकर किया है।

यह हैं प्रमुख कारण : अंधता के प्रमुख कारणों में कॉर्नियल ओपेसिटी, मोतियाबिंद का समय पर उपचार न होना, पोस्टीरियर सेगमेंट आदि हैं।

दृष्टिहीनता की परिभाषा बदली : डब्ल्यूएचओ के निर्देशों के आधार पर भारत ने अपनी चार दशक पुरानी दृष्टिहीनता की परिभाषा 2017 में बदली है। नई परिभाषा के तहत तीन मीटर की दूरी से अंगुलियां नहीं गिन पाने वाले व्यक्ति को दृष्टिहीन माना जाएगा। अब तक 1976 में तय की गई छह मीटर की दूरी को आधार माना जाता था।

अंधेपन के सबसे कम मामलों वाले शहर

त्रिशूर (केरल)	1.08
उत्तरी गोवा	1.13
खेरा (पंजाब)	1.15
विरुधुनगर (तमिलनाडु)	1.18
थौबल (मणिपुर)	1.23

अंधेपन के सबसे ज्यादा मामलों वाले शहर

बिजनौर (उत्तर प्रदेश)	3.67
वारंगल (तेलंगाना)	3.47
नलबाड़ी (असम)	3.03
गुना (मध्य प्रदेश)	2.98
सीकर (राजस्थान)	2.81

सभी आंकड़े फीसद में

दृष्टिबाधिता के सबसे कम मामलों वाले शहर

थौबल (मणिपुर)	7.30
उत्तरी गोवा	8.91
त्रिशूर (केरल)	9.88
चिकमंगलूर (कर्नाटक)	10.19
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	10.36

दृष्टिबाधिता के सबसे अधिक मामलों वाले शहर

बिजनौर (उत्तर प्रदेश)	21.82
वारंगल (तेलंगाना)	20.31
नयागढ़ (ओडिशा)	17.88
बीरभूम (बंगाल)	17.39
चंपा-जंजगीर (छत्तीसगढ़)	17.05

सभी आंकड़े फीसद में

मैकेनिक ने तैयार किया ऐसा लिक्विड जो नहीं होने देगा टायर को पंक्चर

जागरण विशेष ▶ छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने जांच के बाद कराया पेटेंट

टायर पर 10 कीलें लगने के बाद भी नहीं निकलेगी हवा

दीपक अवस्थी, रायपुर

दोपहिया हो या चारपहिया, वाहन चलाने वालों को अक्सर टायर पंक्चर की समस्या से जूझना पड़ता है। इससे जहां समय बर्बाद होता है, वहीं, पैसे भी खर्च होते हैं। अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग निवासी एक मैकेनिक तुका लाल वर्मा ने ऐसा लिक्विड तैयार किया है जो गाड़ी को पंक्चर नहीं होने देता। इसकी पुष्टि छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिक ने की है। परिषद ने इस लिक्विड को भारत पेटेंट कार्यालय के कोलकाता रीजन में रजिस्टर्ड करा दिया है। तुका लाल द्वारा तैयार इस लिक्विड की कई खासियतें हैं। यह लिक्विड टायर में कील लगने के बाद भी हवा निकलने नहीं देगा। यह ट्यूब लेस टायर और ट्यूब वाले टायर दोनों में काम करता है।

बनाने में लगे पांच साल : दैनिक जागरण के सहयोगी अखबार नईदुनिया से बातचीत में तुका लाल ने बताया कि पांच वर्षों की मेहनत से पिछले वर्ष लिक्विड तैयार हुआ। इसे टायर के अंदर लेप की तरह लगाया। फिर टायर में दस कील ठोकी, लेकिन हवा नहीं निकली।

तुका लाल वर्मा। नईदुनिया

कितना होगा इस्तेमाल

- स्कूटर और मोटरसाइकिल में 300 से 500 ग्राम तक
- कार और जीप में 800 ग्राम तक

इस तरह करता है काम : टायर में जब कील घुसती है तो आस-पास के छेद को लिक्विड अपने आप बंद कर देता है। कील को जब टायर से बाहर निकाला जाता है तो पुनः वह लिक्विड कील के साथ बाहर आते हुए छेद को अपने आप बंद कर देता है।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/jagran-special

एक बार लगाने के बाद कितना चलेगा

- ट्यूबलेस टायर में यह लिक्विड 20 हजार किलोमीटर तक काम करता है।
- ट्यूब वाले टायर में एक बार लगाने पर यह तीन साल तक काम करेगा।

फॉर्मूले के बारे में जैसे ही टायर बनाने वाली मल्टीनेशनल कंपनियों को पता चला, उन्होंने खरीदने के लिए ऑफर किया। कई कंपनियों ने नौकरी के साथ पैसे देने का भी ऑफर दिया है। कंपनियों ने स्वयं अपने शो रूम में इस लिक्विड को चेक किया। इस लिक्विड का प्रयोग अभी तक ट्रक के टायर में नहीं किया गया है।
– तुका लाल वर्मा, मैकेनिक

छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का पेटेंट सूचना केंद्र प्रदेश के शोधकर्ताओं एवं जनमानस द्वारा किए गए नवाचार को संरक्षित करने और उन्हें उचित मंच और लाभ मिले इसके लिए अनवरत काम कर रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग के तुका लाल वर्मा की खोज को बेहतर मंच देने के लिए परिषद ने उसे पेटेंट कराया है।
– डॉ. अमित दुबे, वैज्ञानिक छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर

लिक्विड डालने के बाद टायर-ट्यूब में हवा चेक करता मैकेनिक। नईदुनिया

आइआइटी कानपुर बताएगा, दुनिया को क्या दे रहा है संस्थान

जागरण संवाददाता, कानपुर : दुनिया को कई नायाब तकनीक देकर रोजमर्रा की जिंदगी आसान बनाने वाला आइआइटी कानपुर अब यह दिखाएगा कि उसके आविष्कार किस तरह आम इंसान को राहत पहुंचा रहे हैं। फिर बात चाहे सब्जी रखने वाले छोटे सोलर फ्रिज की हो या सेंसर लगे ई-टॉयलेट की। दरअसल, आइआइटी पांच नवंबर को पहला लाइव डेमो देने जा रहा है, जिसमें वह संस्थान द्वारा तैयार टेक्नोलॉजी के बारे में बताएगा।

आइआइटी के सिडबी इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर ने इस कार्यक्रम 'अभिव्यक्ति' की रूपरेखा तैयार कर ली है। इंक्यूबेशन सेंटर में विकसित किए गए 35 विश्वस्तरीय उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें ड्रोन हेलीकॉप्टर व ड्रोन हवाई जहाज का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र होगा। इसके अलावा सोलर पैनल को लोका रोबोटिक्स के जरिये बिना पानी के साफ करने की तकनीक भी यहां दिखाई जाएगी। सोलर पैनल को बिना पानी के साफ करके जल संरक्षण भी होगा। इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर के इंचार्ज प्रो. अमिताभ बंदोपाध्याय ने बताया कि इस उत्पाद के प्रदर्शन के दौरान यह भी बताया जाएगा कि किस तरह इस तकनीक से न सिर्फ पानी की बचत होगी, बल्कि लागत भी कम होगी। इसके अलावा ऊर्जा उत्पादन भी बढ़ेगा। संयुक्त राष्ट्र में पुरस्कृत मयंक मिधा के स्टार्टअप 'गर्व टॉयलेट' का प्रेजेंटेशन भी होगा। आइआइटी के इंक्यूबेशन सेंटर से जुड़े सार्थक गुप्ता ऐसी प्लास्टिक का डेमो देंगे, जिसे इस्तेमाल के बाद 100 फीसद मिट्टी में मिलाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की रशियन मेरिनो से सुधारी जाएगी उत्तराखंड में भेड़ों की नस्ल

दुर्गा नौटियाल, ऋषिकेश

उत्तराखंड में तीन दशक पुरानी मेरिनो भेड़ की नस्ल सुधारने के लिए उत्तराखंड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड (यूएसडब्ल्यूडीबी) ने कवायद तेज कर दी है। विभाग ने भेड़ों की नस्ल सुधारने के लिए ऑस्ट्रेलिया से 240 रशियन मेरिनो भेड़ मंगवाई हैं। भेड़ की इस नस्ल से जहां भेड़ पालकों की आमदनी में वृद्धि होगी, वहीं उन्नत किस्म की ऊन भी मिलने लगेगी।

उत्तराखंड के कई पर्वतीय जिलों में भेड़ पालन अच्छे स्तर पर हो रहा है। वर्तमान में यहां करीब 3.67 लाख भेड़ें पाली जा रही हैं, लेकिन अभी मेरिनो व रेंबुले नस्ल की भेड़ ही पालकों के पास हैं। इस नस्ल को वर्ष 1991-92 में विदेश से लाकर यहां विकसित किया गया था। लंबा समय होने के कारण अब इस नस्ल में इनब्रीडिंग की समस्या आने लगी है। इससे इन भेड़ों से उत्पादित ऊन की गुणवत्ता भी प्रभावित हुई है। इसी समस्या को दूर करने के लिए उत्तराखंड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड ने भेड़ों की नस्ल सुधार के लिए योजना बनाई थी। इसके तहत इस माह के आखिर तक ऑस्ट्रेलिया से 240 रशियन मेरिनो भेड़ यहां पहुंच जाएंगी। इनमें 200 भेड़ व 40 मेढ़ शामिल हैं।

- भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड ने नस्ल सुधारने के लिए ऑस्ट्रेलिया से मंगाई हैं 240 भेड़
- हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में भी इनब्रीडिंग की समस्या से निपटने के लिए किया जा रहा है प्रयोग

ऑस्ट्रेलिया की रशियन मेरिनो भेड़। फाइल

प्रोजेक्ट के अनुसार, इन भेड़ों को शुरुआत में प्रजनन परिक्षेत्र कोपड़धार (टिहरी) में रखा जाएगा। यहां से दो चरण की नस्ल तैयार होने के बाद तीसरे चरण की नस्ल को भेड़ पालकों में बांटा जाएगा। नई नस्ल की इन भेड़ों के विकास के बाद उत्तराखंड में भेड़ों से उत्पादित ऊन की गुणवत्ता में वृद्धि होने के साथ भेड़ पालकों की आमदनी भी बढ़ेगी। परियोजना निदेशक भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान डॉ. राजेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि एक निश्चित अवधि के बाद किसी भी तरह के जीवों में मिसब्रीडिंग की समस्या आ जाती है। इसके लिए इस तरह क्रॉस ब्रीडिंग के जरिये नस्ल सुधार के प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि संपूर्ण अध्ययन और अनुसंधान के बाद ही नई नस्ल की भेड़ों को मंगाया गया है।

यूएसडब्ल्यूडीबी की ऊन विश्लेषण प्रयोगशाला के अनुसंधान अधिकारी सुरेश चंद्र वाजपेयी बताते हैं कि उत्तराखंड में अभी पाली जा रही मेरिनो भेड़ की ऊन 26 से 30 माइक्रोन की है। यानी इस ऊन से स्वेटर, कंबल, कारपेट आदि वस्तुएं ही बनाई जा सकती हैं। इस ऊन का मूल्य भी पालकों को 60 रुपये प्रति किलो ही मिल पाता है, जबकि यहां लाई जा रही नई नस्ल की भेड़ से 20 माइक्रोन से पतली और अधिक लंबाई की ऊन प्राप्त की जाती है। इससे कपड़े भी तैयार किए जा सकते हैं। इसका मूल्य भी पालकों को 100 रुपये प्रति किलो से अधिक मिलता है। मौजूदा भेड़ से जहां वर्ष में दो से ढाई किलो ऊन प्राप्त होती है, वहीं नई नस्ल की भेड़ से प्रति वर्ष तीन से चार किलो ऊन प्राप्त की जा सकती है।

यहां विदेशी ले रहे पहाड़ी व्यंजन बनाने की सीख

गोपेश्वर के निकट रौली में पहाड़ी व्यंजन बनाने की विधि सीखते विदेशी पर्यटक। जागरण

देवेंद्र रावत, चमोली

▶ होम स्टे में विदेशियों के लिए चल रही है पारंपरिक व्यंजन बनाने की क्लास

उत्तराखंड घूमने वाले विदेशी पर्यटकों को पहाड़ की वादियां ही नहीं, यहां की संस्कृति, रहन-सहन और खानपान भी अपनी ओर खींचता है। इसकी बानगी सीमांत चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के पास स्थित पीच एंड पीयर होम स्टे में देखी जा सकती है। यहां ठहरे 17 विदेशी पर्यटक इन दिनों उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजन को बनाने की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

मूलरूप से चमोली जिले के पोखरी विकासखंड स्थित गुनियाला गांव निवासी पूनम रावत जर्मनी की भी नागरिक हैं, लेकिन उनका ज्यादातर समय विदेशी पर्यटकों को उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में लाकर उन्हें यहां की दिनचर्या, खेतीबाड़ी और रहन-सहन से परिचित कराने में गुजरता है। इसके पीछे उनका उद्देश्य होम स्टे के माध्यम से क्षेत्र के लोगों की आर्थिकी को संवारना है। उनका गोपेश्वर से तीन किमी दूर घिंघराण मोटर मार्ग पर रौली में होम स्टे है। जिसे आउटलुक ट्रैवलर के सर्वे में भारत के टॉप पांच होम स्टे का खिताब भी मिल चुका है। इन दिनों पूनम के होम स्टे में विदेशी पर्यटकों का 17-सदस्यीय दल ठहरा हुआ है, जो पांच अक्टूबर को यहां आया था। दल में सात पुरुष और दस महिलाएं शामिल हैं। ये पर्यटक स्थानीय पर्यटन स्थलों की सैर करने के साथ ही पहाड़ी व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण भी ले रहे हैं। इन्हें पहाड़ी भोजन से विशेष लगाव है। इनमें से भारतीय मूल के पर्यटक कार्तिक स्वामी तो मां सती अनुसूया, बदरीनाथ, माणा गांव, वसुधारा और चरण पादुका समेत आसपास के तमाम पर्यटन स्थलों की भी सैर कर चुके हैं। पीचिज एंड पीयर होम स्टे की प्रबंधक कविता अग्रवाल बताती हैं कि इन विदेशी पर्यटकों को पहाड़ी ढलानों पर बसे गांव बहुत भा रहे हैं। उन्हें यहां की कृषि उपज और पारंपरिक व्यंजनों से भी खास लगाव है। लिहाजा होम स्टे में उनके लिए स्थानीय व्यंजन चैंसू, लाल चावल, फाणू, झंगोरे की खीर, कापली (काफली), मंडुवे के मोमो और रोटी आदि व्यंजन को बनाने की क्लास चलाई जा रही है। पर्यटक भी पहाड़ी व्यंजन बनाने और इन्हें खाने में विशेष रुचि ले रहे हैं।

विदेशी पर्यटकों को खाना बनाने की ट्रेनिंग दे रहीं तुलसी रावत बताती हैं कि होम स्टे में भोजन बनाने वाले चंदू शाह विदेशियों को पहाड़ी भोजन बनाने की ट्रेनिंग देकर बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि हमारे पारंपरिक व्यंजनों को विदेशियों की रसोई में जाना पहाड़ के लिए किसी गौरव से कम नहीं है।

यूरोप की 51-वर्षीय डाकमा पहाड़ी जैविक उत्पादों के साथ इनसे बनाए जाने वाले व्यंजनों की दीवानी हैं। वह कहती हैं कि मसालों के बेहद सीमित प्रयोग के बावजूद पहाड़ी भोजन का स्वाद लाजवाब है। जर्मनी निवासी जेन्स वाल्डा गेसेम बताते हैं कि वे कई देशों की यात्रा कर चुके हैं और ग्रामीण परिवेश में भी रह चुके हैं, लेकिन, जो सुखद अनुभूति उत्तराखंड के चमोली जिले में होती है, उसका कोई जवाब नहीं। यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। पहाड़ी व्यंजन पौष्टिकता से भरे हैं। अब वे अपने वतन लौटकर परिजनों को भी पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद चखाएंगे।

सामाजिक सरोकार में बड़ी भूमिका निभाते रोबोट

नेशनल डेस्क, नई दिल्ली : ना बहुत ज्यादा तकनीकी और ना बहुत महंगे, लेकिन व्यापक प्रभाव डालने वाले छोटे रोबोट सामाजिक सरोकार के नए प्रेरणास्रोत बन रहे हैं। शोधकर्ताओं द्वारा किया गया छोटा सा प्रयास बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। इन छोटे-छोटे प्रयासों से निम्न-मध्यम आय वाले देशों में बीमारियों से लड़ने में मदद मिल रही है...

टेक्नो वर्ल्ड

करता है आकर्षित

वायनाड के प्राथमिक स्कूल में हाथ धोने की जगह के ठीक ऊपर इस रोबोट को लगाया गया है। स्कूल में पांच से 10 साल के 100 बच्चे पढ़ते हैं। इस हरे रंग के रोबोट का आकार हाथ जैसा है और इस पर लगी स्क्रीन मुंह का काम करती है। साथ ही इस रोबोट की आंखे भी हिलती हैं। इससे बच्चों को लगता है कि रोबोट उन पर ध्यान दे रहा है। यही सोचकर बच्चे हाथ धोने पर विशेष ध्यान देने लगे हैं।

बच्चों को सिखा रहा हाथ धोना

ब्रिटेन और भारत के शोधकर्ताओं ने एक नए रोबोट को विकसित किया है, जो बच्चों को हाथ धोने के लिए प्रेरित करता है। 'पेपे' नाम के इस रोबोट को हाल ही में केरल के एक प्राथमिक विद्यालय में लगाया गया है। केरल की अमृत विश्व विद्यापीठम यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर इस रोबोट को बनाने वाले ब्रिटेन के ग्लास्गो यूनिवर्सिटी के अमोल देशमुख ने बताया कि पेपे से स्कूल में बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है। प्राथमिक विद्यालय के किसी भी बच्चे ने अभी तक किसी रोबोट से बात नहीं की थी। यह बच्चों को बताता है कि हाथ क्यों और कैसे धोएं।

हाथ धोने की आदत में 40 फीसद की हुई बढ़ोतरी

इस रोबोट ने बच्चों को अधिक प्रभावी ढंग से हाथ होने और स्वस्थ्य रहने के लिए प्रेरित किया। इससे बच्चों में हाथ धोने की आदत 40 फीसद ज्यादा बढ़ गई।

रोजाना 1300 बच्चों की मौत डायरिया और अन्य बीमारियों से

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और वाटरएड इंडिया के अनुसार, डायरिया व संक्रमण बीमारियों से हर साल दुनियाभर में 1300 बच्चों की मौत हो जाती है, जिसमें से 320 भारत के होते हैं। हाथों की सफाई से इनसे बचा जा सकता है।

पहले भी बना चुके हैं 'सोशल रोबोट'

केरल की अमृत विश्व विद्यापीठम यूनिवर्सिटी और ब्रिटेन के ग्लास्गो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता पहले भी सामाजिक सरोकार से जुड़े रोबोट बना चुके हैं। इससे पहले उन्होंने चार पहियों का एक रोबोट बनाया था, जो कुएं से 20 लीटर पानी की बोतलें घरों तक पहुंचाता था।

अब दक्षिण भारत के राज्यों में भी हो सकेगी शाही लीची की पैदावार

अजय रत्न, मुजफ्फरपुर

शाही लीची की मिठास का स्वाद अब दक्षिण भारत के लोग भी आसानी से ले सकेंगे। इस बार सर्दियों में कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में इसकी फसल तैयार होगी। इसकी तैयारी राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र द्वारा विगत सात सालों से चल रही थी, जो अब सफल हुई है।

दक्षिण में लीची के पैदावार पर शोध की शुरुआत : वर्ष 2012-13 में राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र ने उक्त राज्यों में लीची बागवानी का प्रयोग शुरू किया था। केरल के वायनाड, इडुकी एवं कल्पेटा, कर्नाटक के कोडबू, चिकमंगलूर व हसन तथा तमिलनाडु के पलानी हिल्स व ऊटी जिलों में लीची की बागवानी की शुरुआत हुई। इन जिलों के किसानों को लीची बागवानी की ट्रेनिंग दी गई।

भेजे गए थे पौधे : केरल के तीनों जिलों में 20 हजार, कर्नाटक में 20 हजार और तमिलनाडु में 12 हजार पौधे भेजे गए थे।

सर्दी का मौसम पाया गया अनुकूल : जलवायु के कारण मुजफ्फरपुर सहित उत्तर बिहार में शाही लीची की पैदावार का मौसम मई-जून है। अनुसंधान केंद्र की रिसर्च में दक्षिण के उक्त राज्यों में सर्दी के मौसम में लीची की फसल अनुकूल पाई गई।

किसानों को भरपूर फायदा : मुजफ्फरपुर के किसानों द्वारा व्यापारियों को 35 से 40 रुपये किलो लीची बेची जाती है। वहीं, दक्षिण के इन राज्यों में फसल तैयार होने के बाद 300 से 350 रुपये सैकड़ा बिकने की उम्मीद है।

7 साल में राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र का प्रयोग रहा सफल

3 प्रदेशों के किसानों ने प्राप्त किया था लीची बागवानी का प्रशिक्षण

40 ग्राम तक की एक लीची होने की संभावना, फल हो रहे तैयार

किसानों ने यहां से ट्रेनिंग लेकर अपने यहां लीची की नर्सरी तैयार कर बाग तैयार किया। उनकी मेहनत सराहनीय है।
– डॉ. विशालनाथ, निदेशक, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुशहरी, मुजफ्फरपुर

बूट पॉलिश करने वाला बठिंडा का सनी गायकी में छाया

प्रतिभा

सुभाष चंद्र, बठिंडा

यह नई दिल्ली, पटियाला-अंबाला रेल लाइनों के बीच में फंसी अमरपुरा बस्ती की संकरी सी गली नंबर एक है। कुछ दिन पहले तक यहां रहने वाले बाशिंदों, उनके सगे-संबंधियों और परिचितों के अलावा शायद ही कोई आता-जाता होगा, लेकिन आजकल यहां लोगों का तांता लगा रहता है। इनमें काफी संख्या मीडियाकर्मियों की भी है। यह सभी लोग इस गली के दाहिने हाथ के सबसे आखिरी मकान में आ-जा रहे हैं। पटियाला रेलवे लाइन के बिलकुल साथ जमा कीचड़ के पास स्थित यह गिरी हुई दीवार वाला छोटा सा घर उस बूट पॉलिश करने वाले सनी का है जो आजकल सोनी टीवी के सिंगिंग रिएलिटी शो 'इंडियन आइडल-11' में अपनी धमाकेदार सीधी एंट्री और प्रस्तुति से देश के करोड़ों लोगों के मनों पर छाया हुआ है।

घर के दरवाजे पर उसकी मां गुब्बारे वाली रेहड़ी लेकर खड़ी है। आंगन में एक टूटे हुए सोफे पर सनी का हारमोनियम और पास ही नीचे उसका बूट पॉलिश करने वाला बक्सा पड़ा है। घर में हाल ही में बनाए दो नए कमरे हैं, लेकिन अभी प्लस्तर नहीं हुआ है। न बाथरूम है और न ही किचन। घर में मां के अलावा सन्नी की दो बहनें और बड़ी बनह की दो बच्चियां हैं। दिनभर गुब्बारे बेचने या मांगकर लाने के बाद चूल्हे पर खाना बनता है, लेकिन तमाम बुनियादी सुविधाओं से वंचित घर के सभी सदस्यों की आंखें आजकल चमक रही हैं।

इंडियन आइडल में पहुंचे सनी की मां और बहनें बठिंडा स्थित अपने घर में बातचीत करती हुईं। जागरण

शादियों में पिता व दादी गाकर खाने के लिए मांगते थे : कभी लोगों के घरों व शादियों में मांगकर तो कभी शहर भर में घूम गुब्बारे बेचकर जीवनयापन करने वालीं सनी की मां सोमा कहती हैं, 'बहुत दुख झेले हैं। सनी के पिता नानक की कुछ साल पहले जम्मू-कश्मीर में सैलाब के दौरान मौत हो गई थी। वह भी बूट पॉलिश करते थे। अब शायद भगवान ने हमारी सुन ली है। खुशी की कोई सीमा नहीं है।' सोमा के अनुसार, 'सनी की दादी मीरा और पिता नानक भी शादियों में गाकर खाने का जुगाड़ करते थे। सनी की बहन सखीना भी इसी तरह से ही गाती है।'

बहन ऐसा दिन आएगा, जब पैसा भी होगा और नाम भी : तू सज्जणां रब दे नां वरगा, आउंदे जांदे साह वरगा ... गीत सुनाते हुए सखीना बताती हैं कि सनी कहता था कि मैं एक दिन ऐसा काम करूंगा, जिससे पैसा भी आएगा और नाम भी होगा। शायद वह दिन आ गया है। सनी को भी बचपन से ही गाने का शौक रहा है। वह बूट पॉलिश करने के बाद घर में रात तक रियाज करता था। उसने कोई गुरु नहीं बनाया था।

जजों ने दिया गोल्डन माइक, नेहा कक्कड़ ने दिए एक लाख रुपये : महज छठी पास 21 वर्षीय सनी का बेशक इंडियन आइडल में सफर अभी शुरू ही हुआ है और आने वाले पड़ावों में क्या होने वाला है अभी किसी को नहीं पता, लेकिन उसकी धमाकेदार प्रस्तुति ने तीन जजों संगीतकार अनु मलिक, विशाल डडलानी एवं गायिका नेहा कक्कड़ को झकझोर कर रख दिया है। देशभर में चारों ओर उसके गाए गीत आफरीन-आफरीन की गूंज सुनाई दे रही है। सनी इस शो का एकमात्र ऐसा प्रतियोगी है जिसे जजों ने सीधे गोल्डन माइक देकर थिएटर राउंड के लिए चुना है। गायिका नेहा कक्कड़ ने उसकी कहानी सुनकर उसे एक लाख रुपये की आर्थिक मदद भी दी है।

बठिंडा का सनी इंडियन आइडल में चप्पल पहनकर प्रस्तुति देता हुआ। फाइल

13 अक्टूबर तक इस साल डेंगू से देश में 48 लोगों की जान गई है, जबकि कुल 67,377 मामले सामने आए हैं। कर्नाटक में डेंगू के सबसे ज्यादा 12,756 व पटना में सबसे कम 1335 केस सामने आए।

गरीब और बेसहारा बच्चों का जीवन संवार रहे कांस्टेबल धर्मवीर

'आपणी पाठशाला' खोल देते हैं मुफ्त शिक्षा, अन्य पुलिसकर्मी भी करते हैं मदद, बच्चों पर खर्च करते हैं अपने वेतन का 20 फीसद हिस्सा

नरेन्द्र शर्मा, जयपुर

राजस्थान ही नहीं, देश में कहीं भी पुलिस महकमे और पुलिसकर्मियों का नाम सुनते ही जेहन में एक ऐसी खौफनाक तस्वीर आती है, जिसका सामना कोई भी नहीं करना चाहता। पुलिस को हमेशा सख्ती और रौब के लिए जाना जाता है, लेकिन राजस्थान पुलिस के कांस्टेबल धर्मवीर जाखड़ इस धारणा को बदल रहे हैं।

सुशिक्षित समाज

चूरू पुलिस थाने में तैनात कांस्टेबल धर्मवीर गरीब और बेसहारा बच्चों का जीवन संवारने में जुटे हैं। इसके लिए उन्होंने 'आपणी पाठशाला' (अपनी पाठशाला) नाम से एक स्कूल खोल रखा है। वह यहां गरीब और बेसहारा बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देते हैं। यही नहीं, वह अपने वेतन का 20 फीसद हिस्सा भी इन बच्चों पर खर्च कर देते हैं। इस काम में उनके साथी पुलिसकर्मी भी सहयोग कर रहे हैं। चूरू महिला पुलिस थाने के पास छोटे से स्थान पर संचालित होने वाली पाठशाला में धर्मवीर ड्यूटी पूरी करने के बाद बच्चों को स्वयं पढ़ाते हैं। गरीब और अनाथ बच्चों का जीवन संवारने का उनका यह जज्बा देखकर साथी पुलिसकर्मी भी समय निकालकर बच्चों को पढ़ाने पाठशाला पहुंचते हैं। धर्मवीर झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के हाथों से भीख का कटोरा छीनकर उन्हें पाठशाला में लाकर कलम थमा देते हैं। वह गरीब और बेसहारा बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने में जुटे हैं।

पाठशाला में पढ़ रहे 170 बच्चे : धर्मवीर ने यह पाठशाला 2016 में भीख मांगने वाले गरीब और बेसहारा बच्चों का जीवन संवारने के उद्देश्य से शुरू की थी। 34 बच्चों से शुरू हुई इस पाठशाला में अब 170 बच्चे पढ़ रहे हैं।

लोगों की मदद से दिलाते हैं उच्च शिक्षा भी : प्राथमिक कक्षा तक पढ़ाने के बाद धर्मवीर बच्चों को सरकारी अथवा गैर सरकारी स्कूलों में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश भी दिलाते हैं। इस काम में भी साथी पुलिसकर्मी व दानदाता मदद करते हैं।

बच्चों को भीख मांगते देख होती थी पीड़ा : धर्मवीर ने कहा कि जब भी मैं शहर से होकर गुजरता था, बच्चों के हाथों में भीख मांगने का कटोरा देखता था। यह देख मुझे बहुत पीड़ा होती थी। मैं बस यही सोचता रहता था कि आखिर कैसे इनका जीवन संवारा जा सकता है। फिर क्या था एक दिन मैंने इस बाबत निर्णय ले ही लिया और 'आपणी पाठशाला' खोल दी। मेरा उद्देश्य ऐसे बच्चों को भीख नहीं, बल्कि सीख देना है।

चूरू में गरीब और बेसहारा बच्चों के लिए स्कूल खोलने वाले कांस्टेबल धर्मवीर जाखड़। जागरण

आपणी पाठशाला में बच्चों से संवाद करते राजस्थान के पुलिस महानिदेशक भूपेंद्र सिंह यादव। जागरण

डीजीपी ने थपथपाई पीठ : पिछले दिनों राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) भूपेंद्र सिंह यादव चूरू जिले के दौरे पर आए तो पाठशाला में आकर धर्मवीर जाखड़ की पीठ थपथपाई। यादव ने पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चों के साथ संवाद भी किया। डीजीपी भूपेंद्र सिंह यादव ने कहा कि पुलिसकर्मी द्वारा इस तरह का कार्य करना हमारे लिए सम्मान की बात है। पूरे विभाग को धर्मवीर जाखड़ पर गर्व है। वह बच्चों को शिक्षा ही नहीं दे रहे, बल्कि गरीब और बेसहारा बुजुर्गों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हैं।

सकारात्मक की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

अब तीसरी पीढ़ी के पैराशूट से कूदेंगे सेना के जवान

- एडीआरडीई ने विकसित किया पीटीए-जी टू डेढ़ दशक से दूसरी पीढ़ी का हो रहा प्रयोग
- अधिक ऊंचाई से दुर्गम क्षेत्रों में उतर सकेंगे भारतीय सेना के जवान

अमित दीक्षित, आगरा : हिमालय की चोटी हो या फिर देश का अन्य कोई भी दुर्गम स्थान, अब भारतीय जवानों को पैराशूट से इन जगहों पर कूदने में कोई परेशानी नहीं होगी। दरअसल, तीनों सेनाओं के लिए तीसरी पीढ़ी का पैराशूट तैयार किया गया है, जिससे अधिक ऊंचाई से कूदना आसान हो सकेगा।

हवाई वितरण अनुसंधान एवं विकास संस्थापन (एडीआरडीई) छह साल से पैराशूट टैक्टिकल असाल्ट (पीटीए)-जी टू पर काम कर रहा था। अब उसने इसे विकसित कर लिया है। यह तीसरी पीढ़ी का पैराशूट है। वर्तमान में जल, थल और वायु सेना के जवान दूसरी पीढ़ी (पीटीए-एम व आर) के पैराशूट प्रयोग करते हैं। इसका प्रयोग करते डेढ़ दशक हो चुके हैं। पीटीए-जीटू पैराशूट से सामान्य तौर पर 1250 फीट ऊंचाई से आसानी से छलांग लगाई जा सकती है, जबकि आवश्यकता पड़ने पर यह 4000 फीट ऊंचाई के लिए भी मुफीद होगा। इसका इस्तेमाल दुर्गम स्थानों पर आसानी से किया जा सकेगा। एडीआरडीई ने नए पैराशूट की हर तरीके से जांच की है। मलपुरा ड्रॉपिंग जोन में एक साल तक डमी ट्रायल किए गए। फिर लाइव ट्रायल शुरू हुए। हर टेस्ट में यह पैराशूट सफल रहा। अब सेना ने यूजर ट्रायल शुरू कर दिए हैं। जल्द ही सेना इसे अपनाएगी। एडीआरडीई को इसकी डिमांड भेजी गई है। जरूरत के हिसाब से इन्हें मंगाया जाएगा।

उन्नत किस्म के नायलॉन का इस्तेमाल : तीसरी पीढ़ी के पैराशूट को तैयार करने में उन्नत किस्म के नायलॉन सहित कई अन्य मैटेरियल का प्रयोग किया गया है। इससे पैराशूट की लाइफ बढ़ जाती है। पैराशूट 20 साल तक चलेगा।

यह है खासियत : तीसरी पीढ़ी के पैराशूट से किसी भी विमान से छलांग लगाई जा सकेगी। भले ही विमान की रफ्तार 265 किमी प्रति घंटा हो, जबकि पूर्व में इतनी रफ्तार से छलांग लगाने पर खतरा रहता था।

14 किग्रा है वजन : पीटीए-जीटू पैराशूट का वजन 14 किग्रा है, जबकि अन्य पैराशूट का वजन 16 किग्रा है।

एक मिनट के आसपास लगेगा समय : पीटीए-जीटू से 1250 फुट की ऊंचाई से किसी विमान से कूदने पर जमीन पर आने में करीब एक मिनट का समय लगेगा।

23 साल बाद विशेष संयोग राजा महाकाल के साथ दीपावली मनाएगी प्रजा

राजेश वर्मा, उज्जैन

- उज्जैन के महाकाल मंदिर में अब तक एक दिन पहले मनती रही है दीपावली

भगवान महाकाल का मंदिर। फाइल फोटो

मध्य प्रदेश के उज्जैन में राजाधिराज महाकाल के आंगन में कार्तिक अमावस्या से एक दिन पूर्व दीप पर्व मनाया जाता है, किंतु इस बार रूप चतुर्दशी और अमावस्या एक ही दिन होने से विशेष संयोग बन रहा है। यानी ज्योतिर्लिंग में इस बार 27 अक्टूबर को दीपावली मनाई जाएगी। 23 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है, जब प्रजा राजा के साथ दीपावली मनाएगी। मंदिर में इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं।

परंपरा अनुसार महाकाल मंदिर में चतुर्दशी के दिन तड़के भस्मारती में दीपावली मनाई जाती है। पं. महेश पुजारी के अनुसार, 27 अक्टूबर को तड़के चार बजे भगवान को गर्म जल से स्नान कराने का क्रम शुरू होगा। यह क्रम फाल्गुन पूर्णिमा तक चलेगा। सबसे पहले पुजारी परिवार की महिलाएं भगवान को केसर, चंदन से निर्मित उबटन लगाएंगी। इसके बाद भगवान को सुगंधित द्रव्यों से स्नान कराया जाएगा। सोने-चांदी के आभूषण धारण कराने के बाद नवीन वस्त्र पहनाए जाएंगे। इसके बाद अन्नकूट लगाकर फुलझड़ी आरती होगी। महाकाल में देव दीपावली देखने देश-विदेश से भक्त उमड़ेंगे। शाम को दीपावली मनेगी, संध्या आरती में भी भगवान के समक्ष फिर फुलझड़ी चलाई जाएगी।

अभिजीत मुहूर्त से दीपावली का पूजन : ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला के अनुसार कार्तिक मास की अमावस्या पर 27 अक्टूबर को इस बार विशेष संयोग बन रहा है। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में रूप चतुर्दशी रहेगी। दिन में सुबह 10.50 बजे के बाद अभिजीत मुहूर्त के साथ दीपावली पूजन के श्रेष्ठ मुहूर्त की शुरुआत होगी। शाम 5.48 से 8.21 बजे तक प्रदोष काल के समय माता लक्ष्मी की पूजा का अतिविशिष्ट समय है। रविवार सुबह रूप चतुर्दशी उपरांत अमावस्या व अगले दिन सोमवती अमावस्या का संयोग 30 साल में तीन व चार बार बनता है। इस बार 23 साल बाद ब्रह्म मुहूर्त में चतुर्दशी व प्रदोष काल में अमावस्या का संयोग बना है। यह योग अभ्यंग स्नान व लक्ष्मी पूजन के लिए श्रेष्ठ है।

श्री महाकालेश्वर पुरोहित समिति के अध्यक्ष पं. अशोक शर्मा ने बताया कि समिति द्वारा 26 अक्टूबर को सुबह 9.30 बजे धनत्रयोदशी मनाई जाएगी। 27 अक्टूबर को दीपावली के बाद 28 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा के साथ चिंतामन स्थित मंदिर की गोशाला में गायों का पूजन किया जाएगा।

मप्र के उज्जैन में महाकाल के आंगन में इस तरह मनती है दीपावली। फाइल फोटो

तेजी से सिकुड़ रहा बंगाल का साल्ट लेक

चिंताजनक ▶ जीएसआइ ने कहा, जल निकायों और झीलों से बने शहर में घटता जा रहा भूजल स्तर

जयपुर, देहरादून, हैदराबाद और बेंगलुरु भी सिकुड़ने की सूची में हैं शामिल

जागरण संवाददाता, कोलकाता

जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआइ) के वैज्ञानिकों का कहना है कि कोलकाता में बसा साल्ट लेक का इलाका खतरनाक दर से सिकुड़ रहा है जो कि चिंता का विषय है। यद्यपि सिकुड़ रहे शहरों में अकेले साल्ट लेक अथवा कोलकाता ही शामिल नहीं है बल्कि देश भर में कई बड़े शहर इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन जयपुर और साल्टलेक शहर सर्वाधिक प्रभावित हैं। साल्ट लेक का ज्यादातर क्षेत्र जल निकायों और झीलों से बना है। इस संदर्भ में जीएसआइ के निदेशक डॉक्टर संदीप सोम ने बताया कि साल्टलेक का एक वृहद हिस्सा जलाशयों और झीलों के भरने से बना है। यह इलाका भूजल की घोर किल्लत से जूझ रहा है जो कि भू-क्षेत्र के सिकुड़ने की एक वजह जो सकती है। बकौल सोम ऐसी आशंका है कि साल्टलेक की तरह कोलकाता के कई हिस्से भी सिकुड़ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि जीएसआइ के साल्टलेक स्थित कार्यालय में 'जीपीएस स्टेशन' द्वारा पिछले ढाई साल में दर्ज किए गए डाटा से यह जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि यह इलाका करीब 19-20 मिमी प्रति वर्ष की दर से सिकुड़ रहा है। सोम ने कहा कि चूंकि यह 300 किमी की परिधि के अंदर डाटा जुटाने में सक्षम है, इसलिए हम यह भी कह सकते हैं कि कोलकाता भी सिकुड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जीएसआइ इस मुद्दे का समाधान करने की कोशिश कर रहा है।

सोम ने आगे कहा कि हमारा जोड़-घटाव एक मिमी बढ़ते हुए क्रम में या क्षितिज गणना पर आधारित है। भूजल में कमी या टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियों के चलते भूमि सिकुड़ सकती है। सोम ने इस बात पर भी जोर दिया कि देशभर में बड़े शहर इसी समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में लगाए गए जीपीएस स्टेशनों से इस बात का पता चला है कि जयपुर, देहरादून, हैदराबाद और बेंगलुरु भी सिकुड़ रहे हैं।

डाटा में आगे यह प्रदर्शित होता है कि हिमालय की पूरी तलहटी और इससे लगे इलाके भी अलग-अलग दर से सिकुड़ रहे हैं। सोम ने कहा कि हिमालय पर्वतमाला की ऊंचाई बढ़ रही है और पटना व नागपुर की भी ऊंचाई (समुद्र तल से) बढ़ रही है। ये सभी चीजें टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियों के चलते हो रही हैं। जीएसआइ के निदेशक ने कहा कि भू-क्षेत्र सिकुड़ने के मामले में जयपुर और कोलकाता का साल्टलेक सर्वाधिक प्रभावित हैं। देश के पश्चिमी हिस्से के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि 'फोल्डिंग प्रोसेस' (मुड़ने की प्रक्रिया) अभी जारी है। यह फोल्ड उस वक्त पैदा होता है, जब समतल सतह दबाव और तापमान के चलते मुड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी तट भी प्रभावित हो रहा है। तिरुअनंतपुरम और पुणे भी इस समस्या का सामना कर रहे हैं। भूगर्भिक और भू-भौतिक मापन के लिए साल्टलेक सहित देश भर में 22 वेधशालाएं स्थापित की गई हैं।

कोलकाता में बसे साल्ट लेक का ज्यादातर क्षेत्र बना है जल निकायों और झीलों से। फाइल

बिहार में अब 'पे एंड स्टे' वृद्धाश्रम खोलने की तैयारी

भुवनेश्वर वात्स्यायन, पटना : बिहार सरकार भुगतान करने की क्षमता रखने वाले बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम के नए कन्सेप्ट पर काम कर रही है। यह भुगतान यानी 'पे एंड स्टे' पर आधारित होगा। पेंशन ले रहे बहुत से ऐसे बुजुर्ग हैं जो अपने घर में अकेले रहते हैं। ऐसे लोग चाहते हैं कि पैसे देकर ऐसी जगह रहें जहां उनकी देखरेख हो सके। इस नई सोच के साथ समाज कल्याण विभाग अपनी देखरेख में वृद्धाश्रम का संचालन कराएगा।

डोरमेट्री की जगह कमरा दिया जाएगा : भुगतान वाले वृद्धाश्रम के लिए संबंधित महकमा एक कांप्लेक्स को किराए पर लेगा। वहां रहने को इच्छुक वृद्ध को एक-एक कमरा उपलब्ध करा दिया जाएगा। यानी किसी कांप्लेक्स के एक फ्लैट में तीन-चार कमरे हैं तो वहां इतनी ही संख्या में वृद्ध पूरी सुविधाओं के साथ रह सकेंगे।

डॉक्टर ऑन कॉल के साथ-साथ पसंद का भोजन

सुबह-शाम की सैर और पूजा-पाठ का भी इंतजाम : जिस एजेंसी को इस खास किस्म के वृद्धाश्रम के संचालन का जिम्मा दिया जाएगा उनकी जिम्मेदारी यह होगी कि वह ऐसी जगह वृद्धाश्रम के लिए कांप्लेक्स ले जहां आसपास में पार्क हो। बुजुर्ग वहां सुबह-शाम की सैर के लिए जा सकें। साथ ही करीब में ही मंदिर भी हो।

मनपसंद खाना बनाने के लिए कुक भी होगा : बुजुर्गों की सेहत को ध्यान में रख यह व्यवस्था होगी कि उनके पसंद का भोजन बनाने वाला कुक भी उस कांप्लेक्स में रहेगा। देखभाल के लिए प्रशिक्षित कर्मी की भी वहां व्यवस्था होगी।

डॉक्टर ऑन कॉल की भी सुविधा मिलेगी : भुगतान देकर वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के लिए डॉक्टर ऑन कॉल की भी सुविधा होगी। अगर कोई बुजुर्ग किसी खास बीमारी से परेशान है तो उनकी देखरेख के लिए भी अलग से व्यवस्था होगी।

अब तक की सबसे लंबी दूरी की नॉन स्टॉप हवाई यात्रा

अंतरराष्ट्रीय उड्डयन क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धि, न्यूयॉर्क से बिना रुके 19 घंटे 16 मिनट में 49 यात्रियों के साथ सिडनी पहुंचा बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर

ऑस्ट्रेलिया की विमानन कंपनी क्वांटास ने अब तक की बिना रुके सबसे लंबी यात्री उड़ान को अंजाम दिया है। अंतरराष्ट्रीय उड्डयन क्षेत्र में इसे ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया जा रहा है। 'प्रोजेक्ट सनराइज' नामक सबसे लंबी दूरी की इस हवाई यात्रा के माध्यम चालक दल और यात्रियों पर पड़ने वाले असर का भी आकलन किया गया। 49 यात्रियों के साथ बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर ने न्यूयॉर्क से उड़ान भरी। बिना रुके 16,200 किमी की यात्रा करके 19 घंटे 16 मिनट बाद सकुशल सिडनी पहुंचा।

> ऑस्ट्रेलियाई विमानन के लिए यह वाकई ऐतिहासिक क्षण है और अंतरराष्ट्रीय उड्डयन क्षेत्र के लिए भी यह गौरव का क्षण है। यदि परीक्षण उड़ान के आंकड़े इस नॉन स्टॉप फ्लाइट को लेकर सकारात्मक रहते हैं और यात्रियों और चालक दल के लिए इससे कोई स्वास्थ्य खतरा नहीं दिखता तो 2022-23 से नियमित उड़ान शुरू की जा सकती है।
>
> **एलन जायसी**, सीईओ-क्वांटास

9:27 पीएम
शुक्रवार को जॉन एफ कैनेडी एयरपोर्ट से भरी उड़ान

7:33 एएम
रविवार को सिडनी पहुंचने का समय

4 घंटे : सीधी उड़ान से यात्रियों के समय की बचत

परीक्षण उड़ान

लंबी दूरी की हवाई यात्राओं पर चालक दल और यात्रियों पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर का अध्ययन करने के लिए इस उड़ान में सिर्फ 49 लोग बैठे थे। इनमें अधिकांश क्वांटास के कर्मचारी थे। पूरी यात्रा के दौरान उन्होंने व्यायाम और योग किया, कैफीन का सेवन किया और रात में सामान्य भोजन की जगह मसालेदार भोजन का आनंद लिया।

लंबी दूरी की उड़ानें

कहां से	कहां	एयरलाइन	दूरी (किमी)	यात्रा समय
सिंगापुर	न्यूयॉर्क	सिंगापुर एयरलाइंस	15344	18:25
ऑकलैंड	दोहा	कतर एयरवेज	14535	17:40
पर्थ	लंदन	क्वांटास	14449	17:20
ऑकलैंड	दुबई	अमीरात	14200	17:20
लॉस एंजिलिस	सिंगापुर	यूनाइटेड एयरलाइंस	14113	17:15

नींद का रखा गया खयाल

उड़ान के छह घंटे बाद यात्रियों के कार्बोहाइड्रेट की उच्च मात्रा वाला भोजन परोसा गया। स्क्रीन की तरफ देखने से मना किया। विमान की लाइटें मंद कर दी गईं जिससे सभी लोग आराम से नींद ले सकें।

बढ़ता क्षेत्र

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आइएटीए) के अनुसार सालाना हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की वैश्विक संख्या अभी 4.6 अरब है। 2037 तक इसके 8.2 अरब होने का अनुमान है।

यात्रियों पर हुए परीक्षण

यात्रा के दौरान मूत्र के नमूने लिए गए, जिससे उनके शरीर में मेलाटोनिन की मात्रा का पता चल सके। यही हार्मोन व्यक्ति के नींद चक्र को नियंत्रित करता है। यात्रा के दौरान तमाम प्रयोगों के लिए छह स्वयंसेवियों ने कंपनी को अपनी सेवाएं दीं। यात्रा के दौरान यात्रियों से प्राप्त सभी आंकड़े और नमूनों को ऑस्ट्रेलियन सिविल एविएशन सेफ्टी अथॉरिटी से साझा किया जाएगा। जिससे 20 घंटे से ज्यादा की उड़ानों के लिए वह नए मानक तैयार कर सके और यात्रियों को जेटलैग से बचाया जा सके। प्रस्थान और आगमन के बीच ज्यादा अंतर और पश्चिम की अपेक्षा पूर्व की ओर हवाई उड़ान के दौरान यात्रियों को ज्यादा जेटलैग महसूस होता है।

चालक दल

पूरी यात्रा के लिए चार पायलटों की तैनाती की गई। जिन्हें क्रमवार अपनी ड्यूटी निभानी थी। इसके अतिरिक्त दो पायलटों की और तैनाती की गई थी। इन पायलटों को विशेष हेडबैंड दिए गए थे जो इनके दिमाग की गतिविधियों को माप रहे थे। कॉकपिट में लगे कैमरे पायलट की चैतन्यता पर निगाह रखे हुए थे।

तमिल फिल्म दिक्कीलूना से डेब्यू करेंगे भज्जी

कमल किशोर, जालंधर

अपनी गेंदबाजी से करोड़ों लोगों का दिल जीत चुके हरभजन सिंह अब सिल्वर स्क्रीन के जरिये दर्शकों के दिलों में उतरने को तैयार हैं। वह तमिल फिल्म 'दिक्कीलूना' से डेब्यू करने जा रहे हैं। इसकी शूटिंग दिसंबर से होने जा रही है। ये बातें हरभजन सिंह ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत में कहीं। वह रविवार को पंजाब के जालंधर में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। भज्जी इससे पहले छोटे पर्दे के रियलिटी शो में जज की भूमिका निभा चुके हैं।

हरभजन ने कहा, क्रिकेट जगत में एक लीडर के रूप में शुमार सौरव गांगुली बीसीसीआइ के अध्यक्ष पद के लिए एकदम सही हैं। भज्जी ने कहा कि जब भारतीय क्रिकेट में मैच फिक्सिंग की खबरें उठ रही थीं, तब क्रिकेट से लोगों को जोड़ना मुश्किल हो रहा था। ऐसे समय में भारतीय टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली ने विदेशी धरती पर टूर्नामेंट जीतकर लोगों को दोबारा क्रिकेट के साथ जोड़ा। सौरव क्रिकेट की बेहतरी के लिए काम करेंगे। बढ़िया परफार्मेंस देने वाले खिलाड़ी ही आगे आ सकेंगे। टेस्ट मैच में रोहित शर्मा के प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा कि रोहित ने शानदार प्रदर्शन करके दिखा दिया है कि वह क्रिकेट के हर फार्मेट में फिट हैं।

गायकी भी कर चुके हैं भज्जी : 2018 में हरभजन सिंह ने शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस से पहले एक एलबम शूट किया था, जिसका नाम एक सुनेहा-2 था। यह गीत हरभजन सिंह ने शहीद भगत सिंह को समर्पित किया था। उन्होंने अपने गीत के माध्यम से यह संदेश दिया कि वर्तमान में युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति व सामाजिक जिम्मेदारी को भूल रही है।

जालंधर में रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान क्रिकेटर हरभजन सिंह। फाइल

दोपहिया वाहनों के निर्यात में चार परसेंट का इजाफा

नई दिल्ली, प्रेट्र : चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान दोपहिया वाहनों के निर्यात में चार परसेंट का इजाफा हुआ है। ऑटो मोबाइल कंपनियों के संगठन सियाम के मुताबिक इस दौरान किए गए निर्यात में बजाज ऑटो अव्वल रही। इसने नौ लाख से ज्यादा यूनिट्स का निर्यात किया। इन दोपहिया वाहनों में मोटरसाइकिल, स्कूटर और मोपेड्स को शामिल किया गया है। इस दौरान कुल 17,93,957 दोपहिया यूनिट्स निर्यात की गईं, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 17,23,280 यूनिट्स निर्यात की गई थी।

स्पर्धा आयोग का काम समझौते कराना नहीं है। हम अब ज्यादा सक्रिय भूमिका में आएंगे और स्वत: संज्ञान लेकर बाजार में स्पर्धा को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

– अशोक कुमार गुप्ता
चेयरमैन, सीसीआइ

वित्त मंत्री ने कहा ▸ चीन से बिजनेस समेट रही कंपनियों की होगी पहचान, उन्हें भारत लाने के होंगे उपाय

चीन छोड़ रही कंपनियों के लिए ब्लूप्रिंट तैयार

सीतारमण ने कहा कि बिजनेस लीडर्स को भारत आने का आमंत्रण देंगे

वाशिंगटन, प्रेट्र : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चीन छोड़ने पर विचार कर रही कंपनियों को भारत लाने के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जो इंडस्ट्री लीडर अपने व्यापार को चीन से निकालकर कहीं और स्थापित करना चाहते हैं, वे निश्चित तौर पर भारत में संभावनाएं तलाशेंगे। इसलिए जरूरी है कि सरकार इस ओर ध्यान दे और इंडस्ट्री के लीडर्स से मिलकर उन्हें भारत में आने का निमंत्रण दे। उन्होंने कहा कि वह ऐसी ग्लोबल कंपनियों की पहचान करेंगी जो चीन से अपना बिजनेस समेट रही हैं या इस पर विचार कर रहीं हैं। वह ऐसी कंपनियों को आश्वस्त करेंगी कि भारत निवेश के लिए एक बेहतर जगह है। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ अमेरिका-चीन में चल रहे टकराव को देखकर फैसले नहीं लेंगे। इसके अलावा भी कई वजहें हैं, जिससे कंपनियां चीन छोड़ने पर विचार कर रही हैं।

वित्त मंत्री का कहना था कि ये जरूरी नहीं है कि सभी कंपनियां चीन से बाहर निकलने पर विचार कर रहीं हों। चीन बड़ा बजार है और यहां खपत का तरीका और लोगों की क्रय शक्ति भारत से अलग हो सकती है। हम ऐसी व्यवस्था बनाना चाहते हैं, जिससे ग्लोबल कंपनियां भारतीय बाजारों में निवेश करें। इसके लिए भारत में दूसरी जगहों के मुकाबले बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। वियतनाम जैसे देशों में भारत की तरह आकर्षक सुविधाएं नहीं हैं। वहां भारत की तरह मानव संसाधन भी उपलब्ध नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि हाल में की गई कॉरपोरेट टैक्स में कटौती ग्लोबल कंपनियों के हित में है और यह कदम निवेश आकर्षित करने में मददगार होगा।

पूरी गति से चल रही है भारत-अमेरिका में व्यापार वार्ता

सीतारमण ने कहा है कि भारत-अमेरिका में व्यापार वार्ता पूरी गति से चल रही है और जल्द ही यह समझौते का रूप ले लेगी। आइएमएफ के मुख्यालय में सीतारमण और अमेरिका के वित्त मंत्री स्टीवन म्यूचिन के बीच व्यापार समझौते के बारे में चर्चा हुई। अगले महीने की शुरुआत में म्यूचिन का भारत दौरा प्रस्तावित है। सीतारमण ने कहा कि भारत के वाणिज्य मंत्री और अमेरिका के वार्ताकार रॉबर्ट लाइटहाइजर के बीच इस मुद्दे पर बातचीत चल रही है और मेरा मेरा मानना है कि जल्द ही इस पर समझौते हो जाएगा।

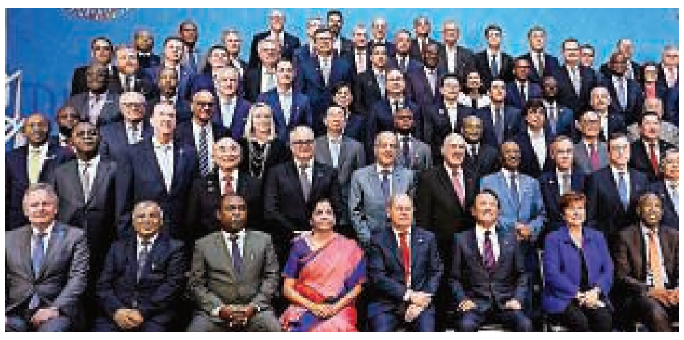

वाशिंगटन में आइएमएफ-डब्ल्यूबी की वार्षिक बैठक से पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के गवर्नरों के साथ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। एएनआइ

भारत और चीन के विकास से प्रभावित होती है ग्लोबल इकोनॉमी

वाशिंगटन, प्रेट्र : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है वैश्विक विकास दर भारत और चीन के विकास से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल स्लोडाउन के चलते ब्याज दरों में गिरावट आई है, यह बहुत हद तक चीन और भारत की विकास दर के अनुमान पर निर्भर करती है या दूसरे शब्दों में कहें तो इनका प्रदर्शन ग्लोबल इकोनॉमी से जुड़ा हुआ है। वित्त मंत्री विश्व बैंक और आइएमएफ के बीच हुई बैठक में हिस्सा लेकर लौट रहीं थी। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान ग्लोबल स्लोडाउन पर चर्चा हुई। इस दौरान ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं की ओर से गिरती ब्याज दरों को लेकर चिंता जताई गई।

किसी एक मामले के चलते पूरी प्रक्रिया पर सवाल ठीक नहीं

वाशिंगटन, प्रेट्र : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि किसी एक वित्तीय मामले में देखी गई अनिश्चितता के चलते पूरे इन्सॉलवेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड (आइबीसी) पर सवालिया निशान नहीं लगया जाना चाहिए। हालिया समय में आइबीसी में कुछ खामियां सामने आई थीं।, जिसके बाद इस प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे थे। सीतारमण ने कहा कि अगर कोई संपत्ति दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है और उस संपत्ति का कोई हिस्सा ईडी द्वारा अटैच कर लिया जाता है, तो इस मामले सबसे पहली प्रतिक्रिया आइबीसी की तरफ से ही आनी चाहिए।

कॉमर्शियल कोल माइनिंग पर अगले महीने से तेज होगी प्रक्रिया

नई दिल्ली, आइएएनएस : व्यावसायिक कोयला खनन के लिए घरेलू और विदेशी कंपनियों का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। सूत्रों का कहना है कि कॉमर्शियल कोल माइनिंग से संबंधित मसौदा नियमों, बोली दस्तावेज और करार को नवंबर के पहले सप्ताह में अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उसके बाद दिसंबर के पहले सप्ताह में बोली प्रक्रिया शुरू हो जाने की उम्मीद है।

बोली प्रक्रिया के तहत उन बड़े 15 खदानों को प्राथमिकता मिल सकती है, जिनकी उत्पादन क्षमता 50 लाख से एक करोड़ टन तक सालाना है। इन 15 में से पांच बड़ी खदानों का ही कुल भंडार 50 करोड़ टन तक है। इनकी नीलामी से राज्य सरकारों को प्रति खदान 6,000 करोड़ रुपये तक की कमाई हो सकती है।

सरकार के इस फैसले के बाद एस्सेल माइनिंग, सेसा गोवा जैसी घरेलू कंपनियां और रियो टिंटो, बीएचपी बिलीटॉन, पेसबॉडी, ग्लेनकोर और वाले जैसी ग्लोबल कंपनियों को भारतीय कोयला खदानों में निवेश का मौका मिल सकेगा। कोयला भंडार के मामले में भारत दुनिया में पांचवे नंबर पर है। इस फैसले के बाद ईंधन की कमी झेल रही बिजली निर्माता कंपनियों को ईंधन का एक अतिरिक्त स्रोत मिल जाएगा। हालांकि जानकार पहले राउंड की बोली में निवेशकों की रुचि को लेकर संदेह जता रहे हैं। क्योंकि इससे पहले पावर प्लांट के लिए हुई बोली में कंपनियों ने विशेष रुचि नहीं दिखाई थी। उस दौरान 27 में सिर्फ छह ब्लॉक के लिए पर्याप्त बोलियां लगाई गई थी। जानकारों के मुताबिक यह निवेश आकर्षित करने के लिहाज से कठिन समय है, लेकिन कोयले की गुणवत्ता और खदान की स्थिति के मुताबिक निवेश आने की उम्मीद है। कॉमर्शियल माइनिंग के तहत जिन कोल ब्लॉक के लिए बोली आमंत्रित की जाएंगी उनका आकार बड़ा होगा।

प्रतीकात्मक

- दिसंबर के पहले सप्ताह में नीलामी शुरू होने की उम्मीद
- निजी क्षेत्र की घरेलू और विदेशी कंपनियों को मिलेगा मौका

स्पर्धा के मामलों में सक्रिय भूमिका निभाएगा सीसीआइ

- कहा – मामला सामने आए तो स्वत: संज्ञान भी लेगा आयोग
- बाजार में स्पर्धा का मजबूत होना आयोग की प्राथमिकता
- बोले – कई बार व्यक्तिगत कारणों से भी सीसीआइ तक नहीं आते लोग

अब तक हजार से ज्यादा मामले निपटा चुका है आयोग। प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : अनुचित कारोबारी स्पर्धा संबंधी गतिविधियों को खत्म करने के लिए सीसीआइ अब ज्यादा सक्रिय भूमिका में आने को तैयार है। भारतीय स्पर्धा आयोग (सीसीआइ) के चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता ने कहा है कि स्पर्धा कानूनों के उल्लंघन के मामले में अब आयोग किसी पक्ष से शिकायत का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि स्वतः संज्ञान लेगा।

अब तक देखा गया है कि सीसीआइ उन्हीं मामलों में हस्तक्षेप करता रहा है, जिसकी उससे शिकायत की गई होती है। ऐसे में कई बार शिकायत के अभाव में किसी मामले में बाजार को नुकसान हो भी चुका होता है और सीसीआइ समय रहते ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर पाता है। गुप्ता ने कहा कि अब ऐसा नहीं होगा।

सीसीआइ चेयरमैन का कहना था कि सीसीआइ कोई मध्यस्थता इकाई नहीं है, जिसका काम दोनों या सभी पक्षों के बीच महज सुलह करा देना है। सीसीआइ की भूमिका निर्णय देने वाले की है और उसकी पूरी जिम्मेदारी बाजार के हितों की रक्षा करने की है। यही वजह है कि सीसीआइ उन मामलों को भी बंद नहीं करता, जिनमें इसके पक्षकार आपस में मामला सुलझा लेते हैं। उन्होंने कहा कि अब तक हमने खुद को अपने सामने आने वाले मामलों पर प्रतिक्रिया देने तक सीमित किया हुआ है। लेकिन अब हम यहीं तक सीमित नहीं रहेंगे। ऐसे कई मामले हो सकते हैं जहां स्पर्धा संबंधी कानूनों का गंभीर उल्लंघन हो रहा होगा। लेकिन कोई भी पक्ष इसकी सूचना देने में खुद को सहज महसूस नहीं कर पा रहा होगा। ऐसा करने के पीछे उनके खुद के व्यावसायिक हित हो सकते हैं। हम उन मामलों में अब स्वतः संज्ञान लेंगे।

गुप्ता का यह भी कहना था कि कई मामलों में अतीत की चली आ रही व्यवस्थाएं और हितों के टकराव का पहलू भी सामने आ सकता है। लेकिन इन सबके बारे में संबंधित पक्षों और उद्योगों को उचित जानकारी मुहैया कराई जा सकती है और उन्हें कानून के स्व-पालन को प्रेरित किया जा सकता है। गुप्ता ने कहा कि किसी भी कानून के प्रभावी होने में उसके क्रियान्वयन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

अगले वर्ष फिर चीन से आगे होगी भारत की विकास दर : आइएमएफ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने रविवार को आइएमएफ की रिपोर्ट का एक हिस्सा जारी करते हुए कहा कि अगले वित्त वर्ष में भारत की विकास दर एक बार फिर चीन से ज्यादा हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक आगामी वित्त वर्ष से भारत आर्थिक सुस्ती के दौर से बाहर आने लगेगा। वर्ष 2020 में ही यहां की विकास दर सात फीसद हो जाएगी जबकि चीन की विकास दर अगले वर्ष 5.8 फीसद रहेगी। इस तरह से भारत और चीन की आर्थिक विकास दर का फासला काफी बढ़ जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर जारी अपनी ताजा विस्तृत रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान दोनो देशों की अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार 6.1 फीसद रहेगी। लेकिन अगले वर्ष भारत फिर से काफी आगे निकल जाएगा। दरअसल, भारत तेजी से विकास करेगा तो इसका असर समूची दुनिया की विकास दर पर दिखाई देगा। वर्ष 2018 में वैश्विक विकास दर 3.6 फीसद रही थी जो इस वर्ष घट कर तीन फीसद पर आ जाने के आसार हैं। लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार के चलते वर्ष 2019 में वैश्विक विकास दर फिर से 3.4 फीसद हो जाएगी। आइएमएफ के मुताबिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनाने में भारत का योगदान करीब 0.10 फीसद का होगा। असल में भारत का योगदान विकसित देशों या तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले सबसे ज्यादा होगा।

सनद रहे कि आइएमएफ ने हाल ही में वर्ष 2019 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को घटा कर 6.1 फीसद कर दिया है जो आरबीआइ के विकास दर अनुमान के करीब है। आइएमएफ की इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वर्ष यानी 2018 में भारत की आर्थिक विकास दर 6.8 फीसद और चीन की 6.6 फीसद रही थी। आइएमएफ की यह रिपोर्ट भारतीय मूल की अर्थविद व चीफ इकोनॉमिस्ट गीता गोपीनाथ ने तैयार की है। शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की आइएमएफ में बैठक भी थी।

सनद रहे कि आरबीआइ समेत कई देसी व विदेशी एजेंसियों ने हाल के दिनों में भारत की विकास दर का अनुमान घटा दिया है। आरबीआइ ने भी विकास दर अनुमान को सात फीसद से घटाकर 6.1 फीसद कर दिया है। कुछ एजेंसियों ने इस बात के भी संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में विकास दर के अनुमान को और घटाया जा सकता है।

प्रतीकात्मक

- वर्ष 2020 में भारत की विकास दर होगी 7 फीसद जबकि चीन की 5.8 फीसद
- चालू वित्त वर्ष में दोनो देशों की 6.1 फीसद रहेगी आर्थिक विकास दर

फ्लिपकार्ट, अमेजन को बताने होंगे पांच टॉप सेलर्स के नाम

नई दिल्ली, प्रेट्र : ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट और अमेजन को अपने पांच सबसे बड़े सेलर्स के नाम बताने होंगे। साथ ही इनके द्वारा बेचे गए सामानों की कीमत और इन सेलर्स को दी गई सहायता के की जानकारी भी देनी होगी। डीपीआइआइटी ने इन कंपनियों को एक प्रश्नावली जारी की है। इसमें इनका कैपिटल स्ट्रक्चर, बिजनेस मॉडल और इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम के बारे में सवाल पूछे गए हैं।

इससे पहले इन कंपनियों पर आरोप लगाया गया था कि फेस्टिव सीजन के दौरान बिक्री बढ़ाने के लिए इन्होंने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) के नियमों का उल्लंघन किया है। ई-कॉमर्स कंपनियों पर ये आरोप ट्रेडर्स संगठन कैट ने लगाया था। संगठन का आरोप है कि इन कंपनियों ने दाम में गैरवाजिब कटौती करके अनुचित तरीके से व्यापार किया है। इससे पहले डीपीआइआइटी इन ई-कॉमर्स कंपनियों और सीएआइटी के साथ अलग-अलग कई बैठकें कर चुका है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस मामले की जांच जारी होने की बात कही है। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में अमेजन और फ्लिकार्ट के पेमेंट साझेदारों के बारे में भी जानकारी मांगी गई है। इस समय लागू एफडीआइ नीति के मुताबिक सरकार ने ई-कॉमर्स के मार्केटप्लेस मॉडल में 100 परसेंट एफडीआइ की इजाजत दे रखी है। लेकिन इन्वेंट्री आधारित मॉडल के लिए ऐसा सुविधा नहीं दी गई है।

ऑनलाइन कंपनियों को उनके प्लेटफॉर्म पर बिक रही वस्तुओं के जरिये कीमतें प्रभावित करने की छूट भी नहीं दी गई है। हालांकि दोनों ही कंपनियां एफडीआइ नियमों का पूरी तरह पालन करने की बात करती रही हैं।

- दोनों कंपनियों पर है एफडीआइ नियमों के उल्लंघन का है आरोप
- इन्हें अपने पेमेंट साझेदारों की भी देनी होगी जानकारी

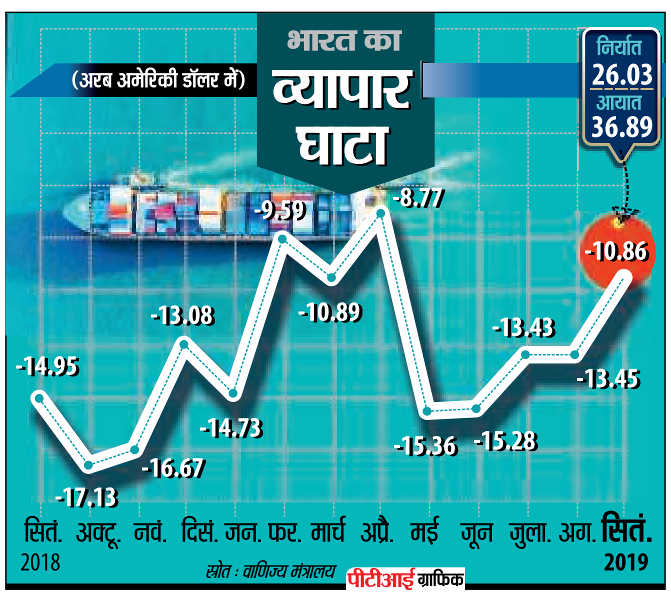

प्रदूषण से लड़ेगा पराली से बायोगैस बनाने वाला पहला प्लांट

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : पराली के सार्थक इस्तेमाल की दिशा में एक बड़ा कदम उठा है। इसके तहत पराली से बायोगैस तैयार करने के लिए देश का पहला संयंत्र हरियाणा के करनाल में स्थापित किया जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इससे पराली खेतों में जलाने की प्रवृत्ति में कमी आएगी और प्रदूषण का स्तर कम करने में मदद मिलेगी। पराली से बनने वाली बायोगैस का इस्तेमाल सीएनजी से चलने वाले वाहनों में किया जा सकता है।

देश की सबसे बड़ी सीएनजी वितरक कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ईएस रंगनाथन ने करनाल में संयंत्र का भूमिपूजन किया। कंपनी ने एक बयान में कहा है कि विशेष मशीन लगाई जाएंगी, जो धान की पराली को काटकर उसका गट्ठर बनाएंगी, ताकि पूरे साल के लिए पराली का भंडारण किया जा सके। पराली से बायोगैस बनाने वाले संयंत्र की क्षमता इतनी है कि साल में करीब 20 हजार एकड़ खेतों की पराली को बायोगैस में बदला जा सकता है। कंपनी इस बायोगैस का वितरण करनाल में करेगी। कंपनी के मुताबिक यह संयंत्र 2022 तक तैयार हो जाएगा। संयंत्र से हर दिन अधिकतम 10 हजार किलोग्राम बायोगैस का उत्पादन होगा। मुख्य कच्चे माल के रूप में धान की पराली का इस्तेमाल होगा। संयंत्र से प्राप्त अवशेष जैविक होंगे और इनका इस्तेमाल जैविक खेती में किया जा सकेगा।

बैंक संगठनों ने कल बुलाई देशव्यापी हड़ताल

नई दिल्ली, एएनआइ : बैंक संगठनों ने बैंकों के विलय के विरोध में 22 अक्टूबर को देशव्यापी हड़ताल बुलाई है। यह हड़ताल ऑल इंडिया बैंक एंप्लॉई एसोसिएशन (एआइबीईए) और बैंक एंप्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीईएफआइ) की ओर से बुलाई गई है। ये संगठन 10 सरकारी बैंकों के विलय के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

इन संगठनों की ओर से एक खुला पत्र जारी किया गया है, इसमें कहा गया है कि सरकार भले ही इसे बैंकों का विलय कहे, लेकिन यह सीधे तौर पर छह बैंकों की हत्या है। क्योंकि इस विलय के बाद जिन बैंकों को बनने में वर्षों लगे थे उनका बैंकिंग परिदृश्य से अंत हो जाएगा। आंदोलन कर रहे लोगों का कहना है कि भारत की जरूरत अच्छे बैंक हैं, बड़े बैंक नहीं। गौरतलब है कि बैंक ऑफ बड़ौदा, देना बैंक और विजया बैंक के विलय के बाद सरकार ने हाल में 10 सरकारी बैंकों के विलय की घोषणा की थी। सरकार ने इन बैंकों को 55,250 करोड़ रुपये देने का फैसला भी किया था।

भ्रामक नहीं हों इंश्योरेंस विज्ञापन : इरडा

नई दिल्ली, प्रेट्र : बीमा क्षेत्र के नियामक इरडा ने सभी इंश्योरेंस कंपनियों को सख्त हिदायत दी है कि उनके विज्ञापनों के संदेश बेहद स्पष्ट होने चाहिए। बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने इंश्योरेंस कंपनियों से यह भी कहा है कि उनके विज्ञापनों के ऐसे मतलब नहीं निकलने चाहिए जो संभावित ग्राहकों को सुरक्षा की भावना का अस्पष्ट संदेश देते हों।

एक बयान में इरडा ने कहा कि माध्यम चाहे कोई भी हो, इंश्योरेंस के सभी विज्ञापन स्पष्ट, उचित होने के साथ-साथ भ्रम से परे होने चाहिए। विज्ञापनों में ऐसी मैटीरियल और डिजाइन का इस्तेमाल किया जाए जिससे सूचना कानूनी तौर पर मान्य और पहुंच के दायरे में हो।

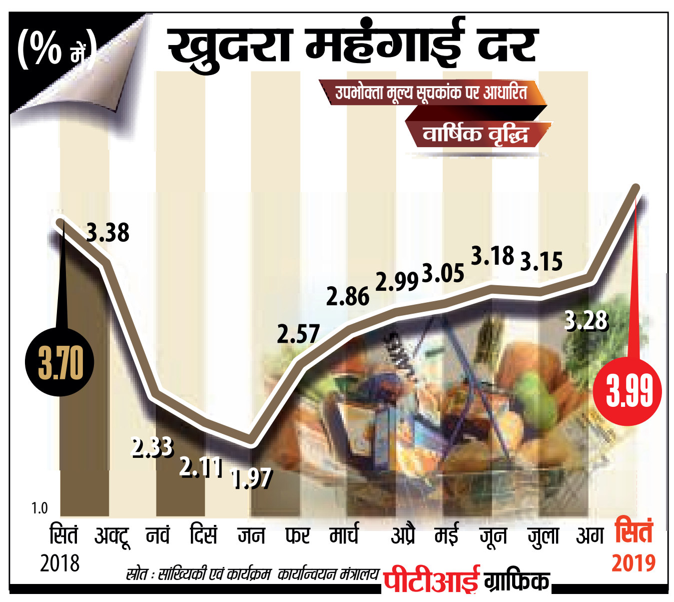

निगाहें

पिछले छह सत्रों में बाजार ने दर्ज की है तेजी, इस सप्ताह आने हैं कई कंपनियों के तिमाही नतीजे

कंपनियों के तिमाही नतीजे और ब्रेक्जिट से प्रभावित रहेंगे बाजार

मुंबई, आइएएनएस : प्रमुख भारतीय शेयर बाजार पिछले छह सत्रों से लगातार बढ़त दर्ज कर रहे हैं। इस सप्ताह मंगलवार को जब बाजार खुलेंगे तो कंपनियों के तिमाही नतीजों और ब्रेक्जिट का असर दिखने की पूरी संभावना है। सोमवार को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के चलते शेयर बाजार बंद रहेंगे।

शनिवार को एचडीएफसी बैंक और कुछ अन्य कंपनियों के तिमाही नतीजे आए थे। बाजार शुरुआती सत्र में इनका असर रहने की उम्मीद है। इससे पहले गुरुवार को ब्रेक्जिट समझौते पर यूरोपीय यूनियन की सहमति की खबर आने पर भारतीय शेयर बाजारों में तेज उछाल दर्ज किया गया था। इस दौरान बीएसई के सेंसेक्स में 453 अंक का सुधार हुआ था। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के दीपक जसानी के मुताबिक ब्रेक्जिट पर नए सिरे से बना गतिरोध बाजार में नकारात्मक भावना का संचार कर सकता है। हालांकि इसका असर सीमित रहने की उम्मीद है। लेकिन जिन कंपनियों के शेयरों में नई डील की घोषणा के बाद उछाल आया था, उनमें गिरावट का रुख हो सकता है।

इस सप्ताह कुछ बड़ी कंपनियों के नतीजे आने हैं, जिसका सीधा असर शेयर बाजारों पर दिखाई देने की संभावना है। पिछले सप्ताह सभी पांच सत्रों में शेयर बाजारों ने तेजी दर्ज की थी। सरकारी कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ था। इस दौरान निफ्टी में 3.16 परसेंट का सुधार देखा गया।

शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के मार्केट कैप में इजाफा

नई दिल्ली, प्रेट्र : पिछले सप्ताह बीएसई की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में संयुक्त रूप से 1.47 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इनमें रिलायंस और टीसीएस के बाजार में पूंजीकरण में सबसे ज्यादा सुधार हुआ। शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में 10 सबसे बड़ी कंपनियों में इन्फोसिस एकमात्र ऐसी कंपनी रही जिसके बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 39,867.44 करोड़ रुपये बढ़त के साथ 8,97,179.47 करोड़ रुपये पर जा पहुंचा। कारोबारी सत्र में एक समय यह नौ लाख करोड़ रुपये के पार चला गया था। इसने सबसे मूल्यवान कंपनी होने का दर्जा बरकरार रखा है। वहीं टीसीएस के बाजार पूंजीकरण में 26,379.27 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इस दौरान यह 7,71,996.87 करोड़ रुपये रहा। एचयूल का बाजार मूल्यांकन 21,962.02 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 4,55,952.72 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,767.89 करोड़ रुपये बढ़कर 6,72,466.30 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा अन्य कंपनियां जिनके मार्केट कैप में इजाफा हुआ उनमें एचडीएफसी एडवांस, एसबीआइ, आइसीआइसीआइ बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आइटीसी रहीं। दूसरी ओर गिरावट दर्ज करने वाली एकमात्र कंपनी इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में 20,594.7 करोड़ रुपये की कमी आई।

आरआइएल के नतीजे बाजार बंद होने के बाद आए थे। इस पर भी निवेशक प्रतिक्रिया देंगे। प्रतीकात्मक

विदेशी निवेशकों ने इस महीने अब तक दिखाई है रुचि

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने इस महीने अब तक 5,072 करोड़ रुपये भारतीय शेयर बाजारों में निवेश किए हैं। सरकारी सुधारों और इकोनॉमी के फिर से पटरी पर लौटने की उम्मीद में विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजारों का रुख कर रहे हैं। पिछले महीने एफपीआइ ने यहां 6,557.8 करोड़ रुपये लगाए थे। ताजा डिपॉजिटरी आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान विदेशी निवेशकों ने इक्विटी में 4,970 करोड़ और डेट मार्केट में 102 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस तरह से कुल निवेश 5,072 करोड़ रुपये रहा। सैमको सिक्युरिटीज के रिसर्च हैड उमेश मेहता के मुताबिक बुरे दौर को पीछे छोड़कर अब मार्केट की नजर बजट और मांग में इजाफे की ओर है। सरकार मांग को बढ़ाने और इकोनॉमी को गति देने के प्रयास कर रही है, जिससे एफपीआइ में निवेश को लेकर उत्साह का संचार हुआ है।

जियो ने आइयूसी पर नियामक को सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली, प्रेट्र : मुकेश अंबानी नियंत्रित रिलायंस जियो ने इंटरकनेक्ट यूसेज चार्ज (आइयूसी) को लेकर दूरसंचार क्षेत्र के नियामक ट्राई को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। कंपनी ने कहा है कि आइयूसी की समीक्षा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान को जबर्दस्त धक्का लगेगा। कंपनी के मुताबिक इससे निवेशकों के भरोसे को भी चोट पहुंचेगी, क्योंकि भारतीय टेलीकॉम नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा आइयूसी की समीक्षा से कुछ पुरानी टेलीकॉम कंपनियों को फायदा पहुंचेगा।

आइयूसी के मुद्दे पर उद्योग जगत दो खेमों में बंट चुका है। ऐसे में जियो ने नियामक पर हमला तेज करते हुए कहा कि ट्राई का यह कदम मनमाना, कानून के मोर्चे पर खराब, गैर-जरूरी और गरीबों के खिलाफ है। जियो के मुताबिक अगर इसे लागू करने की समय-सीमा अगले वर्ष पहली जनवरी से आगे बढ़ाई गई, तो इससे फ्री वॉयस कॉल का युग खत्म हो जाएगा और कॉल के दाम बढ़ेंगे।

38 लोगों को गोपनीय सूचनाएं भेजने के 91 मामलों में गुनाहगार पाया गया है अमेरिकी विदेश विभाग ने। बता दें कि अधिकारियों ने पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के निजी ईमेल इस्तेमाल मामले की जांच पूरी कर ली है।

ब्रेक्जिट समझौता
अब क्या होगा आगे

37 वर्षों में पहली बार, ब्रिटिश संसद ने शनिवार को बैठक बुलाई ताकि संसद सदस्य (सांसद) प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के ब्रेक्जिट समझौते पर अपना वोट डाल सकें, जो 31 अक्टूबर तक ब्रिटेन को यूरोपीय संघ (ईयू) से बाहर निकालने के लिए निर्धारित था। लेकिन ब्रेक्जिट पर निर्णय आने के बजाय, ब्रिटिश संसद ने उस संशोधन प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें यूरोपीय संघ से अलगाव की प्रक्रिया को टालने की बात कही गई है। इसका मतलब यह है कि जॉनसन को कानूनी रूप से बाध्य किया गया है कि वह ब्रेक्जिट पर वोट डालने की तारीख को बढ़ाने के लिए यूरोपीय संघ को बीन अधिनियम के तहत अनुरोध करें। हालांकि प्रधानमंत्री जॉनसन ने यूरोपीय संघ को ब्रेग्जिट की तारीख बढ़ाने के लिए बिना हस्ताक्षर का पत्र भेजा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह ब्रिटेन की संसद का पत्र है, उनका नहीं।

पहला जनमत संग्रह

ब्रेक्जिट पर पहला सार्वजनिक वोट या जनमत संग्रह तीन साल पहले 23 जून 2016 को हुआ था, जब डेविड कैमरन प्रधानमंत्री थे। इस जनमत संग्रह के माध्यम से मतदाताओं ने यूरोपीय संघ छोड़ने के पक्ष में वोट डाला था। इसके बाद अगले दिन पीएम कैमरन ने इस्तीफा दे दिया था। लगभग 52 फीसद मतदाताओं ने यूरोपीय संघ को छोड़ने का फैसला किया था, जबकि 48 फीसद ने रहने के लिए मतदान किया था। भले ही जनमत संग्रह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं था, लेकिन ब्रेक्जिट के प्रति जनता की भावना को जानने के लिए इसे किया गया था।

क्या है बेन अधिनियम

बेन अधिनियम को औपचारिक रूप से यूरोपीय संघ (विदड्रॉल) (नंबर 2 एक्ट) 2019 कहा जाता है और यह ब्रिटेन की संसद का एक अधिनियम है, जो कानूनी तौर पर कुछ परिस्थितियों में बातचीत की अवधि के लिए विस्तार की मांग करता है।

आर्टिकल 50

29 मार्च 2017 वो दिन था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री थेरेसा मे ने आर्टिकल 50 लागू किया था, जिसके तहत ठीक दो साल बाद 29 मार्च, 2019 को ब्रेक्जिट लागू होना था। इस लेख में उस कानूनी तंत्र का उल्लेख किया गया था, जिससे सदस्य देश यूरोपीय संघ से बाहर निकल सकते थे और 2009 में हस्ताक्षरित लिस्बन संधि के तहत यूरोपीय संघ के सभी सदस्य देशों द्वारा सहमति व्यक्त की गई थी।

क्यों विपक्ष नहीं है समर्थन में

नवंबर 2018 में यूके और यूरोपीय संघ के बीच समझौते पर सहमति हुई थी, लेकिन सांसदों द्वारा तीन बार खारिज कर दिया गया है। कई कंजर्वेटिव सांसदों और डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी (उस समय मे की सरकार की सहयोगी रही) के लिए समर्थन न देने के पीछे मुख्य वजह आयरिश बैकस्टॉप है, जो उत्तरी आयरलैंड (ब्रिटेन का एक हिस्सा) और रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड के बीच सीमा को नियंत्रित करता है। वर्तमान में, दोनों क्षेत्रों और वस्तुओं के बीच कोई ठोस सीमा मौजूद नहीं है और लोग बिना किसी नियामक जांच के दोनों तरफ आ जा सकते हैं। बैकस्टॉप कानून यह सुनिश्चित करता है कि ब्रेक्जिट के बाद भी आयरिश सीमा खुली रहेगी। लेकिन ब्रेक्जिट के बाद यूरोपीय संघ अपनी शुल्क प्रक्रिया लागू करना चाहता है। इसलिए यूरोपीय संघ और विपक्षियों के बीच हितों का टकराव है।

आगे क्या?

वोट डालने की तारीख को बढ़ाना यूरोपीय संघ पर निर्भर है। लेकिन अगर इसे बढ़ाया जाता है तो यह यूरोपीय संसद के समझौते में भी देरी करेगा, जो अगले सप्ताह के लिए निर्धारित है। हाउस ऑफ कामंस द्वारा पारित किए जाने के बाद ही यूरोपीय संसद इस सौदे की पुष्टि कर सकती है। मुमकिन है कि 30 नवंबर को नया ब्रेक्जिट दिवस होना संभव है, बशर्ते कि तब तक हाउस ऑफ कामंस द्वारा यह समझौता पारित कर दिया गया हो। अगर ब्रेक्सिट होता है, तो हो सकता है व्यापार और परिवहन तंत्र को प्रभावित करने वाले ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के बीच संबंधों को निर्धारित करने वाली कोई शर्तें नहीं होंगी। दूसरी बात, यह संभव है कि यूरोपीय संघ को छोड़ने के लिए एक दूसरे को सार्वजनिक वोट के लिए बुलाया जाए और तीसरा, हाउस ऑफ कामंस में अपनी पार्टी के बहुमत को बहाल करने के लिए जॉनसन आम चुनावों की घोषणा कर सकते हैं। अन्यथा 2022 तक चुनाव नहीं होंगे।

समझौता होने पर क्या होगा?

अगर ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के बीच समझौते पर सहमति बन जाती है तो इसे हाउस ऑफ कामंस (संसद) द्वारा अनुमोदित करने की आवश्यकता होगी, जो अब तक नहीं हुआ है। ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी समझौते को अस्वीकार करने के लिए दृढ़ है। हाल ही में, उत्तरी आयरिश डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी ने भी कहा कि वे इस सौदे का समर्थन नहीं करेंगे।

न्यूज गैलरी

स्विट्जरलैंड के चुनाव में छाया रहा जलवायु परिवर्तन का मुद्दा

जेनेवा : स्विट्जरलैंड के मतदाताओं ने रविवार को देश की संसद फेडरल असेंबली के नए सदस्यों को चुनने के लिए मतदान किया। इस संसदीय चुनाव में जलवायु परिवर्तन का मुद्दा छाया रहा। जिसके सहारे विपक्षी ग्रीन पार्टी और ग्रीन लिबरल्स संसद में अपनी सीटें बढ़ने की उम्मीद लगाए हैं। यूरोपीय यूनियन से संबंध और महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे भी चुनाव प्रचार के दौरान प्रमुखता से उठे। ओपीनियन पोल पिछले चुनाव में सबसे आगे रही स्विस पीपुल्स पार्टी (एसवीपी) को कुछ नुकसान के साथ इस बार भी सबसे ज्यादा सीटें मिलने की संभावना जता रहे हैं। स्विट्जरलैंड की 246 सदस्यीय फेडरल असेंबली के निचले सदन नेशनल काउंसिल में 200 और उच्च सदन काउंसिल ऑफ स्टेट्स में 46 सदस्य हैं। संसद के सभी सदस्यों का चुनाव हर चार साल में सीधे जनता के बीच से होता है। इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे एक तिहाई उम्मीदवारों की उम्र 30 साल से कम है। जबकि 40 फीसद से ज्यादा उम्मीदवार महिलाएं हैं। देश की विशेष शासन प्रणाली के तहत चार बड़े दल कैबिनेट के सात स्थान आपस में मिलकर बांट लेते हैं। (एएनआइ)

अफगान सुरक्षा बलों ने ढेर किए 12 तालिबानी आतंकी

काबुल : अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने बघलान प्रांत में आतंकी संगठन तालिबान के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। सुरक्षा बलों के अभियान में 12 तालिबान आतंकी मारे गए। सेना ने रविवार को यहां बताया कि इस अभियान के दौरान तालिबान के कब्जे से 16 ग्रामीणों को भी मुक्त कराया गया। सेना प्रवक्ता के अनुसार, सुरक्षा बलों ने गत 16 अक्टूबर को बघलान प्रांत के डंड-ए-गोरी, डंड-ए-शहबुद्दीन और किलागाई इलाके में यह कार्रवाई की थी। इस अभियान में तालिबान के वरिष्ठ कमांडर कारी बख्तयार समेत 24 आतंकी घायल भी हो गए थे। तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने हालांकि सेना के इस दावे को खारिज कर दिया है। उसने दावा किया कि तालिबान ने हमला बोलने आए सुरक्षा बलों को खदेड़ दिया था। (एएनआइ)

फेसबुक के खिलाफ 3500 करोड़ डॉलर का मुकदमा

सैन फ्रांसिस्को : अमेरिका की एक अदालत ने फेसबुक द्वारा अपने बचाव में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। उस पर इलिनोइस के नागरिकों के फेशियल रिकग्निशन संबंधी डाटा के कथित दुरुपयोग के खिलाफ 3500 करोड़ डॉलर (करीब ढाई लाख करोड़ रुपये) क्लास-एक्शन मुकदमा दायर किया गया था। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को में नौ सर्किट वाले न्यायाधीशों की तीन न्यायाधीशीय पैनल ने फेसबुक की याचिका को खारिज कर दिया है। टेकक्रंच की रिपोर्ट के मुताबिक, मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि इलिनोइस के नागरिकों ने अपलोड किए गए अपने फोटो के फेशियल रिकग्निशन संबंधित स्कैन करने की अनुमति नहीं दी और न ही उन्हें इस बात की जानकारी दी गई थी कि 2011 में मैपिंग शुरू होने पर डाटा कितनी देर तक सुरक्षित रहेगा। फेसबुक को 70 लाख लोगों को प्रतिव्यक्ति 1000 से 5000 डॉलर हर्जाने के तौर पर देना होगा, ऐसे में हर्जाने की राशि 3500 करोड़ डॉलर तक होगी। (आइएएनएस)

हांगकांग में फिर सड़कों पर उतरे लोग, दर्जनों घायल

लोकतंत्र की मांग ▸ जुलूस को रोकने पर चलीं लाठियां और पेट्रोल बम

प्रतिबंध को चुनौती देते हुए जुटे थे लाखों आंदोलनकारी

हांगकांग, एएफपी : हांगकांग में रविवार को जुलूस निकालने और जनसभा के लिए एकत्रित लोकतंत्र समर्थकों और पुलिस के बीच टकराव से भारी हिंसा हुई। पुलिस ने हिंसा की आशंका से जुलूस और जनसभा को प्रतिबंधित कर दिया था लेकिन आंदोलनकारी अपने विरोध प्रदर्शन के फैसले पर डटे हुए थे। सिम शा सुई के सघन व्यापारिक इलाके में जैसे ही जुलूस शुरू हुआ, पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की। थोड़ी देर की हाथापाई के बाद दोनों ओर से लाठी, आंसू गैस के गोले, पत्थर और पेट्रोल बम चलने लगे।

शुरुआती रोक-टोक के बाद जब पुलिस ने दो प्रमुख आंदोलनकारियों की पिटाई की तो स्थिति बिगड़ गई। भड़के आंदोलनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंकने शुरू कर दिए। आसपास की सरकारी संपत्तियों और चीनी कंपनियों-बैंकों को भी नुकसान पहुंचाना शुरू हो गया। इसके बाद पुलिस ने भीड़ के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। पहले लाठीचार्ज के साथ रंगीन पानी की बौछार की गई, जब इससे आंदोलनकारियों को हटाने में पुलिस को सफलता नहीं मिली तो फिर आंसू गैस के गोले छोड़े गए। टकराव में दर्जनों लोगों के घायल होने की सूचना है। चार महीने से ज्यादा समय से चल रहे आंदोलन का काबू में न कर पाने के कारण पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं।

आंदोलन में चार महीनों के दौरान सप्ताहांत पर होने वाले प्रदर्शनों में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ती रही है। प्रदर्शन की शुरुआत शांतिपूर्ण ढंग से होती रही है लेकिन कुछ देर बाद उस पर चरमपंथी तबका हावी हो जाता है। इसके बाद तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव शुरू हो जाता है। इन प्रदर्शनों में हजारों लोग घायल हो चुके हैं और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। साथ ही हांगकांग की प्रमुख व्यापारिक केंद्र की पहचान को भी धक्का लगा है। कंपनियों ने आंदोलन के चलते अपने विस्तार की योजनाओं को फिलहाल स्थगित कर दिया है और वे शांति स्थापित होने का इंतजार कर रही हैं। अशांति और अराजकता के चलते इंटरनेशनल कार रेस और हॉर्स रेस के आयोजन भी हांगकांग से हटाए गए हैं।

हांगकांग में रविवार को लोकतंत्र समर्थकों ने मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। एएफपी

तुलसी गबार्ड पर बयान के लिए ट्रंप ने हिलेरी पर कसा तंज

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका की पहली हिंदू सांसद तुलसी गबार्ड और ग्रीन पार्टी से जुड़ी जिल स्टीन पर दिए बयान के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हिलेरी क्लिंटन की आलोचना की है। शनिवार को किए ट्वीट में ट्रंप ने कहा कि हिलेरी पागल हो गई हैं। पूर्व विदेश मंत्री और 2016 चुनाव में डेमोक्रेटिक से राष्ट्रपति प्रत्याशी रहीं हिलेरी ने दरअसल गबार्ड व स्टीन को रूस की कठपुतली बताया था। गबार्ड डेमोक्रेटिक से राष्ट्रपति प्रत्याशी बनने की दावेदार हैं। वहीं स्टीन को ग्रीन पार्टी ने 2016 चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया था।

गुरुवार को एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में हिलेरी ने कहा, '2016 चुनाव में रूस ने स्टीन को तीसरे पक्ष के प्रत्याशी के तौर पर तैयार किया था। अब 2020 चुनाव में ट्रंप की जीत सुनिश्चित करने के लिए वह डेमोक्रेटिक की किसी नेता के जरिये ऐसा ही करने की तैयारी कर रहा है।' उन्होंने हालांकि गबार्ड का नाम नहीं लिया था। हिलेरी के बयान का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा, 'कुटिल हिलेरी फिर वही कर रही हैं। वो तुलसी गबार्ड व स्टीन को रूस की पंसद बता रही हैं। आप लोगों ने मेरे बारे में भी यह सुना होगा। मुझे भी रूस का बड़ा प्रेमी बताया गया था। दरअसल, मुझे रूस के लोग पसंद हैं, मैं सभी को पसंद करता हूं।'

गबार्ड ने युद्ध भड़काने वाली रानी कहा : हवाई से चार बार सांसद रहीं डेमोक्रेटिक नेता गबार्ड ने हिलेरी को युद्ध भड़काने वाली रानी करार दिया है। हिलेरी के बयान के जवाब में उन्होंने कहा, 'बहुत अच्छा, धन्यवाद हिलेरी क्लिंटन। आप युद्ध भड़काने वालों की रानी और भ्रष्टाचार का प्रतिमूर्ति हैं, जिसने डेमोक्रेटिक पार्टी को अब तक खोखला कर रखा था।'

ब्रिटेन में सरकार 31 को ब्रेक्जिट पर अडिग

▸ बिना दस्तखत वाला प्रधानमंत्री का पत्र भी यूरोपीय यूनियन को भेजा गया

▸ अलगाव पर अनिश्चितता बरकरार, संसद चाहती है टल जाए ब्रेक्जिट

लंदन, रायटर : ब्रिटेन में सरकार 31 अक्टूबर को यूरोपीय यूनियन (ईयू) छोड़ने की अपनी पूर्व घोषणा पर बनी हुई है। हालांकि संसद ने शनिवार को एक प्रस्ताव पारित कर अलगाव प्रक्रिया आगे बढ़ाने की इच्छा जाहिर कर दी। साथ ही बिना शर्त अलगाव पर भी रोक लगा दी थी। बताया गया है कि संसदीय व्यवस्था का सम्मान करते हुए प्रधानमंत्री की ओर से ब्रेक्जिट प्रक्रिया को टालने के लिए यूरोपीय यूनियन को एक पत्र लिखा गया है लेकिन उस पर प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के दस्तखत नहीं हैं। इसके विपरीत जॉनसन का मौखिक बयान आया है कि वह ब्रेक्जिट (अलगाव) प्रक्रिया को टालना नहीं चाहते।

ब्रेक्जिट को लेकर ब्रिटेन में अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। संसद कह रही है कि ब्रेक्जिट टलना चाहिए लेकिन सरकार 31 अक्टूबर को 28 सदस्य देशों वाले यूरोपीय यूनियन को छोड़ने के लिए तैयारी में है। शनिवार को हाउस ऑफ कॉमंस में पारित संशोधन प्रस्ताव के बाद भी प्रधानमंत्री जॉनसन ने साफ कर दिया था कि वह 31 अक्टूबर को अलगाव के लिए तैयार हैं। इस तारीख को बढ़ाने के लिए वह यूरोपीय यूनियन से नहीं कहेंगे। कोई भी कानून उन्हें इसके लिए बाध्य नहीं कर सकता। लेकिन कानूनी दांव-पेच से बचने के लिए सरकार की ओर से यूरोपीय यूनियन को एक पत्र भेजे जाने की जानकारी मिली है। बिना शर्त अलगाव की तैयारियों से जुड़े सरकार के वरिष्ठ मंत्री माइकल गॉव ने स्काई न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, हम 31 अक्टूबर को ईयू छोड़ने जा रहे हैं। हमारे अंदर यह करने की क्षमता है। कानूनी प्रावधान हमें इसकी अनुमति देते हैं। बावजूद इसके संसद की निर्देशानुसार सरकार ने ब्रेक्जिट की तारीख टालने का अनुरोध पत्र ईयू को भेजा है। लेकिन संसद प्रधानमंत्री की सोच, सरकार की नीति और उसके संकल्प को नहीं बदल सकती।

उल्लेखनीय है कि जून 2016 में ब्रिटेन में हुए जनमत संग्रह में 52-48 प्रतिशत मतों के अंतर से यूरोपीय यूनियन को छोड़ने की मंशा जाहिर हुई थी। उसे पूरा करने के लिए सरकार कवायद कर रही है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन। रायटर

तुर्की से समझौते में कुर्दों ने खाली किया पहला शहर

दमिश्क, एपी : तुर्की के साथ अमेरिका के अस्थायी युद्धविराम समझौते के तहत कुर्दों ने सीमावर्ती शहर रास अल-आईन खाली कर दिया है। समझौते के तीसरे दिन रविवार को दर्जनों वाहनों में सवार सैकड़ों कुर्द लड़ाके और आबादी शहर से बाहर जाती देखी गई। तुर्की समर्थित सीरियाई लड़ाकों ने इस शहर का कब्जा संभाल लिया है।

कुर्द अधिकारी ने कहा है कि सीमावर्ती इलाके को खाली करने का फैसला तुर्की के साथ हुए समझौते के तहत किया गया है। तुर्की के बताए सुरक्षित क्षेत्र से कुर्द आबादी मंगलवार शाम तक बाहर चली जाएगी। मंगलवार शाम को ही तुर्की और अमेरिका के बीच तय युद्धविराम की समय सीमा पूरी हो रही है। उल्लेखनीय है कि नौ अक्टूबर को तुर्की ने सीरिया के सीमावर्ती इलाके पर हमले शुरू किए थे। उसके निशाने पर वह कुर्द आबादी है जिसे तुर्की लंबे समय से अपना विरोधी मानता है। तुर्की के दबाव का नतीजा रहा कि खाड़ी की लड़ाई में अमेरिका का साथ देने वाली कुर्द आबादी को अपनी जमीन छोड़नी पड़ रही है। सीरिया की असद सरकार मामले में इसलिए चुप है क्योंकि अमेरिका के समर्थन से कुर्द पिछले आठ साल से उसके खिलाफ संघर्ष छेड़े हुए थे। तुर्की के कदम से परोक्ष रूप से सीरिया की सरकार को भी फायदा हो रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में अमेरिका की छवि को खासा नुकसान हुआ है, क्योंकि इराक और सीरिया में उसके मददगार कुर्द घाटे में रहे और नाक की लड़ाई में तुर्की से उन्हें पराजय मिली।

सीरिया से हटाए जा रहे अमेरिकी सैनिक इराक में होंगे तैनात

वाशिंगटन, आइएएनएस : उत्तर-पूर्वी सीरिया से हटाए जा रहे अमेरिकी सैनिक पश्चिमी इराक में तैनात किए जाएंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से मुकाबले के लिए सैनिकों को इराक भेजा जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में सीरिया से अमेरिकी सैनिकों की वापसी की घोषणा की थी। इसके तुरंत बाद गत नौ अक्टूबर को पड़ोसी तुर्की ने सीरिया के कुर्द लड़ाकों के नियंत्रण वाले इलाके में हमला बोल दिया था। इसके बाद से अमेरिकी संसद में ट्रंप का जमकर विरोध हो रहा है। विरोधियों का कहना है कि ट्रंप ने कुर्दों को अकेला छोड़ दिया जबकि आइएस के खिलाफ लड़ाई में उन्होंने अमेरिका का साथ दिया था। पश्चिम एशिया के दौरे पर जाने से पहले एस्पर ने कहा, सीरिया के बाहर आतंकरोधी मिशन लांच करने को लेकर रक्षा मुख्यालय अभी विचार कर रहा है। इस बात पर भी चर्चा की जा रही है कि अमेरिकी सैनिकों की छोटी टुकड़ी फिर से सीरिया आ सकती है या नहीं।

फिलीपींस में राष्ट्रपति कोविंद ने किया राष्ट्रपिता की प्रतिमा का अनावरण

मनीला, प्रेट्र : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर यहां उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि आने वाली पीढ़ी करुणा, सच्चाई और सिद्धांतों की उनकी विरासत से प्रेरणा लेगी। वह दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। राष्ट्रपति के साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी गया है, जिसमें दिल्ली के अपोलो, मैक्स और यशोदा अस्पताल के प्रतिनिधि भी शामिल हैं।

मनीला के मिरियम कॉलेज में सेंटर फॉर पीस एजुकेशन में एक कार्यक्रम में शामिल राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, 'साहसी जोस रिजाल की भूमि फिलीपींस पर गांधी की प्रतिमा का अनावरण करके मैं आज सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं मिरियम कॉलेज को अपने परिसर में महात्मा गांधी को सम्मानित स्थान देने के लिए शुक्रिया अदा करता हूं।' उन्होंने कहा, 'महात्मा गांधी की आवक्ष (सीने से ऊपर) प्रतिमा भारत के लोगों की ओर से आपके लिए उपहार है। लेकिन महात्मा सब के हैं, सभी संस्कृतियों और समाजों के हैं। शांति, सौहाद्र, तथा सभी के सतत विकास की हमारी साझा यात्रा में वह हमारा मार्गदर्शन करें।' राष्ट्रपति ने गांधी और रिजाल के बीच समानताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों नेता शांति और अहिंसा की शक्ति पर विश्वास करते थे। उन्होंने कहा, 'नई दिल्ली में आपके राष्ट्रीय प्रणेता के नाम पर एक एवेन्यू हमें प्रेरणा देता है।'

भारतीय समुदाय को किया संबोधित : राष्ट्रपति कोविंद ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि संघर्ष और हिंसा के इस दौर में भारतीय सभ्यता के मूल्य लोगों और देशों के बीच में शांति तथा मैत्री सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने फिलीपींस की अर्थव्यवस्था और समाज में भारतीय प्रवासियों के योगदान की सराहना की और कहा कि इनकी वजह से भारत और भारतीयों की छवि बेहतर हुई है।

भारतीय समुदाय मजबूत कड़ी : राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, 'फिलीपींस में हमारा समुदाय दशकों से दोनों देशों के बीच मित्रता की मजबूत कड़ी है।' उन्होंने कहा, 'इतने दूर देश में अपने लोगों से मिलना मेरे लिए एक भावनात्मक और विशेष अनुभव है, ये अपने प्रिय और प्रियजनों से मिलने जैसा है।'

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने फिलीपींस की राजधानी मनीला के मिरियम कॉलेज परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150 वीं जयंती वर्ष पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर प्रथम महिला सविता कोविंद भी उपस्थित रहीं। एएनआइ

ट्रंप अपने गोल्फ रिजॉर्ट में नहीं करेंगे जी 7 सम्मेलन की मेजबानी

वाशिंगटन, रायटर/एएफपी : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने गोल्फ रिजॉर्ट में जी-7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की योजना रद कर दी है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप के बाद उन्होंने यह निर्णय लिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी का आरोप था कि ट्रंप अपने निजी फायदे के लिए ऐसा कर रहे हैं।

ह्वाइट हाउस के कार्यकारी चीफ ऑफ स्टॉफ मिक मलवेनी ने गत गुरुवार को वर्ष 2020 में 10 से 12 जून के बीच होने वाला जी-7 सम्मेलन मियामी के पास स्थित ट्रंप नेशनल डोरल गोल्फ रिजॉर्ट में आयोजित किए जाने की जानकारी दी थी। रविवार को आयोजन स्थल बदले जाने की जानकारी देते हुए ट्रंप ने ट्वीट किया, 'मुझे लगा कि मैं देश के लिए कुछ अच्छा कर रहा हूं। लेकिन मीडिया और डेमोक्रेट के पागलपन व बेतुके विरोध के लिए मुझे यह निर्णय बदलना पड़ रहा है। हम जल्द ही नई जगह की चयन प्रक्रिया शुरू करेंगे। आयोजन के लिए कैंप डेविड पर भी विचार किया जा रहा है।' 2012 में भी सम्मेलन का आयोजन कैंप डेविड में हुआ था।

डेमोक्रेट के निशाने पर ट्रंप : अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मियों के बीच ट्रंप लगातार डेमोक्रेट नेताओं के निशाने पर हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर हुई बातचीत को लेकर उन पर महाभियोग की तलवार लटक रही है।

बोइंग विमान मामला

अपने साथी को दी थी सिमुलेटर टेस्ट के दौरान फ्लाइट हैंडलिंग सिस्टम में खराबी की जानकारी, अब एक नए विवाद में फंस सकती है विमान निर्माता कंपनी

पायलट ने 2016 में ही दी थी खामी की सूचना

वाशिंगटन, एएफपी : 2016 में 737 मैक्स प्रमाणन से संबंधित एक बोइंग पायलट ने अपने एक साथी से सिमुलेटर टेस्ट के दौरान महत्वपूर्ण फ्लाइट हैंडलिंग सिस्टम में खराबी की जानकारी दी थी। शुक्रवार को दस्तावेज देखने पर यह जानकारी सामने आई। सहायक वरिष्ठ पायलट ने कहा कि अनजाने में उसने शायद नियामक को गुमराह कर दिया। पायलट की यह बात सामने आने से दुनिया की सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी के एक नए विवाद में फंसने की आशंका है।

बोइंग कर्मचारी को एक फ्लाइट-हैंडलिंग मैकेनिज्म मैनूवरिंग केरक्टरिस्टिक अगुमेंटेशन सिस्टम (एमसीएएस) के सिमुलेशन के दौरान समस्या का पता चल गया था। इसी प्रणाली की समस्या को दो मैक्स दुर्घटनाओं का असली कारण माना जा रहा है। इन दोनों दुर्घटनाओं में 346 यात्रियों की मौत हो गई थी। 737 के बोइंग के मुख्य तकनीकी पायलट मार्क फोर्कनर ने कहा कि सिमुलेटर टेस्ट के दौरान एमसीएएस प्रणाली का प्रदर्शन दोषपूर्ण था और मैंने नियामक से झूठ बोला था।

नई जानकारी बोइंग के लिए महत्व रखती है। मार्च में 737 मैक्स जेट विमानों का परिचालन रोक दिया गया था। नई जानकारी बोइंग के शेयरधारकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं है क्योंकि उन्हें भरोसा है कि 737 मैक्स जेट दोबारा परिचालन में वापसी कर सकते हैं। गौरतलब है कि इसी साल मार्च में इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में केन्या की राजधानी नैरोबी से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही बोइंग का 737 मैक्स-8 विमान दुर्घटना का शिकार हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार 157 लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह पिछले साल अक्टूबर में लॉयन एयरलाइंस का बोइंग मैक्स विमान भी जकार्ता से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हादसे का शिकार हुआ था। इसमें 189 लोग मारे गए थे। इन दोनों घटनाओं के बाद कई देशों ने बोइंग विमान की उड़ान पर पाबंदी लगा दी थी। इन दोनों हादसों के बाद दुनिया की दिग्गज विमान निर्माता कंपनी को बड़ा झटका लगा था।

▸ एमसीएएस की समस्या को दो मैक्स दुर्घटनाओं का माना जा रहा है असली कारण

▸ पायलट ने कहा कि अनजाने में शायद उसने नियामक को गुमराह कर दिया

बोइंग की 737 मैक्स विमान दो दुर्घटनाओं में 346 यात्रियों की हुई थी मौत। फाइल

हिंसक प्रदर्शनों के बाद चिली में आपातकाल

सैंटियागो, एएफपी : मेट्रो किराये में वृद्धि के विरोध में शुरू हुए हिंसक प्रदर्शनों के एक दिन बाद शनिवार को चिली के राष्ट्रपति सेबेस्टियन पीनेरा ने राजधानी सैंटियागो में आपातकाल लगाए जाने की घोषणा की। कंजरवेटिव नेता ने सुरक्षा का जिम्मा सेना को सौंपा और जनरल जेवियर इटुरियागा को सुरक्षा प्रमुख बनाया है। उनकी घोषणा के बाद सेना की कई टुकड़ियों ने शहर में गश्त किया। 1990 में यहां लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के बाद पहली बार सेना को इस तरह किसी शहर में तैनात किया गया है। राष्ट्रपति की घोषणा के अनुसार आपातकाल की अवधि 15 दिनों तक रहेगी। इसके चलते नेशनल फुटबॉल फेडरेशन ने कई मैच निलंबित कर दिए हैं।

बता दें कि मेट्रो प्रशासन ने किराया 1.13 डॉलर (करीब 80 रुपये) से 1.17 डॉलर (करीब 82 रुपये) कर दिया था। बीते जनवरी में भी किराया बढ़ाया गया था। इसके चलते आर्थिक व सामाजिक बदहाली से निराश जनता का गुस्सा फूट पड़ा। शुक्रवार को शहर के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन हुए। कई जगह प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच भिड़ंत भी हुई। इस दौरान 300 लोगों को हिरासत में लिया गया।

प्रवासियों के होने से अमेरिका में कम हुआ शहरी अपराध

न्यूयॉर्क टाइम्स से

▸ शोधकर्ताओं ने कहा, अमेरिकी शहरों को है प्रवासियों की जरूरत

▸ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वैध प्रवासन को भी मानते हैं समस्या

वाशिंगटन : अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के पहले से ही डोनाल्ड ट्रंप वैध व अवैध दोनों तरह के प्रवासन को देश की सबसे बड़ी समस्या बताते रहे हैं। अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए जहां वह मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाना चाहते हैं, वहीं वैध प्रवासियों की संख्या कम करने के लिए वह वीजा नियमों में सख्ती की बात करते रहते हैं। हालांकि, इसी बीच कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं, जिनमें कहा गया है कि वैध प्रवासियों की वजह से कई शहरों में अपराध घटे हैं।

कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, ट्रंप समझते हैं कि अमेरिका में वैध प्रवासियों के लिए जगह नहीं बची है, इसलिए उनकी कई नीतियां प्रवासी विरोधी होती हैं। हालांकि, स्थिति इसके विपरीत है। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में पब्लिक पॉलिसी के प्रोफेसर जैकब विग्दर ने कहा, 'प्रवासियों को शहर की जरूरत है तो शहरों को भी प्रवासियों की जरूरत है।' कुछ काउंटी में किए अध्ययन के आधार पर उन्होंने यह भी बताया कि प्रवासियों के आने से उन इलाकों में अमेरिकी जनसंख्या वृद्धि के लिए प्रोत्साहित होते हैं, जहां कई कारणों से उसमें गिरावट आ रही थी। उधर, यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया में हुए शोध के मुताबिक विदेशियों के प्रवासन से कई इलाकों में अपराधों में कमी आई है। शोधकर्ता डॉवेल मायर्स ने कहा, 'विदेश में पैदा हुए लोगों में अपराध की दर यहां के मूल -निवासियों के मुकाबले बहुत कम है। इसके अलावा प्रवासियों के आने से पहले से खाली पड़े मकान आदि भर जाते हैं, जिसके बाद उन इलाकों की निगरानी आसान हो जाती है।'

ये भी जानिए
भारतीय बल्लेबाज रोहित और रहाणे ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 267 रनों की साझेदारी की। यह किसी भारतीय जोड़ी की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

रोहित शर्मा 2.0

- सलामी बल्लेबाज रोहित ने सहवाग की तरह छक्का लगाकर पूरा किया करियर का पहला दोहरा शतक
- रहाणे ने घरेलू मैदान पर तीन साल बाद जड़ा सैकड़ा

संजीव रंजन ● रांची

अगर कोई बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में अपने दोहरे शतक से एक रन दूर हो और वह छक्का जड़कर इस जादुई आंकड़े को छूना चाहता हो तो ऐसे में सबके मन में सबसे पहला नाम वीरेंद्र सहवाग का आएगा जो अपने समय में इस तरह की बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब रोहित शर्मा ऐसे कारनामे कर रहे हैं। जब रोहित रविवार को 199 रन पर थे तब उन्होंने भी छक्का जड़कर अपना दोहरा शतक पूरा किया।

रोहित (212) टेस्ट क्रिकेट में सहवाग के नक्शेकदम पर चल रहे हैं और वह अब टेस्ट क्रिकेट में सहवाग का नया वर्जन 2.0 साबित हो रहे हैं। रविवार को यहां जेएससीए स्टेडियम में रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का पहला दोहरा शतक छक्का लगाकर पूरा किया और उनकी इस दमदार पारी की बदौलत भारतीय टीम ने नौ विकेट पर 497 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित की। रोहित के अलावा अजिंक्य रहाणे ने भी शतक जड़ा। इसके बाद तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी व उमेश यादव ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों ओपनिंग बल्लेबाजों को पवेलियन भेज मेहमान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। खराब मौसम के कारण दूसरे दिन भी एक घंटा 37 मिनट पहले खेल समाप्त कर दिया गया। उस समय दक्षिण अफ्रीका की टीम दो विकेट पर नौ रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। जुबैर हमजा (00) व कप्तान फाफ डुप्लेसिस (01) खेल रहे हैं। भारत की पहली पारी के आधार पर मेहमान टीम अभी 488 रन पीछे है।

सहवाग की तरह रोहित में समानताएं: सहवाग और रोहित दोनों ही मध्य क्रम के बल्लेबाज रहे हैं। इसके बाद दोनों ही बल्लेबाजों को उनकी वनडे में ओपनर के तौर पर विस्फोटक पारियों को देखते हुए टेस्ट में ओपनिंग पर उतारा गया। खास बात यह है कि सहवाग ने जहां अपने करियर के पहले टेस्ट में मध्य क्रम में छठें स्थान पर खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ब्लॉमफोंटेन में 117 रन की पारी खेली। तो वहीं, रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ करियर के पहले टेस्ट में छठे स्थान पर ही उतरकर 177 रन बनाए थे। इसके अलावा पहली बार ओपनिंग पर उतरते हुए सहवाग ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 84 रन बनाए, तो वहीं रोहित ने पहली बार ओपनिंग करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विशाखापत्तनम में 176 रन कूट दिए थे। सहवाग ने टेस्ट क्रिकेट में कई मौकों पर अपने शतक, दोहरे शतक यहां तक की तिहरा शतक भी छक्का लगाकर बनाया है। ऑस्ट्रेलिया में तो एक बार वह छक्का लगाने के चक्कर में दोहरे शतक से पांच रनों से चूक गए थे। यही अब रोहित ने रांची में किया। पहले दिन रोहित ने छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया और दूसरे दिन छक्का लगाकर ही अपना दोहरा शतक पूरा किया।

दक्षिण अफ्रीका की फिर खराब शुरुआत: भारत ने चाय से पहले अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 497 रन बनाकर घोषित कर दी। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके दोनों ओपनिंग बल्लेबाज नौ रन के योग पर पवेलियन लौट गए। मुहम्मद शमी ने पारी के पहले ओवर की दूसरी ही गेंद पर डीन एल्गर (0) को विकेट के पीछे साहा के हाथों लपकवाया। शमी की उठती हुई गेंद ने एल्गर के बल्ले का बाहरी किनारे लेते हुए विकेटकीपर साहा के दस्ताने मे चली गई। मेहमान टीम अभी इस झटके से उबरी भी नहीं थी कि उमेश यादव ने अगले ही ओवर में क्विंटन डिकॉक (04) को भी साहा के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया।

रोहित व रहाणे की जोरदार बल्लेबाजी: इससे पहले रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में पहली बार दोहरा शतक जड़ा। रोहित ने 255 गेंदों में 28 चौके और छह छक्कों की मदद से 212 रन बनाए। उप कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अपने टेस्ट करियर का 11वां शतक लगाया। रहाणे ने 115 रन बनाए। रोहित ने रांची टेस्ट मैच में अपनी धमाकेदार फॉर्म को जारी रखा। पहले दिन 117 रन की नाबाद पारी खेलने के बाद रोहित फिर से दूसरे दिन रविवार को मैदान पर उतरे और उसी लय में नजर आए।

छक्का मारकर दोहरा शतक किया पूरा: रोहित ने 88वें ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का मारकर शतक पूरा किया। मैच के पहले दिन भी रोहित ने छक्का जड़कर शतक पूरा किया था। इसके साथ ही रोहित टेस्ट और वनडे दोनों में 200 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले भारत के तीसरे व विश्व के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित से पहले सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और क्रिस गेल यह कारनामा कर चुके हैं।

रहाणे ने घर में तीन साल बाद लगाया शतक: पिछले छह माह में रहाणे का यह दूसरा शतक है जबकि भारत में पिछले तीन वर्ष में यह उनका पहला शतक है। अपना सैकड़ा पूरा करने के लिए रहाणे ने 169 गेंदों का सामना किया। 115 रन के स्कोर पर रहाणे आउट हुए। स्पिनर लिंडे की गेंद पर रहाणे विकेट के पीछे क्लासेन के हाथों लपके गए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके व एक छक्का लगाया।

रोहित व रहाणे के बीच 267 रनों की साझेदारी: रोहित व रहाणे ने चौथे विकेट के लिए 267 रनों की साझेदारी की। मैच के पहले दिन जब टीम इंडिया 39 रन पर गंवाकर संघर्ष कर रही थी उस वक्त यह जोड़ी मैदान पर थी और धैर्य से खेलते हुए टीम को संकट से बाहर निकाला।

उमेश ने जड़े पांच छक्के: निचले क्रम में बल्लेबाजी करने उतरे उमेश यादव ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का विस्फोटक बल्लेबाजी कर खूब मनोरंजन किया। उमेश ने 10 गेंदों में 31 रनों की पारी खेली जिसमें उन्होंने पांच लंबे छक्के जड़े। उनकी बल्लेबाजी कला से कप्तान विराट कोहली भी अचंभित थे।

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे का शतक पूरा होने के बाद उन्हें बधाई देते रोहित शर्मा ● प्रेट्र

जेएससीए स्टेडियम में दुरुस्त की गई सुरक्षा

रांची: भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविवार को रांची के जेएससीए स्टेडियम में सुरक्षा व्यस्था दुरुस्त की गई। मैच के पहले दिन शनिवार को सुरक्षा व्यवस्था में चूक के कारण दो क्रिकेट प्रेमियों के मैदान में घुस जाने की घटना से सबक लेते हुए स्टेडियम के हर स्टैंड में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए। हालांकि इस सीरीज में कई बार ऐसे घटना हो चुकी है जब कोई क्रिकेट प्रशंसक मैच के दौरान ही मैदान में घुस गया था।

जडेजा ने तलवार भांजी तो कोहली ने पूछा, घोड़ा कहां है: भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रांची में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन रवींद्र जडेजा ने पचासा जड़ने के बाद अपने चिरपरिचित अंदाज में पवेलियन की ओर देखते हुए तलवार की तरह बल्ले को लहरा कर अपनी खुशी व्यक्त की। इसके जवाब में भारतीय कप्तान विराट कोहली ने इशारा करते हुए पूछा घोड़ा कहां है। हालांकि पचासा जड़ने के तुरंत बाद जडेजा आउट हो गए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक वर्ष में सबसे ज्यादा शतक

खिलाड़ी	देश	100	वर्ष
तेंदुलकर	भारत	9	1998
ग्रीम स्मिथ	द. अफ्रीका	9	2005
डेविड वार्नर	ऑस्ट्रेलिया	9	2016
रोहित शर्मा	भारत	9	2019

स्कोर बोर्ड

टॉस: भारत (बल्लेबाजी)

भारत (पहली पारी) 497/9 (पारी घोषित, 116.3 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
मयंक अग्रवाल का. एल्गर बो. रबादा	10	19	02	00
रोहित शर्मा का. नगिदी बो. रबादा	212	255	28	06
चेतेश्वर पुजारा एलबीडब्ल्यू बो. रबादा	00	09	00	00
विराट कोहली एलबीडब्ल्यू बो. नोर्टजे	12	22	02	00
अजिंक्य रहाणे का. क्लासेन बो. लिंडे	115	192	17	01
रवींद्र जडेजा का. क्लासेन बो. लिंडे	51	119	04	00
रिद्धिमान साहा बो. लिंडे	24	42	03	00
रविचंद्रन अश्विन स्टं. क्लासेन बो. पीट	14	16	01	00
उमेश यादव का. क्लासेन बो. लिंडे	31	10	00	05
शाहबाज नदीम नाबाद	01	05	00	00
मुहम्मद शमी नाबाद	10	11	00	01

अतिरिक्त: 17 (बा-10, लेबा-6, नोबॉ-1), **कुल:** 116.3 ओवर नौ विकेट पर 497 रनों पर पारी घोषित

विकेट पतन: 1-12 (मयंक, 4.6), 2-16 (पुजारा, 8.3), 3-39 (विराट, 15.3), 4-306 (रहाणे, 75.3), 5-370 (रोहित, 88.1), 6-417 (साहा, 103.3), 7-450 (जडेजा, 111.4), 8-464 (अश्विन, 112.5), 9-482 (उमेश, 113.6)

गेंदबाजी: रबादा 23-7-85-3, लुंगी नगिदी 20-5-83-0, नोर्टजे 24.3-5-79-1, जॉर्ज लिंडे 31-2-133-4, डेन पीट 18-3-101-1

दक्षिण अफ्रीका (पहली पारी) 9/2 (5 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
डीन एल्गर का. साहा बो. शमी	00	02	00	00
क्विंटन डिकॉक का. साहा बो. उमेश	04	06	01	00
जुबैर हमजा नाबाद	00	14	00	00
फाफ डुप्लेसिस नाबाद	01	08	00	00

अतिरिक्त: 4 (बा-4), **कुल:** पांच ओवर में दो विकेट पर नौ रन, **विकेट पतन:** 1-4 (एल्गर, 0.2), 2-8 (क्विंटन, 1.6)

गेंदबाजी: शमी 1-1-0-1, उमेश यादव 1-0-4-1, शाहबाज नदीम 2-2-0-0, रवींद्र जडेजा 1-0-1-0

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट खेलते रवींद्र जडेजा। प्रेट्र

तीन टेस्ट की सीरीज में भारतीय के सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	पारी	रन	औसत	100	सीरीज
विराट कोहली	5	610	152.50	3	भारत में श्रीलंका (2017-18)
वीरेंद्र सहवाग	6	544	90.66	2	भारत में पाक (2004-05)
सौरव गांगुली	6	534	89.00	2	भारत में पाक (2004-05)
रोहित शर्मा	4	529	132.25	3	भारत में द. अफ्रीका (2019-20)
वीवीएस लक्ष्मण	6	503	83.83	1	भारत में ऑस्ट्रेलिया (2000-01)

टीम के लिए मेरी और रहाणे की साझेदारी महत्वपूर्ण : रोहित

जागरण संवाददाता, रांची: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट में दोहरा शतक जड़ने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि टीम के लिए मेरी और रहाणे की साझेदारी महत्वपूर्ण रही। दूसरे दिन (रविवार) का खेल समाप्त होने के बाद रोहित ने कहा कि 39 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद हम दबाव में थे। ऐसे में टीम को एक बड़ी साझेदारी की आवश्यकता थी। हमें खुशी है कि रहाणे के साथ मिलकर मैं टीम को संकट से निकालने में सफल रहा। बल्लेबाजी के समय मेरा ध्यान सिर्फ बल्लेबाजी पर रहता है। मैं रिकॉर्ड के बारे में नहीं सोचता। बल्लेबाजी के क्रम में रिकॉर्ड बन जाते हैं। रोहित ने कहा कि टेस्ट में पारी शुरू करना एक चुनौती है। आप नए गेंद से खेलते हैं जबकि मध्य क्रम में आपको पुरानी गेंद खेलने को मिलती है। मैंने दोनों स्थानों पर बल्लेबाजी की और मेरा प्रयास रहा कि अच्छा प्रदर्शन करूं। मुझे पारी की शुरुआत करना पसंद है। अभी मैं तीन टेस्ट में ही पारी की शुरुआत किया हूं, लेकिन विदेशी धरती पर भी मुझे बेहतर करना है। बतौर सलामी बल्लेबाज दूसरे देशों में बेहतर करने का दबाव बना रहता है। वैसे सच कहूं जब मुझे टेस्ट में पारी की शुरुआत करने के लिए कहा गया था तो मैं दबाव में आ गया था, लेकिन धीरे-धीरे सब ठीक हो गया। मैंने जिस हालात में यहां शतक लगाया उससे मुझे संतुष्टि मिली है।

कहा, टेस्ट में पारी की शुरुआत करना एक चुनौती होती है

> रोहित शर्मा बेहद ही प्रेरित करते हैं और उनकी यह पारी उनके अनुशासन का नतीजा है। उनकी रणनीति ही उन्हें टेस्ट क्रिकेट का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज बनाती है।
> **ग्रीम स्मिथ**, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान

नंबर पांच पर भारत की ओर से सर्वाधिक शतक

खिलाड़ी	100
मुहम्मद अजहरुददीन	16
अजिंक्य रहाणे	08
पॉली उमरीगर	08
सौरव गांगुली	06
वीवीएस लक्ष्मण	06

लिंडे ने कहा, पहले दिन रोहित का कैच छूटना दुर्भाग्यशाली रहा: अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के बायें हाथ के स्पिनर जॉर्ज लिंडे ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम दुर्भाग्यशाली रही कि रोहित शर्मा को आउट करने के मौके को चूक गई। रोहित जब 28 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तब लिंडे की गेंद पर शुक्रवार को जुबैर हमजा ने शॉर्ट लोग पर उनका कैच छोड़ दिया था। लिंडे ने कहा कि ऐसे कैच कई बार हाथ में चिपक जाते है और कई बार नहीं। हमारे लिए यह दुर्भाग्य की बात थी कि यह हमारे पक्ष में नहीं गया और यह रोहित का कैच था। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की।

529 रन अब तक रोहित ने टेस्ट सीरीज में बनाए। इसके लिए उन्होंने चार पारियां ली। कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज इतनी कम पारियों में इतने रन नहीं बना पाया है

03 दोहरे शतक अब तक भारतीय बल्लेबाजों ने इस सीरीज में बनाए। इससे पहले किसी टेस्ट सीरीज में भारतीयों ने अधिकतम दो दोहरे शतक लगाए थे। टेस्ट क्रिकेट में ऐसा अब तक सिर्फ चार बार हुआ है

82* 51*, 102*, 65, 50*, 176, 127, 14, 212 रनों की पारी टेस्ट क्रिकेट में अब तक घर में लगातार खेल चुके हैं रोहित

रोहित ने डॉन ब्रैडमैन का 71 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

रांची: रोहित शर्मा ने घरेलू मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ औसत के मामले में दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन को पछाड़ दिया। रोहित ने ब्रैडमैन के 71 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। ब्रैडमैन की घरेलू मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में औसत 98.22 थी जिसे रोहित ने 99.84 से पीछे छोड़ा। यह कम से कम 10 पारियों के आधार पर है।

1978 में पिछली बार सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की ओर से ओपनर के तौर एक टेस्ट सीरीज में तीन या उससे ज्यादा शतक लगाए थे। रोहित अब ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय ओपनर बने

500 से ज्यादा रन एक टेस्ट सीरीज में बनाने वाले भारत के पांचवें ओपनर बने रोहित। उनसे पहले वीनू मांकड, बुधी कुंदेरन, सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग ने ऐसा किया। गावस्कर ने यह कारनामा पांच बार किया था

310 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर उमेश यादव ने रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान फ्लेमिंग के 281.81 के स्ट्राइक रेट से रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा। फ्लेमिंग ने 15 वर्ष पहले 11 गेंद में 31 रन बनाए थे

पार्थिव पटेल की कप्तानी पारी से क्वार्टर फाइनल में हारी दिल्ली

विजय हजारे ट्रॉफी

गुजरात ने क्वार्टर फाइनल में दिल्ली को छह विकेट से हराया

बेंगलुरु, प्रेट्र: गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद कप्तान पार्थिव पटेल (76) और प्रियांक पांचाल (80) के बीच पहले विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी से गुजरात ने विजय हजारे टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रविवार को यहां दिल्ली को वीजेडी पद्धति से छह विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद दिल्ली की पारी 223 रन पर सिमट गई। मैच के दौरान खराब मौसम के कारण खेल रोकना पड़ा और मैच को 49 ओवर का कर दिया गया। गुजरात को वीजेडी प्रणाली से 49 ओवर में जीत के लिए 225 रन का लक्ष्य मिला लेकिन टीम ने 37.5 ओवर में चार विकेट के नुकसान 225 रन बनाकर जीत दर्ज की।

दिल्ली के कप्तान ध्रुव शौरी (91) शतक बनाने से चूक गए। उन्होंने अपनी पारी में 109 गेंदों का सामना किया जिसमें सात चौके और दो छक्के लगाए। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिला। नीतीश राणा (33), हिम्मत सिंह (26) और ललित यादव (28) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी नहीं बदल सके। गुजरात के लिए चिंतन गाजा और अरजान नगवास्वल्ला ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि पीयूष चावला ने दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। छोटे लक्ष्य का गुजरात ने आकामक अंदाज में पीछा किया। पार्थिव और पांचाल ने 23.1 ओवर में 150 रन की साझेदारी की। पार्थिव इस दौरान ज्यादा आक्रामक रहे, जिन्होंने 60 गेंद की पारी में 10 चौके और एक छक्का जड़ा। पांचाल ने 91 गेंद में आठ चौके और एक छक्का लगाया। इस साझेदारी को मनन शर्मा ने तोड़ा। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए ध्रुव रावल (नाबाद 34) ने एक छोर संभाले रखा। दिल्ली के लिए सिमरनजीत सिंह ने दो विकेट लिए।

गुजरात के कप्तान पार्थिव पटेल। फाइल

पुडुचेरी को हराकर कर्नाटक सेमीफाइनल में

बेंगलुरु, प्रेट्र: सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (90), देवदत्त पड्डीकल (50) और रोहन कदम (नाबाद 50) के अर्धशतकीय पारियों की मदद से कर्नाटक ने रविवार को यहां एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए क्वार्टर फाइनल में पुडुचेरी को आठ विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

कर्नाटक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और पुडुचेरी को नौ विकेट पर 207 रन पर रोक दिया। कर्नाटक ने 41 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। राहुल ने 112 गेंदों पर आठ चौके और एक छक्का, पड्डीकल ने 54 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्का जबकि कदम ने 68 गेंदों पर तीन चौके लगाए। उनके अलावा कप्तान मनीष पांडे ने 12 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 20 रन की पारी खेली।

पुडुचेरी के लिए सागर उदेशी ने दोनों विकेट अपने नाम किए। इससे पहले पुडुचेरी ने नौ विकेट पर 207 रन का स्कोर बनाया। टीम ने एक समय 41 रन तक अपने छह विकेट गंवा दिए थे। लेकिन इसके बाद सागर त्रिवेदी (54) और वी. मृमुथु (58) ने सातवें विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी करके टीम को सम्मानजक स्कोर तक पहुंचाया। मृमुथु ने 98 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के जबकि त्रिवेदी ने 60 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्के लगाए। उनके अलावा फबीद अहमद ने नाबाद 37 और पारस डोगरा ने 15 रनों का योगदान दिया। कर्नाटक की ओर से प्रवीण दुबे ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

गावस्कर-गांगुली को मिल सकती है मानद सदस्यता

क्रिकेट डायरी

नई दिल्ली, आइएएनएस: इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आइसीए) के प्रमुख अशोक मल्होत्रा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के भावी अध्यक्ष सौरव गांगुली और सुनील गावस्कर को आइसीए का हिस्सा बनाना चाहते हैं। एक सूत्र ने पुष्टि की है कि मल्होत्रा न केवल गांगुली और गावस्कर को आइसीए की मानद सदस्यता प्रदान करना बल्कि पूर्व खिलाड़ियों की पेंशन पर भी दोबारा काम करना चाहते हैं।

गांगुली और गावस्कर को सदस्यता देने के मामले में मल्होत्रा ने कहा कि हम गावस्कर और गांगुली दोनों को आइसीए का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करेंगे। खेल के दिग्गजों के बिना आप क्रिकेटर्स एसोसिएशन कैसे हो सकते हैं? अब जब गांगुली अगले बीसीसीआइ अध्यक्ष हैं तो हम चाहते हैं कि उनकी उपस्थिति हो। लेकिन हां, हम हितों के टकराव के मुद्दे से बचने के लिए उन्हें मानद सदस्यता सौंपना चाहेंगे। आइसीए के करीब 1500 सदस्य हैं। मल्होत्रा निर्विरोध चुने गए, लेकिन बीसीसीआइ की सर्वोच्च परिषद में पुरुष आइसीए प्रतिनिधि के रूप में चुने जाने के लिए अंशुमन गायकवाड़ ने कीर्ति आजाद और राकेश धुर्वे को हराया। शांता रंगास्वामी एकमात्र महिला उम्मीदवार थीं और स्वचालित रूप से चुनी गईं। हितेश मजूमदार को सचिव चुना गया और वी. कृष्णमूर्ति को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह पहली बार है कि बीसीसीआइ ने एक खिलाड़ी संघ को मान्यता दी है। लोढ़ा पैनल ने अपने प्रस्तावों में इसकी जोरदार सिफारिश की थी। आइसीए का फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एफआइसीए) से कोई संबंद्ध नहीं है और केवल संन्यास ले चुके भारतीय क्रिकेटरों को ही आइसीए का हिस्सा बनने की अनुमति है। पेंशन पर मल्होत्रा ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रथम श्रेणी स्तर पर खेल चुके पूर्व खिलाड़ी भी पेंशन प्राप्त करने के योग्य हों।

सौरव गांगुली फाइल फोटो, ट्विटर

सरफराज को कप्तानी से हटाए जाने से हैरान मोइन

लाहौर, आइएएनएस: सरफराज अहमद को टी-20 की कप्तानी से हटाए जाने से पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोइन खान हैरान हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को सरफराज को टेस्ट और टी-20 के कप्तान के रूप में हटाए जाने की घोषणा की थी। कप्तानी से हटाए जाने के अलावा सरफराज को ऑस्ट्रेलिया के दौर के लिए भी टीम में शामिल नहीं किया गया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान की टीम तीन टी-20 और दो टेस्ट मैच खेलेगी। मोइन ने कहा कि मिस्बाह और वकार यूनिस को कभी सरफराज पसंद नहीं थे। मैं हैरान हूं कि पीसीबी ने सरफराज को टी-20 की कप्तानी से हटा दिया। उन्होंने पाकिस्तान को अपने नेतृत्व में लगातार 11 टी-20 सीरीज जिताई है और आप उनके खराब प्रदर्शन के कारण हटा नहीं सकते। मैं समझता हूं कि एक व्यक्ति को ज्यादा पावर दे देने से पाकिस्तान क्रिकेट का अच्छा नहीं होगा। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने शनिवार को सरफराज को कप्तानी से हटाए जाने के निर्णय का समर्थन किया था।

हसी ऑस्ट्रेलियाई सहयोगी स्टाफ में शामिल

सिडनी, एएफपी: ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर ने मध्य क्रम के पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी टी-20 सीरीज के लिए मेंटर के रूप में टीम के सहयोगी स्टाफ से जोड़ा है। हसी टीम से जुड़ने वाले तीसरे दिग्गज हैं। इससे पहले वनडे विश्व कप के दौरान रिकी पोंटिंग टीम से जुड़े थे जबकि इंग्लैंड में एशेज सीरीज के दौरान स्टीव वॉ ने टीम की मदद की थी। मिस्टर क्रिकेट का उपनाम पाने वाले हसी ने कहा कि मैं वास्तव में बहुत उत्साहित हूं। मैं ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हूं। ऑस्ट्रेलिया गर्मियों के अपने सत्र के शुरू में श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ तीन-तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगा।

मार्केज ने जापान मोटो ग्रांप्रि पर कब्जा जमाया

उमेश राजपूत, मोटेगी (जापान)

पहले ही विश्व चैंपियनशिप पर कब्जा जमा चुके रेपसोल होंडा टीम के स्पेनिश बाइक रेसर मार्क मार्केज ने रविवार को यहां जापान मोटो ग्रांप्रि रेस भी अपने नाम कर ली। मार्केज का यह इस सत्र का कुल 10वां खिताब है। मार्केज ने इस सत्र में 16 रेसों में हिस्सा लिया है, जिसमें से 15 में वह पोडियम पर जगह बनाने में सफल रहे हैं। मार्केज के अलावा दिन की शुरुआत पोल पोजीशन से करने वाले स्काई रेसिंग टीम वीआर 46 के इटालियन बाइक रेसर लुका मारिनी (40:57.279) ने मोटो टू और होंडा के इटालियन बाइक रेसर लोरेंजो डल्ला पोर्टा (39:34.866) ने मोटो थ्री के खिताबों पर कब्जा जमाया।

मोटेगी में शनिवार की तुलना में रविवार को मौसम काफी अच्छा था। सुबह से ही हल्की-हल्की धूप निकली हुई थी। दिन की आखिरी रेस में 26 साल के मार्केज ने मोटेगी में करियर में पहली बार पोल पोजीशन से शुरुआत की। उन्होंने शानदार तरीके से अपने अभियान को अंजाम दिया और 24 लैप की रेस 42 मिनट 41.492 सेकेंड में अपने नाम की। मार्केज का जापान मोटो ग्रांप्रि में यह तीसरा खिताब है। इससे पहले वह यहां 2016 और 2018 में भी चैंपियन बन चुके हैं, जबकि 2013, 2014 और 2017 में वह यहां दूसरे स्थान पर रहे थे। पहली ग्रिड में ही तीसरी पोजीशन से शुरुआत करने वाले यामाहा एसआरटी के फ्रांसीसी बाइक रेसर फेबियो क्वारतरारो 42 मिनट 42.362 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

उन्होंने मार्केज से 0.870 सेकेंड का ज्यादा समय लिया। तीसरे स्थान पर डुकाटी टीम के एंड्रिया डोविजियोसो (42:42.817) रहे। इटली के इस बाइक रेसर ने फाइनल में तीसरी ग्रिड से शुरुआत की थी। मार्केज ने शुरुआत से ही अपनी बढ़त बनाए रखी, जिसे अंत तक कायम रखा। हालांकि, क्वारतरारो ने उन्हें कड़ी टक्कर दी।

जापान मोटो ग्रांप्रि का खिताब जीतने वाले मार्क मार्केज। जागरण

पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज खेल सकती है श्रीलंकाई टीम

लाहौर, आइएएनएस: श्रीलंकाई टीम आगामी दिसंबर में पाकिस्तान में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेल सकती है। श्रीलंका ने हाल में पाकिस्तान का दौरा किया था, जहां उसने तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेली थी। श्रीलंका क्रि (एसएलसी) ने दिसंबर में पाकिस्तान में टेस्ट मैच खेलने की इच्छा जताई है। ये टेस्ट सीरीज दोनों टीमों के बीच आइसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज कराची और रावलपिंडी में खेले जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका को विश्वास में लेकर इन स्थानों का चयन किया है। दोनों टीमों के बीच अगर यह सीरीज तय कार्यक्रम पर होती है तो पाकिस्तान 10 साल बाद किसी टेस्ट सीरीज की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान ने घर में अपना अंतिम टेस्ट सीरीज 2009 में श्रीलंका के खिलाफ ही खेला था।

कूहू-ध्रुव की जोड़ी ने जीता मिस्त्र में खिताब

नई दिल्ली, आइएएनएस : कुहू गर्ग और ध्रुव रावत की जोड़ी ने मिस्र में इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में मिक्स्ड डबल्स का खिताब अपने नाम कर लिया है। महिला डबल्स में कुहू गर्ग व संयोगिता घोरपड़े की जोड़ी को फाइनल में हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। गैर वरीय कुहू-ध्रुव की जोड़ी ने रविवार को फाइनल में हमवत उत्कर्ष अरोड़ा और करिश्मा वाडकर की जोड़ी को 21-16, 22-20 से हराकर खिताब जीता।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के लिए गए फैसले सवालों के घेरे में हैं। बोर्ड अपनी नीतियों में बदलाव करता है जिसका खामियाजा टीम भुगतती है। – **मोइन खान, पाक के पूर्व कप्तान**

बेलिहु और गेमेचु ने किया अपने-अपने खिताब का बचाव

दिल्ली हाफ मैराथन

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- महिला वर्ग में शुरुआती तीनों स्थान पर इथियोपिया की धावकों ने जमाया कब्जा
- पुरुष वर्ग में भी इथियोपिया ने हासिल किए शुरुआती दोनों स्थान

देश की राजधानी में रविवार को आयोजित 15वीं दिल्ली हाफ मैराथन में पुरुष वर्ग में इथियोपिया के एंडमलेक बेलिहु और महिला वर्ग में सेहाय गेमेचु ने शीर्ष स्थान हासिल करके अपने-अपने खिताब की रक्षा की।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से खेल मंत्री किरन रिजिजू ने अंतरराष्ट्रीय एंबेसडर और दिग्गज महिला धावक कार्मेलिटा जेटर की मौजूदगी में रेस को हरी झंडी दिखाई हां महिला वर्ग में इथियोपिया का दबदबा रहा। महिला वर्ग में शुरुआती तीनों स्थान पर इथियोपिया की धावकों ने अपना कब्जा जमाया। पुरुष वर्ग में दूसरे स्थान पर भी इथियोपिया के धावक रहे जबकि तीसरे स्थान पर केन्या के धावक ने कब्जा जमाया। बेलिहु ने इस बार 59 मिनट 10 सेकेंड में रेस पूरी करते हुए अपना खिताब बचाया। पिछले साल उन्होंने 59.18 सेकेंड के साथ खिताब जीता था। हालांकि वह कोर्स रिकॉर्ड को तोड़ने से चार सेकेंड से चूक गए। कोर्स रिकॉर्ड गुए एडोला के नाम है जिन्होंने 2014 में इसे स्थापित किया था।

रेस के बाद बेलिहु ने कहा कि मैं कोर्स रिकॉर्ड से चार सेकेंड से चूक गया, इससे थोड़ी निराशा है। लेकिन यह रेस मेरे लिए अच्छी रही। मैं जीता इस बात की खुशी है। दूसरे स्थान पर सोलोमन बेरिहु रहे। उन्होंने 59 मिनट 17 सेकेंड का समय लिया। केन्या के किबिवोट कैंडी ने 59 मिनट 33 सेकेंड का समय निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। हालांकि महिलाओं में 21 वर्षीय गेमेचु खिताब बचाने के अलावा कोर्स रिकॉर्ड तोड़ने में भी सफल रहीं। उन्होंने एक घंटा और छह मिनट का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। रेस जीतने के बाद उन्होंने कहा, 'दोहा विश्व चैंपियनशिप में खेलने के बाद मैं काफी थक गई थी। मैंने कोर्स रिकॉर्ड तोड़ा इस बात की मुझे खुशी है। यह मेरा सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन भी है।'

दूसरे स्थान पर गेमेचु की हमवतन येलामजेरे येहुआलाव रहीं जिन्होंने एक घंटा छह मिनट और एक सेकेंड में रेस पूरी की। जिनेबा यिमेर एक घंटा छह मिनट और 57 सेकेंड का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहीं। आइएएएफ की गोल्ड लेवल की इस मैराथन में 40,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। गेमेचु को विजेता के रूप में 27000 डॉलर (करीब 19 लाख रुपये) की इनामी राशि मिली। कोर्स रिकॉर्ड बनाने के लिए उन्हें 10000 डॉलर (करीब सात लाख रुपये) का बोनस भी मिला।

भारतीयों में बुगाथा और सुरिया रहे अव्वल : भारत के श्रीनू बुगाथा ने 2019 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए भारतीय पुरुष धावकों के बीच पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने एक घंटा चार मिनट और 33 सेकेंड के समय के साथ रेस पूरी की। वहीं, सुरेश पटेल ने एक घंटा चार मिनट और 57 सेकेंड के साथ दूसरा और हर्षद महात्रे ने एक घंटा पांच मिनट और 12 सेकेंड का समय निकालकर भारतीयों में तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं भारतीय महिला वर्ग में एल सूरिया ने एक घंटा 12 मिनट और 49 सेकेंड के साथ अव्वल रहीं। वह इस वर्ग में दिल्ली में कोर्स रिकॉर्ड धारी हैं। दूसरे स्थान पर पारुल चौधरी रहीं, जिन्होंने 1.13.55 का समय निकाला जबकि चिंता यादव ने 1.15.28 के समय के साथ भारतीयों में तीसरा स्थान हासिल किया।

नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में एयरटेल दिल्ली हॉफ मैराथन में भारतीय महिला धावक में प्रथम विजेता सूर्या लोगानाथन (बीच में), द्वितीय पारुल चौधरी (बाएं) और तृतीय चिंता यादव (दाएं)। ध्रुव कुमार

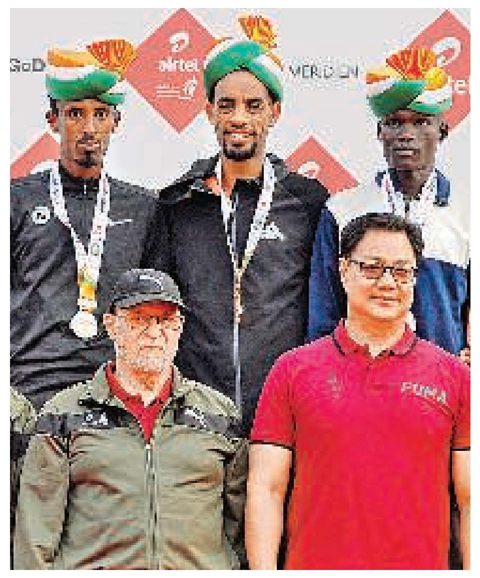

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में एयरटेल दिल्ली हॉफ मैराथन में प्रथम विजेता एंडमलाक बेलिहु (बीच में), द्वितीय सोलोमोन बेरिहू (बाएं) और तृतीय किबिवॉट केंडी (दाएं)। साथ में केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू और दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल। जागरण

रोनाल्डो ने दागा करियर का 701वां गोल, जुवेंटस जीता

फुटबॉल डायरी ▶ सीरी-ए में बोलोग्ना को 2-1 से हराया, अंक तालिका में शीर्ष स्थान को किया और मजूबत

क्रिस्टियानो के अलावा प्जानिक ने भी किया स्कोर

मिलान, एएफपी : इटालियन फुटबॉल लीग सीरी-ए में जुवेंटस ने बोलोग्ना को 2-1 से हराकर अंक तालिका में अपने शीर्ष स्थान को और मजबूत कर लिया। जुवेंटस की ओर से क्रिस्टियानो रोनाल्डो और मिरालेम प्जानिक ने स्कोर किए।

मुकाबले के शुरू होने से पहले रोनाल्डो को अपने करियर में 700 गोल करने की वजह से एक खास जर्सी भेंट की गई। इसके बाद खेल के 19वें मिनट में 34 वर्षीय पुर्तगाली स्टार ने अपने करियर का कुल 701वां गोल करके हुए जुवेंटस को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि ब्राजीलियन डिफेंडर डेनिलो ने 26वें मिनट में गोल करके बोलोग्ना को बराबरी पर ला दिया। हाफ टाइम तक स्कोर बराबर रहा, लेकिन दूसरे हाफ के आठवें मिनट में डेनिलो की गलती का फायदा उठाकर प्जानिक ने जुवेंटस को एक बार फिर एक गोल से आगे कर दिया जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ मौजूदा चैंपियन जुवेंटस अंक तालिका में आठ मुकाबलों में 22 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार है। सीरी-ए के एक अन्य मुकाबले में अटलांटा को लाजियो ने 3-3 की बराबरी पर रोक दिया। इस मुकाबले में अटलांटा एक समय तीन गोल की बढ़त पर था।

रोनाल्डो गोल दागने के बाद खुशी मनाते हुए। एएफपी

बार्सिलोना के कुछ लोग नेमार की वापसी नहीं चाहते : मेसी

बार्सिलोना, आइएएनएस : स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के स्ट्राइकर लियोन मेसी ने आरोप लगाया है कि उनके क्लब के कुछ लोग नेमार की बार्सिलोना में वापसी नहीं चाहते हैं। पिछले ट्रांसफर विंडो में नेमार के उनके मौजूदा फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के छोड़कर बार्सिलोना में वापस आने की खबरें चल रही थीं, लेकिन दोनों क्लबों के बीच करार पर सहमति नहीं बन पाई।

अर्जेंटीना के एक रेडियो को दिए साक्षात्कार में मेसी ने कहा कि हम हमेशा नेमार से बात करते हैं। हमारा नेमार और लुइस के साथ अभी भी एक मैसेजिंग ग्रुप है। नेमार की यहां वापसी मुश्किल है क्योंकि क्लब के कई सदस्य और कुछ लोग उसकी वापसी नहीं चाहते हैं। खेल की दृष्टिकोण से उसकी वापसी शानदार रहेगी, लेकिन दूसरे के नजरिये को भी समझना जरूरी है। मेसी ने बार्सिलोना में अपने बने रहने के सवाल पर कहा कि यह बात सच है कि बार्सिलोना ने मेरे लिए एक आजीवन करार की पेशकश की, लेकिन मैंने उनसे कहा था कि मैं एक ऐसा करार नहीं चाहता जो मुझे अंधा बना दे।

रीयल की हार से शीर्ष पर पहुंचा बार्सिलोना

मैड्रिड, एएफपी : स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रीयल मैड्रिड को मालोर्का के खिलाफ 0-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मौजूदा ला लीगा सत्र में यह रीयल की पहली हार है जिससे एक बार फिर जिनेदिन जिदान के क्लब की परेशानियां लौट आईं। रीयल की इस हार से बार्सिलोना को फायदा पहुंचा और वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। बार्सिलोना ने शनिवार को एक अन्य मुकाबले में ईबर को 3-0 से हराया जहां उसके तीनों सितारे लियोन मेसी, लुइस सुआरेज और एंटोनी ग्रीजमैन ने पहली बार एक साथ स्कोर किए। 2006 में जब रीयल को सैन मोइक्स में पिछली बार शिकस्त मिली थी तब उसकी टीम में जिदान, डेविड बेकहम और रॉबिन्हो जैसे दिग्गज खिलाड़ी खेल रहे थे और 13 साल बाद मालोर्का ने एक बार फिर वहीं कहानी दोहराई। मुकाबले का इकलौता गोल मालोर्का के जूनियर लागो ने पहले हाफ में किया। इस मुकाबले में रीयल की टीम चोटिल लुका मॉड्रिक, गेरेथ बेल और टोनी क्रूज के बगैर उतरी। अंक तालिका में बार्सिलोना 19 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

नडाल ने बचपन की दोस्त सिस्का संग रचाई शादी

- स्विट्जरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी फेडरर नहीं की शादी में शिरकत
- शादी में आने के लिए नडाल के मेहमानों के लिए खास हेलीकॉप्टर मंगवाए गए थे

नई दिल्ली, जेएनएन : स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने मालोर्का के मशहूर ला फोर्टलेजा में अपनी बचपन की दोस्त सिस्का पेरेलो के साथ शनिवार को शादी रचाई।

33 वर्षीय नडाल ने अपनी शादी के लिए वही पैलेस चुना जहां 2016 की मशहूर फिल्म नाइट मैनेजर की शूटिंग हुई थी। इसे स्पेन के सबसे महंगे पैलेस में गिना जाता है। शादी में आने के लिए नडाल के मेहमानों के लिए खास हेलीकॉप्टर मंगवाए गए थे। वेल्स के फुटबॉलर गेरेथ बेल ने भी इसी जगह शादी की थी। इसके अलावा कार्लोस मोया जैसे दिग्गज टेनिस खिलाड़ी भी यहां शादी कर चुके हैं।

स्पेनिश मीडिया के मुताबिक नडाल की शादी में करीब 300 खास मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। इनमें टेनिस जगत की कई मशहूर हस्तियां शामिल हुई जिनमें स्पेन के डेविड फेरर, फेलिसिएनो लोपेज और जुआन कार्लोस शामिल थे। हालांकि खबरों के मुताबिक नडाल के लेवर कप के साथी खिलाड़ी रोजर फेडरर इस शादी में भाग लेने के लिए नहीं पहुंच सके जो अपने घरेलू जमीन पर 21 अक्टूबर से शुरू हो रहे एक टूर्नामेंट की तैयारियों में व्यस्त हैं।

पिछले साल सगाई करने वाले नडाल ने हाल ही में इशारा किया था कि वह जल्दी ही शादी कर सकते हैं। नडाल और पेरेलो पिछले 14 साल से एक साथ रह रहे हैं। उनके तीन बच्चे भी हैं। पेरेलो से नडाल की मुलाकात उनकी छोटी बहन मारिबेल के जरिये हुई थी। पेरेलो और मारिबेल बचपन से ही सहेलियां हैं। नडाल के ज्यादातर मुकाबलों में पेरेलो नजर नहीं आती हैं लेकिन उन्हें अक्सर स्पेन में होने वाले नडाल के मुकाबलों के दौरान देखा जाता है।

अपनी पत्नी के साथ नडाल। (फाइल)

विविध

फिल्मों को पीछे छोड़ आगे बढ़ रहीं वेब सिरीज : अंजन

जागरण संवाददाता, कानपुर

- आइआइटी के अंतराग्नि महोत्सव में आए अभिनेता अंजन श्रीवास्तव
- बोले, थियेटर के प्रति बढ़ रहा रुझान, अभिनय की दुनिया खींच रही

छोटे पर्दे के लोकप्रिय धारावाहिक 'वागले की दुनिया' से दर्शकों के दिलों पर छाने वाले अभिनेता अंजन श्रीवास्तव जल्द ही वेब सिरीज में नजर आएंगे। वह तिग्मांशु धूलिया व एजाज खान की वेब सिरीज में काम कर रहे हैं। आइआइटी के सांस्कृतिक महोत्सव अंतराग्नि में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में बतौर जज की भूमिका में पहुंचे अंजन ने बताया कि जमाना अब वेब सिरीज का है। यह फिल्मों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ रही हैं। ऐसी कई वेब सिरीज हैं जिन्हें दर्शक बार-बार देखना पसंद करते हैं।

उन्होंने बताया कि रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े घटनाक्रम पर वेब सिरीज बनाई जा रही हैं। कई वेब सिरीज ऐसी हैं जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि कहानी की जरूरत के अनुसार सीन होने चाहिए। अभिनय का सफर शुरू करने से लेकर अब तक फिल्मी दुनिया में कई बदलाव हुए हैं। कहानी व किरदार से लेकर सब कुछ बदल गया है। तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है जो समय की मांग भी है। उनकी फिल्म 'लाइफ में टाइम नहीं है किसी को' व 'जंक्शन वाराणसी' अभी रिलीज हुई है। वह जल्द ही आने वाली फिल्म 'शतरंज के मोहरे' में नजर आएंगे।

नुक्कड़ नाटक का अभ्यास खुले स्थान पर करें: दर्शन जरीवाला : 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'लाइफ पार्टनर', 'राजनीति' व 'हमशक्ल' जैसी फिल्मों में अभिनय की छाप छोड़ने वाले दर्शन जरीवाला ने छात्रों को नुक्कड़ नाटक अभ्यास के साथ कहानी चुनने के टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि अभ्यास बंद कमरे में नहीं बल्कि खुले स्थान पर करना चाहिए। ज्वलंत मुद्दों को उठाएं और इस तरह अभिनय करें कि उसकी आवाज जिम्मेदार लोगों तक पहुंचे। नुक्कड़ नाटक में अच्छे अभिनय के साथ ऑडियो जरूरी है। सड़क पर चल रहे कार, स्कूटर व ऑटो की आवाज के बीच आपको अपनी आवाज बुलंद करनी होती है। यहां कई टीमों का प्रदर्शन देख ऐसा लगा मानो वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) दिल्ली जैसे संस्थान से सीखकर आए कलाकार हैं।

पानी और धरती बचाने का संदेश

पंजाब के होशियारपुर के गांव टेरकियाना के नजदीक ब्यास दरिया के किनारे फ्लोटिंग स्टेज लाइट एंड साउंड शो का आयोजन हुआ। इसमें गुरु साहिब के फरमान हवा, पानी और धरती को बचाने के लिए एकजुटता का संदेश दिया गया। रविवार को हुए शो के दौरान संगत ने गुरु साहिब के जीवन और शिक्षाओं के बारे में आधुनिक तकनीक के माध्यम से जानकारी हासिल की। जागरण

हाईवे पार कर रही मादा तेंदुए की वाहन से कुचलकर मौत

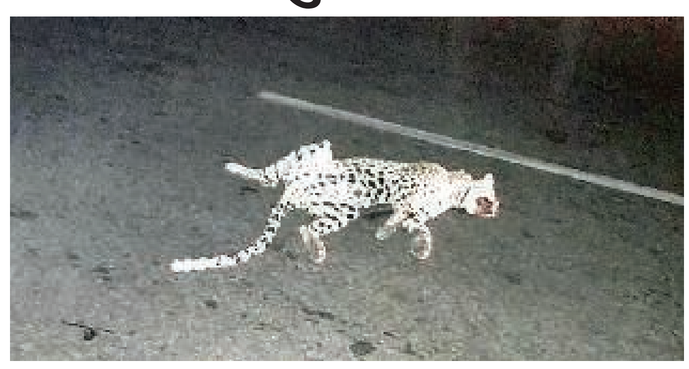

गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर एनएसजी मानेसर के समीप वाहन की चपेट में आकर मादा तेंदुए की मौत हो गई। जागरण

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

- हरियाणा के मानेसर में एनएसजी ट्रेनिंग सेंटर के पास शनिवार देर रात हुआ हादसा

दिल्ली-जयपुर हाईवे को पार कर रहे एक तेंदुए की शनिवार देर रात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक तेंदुआ लगभग डेढ़ साल की मादा थी। तेंदुए का रविवार दोपहर सुल्तानपुर स्थित राष्ट्रीय पक्षी उद्यान में अंतिम संस्कार कर दिया गया। मानेसर इलाके में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) परिसर से ठीक आगे कुछ दूरी तक दोनों तरफ खाली इलाका है। दोनों तरफ अरावली में घनी हरियाली है, जिसमें बहुत से वन्य जीव रहते हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार रात 12 बजे के आसपास मादा तेंदुए के हाईवे पार करने के दौरान हादसा हुआ। लगभग डेढ़ बजे वन्य जीव शाखा के पास सूचना पहुंची। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची।

इलाके में पहले भी हो चुके हैं हादसे : पिछले 10 साल के दौरान मानेसर में कुछ ही दूरी पर हादसों में तीन तेंदुए मारे जा चुके हैं। वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता अनिल गंडास कहते हैं कि सभी को पता है कि मानेसर के नजदीक कई वन्य जीव रहते हैं। इसके बाद भी उनकी सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता।

जितनी जल्दी हो वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर एक विस्तृत योजना बनाई जाए। इस बारे में मंडलीय वन संरक्षक सुभाष यादव का कहना है कि वन्य जीवों को लेकर पर्यावरण कार्यकर्ताओं की चिंता जायज है। इस दिशा में गंभीरता से जल्द ही प्रयास शुरू किया जाएगा।

युवाओं की मदद से पीतल नगरी दोबारा आएगी अस्तित्व में

ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट स्थित हस्तशिल्प मेले में अपने स्टॉल पर पीतल के बने उत्पाद दिखाते मुरादाबाद के निर्यातक नजमूल इस्लाम। राजेश गौतम

चंद्रशेखर वर्मा, ग्रेटर नोएडा

- शहर में काफी कम हो गया है पीतल से जुड़ा कारोबार

मुरादाबाद को पीतल नगरी के नाम से जाना जाता है। शहर में नब्बे के दशक में जहां पांच लाख कारीगर इससे जुड़े हुए थे। यह संख्या अब आधे से भी कम हो चुकी है। इससे जुड़े उद्योग भी काफी कम रह गए हैं। इसकी वजह पीतल के मूल्य में वृद्धि और कारीगरों की कमी है। वहां के उद्यमियों ने भी धीरे-धीरे एल्युमिनियम, शीशे, लकड़ी, लोहे आदि से हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करने शुरू कर दिए है।

आज यह नगरी अपनी असली पहचान को खोती जा रही है। इसको देखते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स (ईपीसीएच) के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षण देकर नई पौध तैयार कर रहा है। यह प्रयास जारी है। आने वाले दस वर्षों में मुरादाबाद अपने अस्तित्व को दोबारा से हासिल कर लेगा। हस्तशिल्प मेले में आए पीतल उत्पादों के निर्यातक नजमूल इस्लाम ने बताया है कि शहर वर्ष 1995 तक पीतल का कारोबार चरम पर था। उस समय पीतल का मूल्य 150 रुपये किलोग्राम था। इसके बाद पीतल के दामों में वृद्धि देखी गई। वाहां पीतल हस्तशिल्प का कारोबार लगभग खत्म होने की कगार पर है। धातू के महंगे होने से निर्यातकों ने अन्य वस्तुओं से हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करने शुरू कर दिए है। इससे जुड़े कारीगरों ने काम धंधे के लिए दिल्ली, मुंबई, गुजरात, नेपाल का रुख करना शुरू कर दिया। इसके कारण कारीगरों की संख्या कम हो गई है। अब केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने ईपीसीएच के माध्यम से युवाओं को पीतल के काम का प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। इसके लिए मुरादाबाद, जयपुर, जोधपुर, सहारनपुर आदि इलाकों में कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पूरी संभावना है कि आने वाले दस वर्षों में मुरादाबाद अपना खोया हुआ स्वरूप दोबारा से पा लेगा और कारीगरों की संख्या में भी वृद्धि होगी।

पांच विदेशी पर्यटकों के कोलकाता छोड़ने पर रोक

जासं, कोलकाता : जोधपुर पार्क के फ्लैट में ब्रिटिश महिला पर्यटक की संदिग्ध अवस्था में हुई मौत के मामले में पुलिस ने पूछताछ पूरी होने तक उसके पांच साथियों के कोलकाता से बाहर जाने पर रोक लगा दी है। उधर, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर नमूने एकत्र किए।

गौरतलब है कि 17 अक्टूबर को ब्रिटिश महिला हेलेन मारिया पांच साथियों के साथ कोलकाता घूमने के लिए आई थीं। सभी लोग जोधपुर पार्क स्थित एक फ्लैट में ठहरे थे। बीते शनिवार रात को उन्हें मुंबई जाना था। लेकिन दोपहर करीब 12 बजे हेलेन की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई थी। लेक थाना पुलिस के साथ ही लालबाजार की विशेष टीम भी जांच में जुट गई थी। रविवार को पुलिस ने पूछताछ पूरी होने तक मृत महिला के पांच साथियों के कोलकाता से बाहर जाने पर रोक लगा दी है।

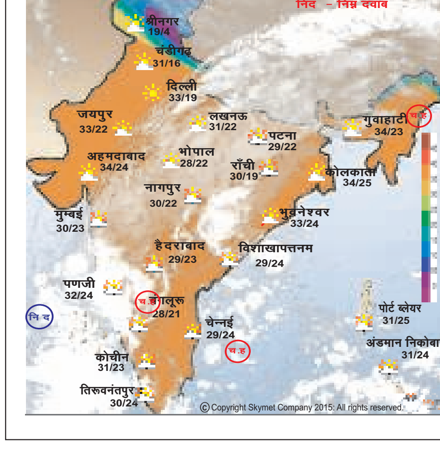

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में सुबह ठण्डी और दिन सहज रहेगा। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में मुख्यतः साफ आसमान के साथ सुहावनी सुबह में धुंध रहेगी। दिन हल्का गर्म रहेगा। दोपहर में हल्की से मध्यम पश्चिमोत्तर हवा चलेंगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	31/23/व	अहमदाबाद	33/21/व
कोलकाता	34/25/आंबा	बड़ौदा	33/21/व
चेन्नई	31/24/व	नागपुर	31/21/व
हैदराबाद	30/23/आंबा	इन्दौर	29/19/आंबा
बंगलूरू	27/21/आंबा	राँची	30/22/व
त्रिवेन्द्रम	30/24/आंबा	पटना	32/24/आंबा
गुवाहाटी	29/23/व	जमशेदपुर	32/23/व
गंगटोक	12/-1/व	पुणे	27/22/आंबा

सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद सरकार का गठन किया

जापान से मिली सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक मदद से 1943 में आज ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार का गठन किया। इस सरकार की अपनी करेंसी, अपनी अदालत और अपनी सिविल कोर्ट थी।

पुलिस स्मृति दिवस मनाने की शुरुआत हुई

आज के दिन को भारत में पुलिस स्मृति दिवस के तौर पर मनाया जाता है। यह दिन 1959 में चीनी सैनिकों द्वारा किए गए हमले में शहीद हुए भारतीय पुलिस कर्मियों को समर्पित है। लद्दाख में हुए इस हमले में दस सीआरपीएफ के जवान शहीद हो गए थे।

हिंदी सिनेमा के एल्विस प्रेस्ली थे शम्मी कपूर

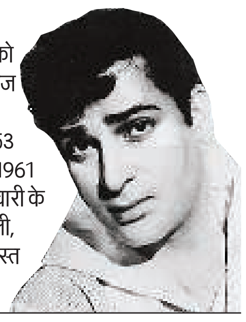

अपनी अदाकारी और बिंदास डांस के जरिये लाखों को दीवाना बनाने वाले शम्मी कपूर का जन्म 1931 में आज ही मुंबई में हुआ था। असली नाम शमशेर राज कपूर था। मशहूर अभिनेता पृथ्वीराज कपूर उनके पिता थे। साल 1953 में शम्मी कपूर ने जीवन ज्योति फिल्म से करियर शुरू किया। 1961 में फिल्म जंगली ने बुलंदियों पर पहुंचाया। 1968 में फिल्म ब्रह्मचारी के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर मिला। कश्मीर की कली, तीसरी मंजिल, अंदाज जैसी कई बेहतरीन फिल्में रहीं। 14 अगस्त 2011 को उनका देहांत हो गया।

इधर-उधर की

हवाई यात्रा के लिए महिला ने पहने ढाई किलो वजनी कपड़े

मनीला, एजेंसी : फिलीपींस की एक महिला ने हवाई यात्रा के दौरान एयरपोर्ट पर लगने वाले अतिरिक्त लगेज शुल्क से बचने के लिए ढाई किलो के कपड़े पहन लिए।

दरअसल, कुछ दिन पहले गेल रॉड्रिगेज मनीला एयरपोर्ट पर उतरी थी। चेक-इन के दौरान जब उनके सामान का वजन किया गया तो वह तय सीमा से दो किलो ज्यादा निकला, जिसके बाद उन्होंने ज्यादा से ज्यादा कपड़े पहनकर अपने लगेज का वजन कम कर लिया। दरअसल, चेक-इन के दौरान स्टाफ ने गेल को बताया कि उसके बैग का वजन नौ किग्रा है, जबकि हवाई यात्रा के दौरान सिर्फ सात किलो वजन ही ले जा सकते हैं। इससे ज्यादा वजन के बदले में अतिरिक्त शुल्क देना पड़ता है। इसके बाद गेल ने बैग से ढेर सारे कपड़े निकालकर उन्हें एक के ऊपर एक पहन लिया। इसके बाद जब बैग का वजन किया गया तो वो 6.5 किग्रा ही निकला। इतने सारे कपड़े पहने गेल की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

स्मार्ट मीटर बताएगा कैसे हो रही है बिजली की खपत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- 5जी तकनीक से लैस है नया मीटर
- आइआइटी दिल्ली के शोधकर्ताओं ने किया है तैयार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के शोधकर्ताओं ने 5जी तकनीक से लैस एक स्मार्ट पॉवर मीटर तैयार किया है। इस मीटर के जरिये उपभोक्ता किस समय कितनी बिजली की खपत कर रहा है और कौन से उपकरण कितनी बिजली खर्च कर रहे हैं इसका डाटा उपभोक्ताओं को मिल सकेगा। इसे देखने के लिए संस्थान के शोधकर्ता एक मोबाइल एप भी तैयार कर रहे हैं। जिसमें उपभोक्ता लॉग इन करके अपनी बिजली खपत के डेटा को देख सकेंगे। आइआइटी दिल्ली की शोधकर्ता शारदा त्रिपाठी, मयुख रॉय चौधुरी और एमटेक के दूसरे वर्ष के छात्र वदूद अहमद खान ने इस स्मार्ट पॉवर मीटर को तैयार किया है।

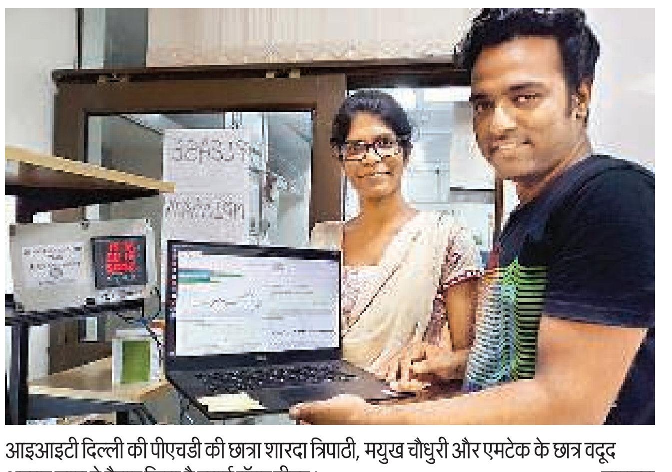

आइआइटी दिल्ली की पीएचडी की छात्रा शारदा त्रिपाठी, मयुख चौधुरी और एमटेक के छात्र वदूद अहमद खान ने तैयार किया है स्मार्ट पॉवर मीटर। जागरण

उपभोक्ता और कंपनी को फायदा : शारदा त्रिपाठी बताती हैं कि इस स्मार्ट मीटर में 5जी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जो डाटा को मेन सर्वर में बहुत तेजी से भेजेगा। उसमें उपभोक्ता और बिजली मुहैया कराने वाली कंपनी दोनों का फायदा है। उपभोक्ताओं को यह जानकारी मिल जाएगी कि दिन में कौन से समय पर वह सबसे कम बिजली की खपत करते हैं। वहीं कंपनियों को यह जानकारी मिल जाएगी कि किस समय पर सबसे कम बिजली की खपत हो रही है, इससे वह बिजली को किसी अन्य जगह पहुंचा सकेंगे।

स्मार्ट सिटी में भी ऐसी प्रणाली पर हो रहा काम : मयुख रॉय चौधुरी ने कहा कि स्मार्ट सिटी में इसी तरह की प्रणाली पर काम किया जा रहा है। इस डिवाइस में 5जी तकनीक की एक किस्म एनबी-आइओटी (नैरोबेंड-इंटरनेट ऑफ थिंग्स) का उपयोग हुआ है। इसका मतलब ये है कि 5जी तकनीक की इस किस्म से बिजली की खपत के डाटा को कई डिवाइसों से जोड़ा जा सकता है और उसे नियंत्रित भी किया जा सकता है। 5जी तकनीक, डाटा के क्षेत्र में सबसे आधुनिक प्रणाली है।

विकसित देशों में हो रहा इस्तेमाल

पीएचडी शोधकर्ता ने बताया कि दुनिया के कुछ विकसित देशों में ऐसे स्मार्ट पॉवर मीटर का उपयोग हो रहा है, जहां पर उपभोक्ता उस समय की बिजली को कंपनी एवं सरकार की निर्धारित एजेंसी को बेच रहे हैं। जिस समय पर वह बिजली को बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। भविष्य में भारत में भी ऐसी ही प्रणाली विकसित होगी।

अमेरिका में गूगल ने ड्रोन से की दवा की पहली डिलीवरी

ड्रोन डिलीवरी सर्विस। फाइल फोटो (एएफपी)

वाशिंगटन, एएफपी : अल्फाबेट (गूगल) की सब्सिडियरी विंग ड्रोन के माध्यम से पैकेज डिलीवरी करने वाली अमेरिका की पहली कंपनी बन गई है। क्रिश्चियनबर्ग में स्थित छोटे वर्जीनिया शहर को इस परीक्षण के लिए चुना गया था।

दो आस्ट्रेलियाई शहरों के साथ-साथ हेलसिंकी में काम करने वाली विंग ने एक बयान में कहा कि पहली ड्रोन संचालित डिलीवरी क्रिश्चियनबर्ग में शुक्रवार दोपहर शुरू हुई। एक परिवार ने विंग एप का प्रयोग करते हुए जहां दवाएं मंगाई, वहीं एक अन्य ने पत्नी के लिए बर्थडे गिफ्ट मंगवाया। हालांकि अधिकांश डिलीवरी फेडेक्स ट्रक द्वारा की गई थी, लेकिन आखिरी की

स्पेक्ट्रम

कुछ डिलीवरी ड्रोन द्वारा की गई। नेस्ट कहे जाने वाले पीले और सफेद रंग के इस ड्रोन में विंग कर्मचारियों ने तीन पाउंड (1.3 किलोग्राम) वजनी सामान पैक किया और सामान को छह मील (10 किलोमीटर) के दायरे में पहुंचाया गया। एक बार गंतव्य पर पहुंचने के बाद यह ड्रोन जमीन पर नहीं उतरे, इसके बजाय घर के ऊपर मंडराते रहे और तार के माध्यम से पैकेज को उतारते रहे। अमेजन, उबर ईट्स और यूपीएस भी इसी तरह की सेवा लांच करने की तैयारी कर रही हैं।

बैक्टीरिया से निपटेगी आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक

मिलेगी मदद ▶ बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता से जूझती दुनिया के लिए नया विकल्प

भोपाल के एम्स ने आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक पर लगाई मुहर

नीलू रंजन, नई दिल्ली

एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बैक्टीरिया व वायरस में बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता से निपटने में आयुर्वेद नया विकल्प साबित हो सकता है। अत्याधुनिक तरीके से तैयार आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक दवाएं न सिर्फ विशिष्ट प्रकार के बैक्टीरिया से निपटने में कारगर हैं, बल्कि उनमें प्रतिरोधी क्षमता भी विकसित नहीं होने दे रहीं। भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अध्ययन में आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक दवा फीफाट्रोल को एक प्रमुख बैक्टीरिया संक्रमण के खिलाफ प्रभावी पाया गया है।

एम्स, भोपाल ने अपने शोध में फीफाट्रोल को स्टैफिलोकोकस प्रजाति के बैक्टीरिया के खिलाफ बेहद प्रभावी पाया है। दरअसल, स्टैफिलोकोकस बैक्टीरिया त्वचा, सांस और पेट संबंधी संक्रमण के लिए जिम्मेदार है। इस प्रजाति के कई बैक्टीरिया सक्रिय हैं,

आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक दवा फीफाट्रोल को भोपाल एम्स ने एक बैक्टीरिया संक्रमण के खिलाफ प्रभावी पाया है। फाइल

जिनमें आरियस, एपिडर्मिस, स्पोफिटिकस शामिल हैं। फीफाट्रोल एंटीबायोटिक को इन तीनों बैक्टीरिया के खिलाफ प्रभावी रूप से कारगर पाया गया है। एक अन्य बैक्टीरिया पी रुजिनोसा के खिलाफ भी यह असरदार है।

शोधकर्ताओं की टीम के प्रमुख और एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. समरन सिंह के अनुसार, 'आमतौर पर आयुर्वेदिक दवाएं प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती हैं, लेकिन फीफाट्रोल के मामले में ऐसा नहीं पाया गया है। यानी बैक्टीरिया में इसके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न होने के संकेत नहीं मिले हैं।' उन्होंने बताया कि नतीजे उत्साहजनक हैं। फीफाट्रोल 13 जड़ी-बूटियों से तैयार एक एंटी माइक्रोबियल सोल्यूशन है जिसमें पांच बूटियों सुदर्शन वटी, संजीवनी वटी, गोदांती भस्म, त्रिभुवन कीर्ति रस तथा मृत्युंजय रस प्रमुख हैं। इसमें तुलसी, कुटकी, चिरायता, मोथा, गिलोय, दारुहल्दी, करंज तथा अपामार्ग जैसी आठ जड़ी-बूटियों के अंश भी मिलाए गए हैं।

एच-1 श्रेणी में डाल दी गई थीं एंटीबायोटिक दवाएं

गौरतलब है कि पूरी दुनिया बैक्टीरिया में एंटीबायोटिक के प्रति बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता को लेकर चिंतित है। एंटीबायोटिक के अंधाधुंध प्रयोग के कारण स्थिति भयावह हो गई है। बैक्टीरिया की प्रतिरोधक क्षमता के कारण एंटीबायोटिक दवा बेअसर हो जाती है और इससे कई मरीजों की मौत तक हो जाती है। इस खतरे से निपटने के लिए भारत ने एंटीबायोटिक दवाओं को नई एच-1 श्रेणी में डाल दिया था। इस श्रेणी की दवाओं की स्ट्रिप (पत्ते) पर लाल लाइन और आरएक्स लिखा अनिवार्य होता है, ताकि सिर्फ डॉक्टर के लिखे जाने पर ही दुकानदार इन्हें बेचें, लेकिन कई

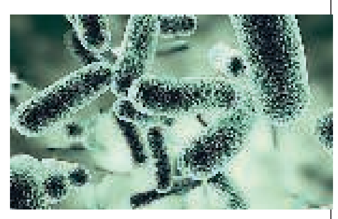

साल बाद भी इसका कड़ाई से पालन नहीं कराया जा सका है। जाहिर है एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता से निपटने में आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक दवा बेहतर विकल्प साबित हो सकती है और पूरी दुनिया को नई राह दिखा सकती है।

लेडी गागा ने संस्कृत श्लोक किया ट्वीट, हुआ वायरल

▶ **पॉप गायिका ने लिखा-लोक: समस्त: सुखिनो भवंतु**

नई दिल्ली, आइएएनएस : अमेरिकी पॉप स्टार लेडी गागा (असली नाम-स्टेफनी जोएन एंजेलीना जर्मनोटा) लॉस वेगास के कांसर्ट में हुए हादसे से धीरे-धीरे उबर रही हैं। वह इस कंसर्ट में ऊंचे मंच से नीचे गिर गई थीं। उन्होंने रविवार को संस्कृत का एक श्लोक ट्वीट करके अपने भारतीय प्रशंसकों को चौंका दिया है। मंत्र 'लोकः समस्तः सुखिनो भवंतु' का ट्वीट सोशल मीडिया में वायरल हो गया है।

लेडी गागा के ट्वीट किए इस संस्कृत मंत्र का अर्थ है-संपूर्ण विश्व प्रेम और सुख के भाव से भर जाए। इस मंत्र के साथ ही उन्होंने इसका अर्थ बताते हुए लिखा-हर जगह मौजूद स्वतंत्र और प्रसन्न हों। पॉप गायिका और सांग राइटर लेडी गागा की इस पोस्ट को ट्विटर यूजर्स ने हाथों हाथ लिया है। उनके कुछ प्रशंसकों ने पूछा कि क्या यह उनके नए म्यूजिक एल्बम के बारे में है। जबकि कुछ प्रशंसकों ने उनका हिंदू धर्म में स्वागत किया। जबकि कुछ प्रशंसकों ने उनके जल्दी ही स्वस्थ हो जाने की कामना की है। एक यूजर ने लिखा बेहद खूबसूरत। जबकि एक अन्य ने पोस्ट किया-स्वस्थ होने की प्रक्रिया में मॉम। वहीं, एक अन्य प्रशंसक ने लिखा कि लेडी गागा का संस्कृत मंत्र का ट्वीट देखकर बहुत अच्छा लगा। यह विश्व में प्रेम और खुशी की भावना का संचार करता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 में बॉर्न दिस वे की गायिका ग्रेटर नोएडा फार्मूला वन की पार्टी में शामिल होने भारत आई थीं। तब उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें भारतीय महिलाओं से किस तरह प्रेरणा मिलती है।

शोध अनुसंधान

समय पर दवाएं लेने में मदद करेगा स्मार्टफोन

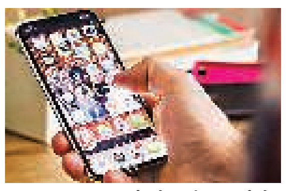

अब तक हुए कई शोध में स्मार्टफोन के ज्यादा इस्तेमाल से सेहत को हो रहे नुकसान की बात सामने आ चुकी है। लेकिन यही स्मार्टफोन दिल के मरीजों के लिए फायदेमंद भी हो सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार स्मार्टफोन का साधारण एप मरीजों को समय पर दवाएं लेने में मदद कर उन्हें समय पूर्व मृत्यु के खतरे से बचा सकता है। आमतौर पर हार्ट अटैक के चार में से एक मरीज अस्पताल से छुट्टी मिलने के 30 दिन के भीतर ही समय पर दवा खाना छोड़ देते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए एक एप का इस्तेमाल किया गया। उस एप में दवा लेने के समय की जानकारी दी गई थी। समय होने पर एक अलार्म के जरिये मरीज को उसका पता चल जाता था। करीब 90 मरीजों पर इसका परीक्षण किया गया। अर्जेंटीना के हृदय संस्थान से जुड़े क्रिस्टीन एम गारमेंडिया ने कहा, 'हमें उम्मीद से अधिक परिणाम देखने का मिला। एप के इस्तेमाल से 65 फीसद मरीज समय पर दवा लेने लगे थे।' (आइएएनएस)

डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है वजन घटाना

वजन नियंत्रित रखना प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। हृदय संबंधी दिक्कतों से जूझ रहे टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए यह जीवनरक्षक भी हो सकता है। दरअसल, डायबिटीज का मुख्य कारण मोटापा भी है। अमेरिका की टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि डायबिटीज के मरीज यदि वजन घटाने के साथ उसे बरकरार रखते हैं तो उनमें हृदय संबंधी दिक्कतों और बीमारियों का खतरा कम ही नहीं बल्कि खत्म भी हो सकता है। टाइप 2 डायबिटीज से ग्रस्त 1,561 मरीजों के डाटा का अध्ययन कर वह इस नतीजे पर पहुंचे हैं। शोध के दौरान सभी प्रतिभागियों के खानपान में सुधार और कसरत के जरिये उनका वजन घटाने में मदद की गई। इस दौरान देखा गया कि जिन मरीजों ने वजन कम किया उनमें दिल की बीमारी का खतरा कम हो गया था। (एएनआइ)

केविच खाने का विश्व रिकार्ड

कुछ नया करने और रिकार्ड बनाने के लिए दुनियाभर में अनूठे और दिलचस्प इवेंट्स आयोजित किए जाते हैं। ऐसा ही एक इवेंट पेरू के कैलाओ स्थित नौसेना बेस में हुआ। इसमें एक हजार नौसैनिकों ने एक साथ 'केविच' पकवान खाकर नया गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया। कैविच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पकवान है, जो दक्षिण अमेरिकी देशों में काफी लोकप्रिय है। एएफपी

ब्रेस्ट कैंसर के प्रति किया जागरूक, बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

मेक्सिको के जैलिस्को राज्य के ग्वाडलजारा शहर में ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए गुलाबी रंग के कपड़े पहनकर लोगों ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया। इस दौरान चार किलोमीटर लंबी रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए पिंक रिबन एक प्रतीक माना जाता है। प्रति वर्ष दुनिया में ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए अंतराष्ट्रीय दिवस भी मनाया जाता है। एएफपी

स्क्रीन शॉट

विषय का चुनाव करना मुश्किल काम : अभिषेक पाठक

सात सवाल

'दृश्यम', 'प्यार का पंचनामा', 'प्यार का पंचनामा 2', 'सेक्शन 375' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके अभिषेक पाठक अब पहली बार निर्देशन कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'उजड़ा चमन' 8 नवंबर को रिलीज होगी। उनसे बातचीत...

'उजड़ा चमन' से ठीक एक दिन पहले बाल झड़ने की ही समस्या पर बनी फिल्म 'बाला' भी रिलीज हो रही है...?

- हम उसी दिन अपनी फिल्म रिलीज कर रहे हैं, जिस दिन हमने तय किया था। 'बाला' पहले 22 नवंबर को आने वाली थी। फिर 15 नवंबर को और ट्रेलर में पता चला कि 7 नवंबर को रिलीज होगी। पता नहीं 'बाला' के निर्माता फिल्म को एक दिन पहले रिलीज करके क्या साबित करना चाहते हैं।

एक ही दिन पर एक ही विषय पर बनी दो फिल्में रिलीज होने से क्या फिल्म की कमाई पर असर पड़ सकता है?

- जब विषय एक ही होता है, तो दर्शक किसी एक फिल्म का चयन कर सकते हैं। 'बाला' में आयुष्मान खुराना हैं, तो यह फिल्म मेरी फिल्म पर थोड़ी भारी पड़ सकती है। 'उजड़ा चमन' कन्नड़ फिल्म की हिंदी रीमेक है। जिसके आधिकारिक राइट्स हमारे पास हैं।

नई कहानी के बदले रीमेक करने की क्या वजह रही?

- हमने नई कहानियों पर कई फिल्में बनाई हैं। 'प्यार का पंचनामा' हो या 'सेक्शन 375', हमारी फिल्मों का विषय हमेशा से अलग रहा है। हमने 'अलोन', 'दृश्यम' और 'उजड़ा चमन' तीन रीमेक फिल्में बनाई हैं। 'उजड़ा चमन' के मूल फिल्म के निर्माता पवन कुमार ने मेरे पिता कुमार मंगत को फिल्म का ट्रेलर दिखाया था। पापा को यह फिल्म बहुत पसंद आई थी, तब हमने इसे रीमेक करने का फैसला किया। फिल्म की कहानी में कोई बदलाव नहीं है, लेकिन संवाद, संरचना और निर्माण के तरीके में थोड़ा बहुत बदलाव हुआ है।

फिल्म में सनी सिंह को लेने की क्या वजह रही?

- मैंने सनी के साथ 'आकाशवाणी' और 'प्यार का पंचनामा 2' में काम किया था। उन्हें बचपन से जानता हूं। सनी के पिता जय सिंह और मेरे पिता पहले से ही एक-दूसरे को जानते हैं। मुझे सनी के व्यक्तित्व में चमन के किरदार की झलक दिखी। जब किसी अभिनेता पर उसकी पिछली फिल्मों का बोझ नहीं होता है, तो दर्शक उन्हें नई कहानियों में पसंद करते हैं।

आप युवा निर्देशक हैं। पारंपरिक कहानियों की बजाय नई और अलग कहानियां चुनने के पीछे क्या कारण है?

- मैंने 21 साल उम्र में फिल्म 'ओमकारा' से निर्माण का काम शुरू किया था। तब से मुझे इस तरह की कहानियों में यकीन था। फिर मैंने एक शॉर्ट फिल्म 'बूंद' बनाई थी। फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। मैं हमेशा से ही कुछ नया करना चाहता था। पारंपरिक चीजें करने के लिए और भी लोग हैं।

आप फिल्म के निर्माता और निर्देशक हैं। आपके लिए कौन-सा काम ज्यादा कठिन रहा?

- मेरे लिए दोनों ही काम चुनौतीपूर्ण हैं। मैं पहली बार फीचर फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं। बतौर निर्माता मेरे लिए विषय का चुनाव करना सबसे मुश्किल काम होता है। 'सेक्शन 375' के विषय का चुनाव करना मेरे लिए सबसे कठिन था। क्योंकि इस फिल्म के बारे में जो भी सुनता, यही कहता कि यह क्या बना रहे हो। मेरा अपना नजरिया था, जिसे मुझे लोगों तक पहुंचाना था।

आपके पिता भी निर्माता हैं। आपके और उनके काम के तरीके में कितना अंतर है?

- वह बिजनेसमैन हैं। फिल्म का क्रिएटिव हिस्सा मेरे हाथ में होता है। निर्माण, डिस्ट्रीब्यूशन, मार्केटिंग और फाइनेंस पापा संभालते हैं। हम दोनों एक-दूसरे के काम में दखल नहीं देते। मैं फिल्मों का चुनाव करता हूं, बाकी वह संभालते हैं।

- **प्रियंका सिंह**

देसी 'जोकर' बनना चाहते हैं आयुष्मान

अब तक ज्यादातर ऑफबीट फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदारों में नजर आ चुके अभिनेता आयुष्मान खुराना किसी नकारात्मक भूमिका को भी अपने अभिनय के जरिए रुपहले पर्दे पर जीवंत करने की ख्वाहिश रखते हैं। आयुष्मान के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। उन्होंने 'विकी डोनर', 'अंधाधुन', 'बधाई हो' और हालिया रिलीज 'ड्रीम गर्ल' जैसी लीक से हटकर फिल्में करते हुए अपनी खास पहचान बनाई है। जल्द ही वह 'बाला' जैसी सोशल कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें एक कम उम्र में गंजे होते व्यक्ति की मनोव्यथा को दर्शाया गया है। अब आयुष्मान की तमन्ना है कि वह रुपहले पर्दे पर किसी डार्क कैरेक्टर को भी निभाते नजर आएं। आयुष्मान कहते हैं- 'दर्शकों ने अब तक मेरे अभिनय का यह पहलू नहीं देखा है। मुझे भी कोई नकारात्मक किरदार निभाने में मजा आएगा, जैसे कि 'जोकर' का देसी संस्करण। हाल ही में रिलीज हुई इस विदेशी फिल्म का किरदार मुझे बहुत अच्छा लगा। वह हमारे व्यक्तित्व के उस पहलू को दिखाता है, जो हम सबके भीतर तो होता है, लेकिन हम इसे स्वीकार नहीं कर पाते। इस किरदार की कई परतें हैं। हालांकि 'जोकर' का देसी संस्करण बनाने के लिए हमें ऐसा पटकथाकार और निर्देशक भी चाहिए, जिनके पास ऐसा ही विजन हो।' बहरहाल, आयुष्मान अभिनेता होने के साथ-साथ कवि भी हैं। उनकी तमन्ना है कि उनकी लिखी कविताओं को किताब की शक्ल में प्रकाशित कराया जाए। लेकिन फिल्मों में व्यस्तता के चलते उनकी यह चाहत फिलहाल नेपथ्य में चली गई है। आयुष्मान ने कहा- 'पिछले दिनों जब मुझे 'अंधाधुन' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, तब मैंने एक कविता लिखी थी। हालांकि मैं आत्ममुग्ध इंसान नहीं, जो सिर्फ अपने बारे में लिखना चाहे। मैं प्यार के अलग-अलग रूप, जीवन की छोटी-छोटी खुशियों और देश के समक्ष मौजूद समस्याओं समेत तमाम विषयों पर लिखना चाहता हूं। लेकिन मुझे ऐसी कविताएं लिखने के लिए समय और वैसी मनःस्थिति भी चाहिए।'

अध्ययन

नींद के दौरान हिप्पोकैंपस में बनती हैं नई स्मृतियां और संजोयी जाती हैं पुरानी यादें, साइंस नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है यह अध्ययन

विशेष तरंगों से शरीर पर नियंत्रण रखता है मस्तिष्क

- आराम के दौरान स्वत: सक्रिय हो जाता है हिप्पोकैंपस क्षेत्र
- इस क्षेत्र में नर्व कोशिकाएं भी बनती हैं, जो मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को तेज करती हैं

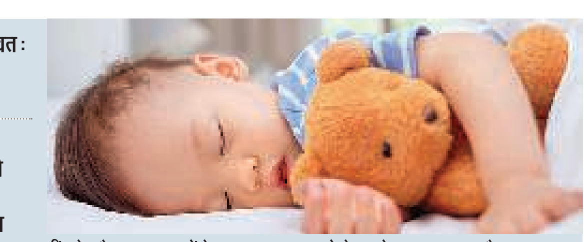

नींद के दौरान सूचनाओं के आदान-प्रदान को डेल्टा वेव्स कहा जाता है। फाइल

पेरिस, प्रेट्र : जब हम सो जाते हैं तो हमारा मस्तिष्क जागृत रहता है और विशेष तरंगों के जरिये पूरे शरीर की गतिविधियों पर नियंत्रण रखता है। इस दौरान मस्तिष्क का मुख्य भाग (हिप्पोकैंपस) स्मृतियों के गठन में आवश्यकीय भूमिका निभाता है। एक नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है।

साइंस नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि जब इंसान आराम करता है, तो मस्तिष्क का हिप्पोकैंपस क्षेत्र स्वतः ही सक्रिय हो जाता है। हिप्पोकैंपस मस्तिष्क का वह क्षेत्र है, जो नई यादों को बनाता है और पुरानी यादों को संजोता है। इस क्षेत्र में ज्यादातर नर्व कोशिकाएं बनती हैं, जिससे दिमाग भी तेज होता है। फ्रांस के एक राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान (सीएनआरएस) के शोधकर्ताओं के अनुसार, नींद के दौरान हिप्पोकैंपस कोर्टेक्स को सूचना भेजता है, जो बदले में प्रतिक्रिया भी देता है। अध्ययन में कहा गया है कि आराम के दौरान सूचनाओं के आदान-प्रदान के इस तरीके को डेल्टा वेव्स कहा जाता है। जब यह प्रक्रिया बार-बार दोहराई जाती है तो उसे 'स्लीप स्पाइंडल' कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि कोर्टेक्स सर्किट में स्थिर यादों का पुनर्गठन होता है। हालांकि, नई यादों के निर्माण में डेल्टा वेव्स की भूमिका अब भी एक पहेली बनी हुई है। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि डेल्टा वेव्स की प्रक्रिया के दौरान पूरा मस्तिष्क शांत नहीं रहता, इसमें न्यूरॉन्स की गतिविधयां सुचारु रहती हैं, जो धीरे-धीरे एक झुंड के रूप में कॉर्टेक्स से टकराती रहती हैं। इससे सूचनाओं का आदान-प्रदान जारी रहता है।

ह्वाइट मैटर फाइबर्स का लगाया था पता : इससे पहले एक दूसरे अध्ययन में शोधकर्ताओं ने मस्तिष्क में ऐसे ह्वाइट मैटर फाइबर्स का पता लगाया है, जो मस्तिष्क के मध्य भाग सुपीरियर कैलकुस को मस्तिष्क के बाहरी आवरण समेत उसके अन्य हिस्सों से जोड़ते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया था कि सुपीरियर कैलकुस ध्यान प्रक्रिया में शामिल सेरेब्रल कॉर्टेक्स के एक हिस्से पैराइटल कॉर्टेक्स से जुड़ा होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुपीरियर कैलकुस-कोर्टेक्स की कनेक्टिविटी लोगों में ध्यान केंद्रित होने और उसके भटकाव को प्रभावित कर सकती है।

सुपीरियर कैलकुस का किया आंकलन : इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने ध्यान केंद्रित करने वाले कार्यों के दौरान प्रतिभागियों में सुपीरियर कैलकुस की स्थिति का आकलन किया था। शोधकर्ताओं ने बताया कि इसके लिए उन्होंने डिफ्यूजन रिजोनेंस इमेजिंग और थ्रीडी मॉडलिंग तकनीक ट्रैक्टोग्राफी का उपयोग किया था। शोधकर्ताओं ने कहा, 'मस्तिष्क में लगातार सूचनाएं प्रवाहित होती रहती हैं। ध्यान मस्तिष्क से जुड़ी एक ऐसी प्रक्रिया है जो प्रासंगिक सूचनाओं को अलग-अलग करती है और किसी तरह के भटकाव से बचाने में मदद करती है।'